THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 53 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.7 2080 शुक्रवार, 12 मई 2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मुख्यमंत्री शिंदे की कुर्सी बची

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-उद्धव इस्तीफा न देते तो सरकार बहाल हो सकती थी, बागी विधायकों पर फैसला स्पीकर करें

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में करीब सालभर पहले हुए सियासी उठापटक पर गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुना दिया। फैसले की सबसे बड़ी बात ये है कि एकनाथ शिंदे मुख्यमंत्री बने रहेंगे। लेकिन उनकी ये जीत उद्धव ठाकरे द्वारा जल्दबाजी में दिए गए इस्तीफे की वजह से हुई है।

कोर्ट ने कहा कि "उद्धव ठाकरे ने फ्लोर टेस्ट का सामना ही नहीं किया। खुद ही इस्तीफा दे दिया। ऐसे में अदालत इस्तीफा रद्द नहीं कर सकती है। हम पुरानी सरकार बहाल नहीं कर सकते हैं।

फैसले के बाद पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा- "मैं गद्दार लोगों के साथ सरकार कैसे चलाता। शिंदे सरकार में नैतिकता नहीं है, नहीं तो वो आज इस्तीफा दे देती।' इस पर डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने कहा कि उद्धव ने नैतिकता नहीं बल्कि हार की डर के चलते इस्तीफा दिया था। मुख्यमंत्री बनने के लिए कांग्रेस और एनसीपी के साथ गए थे।

बता दें कि जून- 2022 में एकनाथ शिंदे गुट की बगावत के बाद महाराष्ट्र विकास अघाड़ी गठबंधन सरकार गिर गई थी। 30 जून को शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। इस मामले में दोनों गुटों की तरफ से 6 याचिकाएं दायर की गई थीं। बता दें 28 जून को राज्यपाल कोश्यारी ने फ्लोर टेस्ट बुलाया। उद्धव इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गए पर सुप्रीम कोर्ट ने रोक से इनकार कर दिया। 29 जून को उद्धव ने इस्तीफा दे दिया।

एकनाथ शिंदे और उनकी सरकार पर

सुप्रीम कोर्ट : शिंदे और 15 विधायकों को अयोग्य ठहराए जाने का फैसला स्पीकर उचित समय के भीतर करें। यानी एकनाथ शिंदे को अभी इस्तीफा नहीं देना पड़ेगा और वो मुख्यमंत्री बने रहेंगे।

ज्ञातव्य है कि 25 जून 2022 को महाराष्ट्र के डिप्टी स्पीकर नरहरि जिरवाल ने शिंदे समेत 16 बागी विधायकों को अयोग्य करार दे दिया था। इसके खिलाफ शिंदे गुट सुप्रीम कोर्ट गया, डिप्टी स्पीकर को नोटिस भेजा गया।

सुप्रीम कोर्ट: शिंदे गुट के भगत गोगावले को शिवसेना का व्हिप नियुक्त करने का स्पीकर का फैसला कानूनन गलत था। स्पीकर ने यह पहचानने की कोशिश नहीं की कि पार्टी की ओर से सुनील प्रभु (उद्धव गुट) आधिकारिक व्हिप हैं या फिर भरत। स्पीकर को उसे ही व्हिप मानना था, जिसे शिवसेना ने नियुक्त किया था।

क्या हुआ था : विधानसभा अध्यक्ष राहुल नार्वेकर ने ठाकरे गुट के सुनील प्रभु को हटाकर शिंदे खेमे के भरत गोगावले को शिवसेना का चीफ व्हिप जारी किया था। फिर गोगावले ने 4 जुलाई को सभी विधायकों को फ्लोर टेस्ट में शामिल रहने का व्हिप जारी किया था।

सुप्रीम कोर्ट ने किस पर क्या कहा

सुप्रीम कोर्ट : उद्धव ठाकरे की महाराष्ट्र विकास अघाड़ी सरकार बहाल नहीं की जा सकती है, क्योंकि उद्धव ठाकरे ने विधानसभा में फ्लोर टेस्ट का सामना नहीं किया। उन्होंने उससे पहले ही इस्तीफा दे दिया। ऐसे में तत्कालीन राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का फैसला भी न्यायोचित है, क्योंकि उन्होंने एकनाथ शिंदे को सरकार बनाने के लिए बुलाया। शिंदे को विधानसभा में सबसे बड़ी पार्टी भाजपा का समर्थन था।

राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी और फ्लोर टेस्ट बुलाने पर

सुप्रीम कोर्ट : राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी का उद्धव को फ्लोर टेस्ट के लिए बुलाना सही नहीं था। राज्यपाल ने शिवसेना के उन विधायकों के गुट की बात पर भरोसा करके गलती की, जिन्होंने कहा था कि उद्धव के पास विधायकों का समर्थन नहीं है। क्या हुआ था: कोश्यारी ने 28 जून को उद्धव ठाकरे से फ्लोर टेस्ट में बहुमत साबित करने को कहा था।

नबाम रेबिया केस

सुप्रीम कोर्ट : स्पीकर के विधायकों को अयोग्य करार देने के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान नबाम रेबिया केस का उदाहरण दिया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि 5 जजों की बेंच ने रेबिया केस का फैसला दिया था। इस फैसले को 7 जजों की बड़ी बेंच के सामने विचार के लिए भेज रहे हैं।

क्या हुआ था : 2016 में अरुणाचल प्रदेश में सीएम नबाम तुकी को हटाने के लिए कांग्रेस पार्टी के 27 विधायक बागी हो गए। विधानसभा अध्यक्ष नबाम रेबिया इन्हें अयोग्य घोषित ठहराने वाले थे। इस बीच राज्यपाल राजखोआ ने रेबिया को हटाने का आदेश दिया। इसके बाद रेबिया सुप्रीम कोर्ट पहुंचे। कोर्ट ने राष्ट्रपति शासन हटा दिया। कहा था कि सीएम की सिफारिश बिना राज्यपाल सत्र नहीं बुला सकता। पर अदालत ने रेबिया की वो याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने सरकार बहाल करने की अपील की थी।

23 अगस्त, 2022 को, तत्कालीन सीजेआई एनवी रमना की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों वाली बेंच ने दोनों गुटों की याचिकाओं पर कानून से जुड़े कई प्रश्न तैयार किए थे और केस को पांच जजों की बेंच को रेफर कर दिया था। >14

इमरान खान रिहा

> सुप्रीम कोर्ट ने कहा-गिरफ्तारी गैरकानूनी

> सरकार बोली-लाड़ले की गिरफ्तारी से एससी परेशान

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। अल कादिर ट्रस्ट घोटाले में गिरफ्तार पूर्व पाकिस्तानी पीएम इमरान खान को सुप्रीम कोर्ट ने रिहा करने का आदेश दिया है। चीफ जस्टिस की अगुआई वाली तीन जजों की बेंच ने खान की गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) से कहा-इमरान को रिहा करें। इसके पहले, खान की पार्टी पीटीआई ने गिरफ्तारी को गैरकानूनी बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में पिटीशन दायर की थी। दूसरी तरफ, सरकार की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने कहा- लाड़ले की गिरफ्तारी से इंसाफ देने वाले परेशान हैं। उधर, सरकार की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने कहा-सुप्रीम कोर्ट एक दहशतगर्द को शह दे रहा है। 9 तारीख को इमरान की गिरफ्तारी के बाद एक साजिश के तहत हिंसा फैलाई गई। फौज पर हमले किए गए। इस्लामाबाद हाईकोर्ट और खुद नेशनल अकाउंटेबिलिटी की अदालत कह चुकी है कि गिरफ्तारी कानूनी तरीके से की गई। ऐसे में सिर्फ 48 घंटे में सुप्रीम कोर्ट के पेट में दर्द उठना समझ से बाहर है। मरियम ने आगे कहा-आपके लाड़ले ने जितना नुकसान एक दिन में किया है। उनता तो भारत 75 साल में नहीं कर सका। सुप्रीम कोर्ट ने इमरान के 60 अरब रुपए के घोटाले पर सवाल क्यों नहीं किए। इस आदमी की वजह से दो दिन में पूरा मुल्क जल गया। इसके पहले उसने पुलिस और रेंजर्स पर हमले कराए। सुप्रीम कोर्ट तब क्यों चुप रहा।

इमरान की पार्टी के कई नेता गिरफ्तार

वहीं पाकिस्तान में बढ़ती हिंसा के बीच सिंध प्रांत को छोड़कर पंजाब, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में आर्मी तैनात कर दी गई है। हिंसा भड़काने के आरोप में पीटीआई लीडर फवाद चौधरी को देर रात और शाह महमूद कुरैशी को गुरुवार सुबह अरेस्ट कर लिया गया। >14

इसरो ने सेमी-क्रायोजेनिक इंजन का सफलतापूर्वक किया परीक्षण

बेंगलुरु, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने सेमी-क्रायोजेनिक इंजनों का सफलतापूर्वक परीक्षण शुरू कर दिया है जो भविष्य में सैटेलाइट के लॉन्चिंग में शक्ति प्रदान करेगा। यह परीक्षण 2000 केएन (किलोन्यूटन) के मध्यवर्ती विन्यास पर पहला एकीकृत परीक्षण है। राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी के बेंगलुरु मुख्यालय ने बुधवार को बताया कि तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्पलेक्स में नव-स्थापित अर्ध-क्रायोजेनिक एकीकृत इंजन और स्टेज टेस्ट सुविधा में किया गया सेमी-क्रायोजेनिक इंजन सफल रहा। यह परीक्षण 2000 किलोन्यूटन के प्रणोद इंजन विकसित करने की दिशा में एक कदम है, जो भविष्य के लॉन्च वाहनों के लिए तरल ऑक्सीजन (एलओएक्स)-केरोसीन प्रणोदक संयोजन पर काम कर रहा है। मध्यवर्ती विन्यास को पावर हेड टेस्ट आर्टिकल के रूप में नामित किया गया है, इसमें थ्रस्ट चैंबर को छोड़कर सभी इंजन सिस्टम शामिल हैं। यह परीक्षण कम दबाव और उच्च दबाव वाले टर्बो-पंप, गैस जनरेटर और नियंत्रण घटकों सहित प्रणोदक फीड प्रणाली के डिजाइन को मान्य करने के लिए नियोजित परीक्षणों की श्रृंखला में से पहला परीक्षण था।

काम रोकने वाले अधिकारियों पर गिरेगी गाज!

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी और एलजी वीके सक्सेना के बीच पावर की लड़ाई पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ चुका है। शीर्ष अदालत का फैसला केजरीवाल सरकार के पक्ष में गया है। इससे आप नेताओं में खुशी का माहौल है। सीएम केजरीवाल ने भी इस फैसले को ऐतिहासिक और जनतंत्र की जीत बताया है। उन्होंने इसके बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की और कहा कि यह जनता के साथ न्याय है। अब हम 10 गुना तेजी से काम करेंगे। उन्होंने इसके साथ काम रोकने वाले कर्मचारियों को भी देख लेने की बात कही है।

मीडिया से बात करते हुए केजरीवाल ने कहा कि आज सुप्रीम कोर्ट का जो आदेश आया है वो दिल्ली की जनता के सहयोग का नतीजा है। अब हमें दिल्ली के लोगों को रिस्पॉन्सिव प्रशासन देना है। अगले कुछ दिनों में दिल्ली में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल होगा। कुछ अधिकारी ऐसे हैं जिन्होंने पिछले डेढ़ साल में जनता के काम रोके, ऐसे कर्मचारियों को चिह्नित किया जाएगा और उन्हें अपने कर्मों का फल भुगतना पड़ेगा।

अब जिम्मेदारी भी है शक्ति भी है

सीएम केजरीवाल ने एलजी और केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि अफसरों के जरिए हर विभाग का गला घोंटने का प्रयास किया गया है। उन्होंने आगे कहा कि पहले जिम्मेदारी थी तो शक्ति नहीं थी लेकिन अब जिम्मेदारी भी है और शक्ति भी है। केजरीवाल ने

पक्ष में आया फैसला तो केजरीवाल ने दे दी चेतावनी

आगे कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों को पद से हटाया जाएगा। उन्होंने कहा कि अभी हमारे पास विजिलेंस आ गया है। लेकिन एंटी करप्शन ब्यूरो यानी एसीबी नहीं है।

पीएम मोदी का क्यों किया जिक्र

केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जैसे ही हमारी सरकार बनी प्रधानमंत्री ने केंद्र सरकार से एक आदेश पारित कराया। दिल्ली में काम करने वाले सभी अधिकारियों के ट्रांसफर और नौकरी से संबंधित सभी फैसले दिल्ली सरकार के पास नहीं रहेंगे। यानी अगर कोई रिश्वत ले रहा है तो हम उन्हें निलंबित भी नहीं कर सकते। इस आदेश का इस्तेमाल करके दिल्ली में कामों को जबरदस्ती रोका गया।

पायलट की जनसंघर्ष यात्रा शुरू पोस्टर पर राहुल-प्रियंका नहीं

सचिन बोले-पेपर लीक कांड के आरोपी कटारा के मकान पर बुलडोजर क्यों नहीं चला?

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट एक महीने में दूसरी बार अपनी ही सरकार के खिलाफ मैदान में उतरे हैं। उनकी जनसंघर्ष यात्रा अजमेर से जयपुर चल पड़ी है।

वह पेपर लीक मुद्दे और करप्शन के खिलाफ पांच दिन की पदयात्रा निकाल रहे हैं। अजमेर में जनसभा में उन्होंने कहा कि पिछली सरकार में करप्शन के मुद्दे पर वसुंधरा राजे को हमने ललकारा था, उसके बाद कांग्रेस सत्ता में आई। सचिन आज सुबह ट्रेन से अजमेर पहुंचे थे। रेलवे स्टेशन पर उन्होंने कहा कि ये जनसंघर्ष यात्रा जनता के बीच जाने और उनकी बात सुनने की यात्रा है। पायलट की जनसंघर्ष यात्रा के पोस्टर में राहुल गांधी, प्रियंका वाड्रा के फोटो नहीं हैं। पोस्टर में सिर्फ सोनिया गांधी का फोटो है। जनसभा में पायलट ने कहा कि राजस्थान पब्लिक सर्विस कमीशन में पेपर लीक हुए। नौजवानों के भविष्य से खिलवाड़ किया गया। पहली बार कोई कमीशन का मेंबर गिरफ्तार हुआ है, लेकिन इसके तार और कहीं तक जुड़े हुए हैं? मैंने जब इस पर सवाल उठाया तो कहा गया कोई नेता, अफसर शामिल नहीं है।

रंजन गोगोई के खिलाफ 1 करोड़ की मानहानि का मुकदमा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सामाजिक कार्यकर्ता और असम स्थित एक एनजीओ के पदाधिकारी ने भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ मानहानि का मामला दायर किया गया है। मामले में दावा किया गया है कि उनकी आत्मकथा में नागरिकों के राष्ट्रीय रजिस्टर (एनआरसी) के संदर्भ में कुछ गलत बातें कही गई है। अभिजीत शर्मा ने पूर्व मुख्य न्यायाधीश रंजन गोगोई के खिलाफ मामला दायर किया है।

याचिकाकर्ता अभिजीत शर्मा ने कामरूप (मेट्रो) जिले और गुवाहाटी में सिविल कोर्ट में गोगोई के खिलाफ एक करोड़ रुपये का मानहानि मुकदमा दायर किया है। इसके साथ ही उन्होंने पूर्व सीजेआई की आत्मकथा 'जस्टिस फॉर द जज' पर भी प्रतिबंध लगाने की मांग की है।

पीएम मोदी ने 5800 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बृहस्पतिवार को प्रगति मैदान में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस 2023 के मौके पर आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस दौरान विज्ञान और प्रौद्योगिकी से संबंधित 5,800 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल सशक्तिकरण के स्रोत के रूप में और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए किया है। चाहे जनधन, आधार और मोबाइल की तिकड़ी हो कोविन पोर्टल हो या किसानों के लिए डिजिटल बाजार हो उनकी सरकार ने प्रौद्योगिकी को "समावेश के एजेंट' के तौर पर इस्तेमाल किया है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से बुधवार को जारी बयान के मुताबिक, इस आयोजन से राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के 25वें वर्ष के उत्सव की शुरुआत होगी। उत्सव समारोह 14 मई तक आयोजित किया जाएगा।

पीएमओ के मुताबिक देश में वैज्ञानिक संस्थानों को मजबूत करना प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप है। इस दौरान जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी गई, उनमें इंटरफेरोमीटर ग्रैविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी-इंडिया (एलआईजीओ-इंडिया), होमी भाभा कैंसर अस्पताल और अनुसंधान केंद्र, जतनी, ओडिशा और टाटा मेमोरियल अस्पताल के मुंबई का प्लैटिनम जुबली ब्लॉक शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री हाल के दिनों में भारत में की गई वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति को प्रदर्शित करने वाले एक्सपो का उद्घाटन भी किया।

भाजपा में शामिल हुए आरसीपी सिंह

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष आरसीपी सिंह ने गुरुवार को भाजपा का दामन थाम लिया। भाजपा राष्ट्रीय मुख्यालय में केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। इस दौरान भाजपा राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनिल बलूनी एवं राष्ट्रीय सह मीडिया प्रभारी संजय मयूख भी मौजूद रहे।

भाजपा में शामिल होने के बाद आरसीपी सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधते हुए बिहार के हालात के लिए उन्हें जिम्मेदार ठहराया और 2024 लोक सभा चुनाव के मद्देनजर उनके द्वारा चलाए जा रहे विपक्षी एकता की मुहिम पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार सोचिए कि आज देश कहां चला गया है और बिहार कहां खड़ा हैं?

कैलाश-मानसरोवर यात्रा पर चीन ने फीस बढ़ाई

> भारतीयों को खर्च करने होंगे 1.85 लाख रुपए

> घास के नुकसान के लिए देने होंगे 24 हजार

काठमांडू, 11 मई (एजेंसियां)। तीन साल बंद रही कैलाश-मानसरोवर यात्रा के लिए चीन ने वीसा देने शुरू कर दिए हैं। लेकिन, इसके नियम बेहद कड़े कर दिए हैं। साथ ही यात्रा पर लगने वाले कई तरह की फीस लगभग दोगुनी कर दी है। अब भारतीय नागरिकों को यात्रा के लिए कम से कम 1.85 लाख रुपए खर्च करने होंगे।

अगर तीर्थयात्री अपनी मदद के लिए नेपाल से किसी वर्कर या हेल्पर को साथ रखेगा तो 300 डॉलर, यानी 24 हजार रु. अतिरिक्त चुकाने होंगे। इस शुल्क को "ग्रास डैमेजिंग फी' कहा गया है। चीन का तर्क है कि यात्रा के दौरान कैलाश पर्वत के आसपास की घास को नुकसान पहुंचता है, जिसकी भरपाई यात्री से ही की जाएगी।

काठमांडू बेस पर कराना होगा यूनीक आइडेंटिफेशन

चीन ने कुछ ऐसे नियम जोड़े हैं, जिनसे प्रोसेस कठिन हो गई है। जैसे- अब हर यात्री को काठमांडू बेस पर ही अपना यूनीक आइडेंटिफेशन कराना होगा। इसके लिए फिंगर मार्क्स और आंखों की पुतलियों की स्कैनिंग होगी। नेपाली टूर ऑपरेटरों का कहना है कि कठिन नियम विदेशी तीर्थयात्रियों विशेषकर भारतीयों के प्रवेश को सीमित करने के लिए बनाए गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा नेपाली टूर ऑपरेटरों के लिए बड़ा बिजनेस है। नए नियमों और बढ़े हुए शुल्क के साथ टूर ऑपरेटर अब रोड ट्रिप के कम से कम 1.85 लाख रुपए प्रति यात्री वसूल रहे हैं, जबकि 2019 में सड़क यात्रा पैकेज 90 हजार रुपए था। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन 1 मई से शुरू हो चुका है। अक्टूबर तक चलने वाली यात्रा के बारे में टूर ऑपरेटरों का कहना है कि नए नियमों के कारण इस बार लोगों का रुझान भी कम दिखाई दे रहा है।

तीर्थयात्रियों को वीसा लेने के लिए शारीरिक रूप से उपस्थित होना पड़ेगा। ऑनलाइन आवेदन स्वीकार नहीं होगा।

तमिलनाडु मंत्रिमंडल में फेरबदल

पलानीवेल को वित्त विभाग से किया गया मुक्त; थंगम थेनारासु लेंगे उनकी जगह

चेन्नई, 11 मई (एजेंसियां)। तमिलनाडु के मंत्री पलानीवेल थियागा राजन को गुरुवार को वित्त और मानव संसाधन प्रबंधन के प्रमुख मंत्रालय से मुक्त कर सूचना प्रौद्योगिकी विभाग दिया गया। थंगम थेनारासु नए वित्त मंत्री हैं और उनके द्वारा आयोजित उद्योग पोर्टफोलियो को मन्नारगुडी निर्वाचन क्षेत्र से तीन बार के विधायक टीआरबी राजा को आवंटित किया गया था, जिन्हें नए मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया था।राजभवन की एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि पीटीआर के रूप में संबोधित थियागा राजन आईटी और डिजिटल सेवा विभाग को संभालेंगे। आईटी विभाग का पोर्टफोलियो पहले टी मनो थंगराज द्वारा संभाला जाता था और अब उन्हें दूध और डेयरी विकास विभाग सौंपा गया है। एसएम नसर, जिनके पास दूध विभाग था, को 9 मई को मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था।

ऊना की सीमा के साथ लगते उद्योग में गैस रिसाव स्कूल के 10 बच्चे बेहोश

ऊना, 11 मई (एजेंसियां)। ऊना जिले की सीमा से सटे नया नंगल स्थित एक उद्योग में गैस का रिसाव हो गया। उद्योग के साथ लगते निजी स्कूल के कुछ बच्चे गैस की चपेट में चपेट में आ गए हैं। घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया। स्थानीय लोगों ने राहत कार्य करते हुए बेहोश हुए बच्चों को नजदीकी नंगल के अस्पताल में पहुंचाया है। गैस की चपेट में 10 बच्चों के आने की सूचना है। बड़ी घटना की जानकारी मिलने के बाद जिला ऊना प्रशासन भी अलर्ट हुआ है। पंजाब सीमा से सटे गांवों के स्कूलों में आपात स्थिति घोषित करते हुए बच्चों को छुट्टी कराई गई है। स्थिति का जायजा लेने के बाद एसडीएम ऊना सहित प्रारम्भिक शिक्षा उपनिदेशक देवेंद्र चंदेल मौके पर पहुंचे हैं। फिलहाल आनन फानन में पंजाब और ऊना के गांवों के लोग स्कूल में राहत कार्य मे जुटे हुए हैं।

पलवल में विधवा महिला से गैंगरेप

काम की तलाश में आयी थी खेत में ले जाकर 3 युवकों ने किया दुष्कर्म

पलवल, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के पलवल में काम की तलाश में आयी एक विधवा महिला से गैंगरेप किया गया। एक युवक उसे उसे बहका कर खेतों में ले गए थे। बाद में उसने अपने 2 साथियों के साथ मिलकर सामूहिक दुष्कर्म किया। गदपुरी थाना पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर 3 नामजद आरोपियों के खिलाफ गैंग रेप व जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा दर्ज कर लिया है। अभी तक पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया है।

गुरुग्राम में 2 करोड की कार जलकर राख

गोल्फ कोर्स रोड पर डिवाइडर से टकराई; फिर सर्विस रोड को क्रॉस कर पेड़ से भिड़ी

गुरुग्राम, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के गुरुग्राम में आज सवेरे हुए हादसे में 2 करोड़ रुपए कीमत की पोर्श कार जल कर राख हो गई। हादसे की वजह फिलहाल तेज रफ्तार ही मानी जा रही है। हादसे के समय कार में 2 युवक सवार थे। उनको समय रहते बाहर निकाल लिया गया। गोल्फ कोर्स रोड पर हुए इस भयानक हादसे की पुलिस जांच कर रही है। साइबर सिटी गुरुग्राम में गुरुवार सुबह तकरीबन 4 बजे गोल्फ कोर्स रोड पर भयावह हादसा हुआ। जब सड़कों पर कुछेक गाड़ियां ही चलती हुई दिख रही थी, उस दौरान एक स्पोर्ट्स कार तेज रफ्तार में सड़क पर दौड़ती दिखी। फिर इसका ड्राइवर बैलेंस खो बैठा और गाड़ी डिवाइडर से टकराती हुई सर्विस लेन को भी क्रॉस कर झाड़ियों में जा कर एक पेड़ से टकरा गई। इसके बाद इस कार में अचानक आग लग गई।

आज एक दिवसीय गुजरात दौरे पर जाएंगे प्रधानमंत्री

कई परियोजनाओं का करेंगे उद्घाटन व शिलान्यास

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 12 मई को गुजरात का दौरा करेंगे और गांधीनगर में अखिल भारतीय शिक्षा संघ के अधिवेशन में शामिल होंगे। इसके बाद दोपहर करीब 4400 करोड़ रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास करेंगे।

इसके बाद प्रधानमंत्री गिफ्ट सिटी का दौरा करेंगे

गांधीनगर में कार्यक्रम के दौरान 2450 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे। इनमें नगर विकास विभाग, जलापूर्ति विभाग, सड़क एवं परिवहन विभाग और खान एवं खनिज विभाग की परियोजनाएं शामिल हैं। जिन परियोजनाओं का उद्घाटन किया जा रहा है उनमें बनासकांठा जिले में बहु ग्राम

पेयजल आपूर्ति योजनाओं का विस्तार, अहमदाबाद में रिवर ओवरब्रिज, नरोदा जीआईडीसी में जल निकासी संग्रह नेटवर्क, मेहसाणा और अहमदाबाद में सीवेज उपचार संयंत्र, दहेगाम में सभागार आदि शामिल हैं। जिन परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी, उनमें जूनागढ़ जिले में बल्क पाइपलाइन परियोजना, गांधीनगर जिले में जलापूर्ति योजनाओं का विस्तार, फ्लाईओवर पुलों का निर्माण, नए जल वितरण स्टेशन, विभिन्न नगर नियोजन सड़कें आदि शामिल हैं। प्रधानमंत्री पीएम आवास योजना (ग्रामीण और शहरी) परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी करेंगे। साथ ही योजना के तहत निर्मित लगभग 19 हजार घरों के गृह प्रवेश में भी भाग लेंगे। वह कार्यक्रम के दौरान योजना के लाभार्थियों को चाबियां सौंपेंगे। इन परियोजनाओं का कुल परिव्यय लगभग 1950 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री 'गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक-सिटी' (गिफ्ट सिटी), गांधीनगर जाएंगे। यात्रा के दौरान वह गिफ्ट सिटी में चल रही विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा करेंगे।

गिफ्ट सिटी में उनके अनुभव और भविष्य की योजनाओं को समझने के लिए गिफ्ट आईएफएससी संस्थाओं के साथ बातचीत भी होगी। प्रधानमंत्री 'अंडरग्राउंड यूटिलिटी टनल' और 'ऑटोमेटेड वेस्ट कलेक्शन सेग्रीगेशन प्लांट' सहित शहर की प्रमुख बुनियादी सुविधाओं का भी दौरा करेंगे। प्रधानमंत्री अखिल भारतीय शिक्षा संघ अधिवेशन में भाग लेंगे, जो अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ का 29वां द्विवार्षिक सम्मेलन है।

भूमाफिया सुरेंद्र संघवी, दीपक मद्दा के दफ्तर, बंगले पर ईडी का छापा

इंदौर, 11 मई (एजेंसियां)। इंदौर के भूमाफिया सुरेंद्र संघवी के ठिकानों पर ईडी ने छापा मारा है। संघवी अयोध्यापुरी जमीन घोटाले का मुख्य आरोपी है और डेढ़ साल पुलिस ने भी उसकी गिरफ्तारी के लिए घर पर छापा मारा था। गुरुवार सुबह ईडी की टीम सुरेंद्र संघवी के दफ्तर, बंगले और अन्य ठिकानों पर छापा मारने टीम पहुंची। संघवी के साथ दीपक मद्दा भी ईडी के निशाने पर है। उनके घर पर टीम जांच के लिए पहुंची। फिलहाल दीपक मद्दा जेल में है। कांग्रेस नेता पंकज संघवी के बड़े भाई सुरेंद्र संघवी का जमीनों का कारोबार है। जमीन कारोबार में मनी लांड्रिंग के सबूत मिलने के बाद ईडी ने ठिकानों पर छापा माकर सबूत इकट्ठा किए। छापे में बायपास और ग्रामीण क्षेत्रों की जमीनों से जुड़े दस्तावेज मिले है।

कर्नाटक विधानसभा चुनाव के वक्त गोवा में क्यों थी पेड़ हॉलीडे? सरकार ने दिया ये जवाब

बेंगलूरू, 11 मई (एजेंसियां)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए गोवा सरकार ने पेड़ हॉलीडे की घोषणा की थी जिसके बाद उसे विपक्ष और स्थानीय व्यापार निकायों की आलोचना को झेलना पड़ा था. वहीं, अब सरकार ने स्पष्ट करते हुए कहा कि पड़ोसी राज्य में चुनाव के वक़्त छुट्टी को घोषित करना एक नियमित मामला है. गोवा सरकार की ओर से मंगलवार को जारी एक बयान में कहा गया कि, कर्नाटक राज्य के मतदाताओं को जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 135-बी के अनुसार माना जाता है. सरकार ने बताया कि इसमें कहा गया है कि हर वो शख़्स जो व्यावसायिक व्यापार या किसी भी जगह कार्यरत है और वो विधानसभा या लोकसभा चुनाव में वोट डालने का हक़दार है उसे मतदान के दिन छुट्टी दी जाएगी. सरकार के बयान में आगे कहा गया कि पड़ोसी राज्य होने के चलते गोवा में बड़ी संख्या में कर्नाटक के मतदाता हैं. उन्होंने बताया कि कर्नाटक के सीईओ कार्यालय से एक अनुरोध भी प्राप्त हुआ था जिसमें वोटिंग के दिन पेड हॉलीडे का ज़िक्र किया गया था. जिसके बाद सरकार ने इस पर निर्णय लिया. सरकार के इस फ़ैसले को विपक्ष ने बेतुका बताया था. गोवा राज्य उद्योग संघ के अध्यक्ष दामोदर कोचके ने कहा कि सरकार के ये मूर्खतापूर्ण फ़ैसला है.

आज शहडोल दौरे पर रहेंगे दिग्विजय सिंह

मानस भवन में कार्यकर्ताओं के साथ करेंगे संवाद

शहडोल, 11 मई (एजेंसियां)। आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारी में कांग्रेस जुट गई है। विंध्य की सीटों पर भाजपा के साथ-साथ कांग्रेस भी नजर बनाए हुए हैं। एक ओर जहां भाजपा वोटर लिस्ट के पन्ना प्रभारी और बूथ अध्यक्ष बनाकर विधानसभा का रण जीतने की तैयारी में जुटी है, तो वहीं कांग्रेस के दिग्गज नेता भी अब जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं के साथ संवाद स्थापित कर रहे हैं। पूर्व सीएम और कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता दिग्विजय सिंह 12 मई को शहडोल संभाग के दौर पर रहेंगे। वे शुक्रवार की शाम सीधी से शहडोल पहुचेंगे। मानस भवन में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेकर रात अनूपपुर के लिए रवाना हो जाएंगे। रात्रि अनूपपुर में विश्राम करने के बाद शनिवार को उमरिया होते हुए कटनी चले जाएंगे। पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह के आने की तैयारियों को लेकर शहडोल जिला कांग्रेस कमेटी ने जोर-शोर से तैयारियां शुरू कर दी हैं। दिग्विजय सिंह मानस भवन में मंडलम और सेक्टर स्तर के पदाधिकारियों की बैठक लेंगे।

पूर्व विधायक के निधन पर सीएम शिवराज ने क्यों कहा- 'भोपाल सूना हो गया'

भोपाल, 11 मई (एजेंसियां)। भोपाल के पूर्व विधायक रमेश शर्मा के निधन पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दुख जताते हुए कहा कि भोपाल सूना हो गया. मुख्यमंत्री ने पूर्व विधायक का राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार करने की निर्देश भी दिए हैं. भोपाल उत्तर के पूर्व विधायक रमेश शर्मा गट्टू भैया का देर रात हृदयाघात से निधन हो गया. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को जब इस घटना की जानकारी लगी तो वे शोक व्यक्त करने के लिए पहुंचे. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि देर रात तक गट्टू भैया विवाह समारोह के दौरान वर वधू को आशीर्वाद दे रहे थे. इसके बाद अचानक उनका स्वास्थ्य बिगड़ गया और उनका निधन हो गया. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि सरल, सहज, विनम्र, पूर्व विधायक रमेश शर्मा छात्र जीवन में उनके सीनियर थे. जब छात्र संघ चुनाव होते थे, उस समय रात्रि में किसी भी नेता को भूख लगती थी तो वह गट्टू भैया की होटल पर जाता था. गट्टू भैया से पक्ष और विपक्ष सभी नेता प्रेम और स्नेह रखते थे. समाजसेवी गट्टू भैया का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ होगा. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह भी कहा कि गट्टू भैया के जाने से भोपाल सूना हो गया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि आज जीभर के गट्टू भैया को देखने आया हूं, फिर कभी भोपाल में गट्टू भैया नहीं दिखेंगे. मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि आजादी के बाद पहली बार भोपाल की उत्तर सीट से बीजेपी के बैनर तले गट्टू भैया चुनाव जीते थे. उन्होंने बताया कि जब गट्टू भैया चुनाव लड़े थे उस समय सुबह 6 बजे से लोग लाइन लगाकर वोट डालने का इंतजार कर रहे थे. गट्टू भैया पार्टी के हर कार्यकर्ता के मान सम्मान का ध्यान रखते थे.

अब देश के कोने-कोने तक जल्द ही ड्रोन से होगी रक्त आपूर्ति

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पूरे देश में अब ड्रोन के जरिए रक्त की आपूर्ति करने का सपना जल्द ही हकीकत में तब्दील हो सकता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद ने गुरुवार को अपनी आई-ड्रोन पहल के तहत ड्रोन के जरिए ब्लड बैग की आपूर्ति का सफलतापूर्वक परीक्षण किया है। यह पहल भारत में ड्रोन पारिस्थितिकी का विस्तार करने के राष्ट्रीय अभियान का हिस्सा है। आईसीएमआर ने सबसे पहले दूरदराज के इलाकों तक टीका पहुंचाने के लिए कोविड-19 महामारी के दौरान आई-ड्रोन का इस्तेमाल किया था। आईसीएमआर के महानिदेशक डॉ. राजीव बहल ने कहा कि आज, हम रक्त तथा रक्त से संबंधित उत्पाद भेज रहे हैं जिन्हें कम तापमान पर रखा जाता है। इस प्रयोग के बाद हमने पाया कि हम न केवल तापमान बनाए रख सकें बल्कि उत्पादों को कोई नुकसान भी नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि हमने एक एम्बुलेंस के जरिए एक अन्य नमूना भेजा और अगर दोनों तरीकों का इस्तेमाल कर भेजे गए नमूनों में कोई अंतर नहीं है तो फिर पूरे भारत में ड्रोन का इस्तेमाल किया जाएगा। बहल ने कहा कि डिजीटलीकरण के साथ टीकों के प्रभावी निर्माण और त्वरित आपूर्ति प्रणाली विकसित होने से भारत ने एक साल के भीतर 90 फीसदी कवरेज हासिल की।

शरद पवार के करीबी एनपीसी नेता जयंत पाटिल को ईडी का नोटिस

मनी लॉन्ड्रिंग केस में पूछताछ के लिए बुलाया

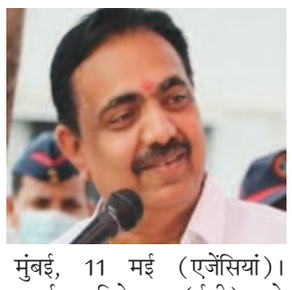

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी(एनपीसी) की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष एवं विधायक जयंत पाटिल को धनशोधन मामले में पूछताछ के लिए समन भेजा है. जयंत पाटिल, शरद पवार के करीबी माने जाते हैं. उन्हें ईडी ने शुक्रवार (12 मई) को पेश होने को कहा है. पाटिल से आईएल एंड एफएस मामले में पूछताछ होनी है.एनसीपी की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष को अब दिवालिया इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (आईएल एंड एफएस) से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नोटिस भेजा गया है.

पाटिल को कल पूछताछ के लिए जांच एजेंसी के समक्ष पेश होने के लिए कहा गया है. जांच एजेंसी ने पहले महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे से कोहिनूर कंस्ट्रक्शन को दिए गए ऋण के मामले में पूछताछ की, जो मुंबई के दादर में कोहिनूर स्क्वायर टॉवर का विकास कर रही है. एनसीपी नेता को समन ईडी द्वारा आईएल एंड एफएस के दो पूर्व लेखा परीक्षकों - बीएसआर और एसोसिएट्स, लेखा फर्म केपीएमजी के एक भारतीय सहयोगी और डेलॉइट हास्किन्स एंड सेल्स के खिलाफ छापेमारी के बाद आया है. जांच एजेंसी ने आईएल एंड एफएस पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाया है. आईएल एंड एफएस के पूर्व लेखा परीक्षकों के खिलाफ जांच एजेंसी की कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट द्वारा बॉम्बे हाई कोर्ट के एक फैसले को रद्द करने के बाद हुई थी, जिसमें दोनों फर्मों के खिलाफ जांच रद्द कर दी गई थी. छापेमारी के दौरान दोनों ऑडिटरों के कुछ कर्मचारियों से भी अधिकारियों ने पूछताछ की और कुछ दस्तावेज भी जब्त किए गए. आईएल एंड एफएस की कंपनियों के एक समूह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा द्वारा दायर एक प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) का संज्ञान लेने के बाद, आईएल एंड एफएस में कथित वित्तीय अनियमितताओं की मनी लॉन्ड्रिंग जांच 2019 में ईडी द्वारा शुरू की गई थी. इंफ्रास्ट्रक्चर लीजिंग एंड फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने 2018 में दिवालिया होने की याचिका दायर की थी.

भूकंप से कांप उठी देवभूमि, रिक्टर स्केल पर 3.1 रही तीव्रता

देहरादून, 11 मई (एजेंसियां)। उत्तराखंड में एक बार फिर भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। पिथौरागढ़ में भूकंप के झटके महसूस किए हैं। जानकारी के मुताबिक भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.1 मापी गई है। बता दें कि इस भूकंप में किसी तरह के नुकसान की अबतक कोई खबर सामने नहीं आई है। यह भूकंप सुबह 5 बजकर 1 मिनट पर महसूस की गई। इस भूकंप की गहराई 10 किमी जमीन के नीचे बताई जा रही है। वहीं भूकंप का केंद्र पिथौरागढ़ से 32 किमी दूर नेपाल बॉर्डर पर बताया गया है। बता दें कि पिछले महीने ही उत्तराखंड में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

कौन है जैश चीफ मसूद अज़हर का भाई अब्दुल रऊफ़ अज़हर

जिसे बचाने के लिए चीन आया सामने

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद जेईएम के अंडरग्राउंड हो चुके सरगना मसूद अज़हर के भाई और जेईएम के मौजूदा कमांडर अब्दुल रऊफ़ अज़हर को ब्लैकलिस्ट करवाने की भारत की कोशिश पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में चीन ने आपत्ति दर्ज की है, और भारत के प्रस्ताव का विरोध किया. दरअसल, अब्दुल रऊफ़ अज़हर पाकिस्तानी देवबंदी कट्टरपंथी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद का कमांडर है, और हिन्दुस्तान और अफ़ग़ानिस्तान में कई आतंकी कारनामों का अंजाम देने का आरोपी है. पाकिस्तान में पंजाब प्रांत के बहावलपुर में 1974 में जन्मे अब्दुल रऊफ़ अज़हर के तालुकात आतंकवादी संगठनों हरकत-उल-मुजाहिदीन और हरक़त-उल-जेहाद अल-इस्लामी से भी बताए जाते हैं. भारत में 'मोस्ट वॉन्टेड' आतंकवादियों की लिस्ट में शामिल अब्दुल रऊफ़ अज़हर वर्ष 1999 में हुई इंडियन एयरलाइन्स की उड़ान 814 के हाईजैक में शामिल था, जो इस्लामी आतंकवादियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए की गई थी. इस हाईजैक का खात्मा सात दिन बाद तीन आतंकवादियों की रिहाई के बाद ही हो पाया था. इसके बाद, अगले ही साल, यानी वर्ष 2000 में आतंकवादियों ने जैश-ए-मोहम्मद नाम से नया गुट खड़ा किया, जिसके तहत कई आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम दिया गया, जिनमें वर्ष 2001 में भारतीय संसद पर हुआ हमला, वर्ष 2008 में मुंबई पर हुआ आतंकवादी हमला, वर्ष 2016 में पठानकोट में हुआ हमला और वर्ष 2019 में हुआ पुलवामा हमला भी शामिल हैं. बताया जाता है कि अब्दुल रऊफ़ अज़हर 21 अप्रैल, 2007 को यूएनएससी का सरगना बना, जब उसका बड़ा भाई मसूद अज़हर अंडरग्राउंड हो गया था. वर्ष 2009 में रिपोर्ट किया था कि अब्दुल रऊफ़ अज़हर उन लोगों में शुमार था, जिन्हें पाकिस्तानी सरकार ने 42 नागरिकों को बंधक बना लेने वाले लोगों के साथ बातचीत में पाकिस्तानी हुकूमत की मदद करने के लिए इस्लामाबाद बुलाया गया था. कहा जाता है कि तालिबान, अल-कायदा, लश्कर-ए-तैयबा और हक्कानी नेटवर्क के साथ यू एन एस सी कमांडर अब्दुल रऊफ़ अज़हर के मज़बूत ताल्लुकात हैं, और इन सभी के साथ वह अफ़ग़ानिस्तान में मौजूद अपने प्रशिक्षण शिविर साझा करता है, और इसके अलावा सभी आतंकवादी गुट खुफ़िया जानकारियां, और ट्रेनिंग कैम्प साझा किया करते हैं.

कटनी स्टेशन पर बेपटरी हुए मालगाड़ी के चार डिब्बे, बिलासपुर-सतना मार्ग की ट्रेनें प्रभावित

कटनी, 11 मई (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के कटनी जिले में बड़ा रेल हादसा हुआ है। एक मालगाड़ी के चार डिब्बे बेपटरी हुए हैं। कटनी के स्टेशन के पास यह हादसा हुआ। बिलासपुर से सीमेंट लादकर एनकेजे होते हुए मानिकपुर जा रही मालगाड़ी कटनी जंक्शन पहुंचने से पहले बेपटरी हो गई। मामले की जानकारी लगते ही रेल महगमे में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में मौके पर पहुंचे एरिया मैनेजर समेत बड़े अधिकारियों ने मोर्चा संभाला। रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू करवाया। रेल हादसे के चलते एक दर्जन से अधिक ट्रेन प्रभावित हुई हैं, जिनमें बिलासपुर, शहडोल, सतना जाने वाली ट्रेनें शामिल हैं। एनकेजे के एरिया मैनेजर आशीष रावलानी ने बताया कि बीसीएन रैक है। इसके चार वैगन बेपटरी हुए हैं। एनकेजे से यह मालगाड़ी कटनी आ रही थी। साढ़े 11 बजे इसके बेपटरी होने की खबर आई है।

केरल में डॉक्टरों की हड़ताल, महिला डॉक्टर की हत्या पर आक्रोश

मरीज ने ही सर्जिकल ब्लेड से किए थे 11 वार

तिरुवनंतपुरम, 11 मई (एजेंसियां)। केरल में सरकारी महिला डॉक्टर की उसके मरीज के हाथों हत्या के बाद आक्रोशित डॉक्टरों ने पूरे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को रोक दिया. राज्य के निजी और सरकारी अस्पताल के डॉक्टर हड़ताल पर रहे. सुबह कोल्लम के एक अस्पताल में तैनात महिला डॉक्टर के ऊपर कैंची और सर्जिकल ब्लेड से हमला कर दिया था. हमले में डॉक्टर वंदना दास की मौत हो गई थी. हमलावर की पहचान संदीप के रूप में की गई है. वह स्कूल टीचर है. उसे शराब और ड्रग के नशे का आदी बताया गया है. महिला डॉक्टर पर हमले के दौरान पुलिस और एक अन्य को भी ब्लेड मारा था. महिला डॉक्टर को कोट्टारक्कारा के निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां से उन्हें तिरुवनंतपुरम भेजा गया लेकिन बचाया नहीं जा सका.

हाउस सर्जन का कोर्स कर रही थीं डॉक्टर

डॉक्टर वंदना कोट्टायम की रहने वाली थीं और उन्होंने अजीजिया मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस की पढ़ाई थी. वर्तमान में वह तालुक अस्पताल में हाउस सर्जन का कोर्स कर रही थीं, महिला डॉक्टर की मौत की खबर सुनते ही राज्य में सरकारी और निजी दोनों क्षेत्रों के डॉक्टर हड़ताल पर चले गए. हड़ताल में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, केरल गवर्नमेंट मेडिकल ऑफिसर्स सोसिएशन, केरल गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज टीचर्स एसोसिएशन, हाउस सर्जन्स एसोसिएशन, पोस्टग्रेजुएट मेडिकल छात्र और एमबीबीएस छात्र शामिल हुए. विरोध में शामिल डॉक्टरों का कहना था कि अधिकारियों को लगातार स्वास्थ्यकर्मियों पर बढ़ते हमलों के बारे में बार-बार चेतावनी दी गई लेकिन उन पर असर नहीं हुआ.

सीएम विजयन पहुंचे अस्पताल

घटना की जानकारी मिलने पर राज्य के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन उस निजी अस्पताल पहुंचे, जहां डॉक्टर का शव रखा गया था. सीएम ने डॉक्टर के माता-पिता से मुलाकात उन्हें सांत्वना दी और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई का आश्वासन दिया. राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज और सहकारिता मंत्री वी एन वसावन भी अस्पताल पहुंचे। डॉक्टरों के मुताबिक, वंदना के गले, सिर, रीढ़ की हड्डी, पेट और छाती में चाकू के छह गंभीर घाव थे. पुलिस की जांच रिपोर्ट में कहा गया है कि उस पर 11 घाव थे, लेकिन यह अधिक भी हो सकते हैं. पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है.

हत्या के दोषी को आजीवन कारावास

बहन को भगाने वाले शख्स की मदद करने वाले युवक की आरोपी ने ली थी जान

जबलपुर, 11 मई (एजेंसियां)। एसटीएससी के विशेष न्यायधीश की अदालत ने रंजिशवश एक युवक की हत्या करने के आरोपी रमन यादव को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी पर चार हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है। अदालत को अभियोजन पक्ष की ओर से बताया गया कि 25 मई 2021 को ग्राम आलासुर और सिमरिया के बीच खेत में एक लाश पड़ी होने की सूचना प्राप्त हुई थी। जिसके शरीर पर गहरे घाव थे। मौके पर उपस्थित बसंत कुमार ने मृतक की पहचान अपने पुत्र अजीत चौधरी के रूप में की थी। जिसके बाद खितौला पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर मामले को जांच में लिया। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना के पूर्व आरोपी रमन यादव की बहन को 24 मई को अर्जुन यादव ले गया था,

भारत पे के फाउंडर अश्नीर ग्रोवर पर दिल्ली पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। शार्क टैंक शो से चर्चा में आए फिनटेक कंपनी भारत पे के को फाउंडर अश्नीर ग्रोवर एक बार फिर मुश्किल में फंस गए हैं। दिल्ली पुलिस की अपराध शाखा ने भारत पे के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अश्नीर ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। अश्नीर और उनकी पत्नी माधुरी जैन पर 81 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी का आरोप है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक दोनों दंपत्ति पर नकली इनवॉइस बना कर कंपनी के खाते से 81 करोड़ रुपए अपने जानकारों और रिश्तेदारों के खाते में ट्रांसफर करने के आरोप है। माधुरी जैन ग्रोवर भारत पे की ज्वाइंट डायरेक्टर एचआर थी जब उन पर ये नकली इनवॉइस बना कर पैसे निकालने का आरोप लगा। पुलिस जल्द ही दोनो दंपतियों से इस मामले में पूछताछ करेगी।

भारत पे का आया बयान

अश्नीर ग्रोवर की पूर्व कंपनी भारत पे ने इस मामले में आधिकारिक बयान जारी किया है। भारत पे ने ग्रोवर, उनकी पत्नी माधुरी जैन और परिवार के अन्य सदस्यों पर दिल्ली पुलिस की एफआईआर का स्वागत किया है। कंपनी के अनुसार आपराधिक अपराधों के संबंध में कंपनी की शिकायत में दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने यह प्राथमिकी दर्ज की है। पिछले 15 महीनों से, कंपनी ग्रोवर द्वारा कंपनी, बोर्ड और उसके कर्मचारियों के खिलाफ चलाए जा रहे एक शातिर और दुर्भावनापूर्ण अभियान का सामना कर रही है। दिल्ली पुलिस की इस प्राथमिकी सेपरिवार द्वारा अपने व्यक्तिगत आर्थिक लाभ के लिए किए गए विभिन्न संदिग्ध लेनदेन का पता लग सकेगा।

राजगढ़ में जमीनी विवाद में खूनी संघर्ष

युवक को मारी गोली, गंभीर अवस्था में जिला अस्पताल में भर्ती

राजगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। राजगढ़ जिले में ज़मीनी विवाद को लेकर होने वाले झगड़े जब शिकवा शिकायतों से नहीं सुलझते तो खूनी संघर्ष का रूप धारण कर लेते हैं। ऐसा ही एक मामला बुधवार को राजगढ़ जिले के छापीहेड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कंडेली गांव में देखने को मिला है,

सुविचार: दिव्य गुण मानव को ईश्वर के समीप ले आते हैं जबकि विकार उसे ईश्वर से दूर ले जाते हैं

कानून-व्यवस्था के मामले में तेलंगाना पुलिस देश में रोल मॉडल : महमूद अली

गृहमंत्री ने आईएस सदन पुलिस स्टेशन और सैदाबाद पुलिस स्टेशन का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस थानों को बेहतर बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने के क्रम में आईएस सदन पुलिस स्टेशन और दक्षिण पूर्व क्षेत्र में सैदाबाद पुलिस स्टेशन का उद्घाटन गुरुवार को गृह मंत्री मोहम्मद महमूद अली ने डीजीपी अंजनी कुमार और नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद, अन्य जनप्रतिनिधियों, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में किया। आई.एस.सदन पुलिस स्टेशन की इमारत जी+3 संरचना के रूप में सामने आई है और सैदाबाद पीएस इमारत में 2 मंजिलें हैं। सभी सुविधाएं जनता की खुशी बढ़ाने के लिए केंद्रित हैं।

एक स्वागत डेस्क, आगंतुक लाउंज, अधिकारियों के लिए कई केबिन, सीसीटीवी देखने के केंद्र, शस्त्रागार, परामर्श कक्ष, मीटिंग हॉल और आधुनिक कार्य स्टेशन सुविधाएं इन इमारतों के कुछ प्रमुख तत्व हैं। गणमान्य व्यक्तियों के साथ गृह मंत्री ने नई सुविधाओं का निरीक्षण किया। सैदाबाद पुलिस स्टेशन में मीडिया को संबोधित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि तेलंगाना के गठन के तुरंत बाद मुख्यमंत्री पुलिस विभाग को बजट आवंटित कर रहे है और कानून व्यवस्था को मजबूत कर रहे है। "तेलंगाना पुलिस बल शांति बनाए रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने में सबसे आगे है, पेशेवर उत्कृष्टता के मामले में इसे देश के लिए एक रोल मॉडल बनने के लिए प्रेरित कर रहा है।

उन्होंने शहर में गंगा-जमुनी तहजीब कायम रखने के लिए पुलिस अधिकारियों की सराहना की। डीजीपी अंजनी कुमार ने कहा कि राज्य की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है और कई शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियां शहर में अपनी जमीन तोड़ रही हैं। उन्होंने बिना किसी दुर्घटना के पूरे साल कई घटनाओं को संभालने के लिए शहर पुलिस की सराहना की। "हमें भविष्य की पीढ़ियों के लिए शहर को और अधिक सुरक्षित बनाने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए।" शहर के पुलिस प्रमुख सीवी आनंद ने पुलिस विभाग को बजटीय आवंटन निर्धारित करने में सर्वोच्च प्राथमिकता देने के लिए मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को धन्यवाद दिया और तेलंगाना के गठन के तुरंत बाद पुलिस स्टेशनों के रखरखाव के लिए मासिक बजट के आवंटन का हवाला दिया। इससे आधुनिक वाहनों के प्रावधान, एसएचई टीमों और बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने से पुलिस को एक ताकत बनने में मदद मिली।

जनसंख्या पर हाल के आँकड़ों को स्पष्ट करते हुए, कोविड महामारी के दौरान व्यक्तिगत वाहनों की वृद्धि में भारी वृद्धि पर सीपी आनंद ने कहा कि दूरदर्शी राज्य सरकार ने एक मेगासिटी पुलिसिंग योजना तैयार की और इसके अनुसार हैदराबाद सिटी पुलिस को भी सात एल एंड ओ क्षेत्रों में पुनर्गठित किया गया है, 3 कई नए एलएंडओ, ट्रैफिक पुलिस स्टेशनों के साथ ट्रैफिक जोन और नए हथियारों के रूप में एच-न्यू, साइबर क्राइम, टास्क फोर्स और एसएमआईटी आदि जैसी विशेष इकाइयां भी मिलीं। इस अवसर पर अतिरिक्त सीपी कानून-व्यवस्था विक्रम सिंह मान, अतिरिक्त सीपी ट्रैफिक जी.सुधीर बाबू, संयुक्त सीपी एम. श्रीनिवास, पी एंड एल डीजीपी कार्यालय एम. रमेश, श्री चौधरी डीसीपी दक्षिण पूर्व क्षेत्र, खरे किरण प्रभाकर, डीसीपी दक्षिण पश्चिम क्षेत्र, पी साई चैतन्य डीसीपी दक्षिण क्षेत्र, सुनील दत्त डीसीपी पूर्वी क्षेत्र और अहमद बिन अब्दुल्ला बलाला विधायक मलकपेट, पाशा कादरी विधायक चारमीनार, श्रीमती सुरभि वाणी देवी विधायक उपस्थित थे।

यूएस मॉल में हुई गोलीबारी में मारी गई युवती का शव हैदराबाद लाया गया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त राज्य अमेरिका के एक मॉल में 6 मई को सामूहिक गोलीबारी में मौत की शिकार हुई 27 वर्षीय ऐश्वर्या थाटीकोंडा के पार्थिव शरीर को नगर लाया गया है। पार्थिव शरीर बुधवार देर रात हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर पहुंचा। हैदराबाद की महिला इंजीनियर उन नौ लोगों में शामिल थी, जो डलास के पास एक मॉल में सामूहिक गोलीबारी में मारे गए थे।

टेक्सास राज्य में डलास के पास एलन में एलन प्रीमियम आउटलेट्स मॉल में एक बंदूकधारी द्वारा की गई गोलीबारी में ऐश्वर्या और आठ अन्य की मौत हो गई थी। उसका भारतीय दोस्त भी घायल हो गया। इस घटना में कुल सात लोग घायल हुए हैं। हैदराबाद के सरूरनगर इलाके की रहने वाली ऐश्वर्या टेक्सास में परफेक्ट जनरल कॉन्ट्रैक्टर्स एलएलसी नाम की कंपनी में प्रोजेक्ट मैनेजर के तौर पर काम कर रही थीं। उनके पिता नरसी रेड्डी रंगारेड्डी जिला अदालत में न्यायाधीश है। परिवार पार्थिव शरीर को लाने के लिए अमेरिका जाने की योजना बना रहा था। हालांकि, तेलुगू एसोसिएशन ऑफ नॉर्थ अमेरिका (टीएएनए) ने विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से शव को भेजने की व्यवस्था की। उस्मानिया यूनिवर्सिटी से सिविल इंजीनियरिंग में बैचलर डिग्री हासिल करने वाली ऐश्वर्या ने ईस्टर्न मिशिगन यूनिवर्सिटी से कंस्ट्रक्शन मैनेजमेंट में एमएस किया।

तेज गति से चल रहा है नेल्लोर रेलवे स्टेशन के उन्नयन का काम

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) ने 'रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन' के तहत नेल्लोर स्टेशन पुनर्विकास की सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ प्रतिष्ठित परियोजना शुरू की है। स्टेशन ग्रैंड ट्रंक मार्ग में स्थित है और आंध्र प्रदेश राज्य के महत्वपूर्ण स्टेशनों में से एक है।

स्टेशन पुनर्विकास कार्यों को ईपीसी मोड के तहत एक कंपनी को दिया गया है। इसे मई, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। ठेका दिए जाने के बाद से ही स्टेशन के पुनर्विकास का काम तेज गति से चल रहा है। प्रारंभ में, सामग्री के ढेर के लिए साइट कार्यालयों, कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, भंडारण शेडों की स्थापना पहले ही पूरी हो चुकी है। नए स्टेशन भवन के डिजाइन की आईआईटी-मद्रास द्वारा प्रूफ-चेकिंग की गई है। रेलवे कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के लिए अस्थाई शेड बनाकर संबंधित विभागों को सौंप दिए गए हैं। नए पुनर्विकसित स्टेशन भवन में सभी प्लेटफार्मों पर कवर ओवर प्लेटफॉर्म (सीओपी) होंगे।

इस संबंध में, पीएफ नंबर 1 से 4 पर 44 नग सीओपी पैडस्टल का निर्माण पूरा हो चुका है और अन्य 16 नग का निर्माण कार्य प्रगति पर है। साथ ही, प्लेटफार्म 1 से 4 पर 29 नं सीओपी स्टैचियां भी पूरी हो चुकी हैं। पुनर्विकसित स्टेशन की पानी की जरूरतों को पूरा करने के लिए 6 लाख लीटर पानी की क्षमता वाले ग्राउंड लेवल जलाशय की योजना बनाई गई है, जिसके लिए खुदाई और नींव की कंक्रीटिंग का काम पूरा हो चुका है। भविष्य की यात्री आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पूर्व और पश्चिम दोनों ओर मौजूदा भवनों में अतिरिक्त संशोधन किए जा रहे हैं। इस संबंध में ईस्ट साइड स्टेशन बिल्डिंग और वेस्ट साइड बिल्डिंग की नींव की कंक्रीटिंग के लिए खुदाई का काम पूरा कर लिया गया है।

आगामी पुनर्विकास स्टेशन में सभी प्लेटफार्मों को जोड़ने वाला एक विशाल हवाई अड्डा होगा। इसके निर्माण के लिए पीएफ-4 और पीएफ नंबर 1 दोनों यानी पूर्व और पश्चिम दोनों तरफ एयर कॉनकोर्स के लिए नींव की कंक्रीटिंग का काम पूरा कर लिया गया है। एससीआर जनरल नगर अरुण कुमार जैन ने कहा है कि नेल्लोर स्टेशन पर उन्नयन कार्य शुरू हो गया है जो तेजी से आगे बढ़ रहा है और कार्य निर्धारित समय के अनुसार पूरा किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि उन्नयन कार्य रेल उपयोगकर्ताओं को सहज अनुभव प्रदान करने के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ स्टेशन को सौंदर्यपूर्ण रूप देगा।

अपराधों पर साइबराबाद सीपी ने की समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद सीपी स्टीफन रवीन्द्र ने आज साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के मुख्य सम्मेलन कक्ष में अपराधों पर समीक्षा बैठक की। इस बैठक में, सीपी ने यूआई मामलों, महिलाओं के खिलाफ अपराध, पॉक्सो मामलों, संपत्ति के मामलों, साइबर अपराध, एससी/एसटी मामलों, कोर्ट मॉनिटरिंग, एफएसएल रिपोर्ट पेंडेंसी, साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय के तहत सभी क्षेत्रों के कार्यात्मक वर्टिकल की समीक्षा की। इस अवसर पर बोलते हुए, सीपी ने साइबराबाद में विभिन्न मामलों की जांच स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों को लंबे समय से लंबित मामलों की त्वरित जांच के लिए एक विशिष्ट कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पॉक्सों और महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित मामलों में चार्जशीट तेजी से दाखिल की जानी चाहिए। आपराधिक आरोप पर ध्यान केंद्रित करने के साथ ही मामलों की जांच में नई तकनीक का इस्तेमाल किया जाए। एसआई के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने के लिए साइबराबाद में ही तेलंगाना राज्य में पहली बार पुलिस हैंडबुक की शुरूआत की गई है। साइबराबाद आयुक्तालय के भीतर क्षेत्रवार कार्यात्मक वर्टिकल पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए। तेलंगाना राज्य में सभी कार्यात्मक वर्टिकल में साइबराबाद शीर्ष पर होना चाहिए। थानों में सामुदायिक पुलिसिंग और साइबर क्राइम पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। उन्होंने कहा कि साइबराबाद के प्रत्येक थाने के प्रदर्शन

समर कोचिंग कैंप का मुख्य उद्देश्य खेल भावना का विकास करना

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी ग्रीष्मकालीन कोचिंग शिविरों का मुख्य उद्देश्य खेल भावना का विकास करना है। छात्रों के लिए आधुनिक और पारंपरिक खेलों को बढ़ावा देने और एथलीटों के कौशल में सुधार करने के लिए विशेष ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर बहुत उपयोगी हैं। ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के दौरान शहर भर के खेल मैदानों में लोकप्रिय आधुनिक खेल क्रिकेट प्रतियोगिता में 44 खेलों का आयोजन किया गया। इस पृष्ठभूमि में, क्रिकेट के खेल को विशेष प्रतिक्रिया मिली। छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया और क्रिकेट के खेल का लुत्फ उठाया। शहर भर में 353 खेल मैदानों में 915 स्थानों पर विशेष समर कोचिंग कैंप आयोजित किए जाते हैं, जहाँ 6 वर्ष से 16 वर्ष की आयु के लड़के और लड़कियाँ विभिन्न खेल और खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं और खेल भावना का विकास करते रहते हैं। इस संदर्भ में, खेल भावना विकसित करने के एक भाग के रूप में कूकट पल्ली और सेरिलिंगमपल्ली क्षेत्रों में एक खेल प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया गया। प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता के विजेताओं को स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए।

मंत्री ने एफपीएस डीलरों से अपनी प्रस्तावित हड़ताल छोड़ने का आग्रह किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने उचित मूल्य दुकान (एफपीएस) के डीलरों से अपनी प्रस्तावित हड़ताल छोड़ने की अपील की है, क्योंकि राज्य सरकार उनके साथ बातचीत करने और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए तैयार है।

मंत्री गंगुला कमलाकर ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर नागरिक आपूर्ति आयुक्त वी अनिल कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की और तेलंगाना में एफपीएस के माध्यम से चावल के वितरण पर चर्चा की। उनकी लंबे समय से लंबित मांगों का समाधान करें। उन्होंने याद दिलाया कि राज्य सरकार पहले ही डीलर संघों के साथ कई बैठकें कर चुकी है और अधिकारियों को उनकी मांगों पर जल्द से जल्द विचार करने का निर्देश दिया गया है। मंत्री ने कहा कि विभाग ने एक बार फिर 22 मई को डीलर संघों के साथ बातचीत करने का फैसला किया है और डीलरों से अपनी प्रस्तावित हड़ताल छोड़ने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा कि तेलंगाना में कुल 17, 220 उचित मूल्य की दुकानें हैं और राज्य सरकार हर साल एफपीएस के माध्यम से चावल के वितरण और अन्य प्रावधानों के लिए लगभग 3,580 करोड़ रुपये खर्च कर रही है, जिससे राशन डीलरों को 12 करोड़ रुपये से अधिक का कमीशन दिया जा रहा है। अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि डीलरों के हड़ताल पर चले जाने पर भी एफपीएस के माध्यम से चावल वितरण व अन्य प्रावधानों को बंद न किया जाए, इसके लिए कार्ययोजना तैयार की जाए।

नगरद्वय में चरणबद्ध तरीके से इलेक्ट्रिक बसें शुरू करेगा सेटविन : मंत्री

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आबकारी, पर्यटन और युवा सेवा मंत्री वी श्रीनिवास गौड़ ने सूचित किया है कि सेटविन के सहयोग से, इलेक्ट्रिक बसों को जुड़वां शहरों में चरणबद्ध तरीके से पेश किया जाएगा। मंत्री श्रीनिवास गौड ने बीसी कल्याण मंत्री गंगुला कमलाकर के साथ गुरुवार को यहां दो नई मिनी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दो नई बसों में से एक बस सिकंदराबाद से मेहदीपट्टनम तक संचालित की जाती है जबकि दूसरी चारमीनार से गोलकोंडा तक संचालित की जाती है। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री श्रीनिवास गौड ने कहा कि सेटविन के सहयोग से, अब कुल 100 मिनी बसों को जुड़वां शहरों में संचालित किया जा रहा है और भविष्य में, उन बसों को बदल दिया जाएगा, जिन्होंने 15 साल

जेपीएस को नियमित नहीं करने पर लक्ष्मण ने सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. के. लक्ष्मण ने आज कनिष्ठ पंचायत सचिवों (जेपीएस) के नियमितीकरण के मुद्दे पर राज्य सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने खुद को राजनीति तक सीमित कर लिया है। यह कहते हुए कि जेपीएस और किसान कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार उन्हें दबाने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम के पास किसानों की समस्याओं पर समीक्षा बैठक करने का समय नहीं है। उन्होंने कहा कि हाल ही में हुई बारिश के कारण नुकसान झेल रहे किसानों की मदद के लिए तेलंगाना में प्रधानमंत्री फसल भीम योजना लागू नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि बेरोजगार युवाओं में विश्वास जगाने के लिए उनकी पार्टी सभी जिलों में बेरोजगार मार्च निकाल रही है। राज्य की राजधानी से आतंकी गतिविधियों के आरोपी कुछ व्यक्तियों की गिरफ्तारी पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सभी राजनीतिक दलों के नेताओं को ऐसी गतिविधियों की निंदा करनी चाहिए। पड़ोसी कर्नाटक राज्य के चुनावों के एग्जिट पोल में कांग्रेस पार्टी की जीत की भविष्यवाणी पर उन्होंने कहा कि वह एग्जिट पोल के बजाय लोगों की नब्ज पर विश्वास करेंगे। उन्होंने उम्मीद जताई कि कर्नाटक में अगली सरकार भाजपा बनाएगी।

ARTILLERY CENTRE , HYDERABAD
TENDER NOTICE

Headquarters, Artillery Centre, Hyderabad invites applications from war Widows / Widows of Defense Personnel killed while on duty/ Disabled soldiers/ Ex- servicemen & Spouses/ Widows of Ex-Servicemen & Disabled (medical board out) Recruits only for auction of Veg, Fruits & Fresh Shop in Artillery Centre, details of which will be mentioned in the Tender document.

(A) Sale of tender document will commence on 15. May 2023 at Administrative branch, Headquarter, Artillery Centre, Hyderabad.
(B) Last date for submission of filled tender document at administrative branch Headquarter, Artillery Centre, Hyderabad will be 10. June 2023 (23:59 hrs.)
(C) Pre-bid meeting will be held on 19. June 2023, at Headquarter, Artillery Centre , Hyderabad. Note: Age of Applicants as on 01° July 2023 should be less than 60 years.

Headquarters, Artillery Centre,
Hyderabad .PIN- 900398 C/o 56 APO
(Telangana State) Phone No : 040-23518219

दक्षिण मध्य रेलवे

राज्य सरकार के सेवानिवृत्त अधिकारियों की नियुक्ति के लिए सांकेतिक सूचना

रिक्ति सूचना 02/2023

सं.एससीआर/पी-सीओएन/रिइंगेज आफ रिटायर्ड स्टेट गवर्नमेंट आफिशियल फार एलए /2023

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/दक्षिण मध्य रेलवे/सिकंदराबाद के अंतर्गत ठेके के आधार पर रेलवे परियोजनाओं की सुविधाओं के लिए सेवानिवृत्त राज्य सरकार के अधिकारियों(वन/राजस्व) की नियुक्ति जहां भूमि अधिग्रहण शामिल है।

पद-परामर्शदाता(भूमि अधिग्रहण) रिक्तियों की सं : 07 पद

विधिवत भरा हुवा आवेदन, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी(निर्माण), मुख्य प्रशासनिक अधिकारी निर्माण कार्यालय, नीचला तल, रेल निर्माण निलयम उपभवन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिंकदराबाद-500071 को लिफाफे में भेजा जाए ।
लिफाफे के ऊपर परामर्शदाता(भूमि अधिग्रहण)/निर्माण के पद के लिए आवेदन लिखा होना चाहिए।

शैक्षिक योग्यता/पात्रता,आयु, पारिश्रामिक, नियुक्ति की अवधि, आवेदन प्रारूप और अन्य विस्तृत नियमों तथा शर्तों के लिए, कृपया वेबसाइट देखे: : www.scr.indianrailways.gov.in

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद

(AO691)

बिना वाहन रजिस्ट्रेशन व नंबर प्लेट के वाहन मालिकों पर सख्त कार्रवाई

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस आयुक्त डीएस चौहान द्वारा शुरू किए गए यातायात नियंत्रण उपायों के तहत, राचकोंडा ट्रैफिक पुलिस चेन स्नेचिंग और अन्य अपराधों को रोकने के लिए अवैध नंबर प्लेट वाले वाहनों व अपंजीकृत वाहनों के लिए एक विशेष अभियान चला रही है। वी. सत्यनारायण, संयुक्त आयुक्त डी. श्रीनिवास ने कहा कि कई अपराधी बिना नंबर प्लेट और बिना रजिस्ट्रेशन के वाहनों का इस्तेमाल करते हैं। जनवरी 2023 से अब तक मोटर व्हीकल एक्ट के तहत 48,998 वाहनों पर जुर्माना लगाया गया है। कुछ मोटर चालक बिना पंजीकरण के पहले चालान का उपयोग करते हैं। उन्हें यातायात विशेष प्रवर्तन टीमों द्वारा पकड़ा गया और मोटर वाहन अधिनियम की धारा 192 के तहत मामला दर्ज किया गया। उन्हें विशेष अदालतों के समक्ष पेश किया गया। अदालत ने उन्हें एक दिन से तीन दिन के साधारण कारावास की सजा सुनाई और प्रत्येक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया। अन्य मामलों में

3,000 से 5,000 जुर्माना और दो दिन की ट्रैफिक कम्युनिटी सर्विस (उन्हें प्रमुख ट्रैफिक जंक्शनों पर तख्तियों के साथ खड़ा होना चाहिए, 'बिना वाहन पंजीकरण के ड्राइव न करें और शराब के प्रभाव में ड्राइव न करें)। वाहन मालिकों से कहा गया है कि वे खरीद के 30 दिनों के भीतर अपने वाहनों का पंजीकरण करा लें। नंबर प्लेट मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार होनी चाहिए। नंबर प्लेट पर चिन्ह या कोई भी लिखावट न रखें और नंबर प्लेट को मास्क से न ढकने की सलाह दी जाती है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वाले मस्कु साई कुमार निवासी गुम्मादावेली (वी), कंदुकुर, आरआर जिला (1 दिन का साधारण कारावास और 3000 रुपये तक का जुर्माना), वंगाला वेंकटेश निवासी मुनिपनपुला, नलगोंडा जिला (1 दिन का साधारण कारावास और 3000 रुपए तक का जुर्माना), गुनगंती श्रीनिवास, निवासी भोंनगिर टाउन, यदाद्री भोनगिर जिला (दो दिन की सामुदायिक सेवा और 3000 रुपये तक का जुर्माना) की सजा मिली। इसी तरह पाटन दरवेश खान, निवासी काकतीयनगर, साईंबाबा मंदिर के पास, मलकाजगिरी को कुशाईगुड़ा में दो बार उल्लंघन का दोषी पाया गया। न्यायालय, 12 वीं विशेष एमएम कोर्ट, मलकाजीगिरी में पेश किया गया, (3 दिन का साधारण कारावास और 5000 जुर्माना) की सजा सुनाई गई। इसी क्रम में . वाई. मंजुला 5000 जुर्माना) और रसमल्ला शिव 3000 रुपये जुर्माना लगाया गया। इस मौके डीसीपी ट्रैफिक- II, जी. श्रीनिवास कुमार, एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक, एलबी नगर-महेश्वरम एसवी हरिकृष्णा, एसीपी ट्रैफिक, एलबी नगर ट्रैफिक डिवीजन, एस श्रीनिवास राव, एसीपी ट्रैफिक, मलकाजीगिरी ट्रैफिक डिवीजन और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

CLASSIFIEDS

FLATS FOR SALE

New Apartments, 3BHK Super Deluxe Flats, Ready to Occupy, GHMC & RERA Approved Project, Good Vastu, OC Received Bank Loan available, @ Pragati Colony, Near Aram Ghar X Roads, Before Shamshabad International Airport. Contact: 9100015559, 9100015558.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

सीएलपी नेता विक्रमार्क की पीपुल्स मार्च पदयात्रा 56वें दिन में प्रवेश

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता मल्लु भट्टी विक्रमार्क की चल रही पीपुल्स मार्च पदयात्रा आज 56वें दिन में प्रवेश कर गई। उन्होंने राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र के शमशाबाद शहर में अपनी पदयात्रा शुरू की और वेंकटपुरम चौरास्ता तक पैदल यात्रा की।

विक्रमका ने व्यक्तिगत रूप से स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली। ज्ञानेश्वर मुदिराज के नेतृत्व में नरकुडा में कांग्रेस विधायक दल के कार्यकर्ताओं ने माल्यार्पण कर उनका अभिनंदन किया।

इस अवसर पर बोलते हुए, उन्होंने कहा कि अलग तेलंगाना राज्य में भूमि और पानी के आवंटन के मुद्दे पर रंगा रेड्डी जिले के लोगों के साथ बहुत अन्याय हुआ है।

वोटिंग से पहले निर्दलीय प्रत्याशी पति को मारी गोली

कानपुर में स्कूटी सवार बदमाश ने घटना को दिया अंजाम, बाएं कंधे में लगी गोली; हालत गंभीर

घाटमपुर, 11 मई (एजेंसियां)। कानपुर के घाटमपुर में नगर पालिका अध्यक्ष पद की निर्दलीय प्रत्याशी के पति को स्कूटी सवार नकाबपोश बदमाशों ने गोली मार दी। वह बुधवार रात घर से खाना खाकर बाइक से चुनाव कार्यालय जा रहे थे। गोली चलने की आवाज सुनकर लोग इकठ्ठा हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने प्रत्याशी पति को घायल अवस्था में घाटमपुर सीएचसी पहुंचाया। जहां से प्राथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

घाटमपुर नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए आज दूसरे चरण में मतदान होने हैं। घाटमपुर नगर के शास्त्री नगर मोहल्ला निवासी गजराज सिंह यादव उर्फ पप्पू ने बताया कि उनकी पत्नी स्नेहलता यादव निर्दलीय घाटमपुर नगर पालिका सीट से अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ रही है। देर रात वह अपने घर से कार्यालय जा रहे थे। तभी सामने से आए स्कूटी सवार दो बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी। इसके बाद बदमाश मौके से भाग निकले।

घर से दो सौ मीटर बदमाशों ने गोली मारी

स्नेहलता के मुताबिक पति बुधवार रात 11:45 बजे घर से खाना खाने के बाद कानपुर रोड पर स्थित रामचंद्र पेट्रोल पंप के पास स्थित चुनाव कार्यालय बाइक से अकेले जा रहे थे। घर से दो सौ मीटर दूर बसंत विहार इलाके में सामने से आए स्कूटी सवार नकाबपोश बदमाशों ने सामने से दो फायर झोंक दिए।

गोली गजराज के बाएं कंधे के नीचे लगी

एक गोली गजराज के बाएं कंधे के नीचे लगी। फायर और चीखने की आवाज सुनकर मोहल्ले वाले बाहर निकले। गजराज ने उन्हें घटना के बारे में बताया और बेहोश हो गए। कुछ देर बाद पहुंची पुलिस ने उन्हें सीएचसी भेजा। जहां से प्राथमिक उपचार करने के बाद उन्हें कानपुर भेज दिया गया।

गजराज सिंह भाजपा में सक्रिय सदस्य

बता दें कि गजराज सिंह यादव ने आठ वर्ष पहले बजरंग दल में जिला संयोजक से अपने राजनितिक कैरियर की शुरुआत की, जिसके बाद वह विश्व हिन्दू परिषद में जिला संयोजक रहे। साथ ही भाजपा में सक्रिय सदस्य है। अभी भी बजरंग दल में कार्यकर्त्ता है।

एसीपी ने पहुंचकर जुटाई जानकारी

घटना की सूचना मिलते की भारी पुलिसबल के साथ घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला सीएचसी पर पहुंचे। जहां उन्होंने घटना की जानकारी जुटाई। जिसके बाद उन्होंने घटना के अनावरण के लिए घाटमपुर थानाध्यक्ष अशोक कुमार दुबे को निर्देशित किया है।

पुलिस रास्ते में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। मामले में घाटमपुर एसीपी दिनेश कुमार शुक्ला ने बताया कि देर रात को निर्दलीय प्रत्याशी स्नेहलता के पति को गोली लगी है। इनका कहना है कि हम खड़े हुए थे, हमारे बाएं कंधे पर गोली लगी है। प्रारंभिक इलाज के लिए घायल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की गहनता से जांच की जा रही है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

फोम फैक्ट्री में आग, 4 की जिंदा जलकर मौत

बरेली में 25-30 फीट ऊंची लपटें उठीं, घटना के वक्त 200 कर्मचारी थे...भगदड़ में कई घायल

फरीदपुर, 11 मई (एजेंसियां)। बरेली में बुधवार शाम एक फोम फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। हादसे में 4 कर्मचारियों की जिंदा जलकर मौत हो गई। जबकि आग की चपेट में आकर 4 कर्मचारी बुरी तरह से झुलस गए। उनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। कुछ मजदूरों के लापता होने की भी सूचना है। घटना के बाद से लापता मजदूरों के परिजन हंगामा कर रहे हैं। घटना दिल्ली-सीतापुर हाइवे पर फरीदपुर से पहले जेड गांव में अशोका फोम की है।

अशोका फोम फैक्ट्री में आग तब लगी, जब मजदूर काम खत्म करने की तैयारी कर रहे थे। कुछ ही देर में आग पूरी फैक्ट्री में फैल गई। 25-30 फीट ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं। इस दौरान फैक्ट्री में मौजूद करीब 200 मजदूरों में भगदड़ मच गई।

कर्मचारियों के शवों को निकालने के लिए देर रात 2 जेसीबी और एक क्रेन मौके पर बुलाई गई। वहीं, हंसराज, बबलू और जितेंद्र समेत झुलसे चार कर्मचारियों को निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। इनमें एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। रात करीब 9 बजे आग बुझने के बाद

लापता मजदूरों की तलाश शुरू की गई।

आग इतनी भीषण थी कि मौके पर पहुंचे पुलिस और प्रशासन के अफसरों ने आसपास के इलाके को भी पूरी तरह से खाली करा दिया था। फरीदपुर की एक, बरेली की तीन और परसाखेड़ा की एक दमकल गाड़ी करीब 4 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकी। रामपुर बाग निवासी अशोका फोम के मालिक अशोक अग्रवाल का सिविल लाइंस में शोरूम और फरीदपुर के जेड गांव में फैक्ट्री है। यहां फोम के गद्दों समेत कई उत्पाद बनाए जाते हैं।

देर रात तक चलता रहा बचाव कार्य

सीएफओ चंद्र मोहन और सीओ फरीदपुर गौरव कुमार के साथ पुलिस-प्रशासन के कई अधिकारी देर रात तक मौके पर डटे रहे। आग तो रात 9 बजे तक बुझ गई थी, लेकिन बचाव कार्य देर रात तक चलला रहा। कई उद्यमी और विधायक संजीव अग्रवाल भी मौके पर पहुंचे थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को घटना की सूचना दी है। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

शव की पहचान के लिए होगा डीएनए टेस्ट

एसएसपी प्रभाकर चौधरी ने बताया, देर रात तक आग में जिंदा जले शवों को निकाल लिया गया था। इनमें से लापता सरकड़ा गांव के राकेश व हरहरपुर के अरविंद के शव की पहचान कर ली गई है। एक शव की पहचान डीएनए टेस्ट से की जाएगी। चौथा शव फरीदपुर के अनूप का बताया जा रहा है हालांकि अभी तक पुष्टि नहीं हुई है।

आग लगने से पहले हुआ तेज धमाका

वहीं, एटा के मनीष लापता हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि आग लगने से पहले एक तेज धमाका हुआ था जिसे 500 मीटर से भी ज्यादा दूर तक सुना गया था। झुलसने वालों में हरहरपुर निवासी रवि, नकटिया निवासी बबलू व धरमपुर निवासी हंसराज शामिल हैं।

इसी फैक्ट्री में 30 अप्रैल, 2016 को भी आग लगी थी। उस समय सुकटिया सिंधावरी निवासी बिजनेस मैनेजमेंट के छात्र की झुलसने से मौत हो गई थी। इससे पहले मई 2020 में भी इसी फैक्ट्री में आग लगी थी। अक्टूबर 2019 में आग लगी तो उसने विकराल रूप ले लिया था। पूरे जिले की दमकल गाड़ियां लगाने के बावजूद आग नहीं बुझी तो सेना और एयरफोर्स की भी गाड़ियां बुलानी पड़ी।

अतीक जेल से दिल्ली-मुंबई के कारोबारियों को धमकाता था

4 घंटे पूछताछ में सौलत का दावा, उमर और अली के जेल जाने के बाद असद ने संभाला कारोबार

प्रयागराज, 11 मई (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के बाद पुलिस ने वकील खान सौलत हनीफ से 4 घंटे रिमांड में पूछताछ की। कस्टडी में खामोश रहने वाले वकील ने अतीक के नेटवर्क से लेकर काले कारोबार पर कई खुलासे किए।

पुलिस सूत्रों के मुताबिक, सौलत ने बताया कि उमर और अली के जेल जाने के बाद असद ने कारोबार की बागडोर संभाली थी। सौलत ने पूछताछ के दौरान कुछ स्क्रीन शॉट भी पुलिस को दिए है, जोकि रुपयों के लेनदेन से संबंधित है।

मुकदमों की फाइलें मिली.. जांच में शामिल होंगी

पुलिस टीम ने वकील के आई फोन का डेटा भी रिकवरी के लिए भेजा है। साथ ही, अतीक और अशरफ से जुड़ी कुछ और मुकदमों की फाइलें भी मिली है। इसको जांच का हिस्सा बनाया जा रहा है। वहीं, रिमांड से जुड़े फैक्ट पर प्रयागराज के पुलिस अफसरों ने कुछ भी कहने से इनकार किया।

साबरमती जेल से अतीक गुजरात, दिल्ली, महाराष्ट्र तक करता था वसूली

धूमनगंज पुलिस ने खान सौलत हनीफ की दोबारा कस्टडी रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने बुधवार को 3 दिन की अर्जी पर सुनवाई करते हुए दोपहर 3 से शाम 4 बजे तक की रिमांड मंजूर की। पुलिस खान सौलत के आईफोन का डेटा रिकवरी के लिए भेज रही है। उसने पूरी डिटेल मोबाइल से पहले ही डिलीट कर दी है। विधि विज्ञान के प्रयोगशाला की मदद ली जा रही है। उसने कबूला कि 19 फरवरी को उसने आईफोन से असद को उमेशपाल की तस्वीरें अपने मोबाइल से भेजी थीं।

पूछताछ में सामने आया कि शाइस्ता, अतीक के वसूली के धंधे को बाहर रहकर संभाल रही थी। साबरमती जेल से अतीक गुजरात, मुंबई और दिल्ली के प्रॉपर्टी डीलर और व्यापारियों को कॉल करके अवैध वसूली का दबाव बनाती थी। 10 लाख से ज्यादा रकम लेने के लिए शाइस्ता सौलत को भेजती थी। मगर छोटी रकम के लिए अतीक के नौकर राकेश की मदद ली जाती थी।

अतीक से मनमानी फीस लेता था सौलत

वकील से हुई पूछताछ में उसने बताया कि अतीक अहमद से मनमानी फीस लेकर वह हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक के बड़े वकीलों को पहुंचाता था। पूछताछ के जरिए अतीक की काली कमाई से जुड़े कई राज खुले हैं। वकील की निशानदेही पर मुकदमों से जुड़ी कई फाइलें भी मिली हैं। इस पूछताछ के बाद सौलत को नैनी जेल वापस भेज दिया गया।

28 मार्च को कोर्ट ने सुनाई थी उम्रकैद की सजा

उमेश पाल अपहरण केस में MP-MLA कोर्ट ने अतीक के साथ-साथ उसके वकील खान सौलत हनीफ को भी उम्रकैद की सजा सुनाई थी। उसे नैनी सेंट्रल जेल में रखा गया है। बीते मंगलवार को पुलिस उसे 12 घंटे के लिए पूछताछ के लिए रिमांड पर ली थी। बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड की जांच के दौरान पुलिस ने सौलत को भी आरोपी बनाया है। उस पर साजिश रचने और तस्वीरें शूटर्स को भेजने का आरोप है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि उमेश पाल हत्याकांड के ठीक पांच दिन पहले सौलत हनीफ ने असद को उमेश की 10 अलग अलग तस्वीरें भेजी थी।

गाजियाबाद में मतदान केंद्र पर विधायक–प्रत्याशी पति में झड़प

नंदकिशोर गुर्जर बोले– दिल्ली की महिलाओं को बुर्के में लाकर डलवाए जा रहे वोट

गाजियाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। जियाबाद के लोनी इंटर कॉलेज में मतदान के दौरान भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर और बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी पति असद अली में तीखी झड़प हुई। हंगामा बढ़ते देख पुलिस ने असद अली को मतदान केंद्र से बाहर कर दिया।

बसपा के चेयरमैन प्रत्याशी पति असद अली का आरोप था कि मुसलमानों को वोट डालने से रोका जा रहा है। भाजपा विधायक के निर्देश पर इस मतदान केंद्र पर मतदान की गति बेहद धीमी कर दी गई है। असद अली ने बताया कि इस सूचना पर वे मतदान केंद्र पर समर्थकों सहित पहुंचे थे। सच्चाई जानने के लिए भी पोलिंग बूथ के अंदर घुस गए। इसी दौरान भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर वहां पहुंच गए। उन्होंने प्रत्याशी पति के एजेंट नहीं होने के बावजूद पोलिंग बूथ में अंदर घुसने का विरोध किया और पुलिस से कहकर उन्हें बाहर निकलवा दिया।

वि धा य क नंदकिशोर गुर्जर का कहना है कि दिल्ली की महिलाओं को बुर्का पहना कर वोट डलवाने के लिए गाजियाबाद में लाया जा रहा है, जो पूरी तरह गलत है। इसी सूचना पर वे मतदान केंद्र में आए थे। एक भी फर्जी वोट नहीं डालने दिया जाएगा। उधर पुलिस और प्रशासन ने अब इस मतदान केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था और ज्यादा चौकस कर दी है।

कानपुर में वोटिंग में कई जगहों पर झड़प

सपा विधायक का आरोप- ईवीएम में वंदना के नाम की बटन काम नहीं कर रही, भाजपा सांसद पचौरी ने डाले वोट

कानपुर, 11 मई (एजेंसियां)। कानपुर में निकाय चुनाव के दूसरे चरण का मतदान शुरू हो गया है। दोपहर 1 बजे तक 23.51% मतदान हुआ। नगर निगम 23.04% और बिल्हौर नगर पालिका 45%, घाटमपुर नगर पालिका 35%, बिठूर पंचायत 44.95%, शिवराजपुर पंचायत 32% मतदान हुआ। बूथों के बाहर मतदाताओं की लंबी लाइनें लगी है। बीजेपी मेयर प्रत्याशी प्रमिला पांडेय और सपा प्रत्याशी वंदना बाजपाई ने वोट दिया।

काकादेव प्रभात पब्लिक स्कूल मतदान केंद्र में भाजपा का एजेंट अरेस्ट हुआ है। पोलिंग बूथ के अंदर एजेंट नितिन एक मतदाता उर्मिला सिंह को भाजपा को वोट डालने के लिए दबाव बना रहा था। वहीं, वार्ड-91 में हंगामा हुआ। नोट बांटने के आरोप में एक युवक को काकादेव पुलिस ने हिरासत में लिया है। गुजैनी वार्ड-9 में भाजपा और सपा प्रत्याशी के बीच झड़प हुई। भाजपा प्रत्याशी अंकिता चौहान

पत्नी वीरेंद्र चौहान, सपा प्रत्याशी लक्ष्मी चौहान पत्नी राज कुमार चौहान के बीच झड़प हुई है। सपा विधायक अमिताभ बाजपेई का आरोप- ईवीएम में उनके प्रत्याशी वंदना बाजपेई के नाम के आगे का बटन काम नहीं कर रहा है। सभी विधानसभाओं में यह समस्या है।

भाजपा सांसद सत्यदेव पचौरी ने मतदान किया। भाजपा सांसद से यह सवाल किया गया कि आप भाजपा की महापौर प्रत्याशी प्रमिला पांडेय से नाराज हैं। जवाब में भाजपा सांसद ने कहा- नो कमेंट। कानपुर के बर्रा-2 वार्ड 51 में भा ज पा प्र त्या शी आदर्श शर्मा लोगों को रोक-रोक कर वोट मांग रहे थे, जिसका नि र्दलीय प्रत्याशी संदीप पाल ने विरोध किया। इस पर दो नों प्रत्याशियों के समर्थक आमने-सामने आ गए। वार्ड-70 के प्रत्याशी पुत्र के अश्लील फोटो के पोस्टर जगह-जगह चस्पा किए गए हैं। हालांकि ये तस्वीर एडिटेड है या नहीं। ये कन्फर्म नहीं है।

नगर निगम में 22 लाख 17 हजार 517 मतदाता वोट डालेंगे। पुरुष वोटर 11,84,210 हैं। जबकि महिला 10,33,307 हैं। नगर पालिका और नगर पंचायतों में 69,973 वोटर हैं। वार्ड 2 के बूथ संख्या 17 और 28 में ईवीएम खराब हुई। मॉक पोल भी नहीं हो सका। चमनगंज स्थित बूथ संख्या 1708 में मॉक पोल में ईवीएम खराब हुई। डेढ़ घंटे बाद शुरू हो सका मतदान।

विवेकानंद इंटर कॉलेज मतदान केंद्र बर्रा 2 कानपुर, बूथ संख्या 1260 में मेयर, पार्षद की ईवीएम मशीन खराब हो गई थी। 45 मिनट लेट मतदान हो सका। वार्ड 26 के 411 बूथ नंबर गांधी ग्राम में लगी ईवीएम में खराबी मिली। ये महापौर पद की थी।

यहां 10 मिनट देरी से मतदान शुरू हुआ। बूथ नंबर 620 रामकृष्ण मिशन स्कूल में ईवीएम में खराबी आई। मशीन बदलने के बाद दोबारा मतदान शुरू कराया जा रहा है। वोटर आईडी कार्ड लेकर आए मतदाताओं का लिस्ट में नाम नहीं होने की वजह से वोट नहीं डाल पाए। इससे नाराज मतदाता वापस चले गए। सरस्वती मॉडल स्कूल छोरा नवाबगंज के कक्ष संख्या एक बूथ संख्या 692 में खराब हुई ईवीएम मशीन के कारण मतदान नहीं शुरू हो सका।

उद्धव-नीतीश मिले, ठाकरे बोले-आप आए..फैसला आया

देश को गुलाम बनाने वालों को घर भेजेंगे; नीतीश ने कहा-सभी की जल्द बैठक होगी

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार गुरुवार को मुंबई पहुंचे। वे सीधे उद्धव ठाकरे से मिलने मातोश्री गए। दोनों नेताओं ने मुलाकात की, फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उद्धव बोले- इतने दिनों से हमारी लड़ाई सर्वोच्च न्यायालय में चल रही थी। आज आप भी आ गए और फैसला भी। महाराष्ट्र के सीएम और डिप्टी सीएम को नैतिकता के आधार पर इस्तीफा दे देना चाहिए।

उद्धव ने कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आज पहली बार मातोश्री आए हैं। सब उनकी मंशा जानते हैं। ऐसे हालात पैदा हो गए हैं कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो रही है। नीतीश विपक्ष और देशभक्तों को एक साथ लाने की कोशिश कर रहे हैं। देश को गुलाम बनाने वालों को घर भेजेंगे।

नीतीश बोले- हम चाहते हैं सभी एकजुट हों

नीतीश कुमार ने कहा कि हम चाहते हैं ज्यादा से ज्यादा पार्टियां एकजुट हों। केंद्र कोई काम नहीं

कर रही है। साथ मिलकर हम देश को आगे लेकर जाएंगे। ये लोग देश का इतिहास मिटा रहे हैं। केंद्र को देश से कोई मतलब नहीं है। अपने तरीके से सब चीजों को बदल रहे हैं। हम सभी पार्टियों के साथ जल्द ही बैठक करेंगे।

सीएम नीतीश जब उद्धव ठाकरे से मिलने पहुंचे, उस समय उद्धव ठाकरे महाराष्ट्र सरकार पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने की तैयारी कर रहे थे।

नीतीश साथ डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह भी मौजूद रहे। तीन में सीएम का यह तीसरे राज्य का दौरा है, जब वह विपक्ष के नेताओं से मिलने प्रदेश के बाहर गए हैं। नीतीश के पहुंचने से पहले ही मुंबई की सड़कों पर देश मांगे नीतीश वाले पोस्टर देखने को मिले।

उद्धव की हां, मिलेगी मजबूती

विपक्षी एकता के लिए उद्धव ठाकरे और शरद पवार महत्वपूर्ण है। महाराष्ट्र में दोनों नेताओं का वर्चस्व है। ऐसे में उद्धव ठाकरे और शरद पवार अगर विपक्षी एकता में शामिल होने की हामी भरते हैं तो मुख्यमंत्री के इस मुहिम को एक नई ताकत मिलेगी। उद्धव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में विपक्षी एकता की बात कही है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी कुमार चौबे ने नीतीश के अभियान पर कहा कि यह विपक्ष जोड़ो नहीं,आंख फोड़ो अभियान है। नीतीश कुमार में कोई गुण नहीं बचा सिर्फ अवगुण हैं। वे बस यह कहकर जनता को ठगने के लिए जा रहे हैं कि वे PM मैटेरियल हैं। राजनीति में नीतीश वेक्लूलेस हो चुके हैं। चुनाव तक सिर्फ पहचान दिखाने में लगे हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विपक्षी एकता को मजबूत करने के सिलसिले में लगातार अलग-अलग राज्यों में घूम रहे हैं। वहां के नेताओं से मिल रहे हैं। गैर भाजपा पार्टी के नेताओं से पहल कर रहे हैं कि वह विपक्षी एकता में शामिल हो।

बिहार के 10 जिलों में हीट वेव का अलर्ट

पटना, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार में गर्मी से लोगों को फिलहाल राहत नहीं मिलने वाली है। मौसम विभाग ने बिहार के 10 जिलों में 13 मई तक हीट वेव का अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में पारा 41 से 43 डिग्री तक जाने की संभावना है।

प्रदेश के 19 जिलों में तापमान 40 डिग्री से अधिक रिकॉर्ड र्ट जारी किया है उनमें पटना, बक्सर, शेखपुरा, नवादा, जमुई, बांका, भागलपुर, खगड़िया, पूर्णिया, अररिया शामिल हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक, 13 मई के बाद मौसम में सुधार हो सकता है। 14 मई को आसमान में बादल छाए रह सकते हैं। हवा में नमी रहेगी। जिससे गर्मी से राहत मिलेगी। बंगाल की खाड़ी में उठा साइक्लोन मोचा का असर बंगाल, झारखंड के साथ-साथ बिहार के कुछ हिस्सों में भी हो सकता है। राजधानी पटना में लोग गर्मी से परेशान हैं। पटना समेत बिहार के ज्यादातर जिलों में तापमान में 6 से 7 डिग्री तक की वृद्धि दर्ज की गई है। 6 मई के आसपास पटना का अधिकतम तापमान लगभग 35 डिग्री था। जबकि मंगलवार और बुधवार को यहां तापमान 41 डिग्री के पार रहा। गया, भागलपुर, बांका, खगड़िया में भी ऐसे ही हालात हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें तो शेखपुरा औरंगाबाद और बांका जिला सबसे गर्म रहा। यहां का अधिकतम तापमान 41.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भागलपुर का अधिकतम तापमान 41.5 डिग्री, पटना का 41.4 डिग्री नवादा 41.2 डिग्री, गया 41.1 डिग्री, जमुई 41 डिग्री, नालंदा 40.6 डिग्री, वाल्मीकि नगर 40.3 डिग्री, बेगूसराय 40 डिग्री, किशनगंज 40 डिग्री।

नाबालिग की चाकू मारकर हत्या

भागलपुर, 11 मई (एजेंसियां)। भागलपुर में एक शादी समारोह में आए सोलह वर्षीय युवक आशीष मंडल की चाकू मार कर हत्या कर दी गयी। हत्या करने वाला आरोपी मृतक आशीष का ही दोस्त बताया जा रहा है। जो घटना के बाद से फरार है। मिली जानकारी के मुताबिक अपने दोस्त प्रिंस की बहन की शादी में गए आशीष मंडल उम्र 16 वर्ष की चाकू से गोदकर उसके ही दोस्तों ने हत्या कर दी। घटना के समय वहां मौजूद दूसरे अन्य दोस्तों ने ही उसे घायल अवस्था में मायागंज अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया।

आनंद मोहन बोले-दोषी हूं तो सूली पर चढ़ा दो

आडवाणी और पटनायक से पूछिए, मैं क्या चीज हूं; लोकतंत्र के सम्मान के लिए जेल गया

अररिया, 11 मई (एजेंसियां)। रिहाई के बाद पहली बार आनंद मोहन का बयान सामने आया है। आनंद मोहन ने गोपालगंज के डीएम जी कृष्णैया की हत्या के मामले में खुद को निर्दोष बताया। उन्होंने कहा कि मैं दोषी हूं तो सूली पर चढ़ा दो...गोली मरवा दो। यूं पल-पल जलील होना मुझे गवारा नहीं है। 16 साल जेल में रहने पर कहा कि हम भी माननीय रहे हैं। हमने कानून बनाया था। हमारी पत्नी लवली आनंद ने भी कानून बनाया था। जिसने कानून बनाया उसका उसी से मुंह फेरना मर्द का काम नहीं है। मैं लोकतंत्र के सम्मान के लिए जेल गया था।

आनंद मोहन ने ये भी कहा कि लालकृष्ण आडवाणी और नवीन पटनायक से पूछिए कि मैं क्या चीज हूं।

जेल से रिहाई के बाद आनंद मोहन पहली बार किसी सार्वजनिक कार्यक्रम में शामिल हुए। फारबिसगंज के फैंसी मार्केट में बुधवार को बाबू वीर कुंवर सिंह की प्रतिमा का अ ना व र ण किया। इस कार्यक्रम में आनंद मोहन मुख्य अतिथि थे। यहां उन्होंने रिहाई पर अपना ये बयान दिया है।

आनंद मोहन के साथ उनकी पत्नी और पूर्व सांसद लवली आनंद भी मौजूद थीं। बीजेपी सांसद और विधायक भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे, लेकिन दोनों ने आनंद मोहन से दूरी बनाकर रखी। मंच साझा नहीं किया।

आनंद मोहन सिंह और लवली आनंद ने भी कृष्णैया की पत्नी से सच्चाई जानने की गुजारिश की। आनंद मोहन ने कहा कि वो राजनीतिक हथकंडे का शिकार हो रही हैं।

स्वर्ण मंदिर के पास हुए तीनों धमाकों की गुत्थी सुलझी

पांच आरोपित गिरफ्तार; पाकिस्तान से जुड़ सकते हैं तार

चंडीगढ़, 11 मई (एजेंसियां)। अमृतसर में हुए बम धमाके के मामले को पंजाब पुलिस ने सुलझा लिया है। अमृतसर में हुए तीन विस्फोट के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को पकड़ा है। इस घटना के बारे में अधिक जानकारी पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी। उन्होंने कहा कि हमने पांच लोगों को हिरासत में लिया है। इनके नाम आजादवीर सिंह, अमरीक सिंह, साहिब सिंह, हरजीत सिंह और धर्मेंद्र सिंह हैं। इनमें से तीन ने विस्फोटकों का प्रबंध किया था। एक महिला से भी पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि धमाके कम क्षमता के थे। इसके लिए पोटाश अमृतसर से लिया गया था। तीन कंटेनर का इसमें उपयोग किया गया था। पार्किंग की छत से पहले धमाका किया गया था। पूरे मामले की जांच हो रही है। एसआईटी बनाकर इसकी जांच की जाएगी। इस मामले में आजादबीर और अमरीक सिंह मुख्य आरोपी हैं। ये विस्फोट पटाकों में यूज होने वाले पोटाश से करवाए गए। पंजाब और इसके बाहर के रिश्तों की जांच के लिए इनके फोन डिटेल चेक की जा रही है। उन्होंने

कहा कि अमरीक की वाइफ का क्या रोल है, उसकी जांच हो रही है। एसजीपीसी ने पुलिस का पूरा सहयोग किया है।

पांच लोग गिरफ्तार

हेरीटेज स्ट्रीट व श्री गुरु रामदास लंगर हाल के बाहर हुए बम धमाकों में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। डीजीपी गौरव यादव ने अमृतसर में पत्रकार सम्मेलन में बताया कि ये धमाके कम क्षमता वाले थे। इस मामले में अमृतसर के कस्बा बाबा बकाला के रहने वाले आजादबीर सिंह, गुरदासपुर के दोरांला के रहने वाले लखबीर सिंह, अमृतसर के गेट हकीमां क्षेत्र के साहब सिंह, मजीठा रोड के हरजीत सिंह व धरमिंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया है। एक महिला की भूमिका भी संदिग्ध है।

असेंबल किया गया था आईईडी

डीजीपी ने कहा कि आजादबीर सिंह और अमरीक सिंह ने आईईडी असेंबल की थी। फोरेंसिक जांच में मालूम हुआ है कि यह क्लोराइड एंड ब्रोमाइट्स मिक्सचर ऑफ सल्फर था। आजादबीर ने यह एक्सप्लोसिव धरमिंदर सिंह से मंगवाया था। धरमिंदर ने अमृतसर के अन्नगढ़ क्षेत्र से यह एक्सप्लोसिव लिया और हरजीत सिंह को दिया। हरजीत सिंह व साहब सिंह साबा ने यह आजादबीर तक पहुंचाया। इस मामले में अमरीक सिंह व आजादबीर सिंह मुख्य थे। अमरीक की पत्नी की भूमिका की भी जांच की जा रही है। हालांकि अभी उसे गिरफ्तार नहीं किया गया है। पकड़े गए आजादबीर सिंह से एक किलो सौ ग्राम विस्फोटक बरामद किया गया है। एसजीपीसी की टास्क फोर्स व एसजीपीसी के अध्यक्ष ने इन्हें पकड़वाने में पूरा सहयोग दिया।

सीसीटीवी सर्विलांस से हाथ लगे अहम सुराग

डीजीपी ने बताया कि सीसीटीवी सर्विलांस के दौरान हमें कई अहम सबूत मिले। इस क्षेत्र की मोबाइल डंप से भी अहम सुराग हाथ लगे। तकनीकी पहलुओं पर गौरव करने के बाद हमें इन पांचों की उपस्थिति यहां मिली। पहला आईईडी श्री गुरु रामदास सराय में असेंबल की गई थी। एक्सप्लोसिव को दो कंटेनर व टिफिन में भरा गया था। तकरीबन 200 ग्राम एक्सप्लोसिव था जो पटाखे बनाने में काम आता है। इसे हेरीटेज स्ट्रीट की पार्किंग बिल्डिंग के समीप रखा गया था। छह मई को इसमें धमाका किया गया। आजादबीर को लगा कि उनका इंपेक्ट कम हुआ है। उसने फिर से मैटेलिक कटोरियों को जोड़कर इसमें दूसरा एक्सप्लोजर रखा। यह श्री गुरु रामदास सराय के बाथरूम में असेंबल किया गया था। इसे भी पार्किंग के पास ही धमाका किया गया। वहीं तीसरा धमाका 10 मई रात्रि 12.10 पर किया गया था।

अमृतपाल और पाक एंगल की होगी जांच

डीजीपी गौरव यादव ने कहां कि पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। इन धमाकों की साजिश में खालिस्तान समर्थक अमृतपाल के रोल की भी जांच होगी। इसके साथ ही आईएसआई से कोई लिंक है या नही इसकी भी जांच होगी। डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि अमृतपाल का कोई रोल तो नहीं है, बाकी जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है।

गोलपाड़ा जिले में मृत्यु भोज में शामिल हुए लोग फूड पॉइजनिंग का हुए शिकार, 40 लोग बीमार

गोलपारा, 11 मई (एजेंसियां)। असम के गोलपारा जिले में चौंका देने वाला मामला सामने आया है। दरअसल, गोलपारा जिले में मृत्यु भोज कार्यक्रम में कई लोग शामिल हुए थे, लेकिन वे सभी फूड पॉइजनिंग का शिकार हो गए। इस कार्यक्रम में पुरुष, महिलाओं और बच्चे शामिल हुए थे। वहां फूड पॉइजनिंग कम से कम 40 लोग बीमार पड़ गए। पुलिस के अनुसार, पीड़ितों को तुरंत रंगजुली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने कहा कि यह फूड प्वाइजनिंग का मामला लग रहा है। पुलिस ने कहा कि बुधवार को गोलपारा जिले के मरियमपुर इलाके में आयोजित मृत्यु भोज कार्यक्रम में वहां पहुंचे लोगों ने वहां भोजन किया लेकिन, भोजन करने के बाद कम से कम 40 लोग बीमार पड़ गए। पुलिस ने कहा कि मृत्यु भोज कार्यक्रम में शामिल हुए कुछ लोगों को जब खाना खाने के बाद उल्टी होने लगी तो उन्हें तुरंत रंगजुली प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया।स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर ने बताया कि यह फूड प्वाइजनिंग का मामला लग रहा है, हालांकि लोगों के बीमार होने के वास्तविक कारण का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पीड़ितों के परिवार के सदस्यों ने हमें बताया कि उन्होंने मृत्यु के बाद के अनुष्ठान कार्यक्रम में अन्य भोजन के साथ मछली खाई था। वास्तविक कारण अभी तक पता नहीं चल पाया है, हालांकि, यह फूड पॉइजनिंग का मामला लगता है। अभी तक 20-25 लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया जा चुका है और कई और बीमार लोग आ रहे हैं। हालांकि डॉक्टर लगातार उनका इलाज कर रहे हैं। पुलिस ने कहा कि हमने मामला दर्ज कर लिया है और लोगों के बीमार होने के कारणों का पता लगाने के लिए फिलहाल जांच आगे चल रही है।

सेल फैक्ट्री परिसर में तेंदुओं की दस्तक से दहशत

सर्चिंग में जुटी वन विभाग की टीम, पांच कैमरे लगाए गए

सीहोर, 11 मई (एजेंसियां)। इंदौर भोपाल हाईवे पर स्थित सेल फैक्ट्री परिसर में दो तेंदुए नजर आने से फैक्ट्री के कर्मचारियों में दहशत का माहौल है। चार दिन से वन विभाग और फैक्ट्री की संयुक्त टीम सर्चिंग कर रही है। वनविभाग ने पांच कैमरे भी लगाए है। इनमें दो तेंदुए कैद हुए हैं। आष्टा अनुविभाग के चारों ओर फैले हुए घने जंगल में कई जानवरों के घूमनें की खबरें आती रहती हैं। घना जंगल इन जानवरों के लिए बड़ा सुरक्षित स्थल माना जाता है, लेकिन अगर ये जंगली जानवर रहवासी क्षेत्रों में दिख जाये तो उस क्षेत्र के लोगों में दहशत स्वभाविक है।

ऐसा ही मामला जावर तहसील के मेहतवाड़ा में सामने आया है। इंदौर भोपाल हाईवे पर स्थित सेल फैक्ट्री के पिछले हिस्से में घना जंगल है। बिलपान के इस घने जंगल से विचरण करते हुए दो तेंदुए सेल फैक्ट्री परिसर में घुस गये हैं, जिन्हें फैक्ट्री के सुरक्षा गार्ड द्वारा देखना बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि फैक्ट्री प्रमुखों ने इस संबंध में वन विभाग को सूचना दी। सूचना के बाद वन

विभाग ने फैक्ट्री के उस क्षेत्र में टीम तैनात कर दी है। वन विभाग ने खोज हेतु पांच कैमरे भी लगाये हैं। फैक्ट्री के गार्ड भी निगरानी सर्चिंग में सहयोग कर रहे हैं। बीते चार दिन से फैक्ट्री परिसर में संयुक्त टीम दिन रात सतत निगरानी, सर्चिंग कार्य में जुटी है। दोनों तेंदुए लगाये गए कैमरे में कैद भी हुए हैं, दोनों के फैक्ट्री में बने एक तालाब में पानी पीते हुए फोटो भी वायरल हुए हैं, फैक्ट्री परिसर में दोनों तेंदुए विचरण करते भी कैद हुए हैं। जिस एरिया में ये देखे गये उस एरिया में फैक्ट्री के लोगों का जाना आना नहीं के बराबर है।

बताया जा रहा है कि केवल इस खबर से ही दहशत बनी हुई है कि फैक्ट्री एरिया में दो तेंदुए घुस गये हैं। इस मामले में सेल फैक्ट्री के प्रमुख अधिकारी प्रवीण तंवर ने इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि फैक्ट्री के उस परिसर क्षेत्र में जो पीछे जंगल से सटा है। दो तेंदुए देखे जाने के बाद वन विभाग को सूचना दी, उसके बाद से ही वन टीम फैक्ट्री परिसर में तैनात है। विभाग के बड़े अधिकारी भी आ चुके हैं। इस मामले में रेंजर आष्टा राजेश चौहान ने बताया कि सेल फैक्ट्री परिसर में दो तेंदुए नजर आये हैं। परिसर में दोनों तेंदुए साथ घूमते नजर आये हैं। जिसकी सूचना सीहोर भोपाल के वरिष्ठ अधिकारियों को दे दी है। सूचना के बाद डीएफओ एमएस डावर एसडीओ राजेश शर्मा भी आष्टा आये एवं सेल फैक्ट्री पहुंचकर तेंदुए के मूवमेंट वाले क्षेत्र की जानकारी ली।

उनके निर्देशन में पांच कैमरे भी लगाये हैं, वन विभाग ने पांच-पांच सदस्यों की टीम दिन रात में सर्चिंग, निगरानी के लिए तैनात की है। फैक्ट्री के पिछले हिस्से जहां दीवार की बाउंड्री है उसे तुड़वाया है। हमारा प्रयास है कि दोनों तेंदुए फैक्ट्री के पीछे जो बिलपान का घना जंगल है उसमें वापस लौट जाये, अगर ऐसा नहीं हुआ तो फिर उनका रेस्क्यू करना ही एक विकल्प बचेगा।

न्यायमूर्ति शिवगणनम ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ग्रहण की

कोलकाता, 11 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश टी एस शिवगणनम को बृहस्पतिवार को मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन देश के सबसे पुराने उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश के अदालत कक्ष संख्या एक में किया गया। इस दौरान राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी, विधानसभा अध्यक्ष बिमान बनर्जी और राज्य के अन्य वरिष्ठ मंत्री भी उपस्थित रहे। समारोह में उच्च न्यायालय के अन्य न्यायाधीशों, मुख्य न्यायाधीश के परिवार के सदस्यों और मद्रास उच्च न्यायालय बार एसोसिएशन के सदस्यों ने भी भाग लिया। मुख्य न्यायाधीश ने समारोह के बाद सभा को संबोधित करते हुए कहा कि वह पश्चिम बंगाल के लोगों के अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और लोकतंत्र एवं कानून के शासन को बनाए रखने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

नाबालिग महिला पहलवान का मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज, क्या बोली दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के जंतर मंतर पर डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी नहीं होने के बाद पहलवानों का प्रदर्शन और तेज हो गया है। दिल्ली पुलिस ने बयान जारी कर रहा है कि नाबालिग महिला पहलवान ने मजिस्ट्रेट के सामने बयान दर्ज कराया है। सीआरपीसी 164 के तहत बयान दर्ज किया गया। डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगा है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस ने कनॉट प्लेस थाने में दो एफआईआर दर्ज की थी। पुलिस ने नाबालिग रेसलर से यौन शोषण के मामले में बृजभूषण पर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया था तो वहीं अन्य छह महिला पहलवानों के आरोपों पर दूसरी एफआईआर दर्ज की थी। दिल्ली पुलिस आरोपों के की जांच कर रही है। इससे पहले को सुप्रीम कोर्ट में मामले की सुनवाई के दौरान पुलिस ने डब्ल्यूएफआईअध्यक्ष के खिलाफ केस दर्ज करने पर सहमति जताई थी। 21 अप्रैल को एक नाबालिग समेत सात महिला रेसलर्स ने बृजभूषण के खिलाफ यौन शोषण की शिकायत की थी। केस न दर्ज होने पर रेसलर्स ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की। 23 अप्रैल से बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट और साक्षी मलिक समेत कई दिग्गज रेसलर्स प्रदर्शन कर रहे हैं। पहलवानों का कहना है कि जब तक बृज भूषण सिंह की गिरफ्तारी नहीं होगी। तब तक जंतर मंतर पर प्रदर्शन होता रहेगा। बात दें कि जनवरी में पहलवानों ने पहली बार कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन किया था। पहलवान दिल्ली के जंतर-मंतर में धरने पर बैठे थे। पहलवानों कुश्ती संघ के अध्यक्ष पर मनमाने तरीके से संघ चलाने और कई महिला पहलवानों का यौन शोषण करने के आरोप लगाए थे।

इसके बाद बृजभूषण शरण सिंह को कुश्ती संघ के कामकाज को दूर कर दिया गया और उनके खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए समिति बना दी गई। इस समिति ने पांच अप्रैल को अपनी रिपोर्ट सौंप दी, लेकिन इसे सार्वजनिक नहीं किया गया। इसके बाद पहलवानों ने रविवार (23 अप्रैल) को फिर से दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन शुरू कर दिया। जांच समिति की सदस्य रहीं बबीता फोगाट ने समिति की रिपोर्ट से असहमति जताई है और एक सदस्य पर बदसलूकी के आरोप भी लगाए हैं। वहीं, पहलवान ने राजनीतिक दलों से भी समर्थन मांगा है और उन्हें कई राजनेताओं का समर्थन मिल रहा है। आज ब्लैड डे जंतर मंतर पर प्रदर्शन कर रहे पहलवानों के द्वारा मनाया जा रहा है।

पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन की सहायक यंत्री निकली करोड़पति, लोकायुक्त ने तीन ठिकानों पर मारा छापा

भोपाल, 11 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश लोकायुक्त पुलिस ने पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन की सहायक यंत्री (संविदा) प्रभारी हेमा मीणा के भोपाल और रायसेन स्थित ठिकानों पर छापे मारे हैं। हेमा मीणा की वैध आय के मुकाबले उसकी संपत्ति 232 प्रतिशत अधिक पाई गई है। लोकायुक्त पुलिस ने आय से अधिक संपत्ति मामले में शिकायत दर्ज करते हुए यह छापे मारे हैं। मध्य प्रदेश लोकायुक्त संगठन को मध्यप्रदेश पुलिस हाउसिंग कॉरपोरेशन की सहायक यंत्री (संविदा) प्रभारी हेमा मीणा के खिलाफ 2020 में आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने की शिकायत मिली थी। इस पर खोजबीन के बाद जांच शुरू की गई थी। विशेष पुलिस स्थापना भोपाल संभाग ने गुरुवार को सुबह छह बजे मीणा के बिलखिरिया स्थित आवास समेत तीन ठिकानों पर जांच शुरू की। डीएसपी लोकायुक्त संजय शुक्ला के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में शुरुआती जांच में मीणा के पास पांच से सात करोड़ रुपये की संपत्ति होने का पता चला है। सर्च की कार्रवाई पूरी होने पर ही इन्वेंटरी के आधार पर संपत्ति का आकलन किया जाएगा। प्रारंभिक जांच में मिली जानकारी के अनुसार हेमा मीणा संविदा कर्मचारी है और उसका वेतन महज 30 हजार रुपये है। इसके बाद भी उसके पिता रामस्वरूप मीणा के नाम पर ग्राम बिलखिरिया में 20 हजार वर्गफीट भूमि खरीद कर उस पर करीब एक करोड़ रुपये का घर बनाया गया है। लोकायुक्त पुलिस की जांच में इस बिंदू को हाइलाइट किया गया है। मीणा के विरुद्ध भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया।

दूसरी महिला के साथ बिना हेलमेट लगाए घूम रहा था शख्स

पत्नी के पास पहुंचा चालान और फोटो; मच गया बवाल

तिरुवनंतपुरम, 11 मई (एजेंसियां)। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम की सड़कों के चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, जो ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करने वालों के लिए एक खतरे की घंटी बन चुका है। दरअसल, यदि कोई भी व्यक्ति ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन करता है, तो उसकी रिकॉर्डिंग और चालान सीधा उसके घर पहुंच जाता है। इसी चालान के जरिए एक महिला को अपने पति के काले करतूतों का भी पता लग गया। दरअसल, वह शख्स अपनी महिला मित्र के साथ बिना हेलमेट लगाए शहर के चक्कर काट रहा था, जिसकी फोटो और चालान उसकी बीवी के हाथ लग गया और फिर बवाल शुरू हो गया। इडुक्की के रहने वाले इस व्यक्ति ने 25 अप्रैल को बिना हेलमेट पहने शहर की सड़कों पर अपनी महिला मित्र के साथ स्कूटर की सवारी की थी। उस दौरान शहर के कई कैमरों में उसकी रिकॉर्डिंग हो गई। इसके बाद चालान के लिए उस व्यक्ति की फोटो और चालान का विवरण उसके घर पहुंचा, क्योंकि स्कूटर उसके पत्नी के नाम पर रजिस्टर थी। इसके साथ ही, उस महिला को मैसेज के जरिए भी पता लगा कि उसका पति बिना हेलमेट लगाए किसी दूसरी महिला के साथ घूम रहा था।

इसके बाद जब पति घर पहुंचा, तो महिला ने उससे चालान और साथ में स्कूटर पर बैठी महिला के बारे में भी पूछा। इस पर पहले उस व्यक्ति ने बोला कि उसे इस बारे में नहीं पता, उन दोनों का कोई संबंध नहीं है। कपड़े की दुकान में काम करने वाले 32 साल के उस शख्स ने दावा किया कि उसने दूसरी महिला को सिर्फ स्कूटर पर लिफ्ट दी थी। वहीं, थोड़ी देर बाद दोनों में कहासुनी हो गई। इस कहासुनी के बाद पत्नी गुस्से में पुलिस थाने पहुंची और अपने पति के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। महिला ने कहा कि वह शख्स उसके और उसके तीन साल के बच्चे के साथ मारपीट कर रहा है। इस पर पुलिस ने शिकायत दर्ज करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया। महिला की शिकायत के आधार पर उस शख्स को आईपीसी की धारा 321, 341 और 294 और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 75 के तहत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी के बाद शख्स को अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट

बड़ा फिदायीन हमला करने की तैयारी में है आतंकी

जम्मू, 11 मई अप्रैल (एजेंसियां)। कश्मीर में आतंकी किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है. खुफिया विभाग से जुड़े सूत्रों ने बताया है, जम्मू कश्मीर में ऑपरेशन ऑल आउट से घुसपैठ करने वाली पाकिस्तानी आतंकी बौखलाहट में है और इसी बौखलाहट में आतंकी जम्मू कश्मीर में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहे हैं. विश्वस्त खुफिया सूत्रों ने जैश ए मोहम्मद का आतंकी प्लान बेनकाब कर दिया है. इस प्लान के मुताबिक आतंकी फिदायीन हमला और ग्रेनेड से हमले का प्लान कर रहे हैं. आतंकियों के निशाने पर सिक्योरिटी फोर्सेस और नॉन लोकल लेबर हैं जिन पर आतंकी हमला करने की प्लानिंग कर रहे हैं.

अलर्ट पर सुरक्षा एजेंसियां

वहीं कश्मीर के बारामुला में फिदायीन अटैक की साजिश रची जा रही है. श्रीनगर के परीमपोरा में भी जैश के आतंकी ग्रेनेड से हमले की साजिश को अंजाम देने की फिराक में है. बड़े आतंकी हमले के मिलने के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने सिक्योरिटी फोर्सेस को अलर्ट पर रख दिया है.

जम्मू कश्मीर में आतंकी सुरक्षा एजेंसियों को गहरे घाव

जम्मू कश्मीर में आतंकी सुरक्षा एजेंसियों को पहले भी गहरे घाव दे चुके हैं. यही वजह है कि सुरक्षा विशेषज्ञ घाटी में अपनी रणनीति को बदलने पर जोर देने को कह रहे हैं. सुरक्षा विशेषज्ञों ने जम्मू कश्मीर के पुंछ और राजौरी जिलों में पिछले 18 महीनों में सैनिकों के अधिक संख्या में हताहत होने का जिक्र करते हुए, आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए इन क्षेत्रों में खुफिया तंत्र को मजबूत करने सहित रणनीति में बदलाव करने की अपील की है. इन दोनों जिलों में 11 अक्टूबर 2021 से हुए आठ आतंकी हमलों में कुल 26 सैन्यकर्मी शहीद हुए हैं, जिनमें तीन अधिकारी और पांच पैराट्रूपर भी शामिल हैं। रक्षा और सुरक्षा विशेषज्ञों ने कहा है कि यह जम्मू क्षेत्र में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने की पाकिस्तान द्वारा की जा रही कोशिश है. जम्मू कश्मीर के पूर्व पुलिस प्रमुख ने कहा कि आतंकवादी कश्मीर में कार्रवाई का सामना करने के बाद अब पीर पंजाल क्षेत्र में राजौरी-पुंछ इलाके को निशाना बना रहे हैं.

हिंदू युवती को मिली पिरान कलियर दरगाह में नमाज पढ़ने की अनुमति, हाईकोर्ट ने हरिद्वार पुलिस से कहा सुरक्षा दें

भोपाल, 11 मई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नीमच की रहने वाली एक हिंदू युवती को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हरिद्वार जिले में स्थित पिरान कलियर दरगाह में नमाज पढ़ने की अनुमति दे दी है. युवती का कहना है कि वो पिरान कलियर से प्रभावित है और यहां इबादत करना चाहती है. हाईकोर्ट ने आज उसकी याचिका पर सुनवाई करते हुए हरिद्वार पुलिस को जरूरी इंतजाम करने के आदेश दिए. नैनीतालः उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक हिंदू युवती के द्वारा हरिद्वार के पिरान कलियर में नमाज पढ़ने की इजाजत और पुलिस सुरक्षा दिलाये जाने को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई की. वरिष्ठ न्यायाधीश मनोज कुमार तिवारी और न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की खंडपीठ ने सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता को नमाज पढ़ने की इजाजत देते हुए पुलिस को सुरक्षा देने के आदेश दिए हैं. हिंदू युवती को मिली पिरान कलियर में नमाज पढ़ने की इजाजतः हाईकोर्ट ने कहा कि जब युवती नमाज पढ़ने जाए, तो उससे पहले वह

एक प्रार्थना पत्र सम्बंधित थाने के एसएचओ को दे. एसएचओ उन्हें सुरक्षा मुहैया कराएं. मामले की अगली सुनवाई के लिए 22 मई की तिथि नियत की गई है. सुनवाई के दौरान कोर्ट ने युवती से पूछा कि आपने धर्म नहीं बदला है. फिर आप वहां नमाज क्यों पढ़ना चाहती हैं. युवती के द्वारा कोर्ट को बताया गया कि वह इससे प्रभावित है. इसलिए वह वहां नमाज पढ़ना चाहती है. परंतु उनको पिरान कलियर में नमाज नहीं पढ़ने दी जा रही है. युवती के द्वारा कोर्ट को यह भी बताया गया कि उसने शादी नहीं की है. न ही वह अपना धर्म बदलना चाहती है. ये है पूरा मामलाः मामले के अनुसार मध्य प्रदेश के नीमच की रहने वाली 22 वर्षीय भावना और हरिद्वार निवासी फरमान ने उच्च न्यायालय में पिरान कलियर में नमाज पढ़ने और उसके लिए उन्हें सुरक्षा दिलाए जाने को लेकर याचिका दायर की है. याचिका में कहा गया है कि उन्हें पिरान कलियर में इबादत करनी है. लेकिन उन्हें विभिन्न धार्मिक संगठनों से खतरा है और उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए. युवती ने कहा कि वह हिन्दू धर्म की अनुयायी है. वह बिना किसी डर, आर्थिक लाभ, भय या दबाव के पिरान कलियर में इबादत करना चाहती है. युवती ने खुद को बताया पिरान कलियर के प्रभावितः युवती का कहना है कि पिरान कलियर के दौरे के बाद से ही वह इससे प्रभावित हुई. अब वह वहां इबादत करना चाहती है. भावना ने न्यायालय से प्रार्थना करते हुए कहा कि हरिद्वार के जिलाधिकारी और एसएसपी को निर्देशित कर उन्हें और उनके परिवार को कट्टरपंथियों से होने वाले जान के खतरे से सुरक्षा दिलाई जाये. पिरान कलियर क्या हैः

पिरान कलियर शरीफ 13 वीं शताब्दी के चिश्ती आदेश के सूफी संत की दरगाह बताई जाती है. मखदूम अलाउद्दीन अली अहमद साबिर कलियरी को सरकार साबिर पाक और साबिर पिया कलियरी के नाम से जाना जाता है. उनकी मजार शरीफ उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के रुड़की शहर से 7 किलोमीटर आगे है. पिरान कलियर शरीफ में अनेक दरगाह शरीफ हैं. इनमें साबिर पिया की दरगाह, किलकिली साहब की दरगाह और हजरत इमाम साहब की दरगाह प्रमुख हैं. पिरान कलियर का उर्स बहुत प्रसिद्ध है. इसमें पाकिस्तान से भी जायरीन आते हैं.

ट्रांसपोर्ट सर्विस में कमी के चलते बीमार पिता की हुई मौत, बेटे ने शुरू की ज़रूरतमंद लोगों के लिए मुफ्त एंबुलेंस सेवा

कोलकाता, 11 मई अप्रैल (एजेंसियां)। मार पिता को ट्रांसपोर्ट सर्विस की कमी के चलते वक्त पर अस्पताल न पहुंचाने पर एक बेटे ने पिता को खो दिया. घटना से आहात होने के बाद अब इस शख्स ने जरूरतमंदों के लिए मुफ्त एंबुलेंस सेवा शुरू की है. उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज ब्लॉक के वितिहार के रहने वाले शफीकुल हक साल 2014 में अपने पिता की मौत के बाद से टूट गए थे. उनके पिता की मौत का कारण ट्रांसपोर्ट सुविधा की कमी थी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक़, बीमार पिता को समय पर अस्पताल न ले जा पाने के कारण मौत हो गई थी. शफीकुल ने इस दर्दनाक घटना के बाद क्षेत्र में एक मुफ्त एम्बुलेंस सेवा शुरू की है. शफीकुल ने इस घटना के बाद महसूस किया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एंबुलेंस व कारों की भारी कमी है. वहीं, टैक्सी चालक मजबूरी का फायदा उठाते हैं और बेहद अधिक किराया मांगते हैं जिससे मरीजों और उनके परिवारों को बेहद परेशानी होती है.

कश्मीरी पंडित समाज ने घाटी में किया अपने पुनर्वास को लेकर प्रदर्शन

कश्मीर, 11 मई अप्रैल (एजेंसियां)। घाटी में इस महीने होने वाली जी-20 बैठक से पहले जम्मू में कश्मीरी पंडित समाज ने घाटी में अपने पुनर्वास को लेकर प्रदर्शन किया. विस्थापित कश्मीरी पंडितों ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी होती है कि वो विदेशों से आए मेहमानों का स्वागत स्वयं कश्मीर घाटी में रहकर करते. कश्मीर घाटी में अपने पुनर्वास को लेकर प्रदर्शन कर रहे यह कश्मीर घाटी से 30 साल पहले विस्थापित हुए कश्मीरी पंडित हैं. पिछले 3 दशकों से आतंकवाद के चलते विस्थापन का दर्द झेल रहे उन कश्मीरी पंडितों ने जम्मू में गुरुवार को प्रदर्शन किया. प्रदर्शन कर रहे कश्मीरी पंडितों ने दावा किया कि ये पहला मौका है जब देश और विदेश से कई मेहमान इतने बड़े मंच पर कश्मीर घाटी में आएंगे. इसी महीने 22 से 24 तारीख तक होने वाले जी-20 सम्मेलन की बैठक का स्वागत करते हुए प्रदर्शनकारी कश्मीरी पंडितों ने कहा कि उन्हें इस बात की खुशी होती है कि वो भी अगर कश्मीर घाटी में रह रहे होते तो वो विदेश से आए इन मेहमानों का स्वागत बाहें पसार कर करते. जी-20 की बैठक को ऐतिहासिक बताते हुए इन कश्मीरी पंडितों ने कहा कि ये एक बड़ा मौका है

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 12 मई- 2023

कर्नाटक का जनादेश?

कर्नाटक में विधानसभा चुनाव का जश्न समाप्त हो चुका है। इस त्योहार में मतदाताओं ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया और अपने मताधिकार का प्रयोग किया। कर्नाटक के मतदाताओं ने क्या फैसला लिया है उसका फैसला भी कल यानी तेरह मई को सामने आ जाएगा। लेकिन एक्जिट पोल का परिणाम जो आ रहा है वह काफी चौंकाने वाला लग रहा है। बीजेपी समर्थकों को इस पोल पर जहां विश्वास नहीं हो रहा है वहीं कांग्रेस समर्थक जोश से लबरेज दिखाई दे रहे हैं। इस बार के चुनाव पलों में तो लग रहा था कि बीजेपी काफी पिछड़ रही है लेकिन जब पीएम मोदी खुद मैदान में उतर कर ताबड़तोड रैलियां व जनसभाएं करने लगे तो परिस्थितियां बदली-बदली नजर आने लगी। बीजेपी ने यहां फिर से पीएम मोदी को ही मुख्य चेहरा बनाया तो वहीं, कांग्रेस ने हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर यहां भी स्थानीय नेताओं और मुद्दों पर फोकस किया। बहरहाल, कर्नाटक के मतदाताओं ने अपना फैसला ईवीएम मशीन के हवाले कर दिया है, जो शनिवार को मतों की गिनती के बाद सामने आ जाएगा। तब तक एग्जिट पोल के नतीजों को लेकर ही तरह-तरह की दलीलें देकर कयासबाजी की जाती रहेगी। अच्छी बात यह रही कि उम्मीद के मुताबिक मतदान शांतिपूर्ण रहा। वोटिंग प्रतिशत में जरूर कुछ कमी आई है लेकिन इसके आधार पर भी कोई सटीक नतीजा नहीं निकाला जा सकता। फिलहाल जिसे देखो वहीं यह जिज्ञासा प्रकट कर रहा है कि परिणाम किसके पक्ष में आने वाला है। अगर उन सवालों को एक तरफ करके बात की जाए तो कर्नाटक विधानसभा के ये चुनाव कई अर्थों में पुरानी रीति-नीति को ही आगे ले जाते दिख रहे हैं, लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मायनों में नई रणनीति को आकार देने का मौका भी बनते नजर आ रहे हैं। बीजेपी की तरफ से पिछले तमाम चुनावों की ही तरह इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्य चेहरा और सबसे बड़े प्रचारक बन कर मेहनत की। यह इस बात के बावजूद हुआ कि कर्नाटक में आम तौर पर चुनावों में प्रदेश नेताओं का बोलबाला दिखता रहा है। लेकिन खास बात यह रही कि बीजेपी ने इन चुनावों में जीत की अहमियत समझते हुए भी इसमें प्रदेश स्तर पर नया नेतृत्व उभारने पर जो विशेष ध्यान दिया, उसकी तो सराहना होनी चाहिए। येदियुरप्पा की नाराजगी का खतरा उठाकर भी उन्हें मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे के लिए तैयार किया गया लेकिन चुनावों के दौरान उनके महत्व को ध्यान में रखते हुए उन्हें पूरा सम्मान दिया गया। यहां तक कि उन्हें एक स्टार प्रचारक की तरह ही पेश किया गया। दूसरे कद्दावर नेता जगदीश शेट्टार जैसे पुराने और प्रभावी नेताओं को गंवाने की हद तक जाकर पार्टी ने नेताओं की नई पांत को सामने लाने में कोई कसर बाकी नहीं रखी। जाहिर है इन प्रयासों के परिणामों का एक हिस्सा 13 मई को भी सामने आएगा, लेकिन पूर्णता में इसके नतीजे आगे कुछ वर्षों में स्पष्ट दिखाई देंगे। जब प्रदेश नेतृत्व की यह नई पांत पार्टी को धार देने नजर आएगी। जहां तक कांग्रेस की बात है तो हिमाचल प्रदेश की जीत के बाद इसने कर्नाटक में भी चुनाव को यथासंभव स्थानीय मुद्दों पर केंद्रित रखने का प्रयास किया। पार्टी के चुनावी अभियान में कांग्रेस के सारे दिग्गज देश भर से पहुंचे जरूर लेकिन चुनावी अभियान का संचालन पूरी तरह से स्थानीय नेतृत्व के ही हाथों में ही रखा गया था। लेकिन बजरंग दल को बैन करने के मुद्दे पर जिस तरह की चूक कांग्रेस से हुए उसे लेकर बीजेपी ने हमलों की झड़ी लगा दी। इस हमले से घबरा कर कांग्रेस ने जिस तरह से पलटी खाई, वह बताता है कि हिंदुत्व के सवाल पर कांग्रेस अपनी इस दुविधा से अभी तक नहीं उबर पाई है। वह संपट भूल गई कि बजरंग दल पर उसे आक्रामक रवैया रखना है या रक्षात्मक। अब तो 2024 लोकसभा चुनाव भी करीब आ चुका है। इसलिए उसके पास संभलने के लिए अब ज्यादा समय नहीं बचा है। बहरहाल, इतनी कवायद के बाद भी हम सब को इस लड़ाई के नतीजों के लिए 13 मई का इंतजार तो करना ही पडेगा।

एमपी में शिवराज के मुकाबले कमलनाथ की राजनीति

नरेंद्र तिवारी पत्रकार

मध्यप्रदेश में राजनीतिक माहौल में गर्मी व्याप्त है। चुनावी साल होने से दलबदल का दौर भी चल रहा है, दलबदल का बहाव शुरुवाती दौर में भाजपा से कांग्रेस की तरफ दिखाई दे रहा है। जबानी जंग भी तेज हो गयी है। प्रदेश के मुख्यमंत्री लाडली बहना को 2023 के विधानसभा चुनाव की संजीवनी मानते हुए इसके प्रचार-प्रसार में तन-मन से जुट गए है। सम्पूर्ण सरकारी मशीनरी शिवराज सरकार की लाडली बहना योजना के तहत एक हजार रु की आर्थिक सहायता प्रदान करने के क्रियान्वयन में जुटी हुई है। शिवराज की लाडली बहना के जवाब में कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना की शुरुवात 9 मई को छिंदवाड़ा के परासिया से की है। कमलनाथ ने नारी सम्मान योजना के पंजीयन आरम्भ करने से पूर्व भावुक अपील जारी करते हुए प्रदेश मे महिला सम्मान और समृद्धि के लिए नारी सम्मान योजना के अंतर्गत 1500 रु एवं 500 रु में गैस सिलेंडर देने का वादा किया है। शिव के एक हजार के जवाब में कमलनाथ के 1500 रु के साथ 500 रु मे गैस सिलेंडर महिलाओं के साथ पुरुषों को भी आकर्षित कर सकता है। गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमत प्रदेश की आमजनता के लिए चिंता का सबब है। इस चिंता को कमलनाथ ने अपनी नारी सम्मान योजना में शामिल कर जनता के मन की बात कह दी है। राजनीति का गहरा अनुभव रखने वाले कमलनाथ द्वारा मध्यप्रदेश की सत्ता से हटने के बाद से की जा रही भावुक अपीलें प्रदेश की जनता के मन में भावनाओं का ज्वार पैदा कर रही है। भाजपा में चल रही आंतरिक कलह का लाभ कांग्रेस के कमलनाथ को मिल रहा है। आंतरिक कलह को प्रदेश भाजपा संगठन जितना दबाने की कोशिश करता है। आंतरिक कलह उतनी ही तेजी से उभरता जा रहा है। इस आंतरिक कलह का प्रमुख कारण भाजपा की राजनीति में सिंधिया के पदार्पण से जुड़ा है। मार्च 2020 में कमलनाथ की 15 महीने की सरकार ज्योतिरादित्य सिंधिया गुट के 22 विधायकों के बगावती तेवर से अल्पमत में आ गयी थी। बाद में सिंधिया सहित इन विधायकों ने भाजपा का दामन थाम लिया। सिंधिया गुट का आगमन प्रदेश में शिवराज के नैतृत्व में भाजपा की सरकार तो बना गया, किन्तु अब यह भाजपा में आंतरिक कलह का कारण बनता दिखाई दे रहा है। बगावत की शुरुवात भाजपा के आधार स्तम्भ कहे जानेवाले प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, सांसद सदस्य और शालीनता की राजनीति के पक्षधर कैलाश जोशी के पुत्र दीपक कैलाश जोशी से हुई। भावनाओं का ज्वार यहा भी मचल रहा था। दीपक जोशी अपने पिता का चित्र भी साथ लेकर गए, उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में अपने पिता के चित्र को हाथ मे लेकर कहा की स्वर्गीय कैलाश जोशी की ईमानदार विरासत को भाजपा की मौजूदा सरकार ने पूरी तरह भुला दिया है। स्वर्गीय कैलाश जोशी के संस्कारों से शिवराज की भाजपा का कोई वास्ता नहीं है। तीन बार प्रदेश की हाटपिपल्या सीट से विधायक और शिवराज सरकार में मंत्री रहे दीपक कैलाश जोशी का कांग्रेस में जाना आंतरिक विद्रोह का सामना कर रही मध्यप्रदेश भारतीय जनता पार्टी के बगावती नेताओं को दिशा देने वाला हो सकता है। इसी दौरान दतिया के पूर्व विधायक राधेलाल बघेल भी कमलनाथ के नैतृत्व में कांग्रेस में शामिल हो गए। दीपक जोशी और राधेलाल बघेल का कांग्रेस में शामिल होना प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह के लिए चिंता का सबब है। यह भाजपा संगठन के लिए भी विचारणीय प्रश्न है। इस बगावत को नजरअंदाज करना आसान नहीं है। बगावत की आवाजें तो और भी बुलन्द हो रही है, चुनाव के निकट आते-आते यह आवाजें भाजपा की मुसीबत का कारण बनेगी। भाजपा के इन नेताओं का कांग्रेस में शामिल होना कमलनाथ के कांग्रेस नैतृत्व पर कुशलता की मोहर है। इस बात में कोई दो राय नही है कि शिवराज के मुकाबले कमलनाथ की गम्भीरता अधिक आकर्षित करने वाली दिखाई दे रही है। कमलनाथ का लंबा राजनीतिक सफर उनकी उपलब्धियों का बखान करता प्रतीत होता है। वें भारतीय संसद के 9 बार लगातार सदस्य रहें। केंद्रीय कपड़ा, वाणिज्य, संसदीय कार्य, शहरी विकास, सड़क परिवहन आदि विभागों के मंत्री रह चुके है, उन्हें अनेको विभागों की संसदीय समितियों का अनुभव है। दिल्ली की राजनीतिक बाराकियों को भलीभांति जानते है। छिंदवाड़ा मॉडल उनकी पहिचान हैं। छिंदवाड़ा के लोगो से कमलनाथ का गहरा रिश्ता है। विषम परिस्थितियों में भी छिंदवाड़ा ने कमलनाथ और उनके परिवार का साथ दिया है। यूपी के कानपुर में 1946 को जन्मे कमलनाथ गांधी परिवार के करीबियों में से एक है। वें संजय गांधी के होस्टल के साथी रहे है। एक बार छिंदवाड़ा चुनाव में प्रचार के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने कमलनाथ को अपना तीसरा पुत्र कहकर संबोधित किया था। बड़े व्यवसायिक खानदान से ताल्लुक रखने वाले कमलनाथ को वर्ष 2011 में भारत का सबसे अमीर कैबिनेट मंत्री घोषित किया गया था। उस समय उनके पास 2.73 अरब रुपयों की संपत्ति थी। खानदानी पूंजीपति होने के कारण उनकी छवि राजनीतिक भष्ट्राचार के आरोपों से मुक्त है। 2018 में उन्होंने मध्यप्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष की कमान संभाली ओर 2019 के चुनाव में प्रदेश के 31वें मुख्यमंत्री बनें। कमलनाथ का 15 महीने का कार्यकाल जनता के स्मृति पटल पर आज भी अंकित दिखाई दे रहा है। उस दौरान अपराध नियंत्रण के उपायों में प्रदेश सरकार सक्रियता ने जनता के मन मे जगह बनाई थी। मिलावट खोरी के खिलाफ सख्ती जो कमलनाथ के अल्पकालीन शासन में दिखाई दे रही थी फिर नहीं दिखी। इसके अलावा कम दर में बिजली की उपलब्धता भी 15 महीने के शासनकाल की ऐसी उपलब्धि रही जो जनता के मन में स्थायी छाप छोड़ गई है।

कांग्रेस द्वारा किये गए चुनावी वायदों को कमलनाथ पूरा करने का प्रयास करते दिखाई दे रहे थे। इन चुनावी वायदों में कर्जा माफी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन में बढ़ोतरी भी जनसामान्य को प्रभावित करने वाले विषय रहे है। वर्तमान में जबकि प्रदेश में शिवराज सिंह मुख्यमंत्री है। जिनके नाम प्रदेश के सबसे अधिक बार मुख्यमंत्री रहने की गौरवमयी उपलब्धि भी अंकित है। प्रदेश की जनता में अपनी विश्वनीयता खोते जा रहे है। उनपर सरकारी तंत्र को हावी कर जिला कलेक्टरों को ताकतवर करने और जनप्रतिनिधियों को कमजोर करने का आरोप भी लगता रहा है। कोरोनाकाल से सरकारी तंत्र में जनप्रतिनिधियों की स्थिति लगातार कमजोर होती जा रही है। यह सत्ताधारी दल के विधायक, मंत्री, नेताओ का दर्द भी है, जो अनेको बार इन नेताओं की जुबां पर भी आ चुका है। शिवराज सिंह चौहान प्रदेश का सबसे चर्चित ओर विश्वनीय चेहरा रहे है। उनकी घोषणावीर छवि जनसामान्य में उनकी कम होती विश्वनीयता का उदाहरण है। प्रदेश में खनिज माफिया, राशन माफिया ओर शराब माफियाओं का बोलबाला है। सरकार का अपराधियो पर नियंत्रण कम हुआ है। इन सबके बावजूद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह को विश्वास है कि लाडली बहना योजना महिला मतदाताओं को भाजपा की तरफ आकर्षित करेंगी, 2023 के अंत मे होने वाले विधानसभा चुनाव में प्रदेश में भाजपा को विजय श्री अर्जित करने में मदद करेंगी। शिवराज की लाडली बहना के समकक्ष कमलनाथ की नारी सम्मान योजना में अधिक राशि और 500 रु में गैस टँकी प्रदाय की व्यवस्था बड़ा लालीपाप साबित हो सकता है। हिमाचल, राजस्थान, छत्तीसगढ़, झारखंड और पंजाब की सरकारों का पुरानी पेंशन स्कीम को लागू किया जाना शिवराज के खिलाफ सरकारी कर्मियों के विरोध का कारण भी बन सकता है। कमलनाथ मंचो से पुरानी पेंशन स्कीम को लागू करने की बात कह रहे है। राजनीति के इन दोनों धुरंधरों का अपना राजनीतिक प्रभाव है। शिवराज को जनता देख चुकी है। उनकी राजनीतिक शैली से भलीभांति परिचित भी है। अब शिवराज की राजनीतिक शैली अधिक उबाऊ और दोहराई प्रतीत होती है। इसके एवज में कमलनाथ का चेहरा अधिक भोला, विश्वनीय और साफ प्रदर्शित हो रहा है। यही कारण है कि भाजपा के नेता कमलनाथ के नैतृत्व में भरोसा व्यक्त कर रहे है। हाटपिपल्या के पूर्व विधायक दीपक जोशी, दतिया के पूर्व विधायक राधेलाल बघेल ने बीजेपी के बगावती नेताओ को कांग्रेस का घर बता दिया है। सिंधिया गुट के नेताओ ने भाजपा के कद्दावर नेताओं की राजनीतिक जमीन को हथिया लिया है। इन कद्दावर भाजपाई नेताओं को अपनी राजनीतिक विरासत के खो जाने का डर सता रहा है।

बेलगाम ई रिक्शाओं का देश भर में आतंक

रजनीश कपूर

पर्यावरण को बचाने की दृष्टि से दुनिया भर में वैकल्पिक ईंधन के कई स्रोतों में से एक है इलेक्ट्रॉनिक वाहन। आजकल इन ई-वाहनों की संख्या काफ़ी बढ़ रही है और कई नामी कम्पनियाँ भी इस दौड़ में आ चुकी हैं। इसी श्रृंखला में देश भर में ई-रिक्शाओं का चलन भी काफ़ी तेज़ी से हो रहा है। जहां एक ओर ये ई-रिक्शा पर्यावरण को बचाने का काम कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर इनका आतंक भी काफ़ी बढ़ रहा है। देश भर के कई शहरों में अवैध रूप से चलने वाले ई-रिक्शा यातायात व्यवस्था के लिए एक अभिशाप बने हुए हैं। आज आप देश के किसी भी शहर में चले जाएँ वहाँ आपको बेलगाम दौड़ रही ई-रिक्शा के चलते अव्यवस्था के साथ ट्रैफ़िक जाम जैसी बड़ी परेशानी को झेलना पड़ता है। इसके मुख्य कारणों में से कुछ कारण ऐसे हैं जो किसी भी शहर में आप देख सकते हैं। अपने हिसाब से रूट बनाकर दौड़ रहे ये ई-रिक्शा चालक शहर की गलियों तक में जाम को बड़ा रूप दे देते है। इसके अलावा बाजारों में मनमाने ढंग से रिक्शाओं को रोककर खड़े रहना। एक ही रूट पर अधिक यात्रियों के लालच में काफ़ी देर तक सड़कों पर खड़े रहना और जाम लगाना। ग़लत लेन में रिक्शाओं को चला कर अन्य वाहनों को न निकलने देना। ये कुछ ऐसे कारण हैं जो शहरों में जाम की बड़ी परेशानी की वजह बनी हुई हैं। ई-रिक्शाओं पर यातायात पुलिस की लगाम भी ढीली है, जिस कारण अवैध ई-रिक्शाओं की दौड़ भी बढ़ती जा रही है। यदि किसी शहर में यदि एक हज़ार ई-रिक्शाओं का पंजीकरण निर्धारित किया जाता है तो आपको सड़कों पर उससे कई गुना ज़्यादा तादाद में ई-रिक्शाओं का जाल नज़र आ जाएगा। परंतु ट्रैफिक विभाग या नगर निगम के अधिकारियों को ये अवैध ई-रिक्शा नज़र नहीं आएँगे। यदि कभी इन पर सख़्ती की भी जाती है तो वह केवल औपचारिकता के सिवाय कुछ नहीं होती। दिल्ली जैसे महानगर को ही लें तो यहाँ की किसी भी प्रमुख सड़क पर, जहां ई-रिक्शाओं को चलाए जाने की अनुमति दी गई है, आपको जाम के नज़ारे दिखाई देंगे। मेट्रो स्टेशन हो या कोई भी प्रमुख बाज़ार, ई-रिक्शाओं का आतंक किसी माफिया से कम नहीं है। दिल्ली की मुख्य मेन रोड पर प्रायः ये ई-रिक्शा वाले दो से तीन लेन को ब्लॉक कर देते हैं और मजबूरन बसों व अन्य भारी वाहनों को भी अपनी निर्धारित लेन बदल कर सड़क के बीचों बीच चलना पड़ता है। नतीजतन जाम की स्थित बन जाती है। इस जाम के चलते प्रदूषण भी बढ़ जाता है। फिर वो चाहे अन्य वाहनों से निकालने वाले धुएँ के कारण वायु प्रदूषण हो या ध्वनि प्रदूषण, दोनों ही तकलीफ़ देते हैं। तो जिस पर्यावरण को बचाने की मंशा से ई-रिक्शाओं का चलन शुरू हुआ था वो उद्देश्य तो पूरा होता नहीं दिखाई देता। ज़्यादातर ई-रिक्शा आपको मेट्रो स्टेशन व बस स्टॉप पर दिखाई देंगे। सवारियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाने के लिए ई-रिक्शाओं व ऑटो सहायक पाए जाते हैं। परंतु यदि ये ई-रिक्शा व ऑटो अगर अनियंत्रित रूप से चलने लगेंगे और अपनी मनमानी करेंगे तो जनता को फ़ायदा नहीं नुक़सान ही होगा। प्रायः यह देखा गया है कि ज़्यादातर ई-रिक्शा सवारियों की खोज में बस स्टॉप को घेर कर खड़े रहते हैं। इस कारण बसों को उनके निर्धारित स्टॉप पर रुकने की जगह नहीं मिलती है। यदि किसी बस में से उस स्टॉप पर कोई उतरने वाली सवारी नहीं होती तो बस चालक अपनी बस को उस स्टॉप पर नहीं रोकता। परंतु उस बस स्टॉप से यदि कोई चढ़ने वाली सवारी होती है और यदि वो बस स्टॉप के अंदर प्रतीक्षा कर रही हो तो वो ई-रिक्शाओं के खड़े होने के कारण बस ड्राइवर को दिखाई नहीं देती।

इसलिए जहां-जहां ये ई-रिक्शा बस स्टॉप को अवैध रूप से घेर कर खड़े रहते हैं वहाँ-वहाँ सवारियों को मजबूरन सड़क पर खड़ा होना पड़ता है। ऐसे में दुर्घटना और छीना-झपटी होने का ख़तरा भी बढ़ जाता है। परंतु कोई भी अधिकारी, चाहे पुलिस विभाग का हो या नगर निगम का, कोई कार्यवाही नहीं करता। कारण स्पष्ट है, ई- रिक्शाओं का जाल चलाने वाले गैंग हर विभाग के अधिकारियों को 'खुश' रखते हैं। देश भर में जिन-जिन शहरों ऐसे मार्ग या प्रमुख सड़कें हैं, जहां ये ई-रिक्शा जाम का कारण बनते हैं, वहाँ पुलिस प्रशासन व नगर निगम को सख़्ती से पेश आना चाहिए। यदि वहाँ पर अवैध रूप से ई-रिक्शा चल रहे हैं तो इनको ज़ब्त किया जाना चाहिए। यदि कोई भी ई-रिक्शा चालक ग़लत लेन में खड़ा है तो उसका चालान काटना चाहिए। ऐसा यदि समय-समय पर होता रहे तो ई-रिक्शा व ऑटो चलाने वाले गलती करने से बचेंगे। यदि उनकी कमाई का एक बड़ा हिस्सा चालान में चला जाएगा तो कौन ऐसी गलती दोबारा करेगा।

जहां पर अधिक ई-रिक्शा खड़े नहीं हो सकते वहाँ पर किसी ख़ाली सड़क पर या मैदान में ई-रिक्शा का स्टैंड बनाया जाए जहां चार्जिंग के साथ-साथ अन्य सुविधाएँ भी हों। जैसे ही ई-रिक्शा की माँग हो वैसे ही उन्हें सड़क पर, मेट्रो स्टेशन या बस स्टॉप पर आने दिया जाए। ऐसा नहीं है कि पुलिस अधिकारी यातायात को नियंत्रित नहीं कर सकते। यदि किसी भी इलाक़े में किसी वीआईपी का जाना तय होता है तो वहाँ पर यातायात पूरी तरह से व्यवस्थित और नियंत्रित रहता है।

यह वही मार्ग होते हैं जहां सामान्य दिनों में आपको भारी जाम का सामना करना पड़ता है। परंतु यदि कोई वीआईपी उस मार्ग से गुज़र रहा हो तो कुछ पल के लिए ही सही वह सड़क भी साँस लेने लगती है और उस पर चलने वाले वाहन भी चैन की साँस लेते हैं। इसलिए समय-समय पर यातायात पुलिस और नगर निगम विभाग के अधिकारियों की संयुक्त कार्यवाही होती रहनी चाहिए जिससे कि देश की जनता को भी ये लगे कि वो भी किसी वीआईपी से कम नहीं और उन्हें भी ई-रिक्शा व अन्य अवैध वाहनों के चलते जाम का सामना नहीं करना पड़ेगा।

समाज को देखभाल और स्नेह के बंधन से बांधती नर्सिंग ऑफिसर

डॉ. प्रियंका 'सौरभ'

अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस प्रतिवर्ष 12 मई को मनाया जाता है। 12 मई को इस दिन को मनाने के लिए चुना गया था क्योंकि यह आधुनिक नर्सिंग के संस्थापक दार्शनिक फ्लोरेंस नाइटिंगेल की जयंती है। नर्सिंग मानव समाज को देखभाल और स्नेह के बंधन से बांधती है। नर्सिंग देखभाल का आह्वान है, जो मार्मिक कहानियों और चुनौतियों का एक पूल प्रदान करता है। नर्सिंग का दायरा केवल अस्पताल के अलावा अब हर जगह विस्तारित हुआ है। नर्सें इस व्यापक दुनिया में सबसे कीमती चीज- 'मानव जीवन' से निपटती हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने 2022 लीड टू लीड - नर्सिंग में निवेश करें और वैश्विक स्वास्थ्य को सुरक्षित करने के अधिकारों का सम्मान करने के वर्ष के रूप में नामित किया है। दुनिया के सभी स्वास्थ्य कर्मियों में आधे से अधिक नर्सें हैं। यह पूरे नर्स समुदाय और जनता को इस दिन को मनाने के लिए प्रोत्साहित करेगा और साथ ही नर्सिंग पेशे के प्रोफाइल को बढ़ाने के लिए आवश्यक जानकारी और संसाधन प्रदान करेगा। उच्च गुणवत्ता और सम्मानजनक उपचार और देखभाल प्रदान करने वाली महामारियों और महामारियों से लड़ने में नर्स सबसे आगे हैं। कोविड -19 महामारी नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका की याद दिलाती है। नर्सों और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के बिना, प्रकोपों के खिलाफ लड़ाई जीतना और सतत विकास लक्ष्यों या सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (यूएचसी) को प्राप्त करना संभव नहीं है। विश्व स्तर पर, प्रति 10,000 लोगों पर लगभग 36.9 नर्सें हैं, जिनमें विभिन्न क्षेत्रों के भीतर और विभिन्नताएं हैं। अफ्रीकी क्षेत्र की तुलना में अमेरिका में लगभग 10 गुना अधिक नर्सें हैं। जबकि पूर्व में प्रति 10,000 जनसंख्या पर 83.4 नर्स हैं, बाद में प्रति 10,000 जनसंख्या पर 8.7 नर्स हैं।

2030 तक, दुनिया भर में 5.7 मिलियन से अधिक नर्सों की कमी होगी। निरपेक्ष संख्या में सबसे बड़ी कमी दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में है, जबकि अमेरिका और यूरोप में, समस्या अलग है क्योंकि वे वृद्धावस्था में नर्सिंग कार्यबल का सामना कर रहे हैं। इसके अलावा, यूरोप, पूर्वी भूमध्यसागरीय और अमेरिकी क्षेत्रों में कई उच्च आय वाले देश प्रवासी नर्सों पर ₹विशेष रूप से₹ निर्भर हैं। उनके कार्यों की मान्यता की आवश्यकता है; रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि नर्सों का काम सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों, आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया से संबंधित राष्ट्रीय और वैश्विक लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण है। स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में नर्सों की अहम भूमिका होती है। उनकी भूमिका, विशेष रूप से वर्तमान स्वास्थ्य संकट के दौरान, सर्वोपरि है। कुल मिलाकर, एक मरीज को दी जाने वाली देखभाल की गुणवत्ता सुनिश्चित करने, संक्रमण को रोकने और नियंत्रित करने और रोगाणुरोधी प्रतिरोध का मुकाबला करने में नर्स महत्वपूर्ण हैं। 2018 तक, भारत में 1.56 मिलियन से अधिक नर्स और 772,575 नर्सिंग सहयोगी थे। इसमें से पेशेवर नर्सों की हिस्सेदारी 67 फीसदी है, जिसमें हर साल 322,827 स्नातक और चार साल की न्यूनतम प्रशिक्षण अवधि होती है। स्वास्थ्य कार्यबल के भीतर, नर्सों में 47 प्रतिशत चिकित्सा कर्मचारी शामिल हैं, इसके बाद डॉक्टर (23.3 प्रतिशत), दंत चिकित्सक (5.5 प्रतिशत) और फार्मासिस्ट (24.1 प्रतिशत) हैं। इसके अलावा, भारत में 88 प्रतिशत नर्सों में भारी संख्या में महिलाएं हैं। यह विश्व स्तर पर देखी जाने वाली नर्सिंग की संरचना के अनुरूप है, जहां 90 प्रतिशत महिलाएं हैं। व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरणों तक पहुंच सहित नर्सों और सभी स्वास्थ्य कर्मचारियों की व्यावसायिक सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रदान करना ताकि वे सुरक्षित रूप से देखभाल प्रदान कर सकें और स्वास्थ्य देखभाल सेटिंग्स में संक्रमण को कम कर सकें। नर्सों और सभी स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों के पास मानसिक स्वास्थ्य सहायता, समय पर वेतन, बीमारी की छुट्टी और बीमा तक पहुंच होनी चाहिए। उन्हें प्रकोप सहित सभी स्वास्थ्य जरूरतों का जवाब देने के लिए आवश्यक ज्ञान और मार्गदर्शन तक पहुंच प्रदान की जानी चाहिए। भविष्य के प्रकोपों का जवाब देने के लिए नर्सों को वित्तीय सहायता और अन्य संसाधन दिए जाने चाहिए।

लगभग सभी स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं में, नर्सें ऐसी भूमिकाएँ निभाती हैं जो उनकी विशेषता नहीं होती हैं, इसलिए उनके पास अपनी वास्तविक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को निभाने के लिए कम से कम समय बचा होता है। वे गैर-नर्सिंग-संबंधित कार्य करने में आवश्यकता से अधिक समय व्यतीत कर रहे हैं, उदाहरण के लिए, बिलिंग, रिकॉर्ड कीपिंग, इन्वेंट्री, लॉन्ड्री, डाइट, फिजियोथेरेपी, रोगी का फरार होना, आदि, जिससे रोगी की देखभाल के लिए समय कम हो रहा है।

दक्षता की कमी से संकट झेलता मजदूर

डॉ. घनश्याम बादल

यूं तो तो हर आदमी पेट का मज़दूर है पर कुछ ऐसे भी हैं जो दूसरों के काम करके पेट पालने को मज़बूर हैं । न उनके पास पूंजी है न, खेती करने लायक ज़मीन, न दुकान, न मकान और न ही एक नियमित चलने वाला रोजगार । वह मज़दूर भी है और मजबूर भी। उसकी हालत और हालात पर चिंतन मनन करने का दिन है आज । जिसे दुनिया श्रमिक दिवस , मज़दूर दिवस , लेबर डे या मई दिवस के नाम से मनाती है । एक निगाह डालें तो देख सकते हैं कि आजीविका के रूप में मुख्यतः खेती, उद्यम, नौकरी या स्वरोजगार ही मुख्य हैं । पर इन सब के लिए कहीं पूंजी चाहिए तो कहीं ज़मीन या कुशलता । पर एक बड़ा वर्ग आज भी ऐसा है जिसके पास इनमें से एक भी चीज नहीं है तब उनके पास दूसरे के अधीन रहकर काम करने के अलावा कोई चारा नहीं बचता है और वें किसी बड़े किसान या साहूकार के यहां खेतिहर मज़दूर ,किसी ठेकेदार के पास श्रमिक के रूप में या किसी उद्यमी के कारखाने अथवा फैक्ट्री में दिहाड़ी पर काम करते हैं । अकुशल या अर्द्धकुशल कामगार के पास तकनीकी ज्ञान व दक्षता कम होती है पूरे साल में इन्हे भारत में करीब 100 दिन ही रोजगार उपलब्ध हो पाता है और परिवार को चलाने के लिए उन्हे अपने घर की औरतों व बच्चों तक को काम पर लगाना पड़ता है । एक समय था जब शीतयुद्ध से त्रस्त विश्व पूंजीवाद और समाजवादी खेमों बंटा था अमेरिका व ब्रिटेन के नेतृत्व में एक खेमा औद्योगिकरण व औद्योगिक क्रांति के विचार के साथ आगे बढ़ रहा था जिसकी सोच थी मशीनों की मदद से किसी भी उत्पाद की कीमत कम से कम कर उसे आम आदमी की पहुंच में लाना व अधिक से अधिक उत्पादन करना । तो वहीं दूसरा खेमा तत्कालीन सोवियत संघ की अगुआई में उस प्रक्रिया के पीछे उद्योगपतियों द्वारा श्रमिकों का शोषण देख रहा था और वह मज़दूर की खस्ता हालत के लिए इन्हे ही जिम्मेदार मानकर सारे उद्योगों का सरकारीकरण कर रहा था जिससे कि मज़दूर का शोषण रुक सके । रूस एक समतामूलक समाज के निर्माण का सपना लेकर वह समाजवादी व्यवस्था को दुनिया भर में फैलाना चाहता था रूस के बाद चीन इस आंदोलन का सबसे बड़ा हिमायती था और कमोबेश भारत पर भी आज़ादी के तुरंत बाद इसी विचारधारा का प्रभाव पूंजीवाद के मुकाबले अधिक था ।समय के साथ पूंजीवाद बना , बचा रहा और रूस के नेतृत्व वाला सोवियत संघ बिखर गया । इसे एक तरह से समाजवाद का पतन माना गया हालांकि चीन आज भी थोड़े बहुत बदलावों के साथ अपने रास्ते पर चल रहा है । यह संघर्ष आदमी पर मशीन की जीत का प्रतीक बनकर उभरा और यह उभार अभी भी जारी है । इसी उभार की सबसे बड़ी मार अकुशल मज़दूर पर पड़ी है। आज भी उद्यमी अपनी पूंजी व प्रबंधन के बल पर टिके हैं , बड़े किसानों को उनकी ज़मीनों का सहारा है कारपोरेट सैक्टर तकनीकी के बलबूते हावी है पर अकुशल मज़दूर त्रस्त है ।

आज के युग में उपयोगितावाद सबसे ज्यादा हावी है और मज़दूर के सामने रोजी - रोटी का संकट मुंह बाए खड़ा है जिस काम को अभी पिछले दशक तक दस बीस या सौ मज़दूर मिलकर करते थे उसे आज एक जे सी बी जैसी मशीन घंटों में कर डालती है , जिस खेत की फसल काटने या उसे जोतने के लिए कई सारे मज़दूरों की ज़रुरत होती थी उसे आज एक हारवेस्टर या ट्रैक्टर बड़ी आसानी से कम कीमत पर व कम समय में कर देता है ऐसे में कोई मज़दूर का मुंह क्यों जोहेगा ?

हैलो सूरज !

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हो न हो चाचा मामा से बड़े गुस्सैले होते हैं, नहीं तो चंदा को मामा और सूरज को चाचा क्यों कहते। कभी-कभी तो उसका गुस्सा देख दादा भी कह उठते हैं। ब्रह्मांड में कई अनगिनत आकाशगंगा है। उनमें से एक आकाशगंगा का एक छोटा सा भाग है हमारा सौर्य मंडल और सौर्य मंडल का प्रधान है हमारे सूरज चाचा। सूरज चाचा एक ही स्थान पर टिके हैं। वे किसी के आगे-पीछे चिरौरी करने नहीं घूमते। बल्कि दुनिया के लोग उन्हें गर्मी की सेटिंग करने की सलाह दे डालते हैं। हाँ यह अलग बात है कि वे किसी की नहीं सूनचे। उनमें 72% पेड़ों को काटने का हाइड्रोजन वाला गुस्सा, 26% बचे-खुचे पेड़ों को पानी न डालने वाला हिलियम गुस्सा, 2 % पर्यावपरण के नाम पर नौटंकी करने और मुँह काला करवाने वाला कार्बनी गुस्सा, और कभी-कभी किसी के पुण्य पर ऑक्सीजन बनकर प्रेम लुटाने का काम करते हैं। सूरज चाचा का रंग अभी भी सफ़ेद है, इसलिए कि वे किसी खादी की दुकान से कपड़ा नहीं लेते। सूरज चाचा पृथ्वी से 150 मिलीयन किलोमीटर दूरी पर अपने गर्मदार विला में रहते हैं। दूरी बनाए रखने का एक कारण यह भी है कि कहीं कोई नेता उनकी जमीन न हड़प ले। आजकल इनकी किरणें आवश्यकतानुसार धरती पर नहीं पड़ती।

हो न हो सूरज चाचा किसी अर्थशास्त्री से ब्लैक मार्केटिंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। ऐसा करने से उनका डिमांड हमेशा बना रहता है। गर्मी के दिनों में तो वातानुकूलित यंत्र बेचने वाली कंपनियों से सांठ-गांठ बनाए रखते हैं। सुना है वे उन्हें कमीशन भी अच्छा देते हैं। सूरज चाचा के प्रकाश में अन्य तारे चमकते है। गरदिश वाले तारे पैसों की चमक से चमकते हैं। चाचा जी आग का गोला हैं। धरती के लोग उन्हीं की आग से सोलार-सोलार खेलते हैं और उनके सामने डरने की नौटंकी करते हैं। वे इंसानों की तरह अंदर-बाहर से अलग नहीं हैं। वे जैसा दिखते हैं, वैसा होते हैं।

वैसा करते हैं। गर्मी होना, गर्म करना, गर्म फेंकना इनकी फितरत है। इसमें किसी प्रकार का समझौता नहीं करते। सूरज चाचा का गुरुत्वाकर्षण पृथ्वी से 28 गुना ज्यादा है। बावजूद इसके वे नेताओं की खरीद-फरोख्त वाले गुरुत्वाकर्षण शक्ति में अभी भी बच्चे हैं। धरती पर सारे जीवन का आधार स्तंभ सूरज चाचा ही हैं। बिना सूरज चाचा के पृथ्वी का कोई अस्तित्व ही नहीं है। इसीलिए कोई इन्हें अपनी पार्टी का निशान बना रहा है, तो कोई गटर का पाइप। सब अपनी-अपनी सोच और पहुँच से उनका इस्तेमाल कर रहे हैं।

कालाष्टमी: महादेव के रौद्र स्वरूप काल भैरव की पूजा

शुभ मुहूर्त-ज्योतिषियों की मानें तो ज्येष्ठ माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी 12 मई को सुबह 09 बजकर 06 मिनट से शुरू होकर अगले दिन यानी 13 मई को सुबह 06 बजकर 50 मिनट पर समाप्त होगी। सनातन शास्त्रों में निहित है कि काल भैरव देव की पूजा और उपासना रात्रि में की जाती है। अतः 12 मई को कालाष्टमी मनाई जाएगी।

हिंदी पंचांग के अनुसार 12 मई को कालाष्टमी है। इस दिन देवों के देव महादेव के रौद्र स्वरूप काल भैरव की पूजा-अर्चना की जाती है। तंत्र मंत्र सीखने वाले साधक कालाष्टमी की रात्रि में सिद्धि प्राप्ति हेतु अनुष्ठान करते हैं। धार्मिक मान्यता है कि कालाष्टमी पर विधिपूर्वक काल भैरव देव की पूजा करने से व्यक्ति के जीवन में व्याप्त काल, कष्ट, दुख और संकट दूर हो जाते हैं। साथ ही घर में सुख और समृद्धि का आगमन होता है। अतः साधक निष्ठा भाव से महादेव के रौद्र स्वरूप की पूजा उपासना करते हैं। आइए, कालाष्टमी व्रत विधि और महत्व जानते हैं-

पूजा विधि- इस दिन सुबह में उठकर सबसे पहले भगवान शिव को प्रणाम करें। इसके बाद घर की साफ-सफाई कर गंगाजल युक्त पानी से स्नान करें। अब आचमन कर व्रत संकल्प लें और नवीन वस्त्र धारण करें। व्रती काले रंग का वस्त्र पहन सकते हैं। अब भगवान शिव के रौद्र स्वरूप काल भैरव देव की पूजा पंचामृत, दूध, दही, बिल्व पत्र, धतूरा, फल, फूल, धूप-दीप आदि से करें।

पूजा के दौरान निम्न मंत्र का जाप करें-
काल भैरव देव के मंत्र
ओम भयहरणं च भैरवः।
ओम कालभैरवाय नमः।
ओम ह्रीं बं बटुकाय आपदुद्धारणाय कुरूकुरू बटुकाय ह्रीं।
ओम भ्रं कालभैरवाय फट्।

अंत में आरती अर्चना कर सुख, समृद्धि, वंश और धन वृद्धि की कामना करें। अगर आप शारीरिक रूप से सक्षम हैं, तो दिनभर उपवास रखें। शाम में आरती अर्चना कर फलाहार करें। अगले दिन नित्य दिनों की तरह पूजा पाठ के बाद व्रत खोलें। व्रत खोलने के समय जरूरतमंदों को दान अवश्य दें।

ज्येष्ठ मास यानी देवताओं का दिन इसी महीने में हुआ था शनिदेव का जन्म

शनिदेव न्याय प्रिय देवता हैं और मनुष्य को उसके कर्मों के आधार पर फल देते हैं। हिंदू पंचांग में ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को शनि जयंती मनाई जाती है। इस दिन पूजा-अर्चना करने से शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शनि देव भगवान सूर्य और छाया के पुत्र माने जाते हैं। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, शनि को पापी ग्रह माना जाता है। शनिग्रह सबसे धीमी चाल चलने वाला ग्रह है, जिसको शनि की ढैय्या कहा जाता है।

शनि जयंती पर दान-दक्षिणा का भी विशेष महत्व होता है। हिंदू शास्त्रों के अनुसार, इस दिन शनिदेव का का जन्म हुआ था। इस बार शनि जयंती 19 मई, शुक्रवार को मनाई जाएगी। इस दिन शनि देव के पूजन का विशेष विधान है। शनि न्याय करने वाले देव हैं और मनुष्यों को उनके कर्मों के आधार पर फल देते हैं इसलिए जब व्यक्ति बुरे कर्म करता है तो शनिदेव उसे दंड देते हैं और अच्छे कर्म करने वालों को अच्छे परिणाम देते हैं।

शनि जयंती शुभ मुहूर्त -
शनि जंयती - 19 मई 2023, शुक्रवार
अमावस्या तिथि प्रारंभ - मई 18, 2023 को रात 09 बजकर 42 मिनट से
अमावस्या तिथि समाप्त - मई 19, 2023 को रात 09 बजकर 22 मिनट तक

शनि जयंती शुभ संयोग
शनि जयंती के दिन शोभन योग का निर्माण होने जा रहा है, जो 18 मई को शाम 07 बजकर 37 मिनट से 19 मई को शाम 06 बजकर 16 मिनट तक रहेगा। साथ ही वट सावित्री व्रत और ज्येष्ठ अमावस्या भी पड़ रही है। वहीं, इस दिन शनि देव स्वराशि कुंभ में विराजमान रहेंगे, जिससे शश योग बन रहा है। ऐसे में शनि देव की पूजा से शुभ फल की प्राप्ति होगी। इसके साथ इस दिन चंद्रमा गुरु के साथ मेष राशि में होंगे जिससे गजकेसरी योग बन रहा है।

शनि जयंती पूजन विधि
शास्त्रों के अनुसार, शनि जयंती पर शनिदेव की पूजा-अर्चना करने का विशेष महत्व है। इस दिन प्रातः काल उठकर स्नान आदि से निवृत हो जाएं। शनिदेव की मूर्ति पर तेल, फूल माला और प्रसाद अर्पित करें। उनके चरणों में काले उड़द और तिल चढ़ाएं। इसके बाद तेल का दीपक जलाकर शनि चालिसा का पाठ करें। इस दिन व्रत करने से भी शनिदेव की विशेष कृपा प्राप्त होती है। शनि जयंती के दिन किसी निर्धन व्यक्ति को भोजन कराना बेहद शुभ फल देता है।

माना जाता है कि इस दिन दान आदि करने से जीवन के सभी संकट दूर हो जाते हैं। आमतौर पर लोगों में शनिदेव को लेकर डर देखा गया है। कई ऐसी धाराणाएं बनी हुई हैं कि शनिदेव सिर्फ लोगों का बुरा करते हैं। पर सत्य इससे बिल्कुल परे हैं। शास्त्रों के अनुसार, शनिदेव व्यक्ति के कर्मों के अनुसार उसकी सजा तय करते हैं। शनि की साढ़ेसाति और ढैय्या मनुष्य के कर्मों के आधार पर ही उसे फल देती है।

ऐसे करें शनिदेव को प्रसन्न
शास्त्रों में शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए कई मंत्र इजात किए गए हैं। इन मंत्रों के जाप से शनिदेव प्रसन्न भी होंगे और जीवन के संकट भी दूर होंगे। शनि जयंती की शाम को पश्चिम दिशा की ओर एक दीपक जलाएं। इसके बाद ऊं शं अभयहस्ताय नमः का जप करें और कम से कम 11 माला ऊं शं शनैश्चराय नमः का जप करें। इसके अलावा, ऊं नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजं छायामार्त्तण्डसंभूतं तं नमामि शनैश्चरम मंत्र का जाप करने से भी शनिदेव को प्रसन्न किया जा सकता है।

घर के पायदान पर भी दीजिए ध्यान

देहलीज को देहरी, डेली, पायदान आदि कई नामों से जाना जाता है। दरवाजे की चौखट के नीचे के पायदान को देहलीज कहते हैं। इसका वास्तु के अनुसार होना जरूरी है। यदि यह वास्तु के अनुसार नहीं बनी है तो घर की सुख, शांति और धन समृद्धि को भी नुकसान होगा। अतः जानिए कि देहरी का रंग और उसकी दिशा कौनसी होना चाहिए।

वास्तु उपाय :-

1. वास्तु के अनुसार दहलीज टूटी-फूटी या खंडित नहीं होना चाहिए।
2. बेतरतीब तरह से बनी दहलीज नहीं होना चाहिए यह भी वास्तुदोष निर्मित करती है।
3. द्वार की देहली (डेली) बहुत ही मजबूत और सुंदर होना चाहिए।
4. कई जगह दहलीज होती ही नहीं जो कि वास्तुदोष माना जाता है। कोई भी व्यक्ति हमारे घर में प्रवेश करे तो दहलीज लांघकर ही आ पाए। सीधे घर में प्रवेश न करें।
5. दहलीज का रंग सफेद, पीला या मेहरून रख सकते हैं।
6. दिशा के आधार पर दहलीज की धातु निर्धारित कर सकते हैं। धातु नहीं तो देहरी शीशम, सागवान या अखरोट की लकड़ी की होना चाहिए।
7. दक्षिण दिशा की देहरी है तो लकड़ी और धातु का संयोजन होना चाहिए, पश्चिम की ओर है तो धातु रखें। उत्तरी है तो रंग चांदी का होना चाहिए और पूर्व की ओर है तो कुछ धातु के सामान के साथ लकड़ी की देहरी होना चाहिए। सामान्य रूप से दहलीज को मजबूत पत्थर, संगमरमर या लकड़ी की बनाएं।
8. दहलीज बाहर और भीतर की जमीन के समान स्तर पर न हो। यानी दहलीज बाहर की सड़क या भूमि से नीचे या उसके समान स्तर की न हो।
9. देहलीज पर दाएं बाएं शुभ और लाभ भी बना सकते हैं या द्वारा के आसपास भी शुभ-लाभ बना सकते हैं।

ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें?

हिंदू पंचांग के मुताबिक, ज्येष्ठ का महीना वैशाख मास के समाप्त होते ही आरम्भ हो जाता है। यह हिंदू कैलेंडर का तीसरा महीना है। इस महीने में सूर्य अत्यंत ताकतवार हो जाता है तथा गर्मी भयंकर पड़ती है। इस बार ज्येष्ठ 06 मई से 04 जून तक रहेगा। 05 जून से आषाढ़ के महीने की शुरुआत हो जाएगी। ज्येष्ठ मास के दिन स्नान, ध्यान और पुण्य कर्म की खास अहमियत है। वही इस दौरान कुछ चीजों का आवश्यक तौर पर ध्यान रखना जरुरी है, आइये आपको बताते है ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें?

ज्येष्ठ माह में क्या करें और क्या न करें:-

1- इस महीने बाल गोपाल का अभिषेक करने की खास अहमियत बताई गई है। इसके अतिरिक्त उन्हें माखन मिश्री का भोग लगाएं और भगवान को चंदन का लेप लगाएं।
2- पशु, पक्षियों, जीव जंतुओं के लिए पानी की व्यवस्था करें।
3- इसके अलावा आप राहगीरों के लिए भी पानी की व्यवस्था कर सकते हैं।
4- इस महीने में जरूरतमंद लोगों को छाते, अन्न, पेय वस्तुओं आदि का दान भी किया जा सकता है जिसे बेहद ही शुभ माना गया है।
5- किसी गौशाला में हरी घास का दान करें एवं गायों का ध्यान रखें।
6- शिवलिंग पर जल चढ़ाएं।
7- इस महीने भगवान हनुमान की पूजा का विशेष महत्व बताया गया है क्योंकि कहते हैं कि ज्येष्ठ के महीने में ही हनुमान जी की मुलाकात प्रभु श्रीराम से हुई थी।

ज्येष्ठ मास का वैज्ञानिक महत्वः-
ज्येष्ठ मास में वातावरण और जल का स्तर गिरने लगता है, इसलिए जल का सही और पर्याप्त प्रयोग करना चाहिए। हीटस्ट्रोक एवं खान-पान की बीमारियों से बचाव आवश्यक है। इस माह में हरी सब्जियां, सत्तू, जल वाले फलों का प्रयोग लाभदायक होता है। इस महीने में दोपहर का विश्राम करना भी फलदायी है।

ज्येष्ठ मास की पूजन विधिः-
ज्येष्ठ मास के दिन स्नान, ध्यान और पुण्य कर्म की खास अहमियत है। आज के दिन व्रत और पूजा-पाठ से विवाह में आ रही समस्याएं भी दूर होती हैं। आज के दिन श्वेत वस्त्र धारण कर महादेव की पूजा करनी चाहिए। इस दिन पीपल के पेड़ की पूजा करना भी शुभ माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि पीपल के वृक्ष पर प्रभु श्री विष्णु संग मां लक्ष्मी वास करती हैं।

ज्येष्ठ माह की व्रत और त्योहार लिस्टः-
12 मई, शुक्रवार- शीतलाष्टमी
15 मई, सोमवार- अपरा एकादशी
17 मई, बुधवार- प्रदोष व्रत
19 मई, शुक्रवार- वट सावित्री व्रत, शनि जयंती

20 मई, शनिवार- ज्येष्ठ मास शुक्लपक्ष प्रारंभ, करवीर व्रत
22 मई, सोमवार- पार्वती पूजा
23 मई, मंगलवार- वैनायकी गणेश चतुर्थी
24 मई, बुधवार- श्रुति पंचमी
30 मई, मंगलवार- गंगा दशहरा
31 मई, बुधवार- निर्जला एकादशी
1 जून, गुरुवार- चंपक द्वादशी
4 जून, रविवार- पूर्णिमा, संत कबीर जयंती

क्या घर में पक्षी ने बनाया है घोंसला? शुभ-अशुभ संकेत

कई पक्षी ऐसे हैं जो वृक्ष की बजाए घर या छत आदि जगहों पर घोंसला बनाकर रहते हैं। उनमें से कुछ तो किसी के घर में ही घोंसला बनाना पसंद करते हैं। इनमें में कुछ ऐसे पक्षी हैं जिनका घर में घोंसला बनाना शुभ होता है और कुछ ऐसे हैं जिनका घर में घोंसला बनाना अशुभ माना जाता है। आओ जानते हैं इस संबंध में रोचक जानकारी।

गौरैया चिड़िया : यह पक्षी यूं तो अपना घोंसला किसी पेड़ पर या किसी ऐसे ऊंचे स्थान पर बनाता है जहां पर किसी की नजर न पड़े, लेकिन यदि यह घर में बनाले तो समझो बहुत ही शुभ है। यह सकारात्मकता का सूचक है। इससे घर में सुख, शांति और समृद्धि आती है।

कबूतर : कबूतर पेड़ पर रहना पसंद नहीं करता है यह अक्सर ऊंची इमारतों के छज्जे या किसी खंडहर में रहना पसंद करते हैं, लेकिन यदि यह घर में घोंसला बना ले तो इसे शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब यह कि यह अशुभ भी नहीं है क्योंकि इसका मिलाजुला असर होता है।

मधुमक्खी : मधुमक्खी का छत्ता भी घर में रहना अशुभ माना जाता है। यह किसी घटना दुर्घटना का कारण बन सकता है।

ततैया : ततैया का छत्ता भी घर में रहना अशुभ माना जाता है. पहले धुआं करके बाद में इसे बहुत ही सावधानी से हटाया जा सकता है।

चमगादड़ : चमगादड़ का घर में आना ही अशुभ माना जाता है। यदि यह घर में ही डेरा जमा ले तो यह खतरे की निशानी है। इसे तुरंत ही घर से बाहर कर दें।

मुर्गा : मुर्गे का घोंसला बनाना शुभ माना जाता है। इसे घर में खुशी आती है और भाग्य में वृद्धि होती है। कई प्रकार के संकट दूर होते हैं।

चीटियां : घर में काली चींटियों का घोंसला बनाना शुभ लेकिन लाल का बनाना अशुभ माना जाता है।

ज्येष्ठ मास में रहता है नौतपा, इन तेज गर्मी के दिनों में किए गए जलदान से मिलता है अक्षय पुण्य

ज्येष्ठ महीना 6 मई से शुरू हुआ है। इसका नाम ज्येष्ठा नक्षत्र की वजह से पड़ा है। इस महीने की पूर्णिमा पर चंद्रमा ज्येष्ठा नक्षत्र में होता है। इसलिए इसे ज्येष्ठ मास कहते हैं। इस दिन कबीरदास जयंती भी मनाई जाती है।

इस हिंदी महीने में सूर्योदय से पहले उठकर तीर्थ स्नान करने के बाद भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण, शिवजी, हनुमानजी और सूर्य पूजा करने का विधान ग्रंथों में बताया गया है। इस पवित्र महीने में जलदान करने की भी परंपरा है। जिससे मिलने वाला पुण्य कभी खत्म नहीं होता, इसलिए ज्येष्ठ मास को पवित्र महीना कहा जाता है।

इसी महीने में रहता है नौतपा
ज्येष्ठ महीने में ही नौतपा रहता है। साल में एक ही बार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आता है, तब नौतपा शुरू हो जाता है। जो कि इस बार 25 मई से 2 जून तक रहेगा। इन दिनों सूर्य की किरणें ज्यादा देर तक धरती के उत्तरी हिस्से पर रहती है। जिससे धरती तेज तपती है और आने वाले दिनों में बारिश की तैयारी हो जाती है। इन तपते दिनों में किए गए जल दान से कभी न खत्म होने वाला पुण्य मिलता है।

श्रीकृष्ण और शिव पूजा का भी महीना
ज्येष्ठ मास में भगवान विष्णु के साथ ही श्रीकृष्ण की पूजा भी करनी चाहिए। भगवान के बाल रूप यानी लड्डू गोपाल का शीतल जल से अभिषेक करना चाहिए। माखन-मिश्री का भोग तुलसी के पत्तों के साथ लगाएं। साथ ही चंदन लेप भी लगाएं।

इस महीने में शिवलिंग पर शीतल जल चढ़ाने का महत्व पुराणों में बताया है। जिससे जाने-अनजाने में हुए हर तरह के पाप खत्म हो जाते हैं। इसके लिए चांदी के लोटे से शिवलिंग पर दूध चढ़ाएं। बिल्व पत्र, आंकड़ा, धतूरा, शहद आदि चीजें भगवान को अर्पित करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

ज्येष्ठ महीने में जरूरतमंद लोगों को कपड़े, छाते, अन्न और धन का दान करना चाहिए। गौशाला में हरी घास और गायों की देखभाल के लिए पैसों का दान करें। पानी से भरे मटके का दान करें। किसी भी मंदिर में पानी का मटका भरकर रख दें।

'मैं एक डोरमैट की तरह बन जाती'

प्रियंका चोपड़ा ने अपने पिछले रिलेशनशिप्स को लेकर किया खुलासा, सालों बाद बयां किया अपना दर्द

बॉलीवुड एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इंटरनेशनल स्टार बन चुकी हैं। वह एक से एक हॉलीवुड प्रोजेक्ट्स में काम कर रही हैं। हालिया रिलीज वेब सीरीज सिटाडेल में प्रियंका चोपड़ा की एक्टिंग की जमकर तारीफ हुई। इसके अलावा वह पति निक जोनस और बेटी मालती मैरी चोपड़ा जोनस के साथ अपनी लाइफ को एजॉय कर रही हैं। इस बीच प्रियंका चोपड़ा ने अपने पिछले रिलेशनशिप्स को लेकर खुलकर बात की है.

'मैं अपने रिलेशनशिप्स में खुद को समय नहीं दिया'

उसके डैडी को बुलाओ पॉडकास्ट शो के लेटेस्ट एपिसोड में प्रियंका चोपड़ा से पूछा गया कि रोमांटिक पार्टनर चुनने के लिए उनका कोई पैटर्न था? इसके जवाब में एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं एक के बाद एक रिलेशनशिप में रही।मैंने सभी रिलेशनशिप में खुद को समय नहीं दिया।मैंने हमेशा उन एक्टर्स को डेट किया, जिनके साथ मैंने काम किया या फिर जिनसे मैं सेट पर मिली।मुझे इस बात का अंदाजा था कि रिश्ता कैसा होना चाहिए।मैं उसकी तलाश करती रही और उन लोगों को फिट करने की कोशिश करती रही, जो मेरी लाइफ में आए.'

मैं एक डोरमैट की तरह बन जात प्रियंका चोपड़ा ने आगे कहा, 'मैं सचमुच एक डोरमैट की तरह बन जाती और फिर मैं ऐसा सोचती कि यह ठीक है क्योंकि, आप जानते हैं कि महिलाओं को इतने लंबे समय से यही बताया जाता रहा है कि हमारा रोल फैमिली को एक साथ जोड़ना है और जब आपका पति घर आए, तो उसे सहज महसूस कराना है.'

प्रियंका ने 2018 में निक जोनस के साथ रचाई थी शादी

बताते चलें कि प्रियंका चोपड़ा साल 2018 में अमेरिकन सिंगर और एक्टर निक जोनस के साथ शादी रचाई है।इसके पहले दोनों ने दो साल तक एक-दूसरे को डेट किया था।प्रियंका और निक जोनस की एक बेटी मालती है, जिनका जन्म सेरोगसी के जरिए साल 2022 में हुआ है।कपल अक्सर बेटी के साथ फोटोज़ और वीडियोज़ सोशल मीडिया पर पोस्ट करते रहता है।

टाइगर श्रॉफ इस दिन शुरू करेंगे 'मिशन ईगल' की शूटिंग, सारा अली संग पर्दे पर मचाएंगे धमाल

बॉलीवुड के एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ की अपकमिंग फिल्म 'मिशन ईगल' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्टर इसकी तैयारी में जुट गए हैं, और इसी महीने यूके के ल्यूटन में शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के अपोजिट सारा अली खान नजर आने वाली हैं। साथ ही इसका निर्देशन जगत शक्ति कर रहे हैं। टाइगर श्रॉफ फैंस के बीच अपने बेहतरीन एक्शन और शानदार डांस के लिए पॉपुलर हैं। 'बागी', 'हीरोपंती' और 'वॉर' जैसी फिल्मों में काम कर चुके एक्टर के अपकमिंग प्रोजेक्ट्स को लेकर फैंस का बज हाई है। इसी कड़ी में टाइगर की फिल्म 'मिशन ईगल' को लेकर बड़ा अपडेट आया है। 23 मई से एक्टर, ल्यूटन में इसकी शूटिंग शुरू करने जा रहे हैं। 'मिशन ईगल' की तैयारी के लिए टाइगर श्रॉफ ने अपने बाल बढ़ा लिये हैं, जिससे उनके फैंस बेहद दंग हैं। 'मिशन ईगल' का पहला लुक हाल ही में सामने आया था और प्रशंसकों ने इसे खूब पसंद किया। वायरल तस्वीर में टाइगर को इंटेंस अवतार में दिखाया गया है, जिसमें वह लंबे बाल, चांदी की चेन के साथ काले रंग की टीशर्ट पहने नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही एक्टर हाथ में चाकू पकड़े देखे जा सकते हैं। टाइगर के चेहरे की शातिर मुस्कान इसे और ज्यादा आकर्षक बना रही है।

उर्वशी ने साइन की करण जौहर की फिल्म दोनों साथ में मिलकर अब करेंगे बड़ा धमाका!

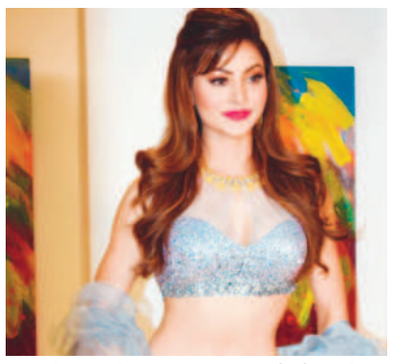

बॉलीवुड की खूबसूरत अदाकारों में शामिल होने वाली उर्वशी रौतेला अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ दोनों को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। परंतु हाल ही में उर्वशी की प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी एक खबर सामने आई है, खबर की मानें तो जल्द ही उर्वशी अपनी नई फिल्म के लिए करण जौहर के साथ काम कर सकती हैं, दोनों मिलकर बड़ा धमाका करने वाले हैं। उर्वशी रौतेला फिल्मों के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। एक्ट्रेस अपने फैंस के लिए तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। इस बीच उनके एक पोस्ट को देखकर फैंस के मन में कई तरह के सवाल पैदा हो रहे हैं। लोगों का मानना है उर्वशी जल्द ही करण जौहर के साथ बड़ी फिल्म करने वाली हैं। दरअसल, अभिनेत्री ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया,जो सबका ध्यान अपनी ओर खींच रहा है। उर्वशी ने एक बूमरैंग वीडियो साझा किया, जिसमें सेट पर उनका स्वागत एक हैंपर से किया गया, जिसे सूरजमुखी से सजाया गया था। वीडियो के साथ उन्होंने फिल्म के पीछे की टीम के प्रति आभार व्यक्त करते हुए और इस नए शुरुआत के लिए अपने उत्साह को व्यक्त करते हुए एक हार्दिक संदेश लिखा। उसने इसे कैप्शन दिया, इस वीडियो के सामने आने के बाद से ही लोग तरह-तरह के कयास लगा रहे हैं। इसके साथ ही उनकी इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रियाएं भी जाहिर कर रहे हैं। फैंस तो उर्वशी के लिए खुश है कि आखिर उर्वशी के हाथों अब एक बड़ा प्रोजेक्ट लग गया है, तो अब हिंदी सिनेमा में उनकी राह आसान हो जाएगी। बता दें कि बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला 'सनम रे', 'ग्रेट ग्रैंड मस्ती', 'हेट स्टोरी 4' और 'पागलपंती' जैसी फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं।

रणवीर संग अपने रिश्ते को लेकर दीपिका ने किया खुलासा

युवा पीढ़ी को भी दे डाली यह सलाह

दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह बॉलीवुड के जाने माने कपल में से एक हैं। दोनों की जोड़ी को काफी पसंद किया जाता है। कपल की शादी साल 2018 में हुई थी। वहीं, हाल ही में दीपिका पादुकोण सभी युवा विवाहित जोड़ों के लिए लव गुरु बन गई हैं और एक्ट्रेस ने उन्हें सलाह दी है।

शादी को लेकर कही यह बात

दरअसल, हाल ही में दिए एक इंटरव्यू के दौरान दीपिका पादुकोण ने शादी को लेकर बात की है। साथ ही उन्होंने कहा कि हम सभी फिल्मों से प्रभावित होकर बड़े होते हैं, या हम अपने आसपास के रिश्तों और शादियों से प्रभावित होकर बड़े होते हैं। हालांकि एक्ट्रेस का मानना है कि जितनी जल्दी कोई यह स्वीकार कर लेता है कि जिस यात्रा पर वह है या दो लोग जिस पर चल रहे हैं, वह किसी और की यात्रा से बहुत अलग होगी, उतना ही बेहतर है।

युवा पीढ़ी को दी यह सलाह

इसके अलावा एक्ट्रेस ने कहा कि धैर्य शायद उन मुख्य चीजों में से एक है जो उन्हें लगता है कि आज के जोड़ों में कमी है। एक्ट्रेस ने कहा कि रणवीर और उनके जैसे और भी कपल हैं, जो अपने से पहले की पीढ़ी से सीख सकते हैं। हालांकि और भी बहुत सी चीजें हैं, धैर्य सबसे पहली चीजें है।

रणवीर को लेकर कही यह बात

रणवीर के बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा कि कपल ने हाल ही में एक साथ भूटान की यात्रा की और दर्शनीय स्थलों की यात्रा और खाने का आनंद लेते हुए समय बिताया। उनके साथ अपने रिश्ते के बारे में कहा कि वह उनके साथ सबसे कमजोर महसूस करती हूं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी दीपिका

आपको बता दें दीपिका को हाल ही में सिद्धार्थ आनंद की फिल्म पठान में शाहरुख खान के साथ देखा गया था। इस फिल्म में जॉन अब्राहम ने भी मुख्य भूमिका अदा की थी। इसके बाद अब एक्ट्रेस ऋतिक रोशन के साथ फिल्म फाइटर में नजर आएंगी। साथ ही प्रोजेक्ट के में भी दिखाई देंगी।

सिर्फ लीड रोल की फिल्में करना चाहते हैं नवाजुद्दीन सिद्दीकी, बोले- फिर चाहे अपना ही पैसा लगाना पड़े

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी पिछले लंबे वक्त से अपनी निजी जिंदगी की परेशानियों को लेकर काफी चर्चा में थे. लेकिन अब नवाज को उनकी पर्सनल लाइफ में राहत मिल गई है. नवाज और उनकी पत्नी आलिया ने अपने बीच के मन मुटाव को ठीक करने का फैसला करते हुए माफी भी मांग ली है. दोनों ने अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए फिर से एक नई शुरुआत करने का मन बनाया है. नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बीते कुछ महीने में काफी कुछ झेला है. वहीं उनकी प्रोफेशनल लाइफ की बात की जाए तो उन्होंने जूनियर आर्टिस्ट के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की थी. सरफरोश और मुन्नाभाई एमबीबीएस जैसी फिल्मों में उन्होंने छोटे-छोटे किरदार निभाए हैं. कई सालों के लंबे संघर्ष के बाद अब नवाजुद्दीन सिद्दीकी एक बड़ा नाम बन गए हैं. हाल ही में नवाज ने एक इंटरव्यू के दौरान लीड रोल्स और बड़ी फिल्मों में वापसी को लेकर बात की है. दरअसल नवाजुद्दीन सिद्दीकी से पूछा गया कि कभी शाहरुख और सलमान के साथ काम करने वाले आप अब काफी वक्त से किसी बड़ी फिल्म में नहीं दिखे.

जूनियर एनटीआर की फिल्म को लेकर आया बड़ा अपडेट, इस दिन जारी होगा एनटीआर 30 का टाइटल और फर्स्ट लुक

साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म एनटीआर 30 को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। अभिनेता कोराताला शिवा के साथ यह फिल्म कर रहे हैं, जिसे अस्थायी रूप से एनटीआर 30 नाम दिया गया है। अभिनेता की यह बहुप्रतीक्षित पैन-इंडियन फिल्म है। जब से इस फिल्म का एलान हुआ है, तब से प्रशंसक इसके अपडेट के लिए उत्सुक हैं। अब फिल्म के नाम और फर्स्ट लुक से जुड़ा नया अपडेट सामने आया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, जूनियर एनटीआर के जन्मदिन पर एनटीआर 30 का फर्स्ट लुक और टाइटल रिलीज होने की उम्मीद है। कहा जा रहा है कि मेकर्स अभिनेता के जन्मदिन पर फिल्म का पहला लुक और शीर्षक सोशल मीडिया पर जारी कर सकते हैं। खबर है कि एनटीआर फिल्म के फर्स्ट लुक पोस्टर में खतरनाक अंदाज में नजर आएंगे। हालांकि, इस बारे में आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। फैंस को फिल्म में जूनियर एनटीआर का डबल रोल देखने को मिल सकता है। फिल्म में अभिनेता दोहरी भूमिका में नजर आएंगे, जो एक पिता और पुत्र की होगी। फिल्म की कहानी एक मछुआरे समुदाय के जीवन पर आधारित होगी, जब समुदाय पर डकैतों और

माफियाओं का खतरा होगा, तब एनटीआर शक्तिशाली व्यक्ति के तौर पर अपने समुदाय की रक्षा करेंगे। फिल्म का निर्देशन कोराताला शिवा कर रहे हैं। 'जनता गैराज' के ब्लॉकबस्टर होने के बाद यह एनटीआर और शिवा की दूसरी फिल्म होगी, जिसमें वह एक साथ काम करेंगे। एनटीआर 30 पांच अप्रैल 2024 को रिलीज हो सकती है। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर भी मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। इसके जरिए अभिनेत्री अपना साउथ डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। वहीं फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता सैफ अली खान भी नजर आएंगे।

सारा अली खान ने शेयर की केदारनाथ ट्रिप की फोटोज:फैंस बोले- ये देखकर तो सुशांत सिंह राजपूत की याद आ गई

बीत दिनों सारा अली खान केदारनाथ ट्रिप पर गई थीं। हाल ही में उन्होंने अपनी ट्रिप की फोटोज सोशल मीडिया पर शेयर की। फोटो शेयर करते हुए सारा ने केदारनाथ से उन्हें एक हसीं जिंदगी देने के लिए शुक्रिया भी कहा। उन्होंने लिखा- जब मैं पहली बार केदारनाथ आई थी तब मैंने जिंदगी में कभी कैमरा फेस नहीं किया था। यहां तक कम ही लोग आ पाते हैं और जो आते हैं वो काफी खुशनसीब होते हैं। मैं भी उन लोगों में से हूं क्योंकि मैं केदारनाथ तक आ पाई हूं। सारा की इस पोस्ट पर कई लोगों ने उनकी फिल्म केदारनाथ से उनके कैरेक्टर मुक्कू को याद

किया। वहीं, कुछ लोगों ने सुशांत सिंह राजपूत और उनके कैरेक्टर मंसूर खान को याद करते हुए कमेंट किया।

नेपोटिज्म को लेकर ट्रोल होने पर आलिया भट्ट ने दिया करारा जवाब

सुनकर सबकी बोलती होगी बंद

आलिया भट्ट को इंडस्ट्री में 10 साल हो चुके हैं। साल 2012 में एक्ट्रेस ने फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से अपनी शुरुआत की थी। 10 साल में आलिया भट्ट ने इंडस्ट्री में अलग-अलग किरदार निभाए हैं। राजी से लेकर गंगूबाई काठियावाड़ी और हाइवे जैसी कई सफल फिल्में एक्ट्रेस ने अपने करियर में दी। हालांकि, अनन्या और जाह्नवी कपूर की तरह उन पर भी हमेशा नेपोटिज्म का टैग लगता रहा है। अब हाल ही में आलिया भट्ट ने नेपोटिज्म के मुद्दे पर अपनी राय रखते हुए ये स्वीकार किया है कि उनके लिए इंडस्ट्री में आना आउटसाइडर के मुकाबले आसान था, लेकिन इसके साथ ही उन्होंने ऐसी बात कही, जिसको सुनकर ट्रोल्स की बोलती बंद हो जाएगी।

'मेरे लिए इंडस्ट्री में आना आसान था'- आलिया भट्ट

बॉलीवुड में फैंस का दिल जीतने के बाद आलिया भट्ट जल्द ही हॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने जा रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने हार्पर बाजार अरब से बातचीत में नेपोटिज्म के मुद्दे पर खुलकर बातचीत की। एक्ट्रेस ने कहा, "पिछले कई सालों से इस पर काफी बातचीत हुई है। इसका लंबा और छोटा जवाब ये है कि मुझे सहानुभूति है। मैं इस बात को समझती हूं कि मेरे लिए इंडस्ट्री का रास्ता दूसरे लोगों के मुकाबले ज्यादा आसान था और मैं अपने सपनों की तुलना दूसरों के सपनों से करती हूं, क्योंकि कोई भी सपना छोटा बड़ा या ज्यादा इंटेंस नहीं होता। सभी के सपने समान है। मैं ये समझ सकती हूं, ये बातें कहां से आती हैं।

मैं हर दिन अपना 100 परसेंट देती हूं- आलिया भट्ट

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए आलिया भट्ट ने कहा, मैं इस पर सिर्फ यही कहना चाहती हूं कि मैं इस बात को समझती हूं कि मेरी एक अच्छी शुरुआत हुई है, मैं ये भी मानती हूं कि मेरे पास वह सुविधाए थीं, इसलिए मैं हर दिन अपना 100 पर्सेंट देती हूं और मैं अपने काम को कभी भी हल्के में नहीं लेती। मैं सिर्फ एक ही काम कर सकती हूं अपना सिर नीचे रखकर अपना कामह्न। आपको बता दें कि इससे पहले आलिया भट्ट ने नेपोटिज्म के मुद्दे पर कहा था कि उन्हें अपने पिता की वजह से इंडस्ट्री में काम नहीं मिला, बल्कि उन्होंने करण जौहर की फिल्म के लिए ऑडिशन दिया था।

इस फिल्म से हॉलीवुड में रखेंगी कदम

आलिया भट्ट के आगामी प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही करण जौहर की फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' में नजर आने वाली हैं। गली ब्वॉय के बाद एक बार फिर से उनकी जोड़ी फिल्म में रणवीर सिंह के साथ दिखेगी। इसके अलावा वह हॉलीवुड फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन में भी दिखाई देंगी।

शिमला के हटेश्वरी माता मंदिर पहुंचीं प्रीति जिंटा:पति जीन गुडइनफ, बच्चों जय और जिया के साथ लिया माता का आशीर्वाद

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा आईपीएल 2023 में पंजाब किंग्स का समर्थन करने के लिए इन दिनों इंडिया में हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस शिमला के हाटेश्वरी माता मंदिर पहुंचीं। जिसका एक वीडियो उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है। वीडियो में प्रीती के साथ उनके पति जीन गुडइनफ , और दोनों जुड़वां बच्चे जेह और जिया की भी झलक देखने को मिली।

ट्रेडिशनल लुक में दिखीं खूबसूरत

वीडियो में प्रीति सिंपल लुक में नजर आईं। उन्होंने यलो सलवार सूट पहना हुआ है। और सिर को दुपट्टे से ढक रखा है। वहीं उनके पति जीन ने ब्लैक पैंट के साथ ब्लैक शर्ट पहनी हुई है। उन्होंने अपने दो बच्चों को भी गोद में लिया और उन्हें अनुष्ठान में भाग लेने के लिए मंदिर के अंदर ले गए।

प्रीति बोलीं- मां मुझे फिर से बुलाएंगी

प्रीति ने सोशल मीडिया पर पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'जब मैं छोटी बच्ची थी तो हिमाचल प्रदेश के शिमला के हाटकोटी में हाटेश्वरी माता मंदिर में अक्सर जाती थी। इस मंदिर ने मेरे बचपन में एक बड़ी भूमिका निभाई है और मैंने हमेशा इससे बहुत जुड़ाव महसूस किया है'। प्रीति ने आगे कहा- 'अब जब मैं एक मां हूं तो यह स्वाभाविक है कि मेरे बच्चे जिस मंदिर में गए थे वह यह अविश्वसनीय और प्राचीन मंदिर था।

अल्लू अर्जुन की तुलना धर्मेंद्र से करते हुए ये क्या बोल गईं 'ड्रीम गर्ल' हेमा मालिनी

पैन इंडिया स्टार अल्लू अर्जुन ने हमेशा अपने जोरदार प्रदर्शन से देश को प्रभावित किया है। सुपरस्टार ने अला वैकुंठपुरमलो, डीजे: दुव्वदा जगन्नाधम, पुष्पाः द राइज जैसी कई और दूसरी ब्लॉकबस्टर फिल्में दी हैं। इन फिल्मों ने उन्हें हमेशा बॉक्स ऑफिस और दर्शकों, दोनों के दिलों का बादशाह बनाए रखा। बड़े पर्दे पर अपना जादू बिखेरने के अलावा, अर्जुन को उनके फैन्स द्वारा उनके विनम्र और जमीन से जुड़े स्वभाव के लिए भी सराहा जाता है। आम आदमी से लेकर सेलिब्रिटीज और त्योहारों तक, पैन इंडिया स्टार के स्वैग ने उनकी लोकप्रियता की ऐसी मिसाल कायम की, जो पहले कभी नहीं देखी गई। अल्लू अर्जुन के लिए ये दीवानगी हर दिन के साथ बढ़ती ही जा रही है। हाल में बॉलीवुड की ओरिजिनल ड्रीम गर्ल यानी हेमा मालिनी भी अल्लू अर्जुन से इम्प्रेस नजर आईं और उन्होंने उनकी परफॉर्मेंस को खूब सराहा। अल्लू अर्जुन के बारे में बात करते हुए वेटरन एक्ट्रेस हेमा मालिनी ने कहा, मैंने भी पुष्पाः द राइज देखी थी, और बड़ा मजा आया देख के। कई लोगों ने फिल्म में अल्लू अर्जुन के वॉक पर आधारित डांस स्टेप किए हैं। मुझे उनकी परफॉर्मेंस भी बहुत पसंद आई। फिर मैंने उसे (अल्लू अर्जुन) एक और फिल्म में देखा और महसूस किया कि वह इतना अच्छा दिखने वाला लड़का है। वह पुष्पा में लुंगी पहने हुए बेहद देहाती और बेहद अलग दिखता था। उसने ऐसा किरदार निभाया और फिर भी वह हीरो है। यह तारीफ लायक है कि वह इस तरह के लुक को स्पोर्ट करने और भूमिका निभाने के लिए तैयार हो गए। हमारी हिंदी फिल्म के हीरो थोड़ी ना ऐसा दिखेंगे। मुझे याद है कि रजिया सुल्तान में धरमजी को सांवला दिखना था और वह झिझक रहे थे। ऐसे में इंडस्ट्री में ऐसी फेमस एक्ट्रेस से आने वाली ये तारीफ एक परफॉर्मर के रूप में और एक इंसान के रूप में अल्लू अर्जुन की आभा के बारे में बहुत कुछ बयां करती हैं,

जो केवल किसी क्षेत्र तक ही सीमित नही हैं, बल्कि पूरे देश और उसके बाहर भी उनका चार्म फैला हुआ हैं। इसके अलावा, अल्लू अर्जुन के इम्प्रेसिव लाइनअप में उनकी ब्लॉकबस्टर 'पुष्पाः द राइज' का दूसरा पार्ट शामिल है। इस अपकमिंग फिल्म 'पुष्पा 2 द रूल' से अल्लू अर्जुन उर्फ पुष्पराज का पहला लुक हाल ही में सामने आया था जिसने लोगों को पूरी तरह से दंग कर दिया था। फिल्म के दमदार फर्स्ट लुक को जारी करने के लिए एक प्रभावशाली कैंपेन शुरू करने के बाद, मेकर्स ने दुनिया भर में पुष्पा द रूल की शुरुआत की। इसके अलावा, सुपरस्टार ने हाल ही में निर्माता भूषण कुमार और निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा द्वारा एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट की घोषणा की हैं।

मलाइका की सामने से खुली ड्रेस में क्लीवेज से हटकर नाभि देख हैरान हुए लोग, बोले- ये क्या

बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा आए दिन अपने बोल्ड और सेक्सी लुक्स को लेकर छाई रहती हैं। ढलती उम्र के साथ मलाइका ने जिस अंदाज में खुद को मेंटेन किया है उसके सभी मुरीद दिखाई देते हैं। मलाइका फिटनेस के साथ साथ बॉडी पॉजिटिविटी को लेकर भी खुलकर अपनी राय रखती हैं। इसके साथ ही ये हसीना कभी भी अपने स्ट्रैच मार्क्स दिखाने में भी संकोच नहीं करती हैं। बल्कि खुलकर अपने हुस्न के जलवे बिखेरती हैं। अब एक बार फिर से मलाइका के स्ट्रैच मार्क्स टॉक ऑफ द टाउन बने हुए हैं दरअसल, हाल ही में मलाइका अरोड़ा ने इवेंट में अपने रेड सेक्सी लुक से हर किसी की सांसे थमा दी थीं। जहां अभी तक हर कोई इस दौरान मलाइका की सामने से खुली ड्रेस में क्लीवेज के चर्चे कर रहा था तो वहीं अब लोगों की नजरें मलाइका की नाभि पर जा रुकी हैं। जहां नेटिजंस ने मलाइका की नाभि पर स्ट्रैच मार्क्स स्पॉट किया और इसके लिए उन्हें काफी ट्रोल भी कर रहे हैं। हालांकि ऐसी ट्रोलिंग की मलाइका ने कभी भी परवाह नहीं की और वो ऐसे लोगों को अपनी बोल्डनेस से ही करारा जवाब देती हैं। हर बार मलाइका का लुक एक अलग ही लेवल पर दिखाई देता है। मलाइका अरोड़ा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और फैंस के साथ आए दिन अपनी एक से बढ़कर एक हॉट और बोल्ड तस्वीरें फैंस के साथ शेयर करती रहती हैं जो कि खूब वायरल रहती हैं। इसके साथ ही वर्क फ्रंट की बात करें तो मलाइका अपने ओटीटी शो 'मूविंग इन विद मलाइका' को लेकर छाई हुई हैं।

सौंदर्या शर्मा को छोड़ इस एक्ट्रेस को डेट रहे है गौतम विग!

टीवी अभिनेत्री टीना दत्ता इन दिनों अपनी निजी जिंदगी को लेकर ख़बरों में बनी हुई हैं। बिग बॉस 16 के दौरान कई लोगों के बीच स्ट्रॉग बॉन्ड दिखा तो कई लोगों के बीच दुश्मनी देखी गई। शो के प्रतियोगी गौतम विग सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले प्रतियोगियों में से एक थे, जो सौंदर्या शर्मा के साथ अपने रिलेशनशिप को लेकर बहुत ख़बरों में रहे। हालांकि, शो से निकलने के बाद उनका नाम किसी और अभिनेत्री के साथ जुड़ा, जो 'बिग बॉस 16'में ही मौजूद थीं।

शो के बाद गौतम का नाम टीना दत्ता से जुड़ना शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर ऐसी अफवाहें सामने आने लगीं का दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अब गौतम ने टीना के साथ अपने रिश्ते पर चुप्पी तोड़ी है। अपने एक इंटरव्यू में गौतम विग ने कहा, "ट्रोलर्स और लोगों को मेरी निजी जिंदगी में और मैं किसे डेट कर रहा हूं, इसमें बहुत दिलचस्पी है। ट्रोलिंग हो रही थी कि मैं टीना दत्ता को डेट कर रहा हैं। 700 से 800 कमेंट्स में अलग-अलग लड़कियों के भी नाम थे। इसलिए ऐसा होता रहता है।"

आगे उन्होंने कहा, "मैं बहुत सरप्राइज था, कोई उनके डिंपल्स की तुलना कर रहा था, कोई उनके नाक के साइज की तुलना कर रहा था, मैं सोच रहा था कि मैं इन लोगों को क्या कहूं। यहां तक कि मेरे मॉम और डैड भी मुझसे पूछ रहे थे कि तस्वीर में ये लड़की कौन है। मैंने उनसे कहा कि यदि मेरी जिंदगी में कोई होगी तो आपको पता चल जाएगा। इस वर्ष मैं यही सब एंजॉय कर रहा हूं कि लोगों को मेरी निजी जिंदगी में बहुत दिलचस्पी है।"

हिना खान की कातिलाना अदाओं ने गिराई बिजलियाँ फैंस हुए मदहोश

टेलीविज़न की जानी मानी मशहूर अभिनेत्री हिना खान सोशल मीडिया पर काफी अधिक एक्टिव रहती हैं। हिना खान अपने प्रशंसकों के लिए हमेशा तस्वीरें साझा करती रहती हैं। वही इन दिनों हिना खान का एक नया फोटोशूट इंटरनेट पर जमकर वायरल हो रहा है। उनकी इन जबरदस्त फोटोज को देख सोशल मीडिया पर बवाल सा मचा हुआ है।

वहीं सोशल मीडिया पर हिना खान के उस फोटो के चर्चे हर जगह हो रहे हैं। दरअसल, हिना ने डीप नेक वाला नेवी कलर का बॉडीकॉन ऑउटफिट पहना हुआ है,जिसे उन्होंने हाई हील्स के साथ स्टाइल किया है। इसके अतिरिक्त हिना ने सॉफ्ट कर्ली हेयर किए हुए है, जिसके कारण हिना खान इस लुक में काफी खूबसूरत भी नजर आ रही है। इसके साथ ही हिना खान ने अपने मेकअप को न्यूड रखा हुआ है। हिना खान की इस तस्वीर को उनके प्रशंसक बहुत पसंद कर रहे है। इंटरनेट पर हिना खान की इन फोटोज को काफी पसंद भी किया जा रहा है। कई लोग उनकी इस पोस्ट पर कमेंट कर रहे हैं- कुछ लोग कह रहे बवाल लग रही हो, तो कुछ उनके बोडीकॉन ऑउटफिट देख सवाल भी कर रहे है। बता दे कि हिना शॉर्ट फिल्म 'कंट्री ऑफ द ब्लाइंड' की शूटिंग में बहुत व्यस्त थी जिसके पश्चात उन्हें कान्स फिल्म फेस्टिवल में देखा गया था। हिना खान 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में अक्षरा का किरदार निभा कर घर घर में छा गई, तथा इस सीरियल के माध्यम से उन्होंने खूब लाइमलाइट बटोरी थी। इस सीरियल से सुर्खियों में आई थी जिसके बाद उनके फैन फॉलोइंग में भारी इजाफा हुआ।

कपिल शर्मा शो में शिरकत करेगी ऋषि सुनक की सास

रवीना टंडन भी आएंगी नजर

टीवी के चर्चित कॉमेडी शो द कपिल शर्मा शो पर इस सप्ताह धमाल मचने वाला है। कपिल शर्मा के शो पर तीन बड़ी हस्तियां आ रही हैं, जिन्होंने अपने काम से हिंदुस्तान का नाम रोशन किया है। शो पर कपिल बॉलीवुड अभिनेत्री रवीना टंडन, 'द एलिफेंट व्हिस्परर्स' की प्रोड्यूसर गुनीत मोंगा और इंफोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष सुधा मूर्ति से मजेदार सवाल पूछते नजर आएँगे।

शो का प्रोमो रिलीज हो चुका है। प्रोमो में कपिल, सुधा मूर्ति के काम की प्रशंसा करते हुए बोलते हैं, इन्होंने इंफोसिस फाउंडेशन की शुरुआत की। ये इतनी पावरफुल हैं कि यूके के पीएम झुककर इनके पैर छूते हैं। क्योंकि यूके के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक जी इनके दामाद हैं। आगे वो बोलते हैं, मैम एक बात बताइये कि आप जब यूके जाती हैं, तो आपको वीजा लेना पड़ता है या शादी का कार्ड दिखा देती हैं।

मस्ती-मजाक का सिलसिला चालू था। कपिल शर्मा शो पर आकर सुधा मूर्ति ने ये भी बताया कि नारायण मूर्ति से उनकी पहली मुलाकात कैसे हुई थी। सुधा मूर्ति बताती हैं, मैं उनसे एक दोस्त के माध्यम से मिली थी। मैं उम्मीद कर रही थी कि वो किसी हीरो जैसे होंगे, मगर जब नारायण मूर्ति को देखा तो सोचा कि 'ये बच्चा कौन है'। इससे पहले जो प्रोमो साझा किया गया था, उसमें रवीना टंडन शो पर एंट्री लेते ही कपिल शर्मा को गालों पर एक प्यारी सी Kiss देती नजर आई। शो में कपिल तीनों बॉस लेडी संग जमकर धमाल करते नजर आएँगे। प्रोमो मजेदार है। वही प्रोमो देख अब फैंस को एपिसोड का बेसब्री से इंतजार है।

उर्फी जावेद की नई ड्रेस ने लोगों को चौंकाया

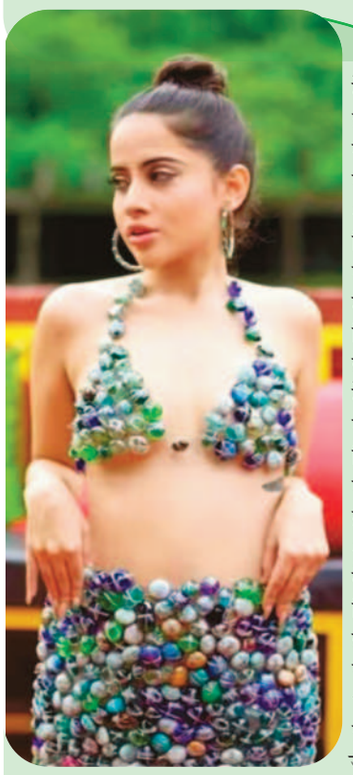

टेलीविज़न इंडस्ट्री की मशहूर अभिनेत्री उर्फी जावेद को उनके अतरंगी ऑउटफिट के लिए जाना जाता है। अब उर्फी जावेद ने च्विंगम से बना टॉप पहनकर हर किसी को चौंका दिया है। 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' और 'बिग बॉस ओटीटी' जैसे टेलीविज़न शोज में दिखाई दे चुकीं उर्फी जावेद आज अपने फैशन सेंस के लिए सुर्खियां बटोरती हैं।

उर्फी जावेद कभी अपने बोल्ड लुक्स से ख़बरों में आती हैं तो कभी अजीबो-गरीब ऑउटफिट पहनकर लोगों को हैरान कर देती हैं। हाल ही में, उर्फी जावेद ने च्विंगम से बना ऑउटफिट पहना। जी हां, उर्फी जावेद ने च्विंगम से बना टॉप पहनकर इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज भी शेयर की। हाल ही में, उर्फी जावेद ने च्विंगम से बना ऑउटफिट पहना। जी हां, उर्फी जावेद ने च्विंगम से बना टॉप पहनकर इंस्टाग्राम अकाउंट पर फोटोज भी शेयर की। वही च्विंगम से बने टॉप के साथ उर्फी जावेद ने ग्रे पैंट पहना था। स्लीक हेयर बन और मिनिमल मेकअप के साथ उर्फी ने अपने लुक को पूरा किया था। इन फोटोज को साझा करते हुए उर्फी जावेद ने कैप्शन में लिखा, "द बबलगम टॉप, च्विंगम से बना हुआ है।" आपको बता दें कि उर्फी जावेद को इनवाइट करने के पश्चात ग्लोबल एक्सिलेंस अवॉर्ड्स 2023 में आने से मना कर दिया था। इसके कारण उनका माधुरी दीक्षित की गेस्ट लिस्ट में सम्मिलित न होना था। सोशल मीडिया पर उर्फी ने इसको लेकर अपना गुस्सा भी निकाला था।

खतरों के खिलाड़ी 13 में नजर आएगी 'कुंडली भाग्य' की ये एक्ट्रेस, सीरियल को कहा अलविदा

टेलीविज़न की जानी- मानी मशहूर अभिनेत्री अंजुम फकीह की तगड़ी फैन फॉलोइंग है। 'घर-घर' में सृष्टि के किरदार में अपना नाम बनाने वाली अंजुम अब रियलिटी शो में दिखाई देगी। अंजुम फकीह लोकप्रिय सीरियल 'कुंडली भाग्य' छोड़ चुकी हैं। बता दें कि अंजुम, बीते छह वर्षों से इस शो का हिस्सा थीं। पर अब फाइनली इन्होंने इसे क्विट कर दिया है। प्रशंसक हैरान हैं, लेकिन दूसरी तरफ खुश भी हैं कि अंजुम फकीह स्टंट बेस्ड शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' में दिखाई देगी।

वही हाल ही में अंजुम ने एक इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने एकता कपूर का सीरियल 'कुंडली भाग्य', रोहित शेट्टी के रियलिटी शो 'खतरों के खिलाड़ी 13' के लिए नहीं छोड़ा है। बल्कि, वह बहुत वक़्त से इस शो को छोड़ने की योजना बना रही थीं। इसलिए यह बिल्कुल न सोचा जाए कि रियलिटी शो के लिए, एकता का सीरियल उन्होंने क्विट कर दिया।

अपने एक इंटरव्यू में अंजुम ने बताया कि सीरियल में 20 साल का लीप आया है।

ऐसे में कास्ट में नए एक्टर्स को जोड़ा गया है। इसमें बसीर अली, पारस कलनावत और सना सईद का नाम सम्मिलित है। तीनों ही अहम भूमिकाएं निभाते दिखाई देने वाले हैं। अंजुम को लगता है कि यह वक़्त सीरियल में आए नए किरदारों के शाइन करने का है, इसलिए उन्होंने इससे स्वयं का किनारा कर लिया।

अंजुम ने कहा- मुझे लगता है कि सीरियल की कहानी इस मोड़ पर पहुंच चुकी है, जहां नए किरदारों एवं उनके किरदारों को सही ढंग और स्पेस में दिखाए जाने का समय है। 'कुंडली भाग्य' में लीप आने में 6 वर्ष लग गए। मैं करियर में ग्रोथ देख रही थी। एक नई स्टोरीलाइन खोज रही थी। शो में भी ग्रोथ देख रही थी, लेकिन 6 वर्ष पश्चात इसमें ग्रोथ नजर आई।

ऐसे में मुझे लगा कि सृष्टि का किरदार अब पुराना हो गया है, उसे रियल लाइफ में अब कुछ और करना चाहिए। बीते 6 वर्षों से मैं एक अच्छा रोल स्वयं के लिए देख रही हूं। मैं यह नहीं कह रही कि सृष्टि का किरदार अच्छा नहीं था।

बस स्टोरीलाइन मैं दूसरी देख रही थी। अब क्योंकि सीरियल में नए किरदार आ गए हैं तो ऐसे में मुझे लगता है कि सृष्टि के किरदार में कुछ दम बचा नहीं है। इस समय अंजुम नोटिस पीरियड पर हैं। उनका कहना है कि यदि सीरियल में किसी और किरदार में उन्हें वापसी बुलाया जाता है तो वह इसे करना चाहेंगी।

माँ बनने वाली है ऐश्वर्या! खुद एक्ट्रेस ने बताया सच

टीवी के चर्चित सीरियल 'गुम है किसी के प्यार में' टेलीविज़न का मोस्ट पॉपुलर और हिट सीरियल है। मगर जब ऐसी खबरें सामने आईं कि अभिनेत्री ऐश्वर्या शर्मा ने शो छोड़ दिया है, तो प्रशंसकों को बड़ा झटका लगा। ऐश्वर्या के शो छोड़ने के पश्चात से अभिनेत्री को लेकर कई अलग तरह की खबरें सामने आने लगीं।

कई लोगों को लगा कि ऐश्वर्या मां बनने वाली हैं तथा प्रेग्नेंसी के कारण शो छोड़ रही हैं। मगर अब अभिनेत्री ने इन सभी वायरल खबरों का सच बताया है। ऐश्वर्या शर्मा ने अपने एक इंटरव्यू में बताया- यदि एक महिला कोई शो छोड़ती है तो इसका ये मतलब नहीं है कि वो गर्भवती है। उन्होंने कहा- 'मैंने देढ़ महीने पहले ही पेपर्स डाल दिए थे। मगर जैसे ही मैंने 'गुम है किसी के प्यार में' शो छोड़ा, तभी मुझे खतरों के खिलाड़ी शो मिल गया।' 'मैं देखकर बहुत शॉक्ड हुई कि कैसे सोशल मीडिया ट्रोलर्स ने मेरे प्रेग्नेंट होने का ऐलान कर दिया।' आगे उन्होंने कहा- 'मैं अगर सच में गर्भवती होती, तो मैं खतरों के खिलाड़ी शो नहीं करती। इसी के साथ मैं सारी अफवाहों को यहीं समाप्त करती हूं।' 30 वर्षीय ऐश्वर्या शर्मा ने ये स्पष्ट कर दिया है कि वो प्रेग्नेंट नहीं हैं तथा खतरों के खिलाड़ी कर रही हैं। ऐश्वर्या के प्रशंसक उन्हें अब खतरों के खिलाड़ी शो में देखने के लिए सुपर एक्साइटेड हैं।

'ससुराल सिमर का' छोड़कर बेरोजगार हो गए थे शोएब

ससुराल सिमर का फेम शोएब इब्राहिम और दीपिका कक्कड़ जल्द ही पेरेंट्स बनने वाले हैं। दीपिका ने जहां टीवी शोज से ब्रेक ले रखा है, तो वहीं शोएब अपने लेटेस्ट शो अजूनी में बिजी चल रहे हैं। एक्टर ने हाल ही में अपने स्ट्रगल के बारे में बात की और बताया कि कैसे उनकी पत्नी दीपिका बुरे दौर में उनके साथ खड़ी रहीं। शोएब ने कहा कि जब उनके पास कोई काम नहीं था, तब दीपिका ने उनकी बहुत मदद की थी।

दरअसल शोएब ने 2013 में टीवी शो 'ससुराल सिमर का' छोड़ दिया था। एक्टर ने माना कि वो किसी सीन में खड़े रहने के बजाए खुद पर काम करना चाहते थे और अच्छे रोल्स करना चाहते थे। लेकिन शो छोड़ने के बाद उनके पास तीन साल तक कोई काम नहीं था।

उन्होंने मेरा साथ तब दिया जब मेरे पास कुछ भी नहीं था- शोएब

ईटाइम्स से बातचीत के दौरान शोएब ने कहा- 'उस वक्त मेरे पास कुछ सेविंग्स रखी हुई थीं, जो बहुत काम आई। इसके बाद दीपिका ने मुझे बहुत सपोर्ट किया और मैं इसे एक्सेप्ट करने से कभी नहीं हिचकता। मैं इसे गर्व से स्वीकार करता हूं।' 'यही कारण है कि मैं उसके लिए कुछ भी करने में बिल्कुल नहीं सोचता, क्योंकि उन्होंने उस समय मेरा साथ दिया था, जब मेरे पास कुछ भी नहीं था। मेरे पिता के पास भी कुछ बचत थी, जिसका हमने इस्तेमाल किया। हमारा पूरा परिवार दीपिका का एहसानमंद है क्योंकि उन्होंने हम पर हमेशा प्यार बरसाया। हर तरह से हमें सपोर्ट किया।'

दीपिका तब मेरी दोस्त थीं, उन्होंने मुझे बहुत सपोर्ट किया

शोएब ने आगे कहा- 'मैं शो छोड़ने से डर रहा था, लेकिन मुझे पता था कि बड़ी चीजें करने के लिए रिस्क तो लेना होगा। जब मैं शो में काम कर रहा था, तब मेरे पास कुछ सेविंग्स हो जाती थी। दीपिका उस समय मेरी करीबी दोस्त थीं और वो हमेशा मुझे सपोर्ट करती थीं। मेरे शो छोड़ने के बावजूद हमारे बीच एक अच्छा बॉन्ड था। धीरे-धीरे मैंने काम किया और खुद को तैयार किया। मैंने उन तीन सालों में खुद को बेहतर बनाया।' दीपिका ने 2015 में पति रौनक सैमसन से तलाक ले लिया। इसी के साथ शोएब और उनकी लव स्टोरी शुरू हुई।

कोई लौट के आया है और नच बलिए से दोबारा बनाई पहचान

3 साल के ब्रेक के बाद शोएब इब्राहिम ने 2017 में शो 'कोई लौट के आया है'से वापसी की थी। उसी साल दीपिका कक्कड़ के एक्टर नच बलिए में भी नजर आए थे।

इसके बाद उन्होंने जीत गई तोहे पिया मोरे, ईश्क मे मरजावां और फिल्म बटालियन 609 में जैसे शोज में काम किया। एक्टर इन दिनों अजूनी में लीड रोल निभा रहे हैं। इसके अलावा वो दीपिका के साथ व्लॉग भी बनाते हैं, जिसके जरिए वो फैंस से जुड़े रहते हैं।

अंकिता, दिव्यांका और उर्वशी ने किया चौकाने वाला खुलासा

लोकप्रिय टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे, दिव्यांका त्रिपाठी, अनीता हसनंदानी और उर्वशी ढोलकिया ने इस बारे में जानकारी साझा की है कि कैसे छोटे पर्दे ने उनके जीवन को बदलने में मदद की। द कपिल शर्मा शो में फैंस से बात करते हुए, एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने कहाः जून से अगस्त तक मेरा शूटिंग शेड्यूल बहुत बिजी था और उस तीन महीने की अवधि के दौरान पहली बार, मैंने लालबागचा राजा के दर्शन करने के लिए बाहर निकलने का फैसला किया। मैं केवल सेट पर रहती था और मेरी मां सेट पर मेरे लिए नए कपड़े लाती थीं। उस समय तक, पवित्र रिश्ता पहले से ही प्रसारित हो चुका था, लेकिन मुझे इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि शो को कैसी प्रतिक्रिया मिल रही है। एक दिन मैंने लालबागचा राजा के दर्शन के लिए जाने का फैसला किया। मैं वहां एक टैक्सी में गई और वहां मुझे अपनी कड़ी मेहनत का परिणाम देखने को मिला। जैसे ही मैं और मेरा दोस्त टैक्सी से बाहर निकले, लोग मेरे चारों ओर इकट्ठा हो गए और उन्होंने बस इतना कहा कि हम आपके लिए गणपति के दर्शन कुछ ही मिनटों में करवा देंगे और बदले में मुझे उनके साथ बस कुछ तस्वीरें क्लिक करनी होंगी।

क्यों डी-डॉलराइजेशन की तरफ बढ़ रही दुनिया

क्या रुपया बनेगा रिजर्व करेंसी?

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। क्या भारत की करेंसी रुपया रिजर्व करेंसी का स्टेटस हासिल कर सकता है ? इन दिनों से ये सवाल बड़े ही जोरशोर के साथ उठाया जा रहा है।देस दुनिया के कई जानकारों का मानना है कि अमेरिकी करेंसी डॉलर के अलावा दुनिया में एक और करेंसी को रिजर्व करेंसी का स्टेट मिलना चाहिए जिससे अमेरिकी डॉलर के दबदबे को चुनौती दी जा सके।साथ ही नॉस्ट्रो अकाउंट पर भी इसी का कंट्रोल है।हाल ही में कोटक महिंद्रा बैंक के चेयरमैन उदय कोटक ने कहा था कि भारतीय करेंसी रुपया रिजर्व करेंसी का स्टेटस हासिल करने में सबसे आगे है। उन्होंने कहा था कि यूरोपीय देश यूरो को रिजर्व करेंसी नहीं बना सकते क्योंकि यूरोप बिखरा हुआ है।यूके और जापान की अब वो हैसियत नहीं है कि पाउंड और येन को रिजर्व करेंसी बना सके।चीन पर दुनिया भरोसा नहीं करती है इसलिए युआन रिजर्व करेंसी नहीं बन सकता है।ऐसे में भारतीय रुपया रिजर्व करेंसी बनने के लिए सबसे प्रबल दावेदार हो सकता है।एम्बिट एसेट मैनेजमेंट के मुताबिक 2020 तक ग्लोबल ट्रेड में चीन की हिस्सेदारी 15 फीसदी है लेकिन भरोसे के अभाव और चीन के इकोनॉमिक सिस्टम में गवर्नेंस के चलते विश्व के विदेशी मुद्रा भंडार में उसी हिस्सेदारी 3 फीसदी से भी कम है।जबकि भारतीय अर्थव्यसस्था को चीन के मुकाबले रेग्यूलेटरों के पारदर्शिता भरोसमंद और स्थिरता के चलते बेहतर स्थिति में है।अगर अगले कुछ दशकों में भारत एक आर्थिक

महाशक्ति बन सकता है और वैश्विक व्यापार में उसकी हिस्सेदारी बढ़ती है तो डॉलर की जगह रुपये को डॉलर के विकल्प के रूप में स्वीकार्यता जरुर बढ़ जाएगी।रिजर्व करेंसी के तौर पर अमेरिकी करेंसी डॉलर के पर निर्भरता घटाने को डी-डॉलराइजेशन कहा जाता है।जिसे अलग-अलग देश ट्रेडिंग के लिए इस्तेमाल करते हैं।कच्चे तेल से लेकर दूसके कमोडिटी, अपने विदेशी मुद्रा भंडार को भरने के लिए डॉलर्स खरीदते हैं साथ द्विपक्षीय ट्रेड के लिए भी डॉलर का इस्तेमाल किया जाता है।1920 में डॉलर ने रिजर्व करेंसी के तौर पर पाउंड स्टर्लिंग की जगह ली थी।जापान और चीन लगातार डि-डॉलराइजेशन के तरफ कदम बढ़ा रहे हैं। वैश्विक तनाव, ट्रेड वॉर, आर्थिक प्रतिबंध ऐसे प्रमुख वजहें हैं जिसके चलते दुनिया में डी-डॉलराइजेशन को लेकर बहस चल रही है।रूस इसकी अगुवाई कर रहा है चीन, ईरान, लैटिन अमेरिकी देश रूस का साथ दे रहे हैं। रूस वे 80 बिलियन डॉलर ऑफलोड किया है।अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को इन दिनों एक के बाद एक तगड़ा झटका लग रहा है।

रूस और चीन के सेंट्रल बैंक अब कम डॉलर विदेशी मुद्रा भंडार रखने लगे हैं और युआन में लेन-देन कर रहे हैं।

बैंकिंग-एफएमसीजी और मिड कैप स्टॉक्स में खरीदारी के बावजूद फ्लैट बंद हुआ भारतीय शेयर बाजार

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। आज के कारोबारी सत्र में भारतीय शेयर बाजार के दो प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी को सीमित दायरे में कारोबार के बाद क्लोज हुआ ।हालांकि बैंकिंग, एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों में शानदार खरीदारी देखी गई।मिडकैप शेयरों में भी उछाल दखा गया।इसके बावजूद सेंसेक्स 36 अंकों की मामूली गिरावट के साथ 61,904 तो नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 18 अंकों की गिरावट के साथ 18,927 अंकों पर क्लोज हुआ है।आज के कारोबार में बैंकिंग, ऑटो, आईटी, एफएमसीजी, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स सेक्टर के शेयरों में खरीदारी रही।जबकि हेल्थकेयर, इंफ्रा, मेटल्स, फार्मा सेक्टर के शेयर गिरकर बंद हुए।मिड कैप और स्मॉल कैप इंडेक्स में भी शेयरों में खरीदारी के चलते तेजी देखी गई।सेंसेक्स के 30 शेयरों में 22 शेयर तेजी के साथ और 8 गिरकर बंद हुए।निफ्टी के 50 शेयरों में 26 शेयर तेजी के साथ और 24 गिरकर बंद हुए।आज के ट्रेड में एशियन पेंट्स 3.22 फीसदी, एचयूएल 2.76 फीसदी, एनटीपीसी 1.30 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.26 फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 1.24 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.93 फीसदी, सन फार्मा 0.80 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.63 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है।जबकि लार्सन 5.29 फीसदी, आईटीसी 0.94 फीसदी, भारती एटरटेल 0.86 फीसदी, रिलायंस 0.72 फीसदी, इंफोसिस 0.55 फीसदी, टाटा स्टील 0.46 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है। भले ही इंडेक्स गिरावट के साथ बंद हुआ तो लेकिन निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिली है।आज बाजार बंद होने पर बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैप 278.06 लाख करोड़ रुपये पर जा पहुंचा है जो बुधवार को 277.10 लाख करोड़ रुपये रहा था।आज के सत्र में निवेशकों की संपत्ति में 96,000 करोड़ रुपये का उछाल देखने को मिला है।

वेडिंग सीजन में सोने चांदी की चमक पड़ी फीकी

जानिए प्रमुख शहरों में गोल्ड सिल्वर रेट्स

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत में इस समय वेडिंग सीजन चल रहा है। ऐसे में इस दौरान सोने-चांदी की डिमांड बढ़ जाती है। अगर आप भी सोना खरीदने की प्लानिंग कर रहे हैं तो यह खबर आपके काम की है। आज शुरुआती दौर में सोने की कीमत में बढ़त के बाद दिन में 12.30 तक इसके दाम में गिरावट देखा जा रहा है। गुरुवार को सोना 61,279 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला था , जिसके बाद इसमें 40 रुपये यानी 0।07 फीसदी की कमी देखी गई है और यह 61,230 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा है। कल की बात करें तो गोल्ड 61,270 रुपये पर बंद हुआ था।

सिल्वर के दाम भी हुए कम?

सोने के अलावा चांदी की चमक में भी आज कमी देखी जा रही है। मार्केट खुलने के साथ ही चांदी वायदा बाजार में 76,555 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी। फिर इसकी कीमत में और गिरावट दर्ज की गई और यह 578 रुपये यानी 0.75 फीसदी की गिरावट के साथ 76,110 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही है। कल चांदी 76,688 रुपये पर बंद हुई थी।

इंटरनेशनल मार्केट में क्या है हाल?

अंतरराष्ट्रीय बाजार में आज सोना हल्की बढ़त के साथ कारोबार कर रहा है। सोने

की कीमत में आज 0.2 फीसदी की बढ़त के बाद यह 2,032.58 डॉलर प्रति औंस पर है। वहीं अमेरिका में गोल्ड के दाम की बात करें तो इसमें भी 0.2 फीसदी की बढ़त दर्ज की जा रही है और यह 2,041.80 डॉलर प्रति औंस पर है।

नई दिल्ली- 22 कैरेट सोना 57,100 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,600 रुपये प्रति किलोग्राम।

मुंबई- 22 कैरेट सोना 56,950 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,600 रुपये प्रति किलोग्राम।

कोलकाता- 22 कैरेट सोना 56,950 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 77,600 रुपये प्रति किलोग्राम।

चेन्नई- 22 कैरेट सोना 57,370 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 82,000 रुपये प्रति किलोग्राम।

सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल पर जून तक नहीं लगेगा आयात शुल्क

गिर सकता है पाम आइल का इंपोर्ट

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत सरकार ने जून तक कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे सूरजमुखी तेल से आयात शुल्क हटाने का फैसला लिया है। सरकार ने आयात शुल्क में देने वाली छूट को लेकर स्पष्ट किया है कि 31 मार्च से पहले भेजे जाने वाले सोया तेल और सूरजमुखी तेल के आयात को मुफ्त रखा जाएगा क्योंकि आयात नियमों को लेकर भ्रम की स्थिति बन गई थी, जिससे सैकड़ों हजारों कार्गो बंदरगाहों पर फंस गए थे। गौरतलब है, इस साल की शुरुआत में वनस्पति तेलों के दुनिया के सबसे बड़े आयातक ने 1 अप्रैल से शुरू होने वाले चालू वित्त वर्ष के लिए 2 मिलियन टन कच्चे सूरजमुखी तेल और सोया तेल के आयात शुल्क में देने वाली छूट को समाप्त कर दिया था। डीलरों का कहना था कि इस कदम से भारतीय बंदरगाहों पर करीब 90 हजार टन माल से लदे कार्गो फंस गए थे,

जिन्हें 31 मार्च से पहले लोड किया गया था। वनस्पति तेल ब्रोकरेज और कंसल्टेंसी फर्म सनविन ग्रुप के सीईओ संदीप बाजोरिया ने कहा कि पिछले कुछ हफ्तों से कुछ कार्गो बंदरगाहों पर अटके हुए थे। अब सरकार के नए आदेश के बाद ये देश में प्रवेश कर सकते हैं। बता दें, भारत मुख्य रूप से अर्जेंटीना, ब्राजील और संयुक्त राज्य अमेरिका से सोया तेल और रूस व यूक्रेन से सूरजमुखी का आयात करता है। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के कार्यकारी निदेशक बीवी मेहता ने का कहना है कि सरकारी अधिसूचना से आयातकों को राहत मिलेगी। वहीं आयात स्थानीय तिलहन की कीमतों को कम करेगा। साथ ही किसानों की आय में भी कमी आएगी। उन्होंने आगे कहा कि मई में भारत का पाम तेल आयात भी गिर सकता है क्योंकि सोया और सूरजमुखी तेल की उपलब्धता में वृद्धि होगी। पांच डीलरों ने पिछले सप्ताह बताया था कि अप्रैल में पाम तेल का आयात एक महीने पहले से 3 फीसदी गिरकर 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंच गया है।

बड़े पैमाने पर छंटनी के बाद माइक्रोसॉफ्ट कर्मचारियों को मिला एक और झटका

नहीं बढ़ेगी सैलरी, बोनस में भी कटौती

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। मंदी का सबसे ज्यादा असर टेक कंपनियों पर पड़ा है।पिछले कुछ महीनों में कई दिग्गज कंपनियों जैसे ट्विटर, मेटा, अमेजन, गूगल आदि ने कई चरण में कर्मचारियों की छंटनी की है।इस लिस्ट में माइक्रोसॉफ्ट का नाम भी शामिल है।छंटनी के बाद अब कंपनी ने अपने खर्चों को कम करने के लिए एक और बड़ा फैसला लिया है।माइक्रोसॉफ्ट कॉर्प ने ऐलान किया है कि वह अपने फुल टाइम कर्मचारियों की सैलरी इस साल नहीं बढ़ाएगी।इसके साथ ही कंपनी ने बोनस और स्टॉक ऑवर्ड को भी कम करने का फैसला किया है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्या नडेला ने ईमेल करके अपने कर्मचारियों को इसकी जानकारी दी है।समाचार एजेंसी रायटर्स ने इस मामले पर कंपनी से जवाब मांगा है, लेकिन अभी तक इसपर किसी तरह की टिप्पणी नहीं की गई है.रायटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक सत्या नडेला ने अपने ईमेल में कहा है कि पिछले साल हमने मार्केट की परिस्थितियों को देखते हुए कंपनी के प्रदर्शन के मुताबिक मुआवजा दिया था, लेकिन इस साल की परिस्थिति बहुत अलग है।ऐसे में ग्लोबल हालात के मद्देनजर कंपनी ने यह फैसला लिया है।इससे पहले जनवरी में माइक्रोसॉफ्ट 10,000 कर्मचारियों की छंटनी की योजना की जानकारी दी थी।इसके साथ कंपनी ने बताया था कि वह अपने खर्च में कटौती करके जनरेटिव AI पर ध्यान केंद्रित कर रही है।इस क्षेत्र में अरबों डॉलर का निवेश किया जा रहा है।माइक्रोसॉफ्ट की स्वामित्व की कंपनी लिंक्डइन मे भी हाल ही में बड़े पैमाने पर छंटनी का ऐलान किया है।लिंक्डइन ने वैश्विक परिस्थियों को देखते हुए 716 एंप्लाइज को नौकरी से निकालने का फैसला किया है।इसके साथ ही कंपनी ने अपने चाइनीज जॉब ऐप्लिकेशन ऐप को भी बंद करने की भी जानकारी दी है।लिंक्डइन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रयान रोसलैंस्की ने कर्मचारियों को ईमेल भेजकर यह बताया।इसके साथ ही सीईओ ने यह भी कहा कि आने वाले वक्त में कंपनी कुल 250 पदों पर नए लोगों को भर्ती भी की जाएगी।

84 अरब डॉलर पहुंचा भारत-यूएई व्यापार, द्विपक्षीय कारोबार उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत-संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (सीईपीए) को लागू हुए एक वर्ष पूरा हो चुका है। समझौते के बाद द्विपक्षीय व्यापार 84 अरब डॉलर पार हो गया है। यह द्विपक्षीय कारोबार का उच्चतम स्तर है। सीईपीए के कार्यान्वयन की पहली वर्षगांठ पर दुबई में अंतरराष्ट्रीय आभूषण प्रदर्शनी केंद्र का उद्घाटन किया गया। इस समारोह भारत की तरफ से वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के उद्योग संवर्धन व आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह व यूएई के अर्थव्यवस्था मंत्रालय में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के सहायक अवर सचिव जुमा मोहम्मद अल-कैत शामिल हुए।

जीएसटी चुकाने के लिए 31 मई तक समय

जीटीए के पास सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर भुगतान का विकल्प

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सरकार ने माल परिवहन एजेंसियों के लिए चालू वित्त वर्ष में सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर जीएसटी देने की समयसीमा बढ़ाकर 31 मई कर दी है। माल ढुलाई से जुड़ी एजेंसियों (जीटीए) के पास सेवाओं की आपूर्ति के आधार पर जीएसटी संग्रह और भुगतान का विकल्प है।

गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में जुटा अदाणी समूह

अदाणी समूह 594 किमी लंबे गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण में बड़ी भूमिका निभा रहा है। वह बदायूं से प्रयागराज तक 464 किमी के निर्माण को मूर्त रूप दे रहा है। इसका निर्माण उन्नत मशीनों और तकनीक से लैस कुशल इंजीनियरों की मदद से किया जा रहा है।

बजाज फाइनेंस ने एफडी पर ब्याज 0.4% बढ़ाया

बजाज फाइनेंस ने एफडी पर ब्याज दरों में 0.40 फीसदी वृद्धि की है। कंपनी ने बुधवार को बताया, नई दरें 36 से 60 माह तक की परिपक्वता अवधि वाली जमाओं पर बढ़ाई गई हैं। अब वरिष्ठ नागरिकों को 44 माह की विशेष अवधि की जमा पर 8.60 फीसदी ब्याज मिलेगा।

गांवों में डेढ़ साल बाद एफएमसीजी की बढ़ी बिक्री

लगातार छह तिमाहियों तक बिक्री में गिरावट के बाद गांवों में एफएमसीजी उत्पादों की बिक्री में मार्च तिमाही में तेजी आई है। कुल एफएमसीजी बिक्री में गांवों का योगदान 35 फीसदी है। इसमें सुधार की उम्मीद है। शहरी इलाकों में इसी दौरान 5.3 फीसदी की वृद्धि रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी से मार्च के बीच गांवों में एफएमसीजी की बिक्री 0.3 फीसदी बढ़ी है। अप्रैल-जून, 2021 में गांवों में बिक्री में तेजी देखी गई थी। यह बिक्री मूल्य के लिहाज से 10.1 फीसदी बढ़ी है।

गेहूं खरीद 42 फीसदी बढ़कर 2.52 करोड़ टन

सरकार ने चालू विपणन वर्ष 2023-24 में अब तक 2.52 करोड़ टन गेहूं की खरीदारी की है। यह एक साल पहले के मुकाबले 42 फीसदी ज्यादा है। खाद्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, अब तक की खरीद पूरे विपणन वर्ष 2022-23 में हासिल किए गए 1.88 करोड़ टन के आंकड़े को पार कर चुकी है। कुल 2.52 करोड़ टन की खरीद में पंजाब की हिस्सेदारी 1.18 करोड़ टन है। हरियाणा से 62.1 लाख टन और मध्य प्रदेश से 66.5 लाख टन गेहूं की खरीदारी की गई है।

महंगे दूध से दिवाली तक ग्राहकों को मिलेगी राहत

भारतीय डेयरी संघ अध्यक्ष ने बताया

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। भारत में पिछले कुछ महीनों में दूध के दाम में जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई है।महंगे दूध से परेशान जनता को कब तक राहत मिलेगी इस सवाल का जवाब भारतीय डेयरी संघ अध्यक्ष डॉ।रूपिंदर सिंह सोढ़ी ने दिया है।डॉ.सोढ़ी ने कहा है कि गर्मियों का सीजन खत्म होने के बाद दिवाली तक दूध के दाम में कमी देखी जा सकती है।गौरतलब है कि गर्मी के सीजन में दूध की मांग में कई गुना तक इजाफा हो जाता है।आइसक्रीम, दही, छाछ आदि प्रोडक्ट्स की वजह से दूध की डिमांड बढ़ जाती है और इसके साथ ही दूध

की खपत में भी इजाफा होता है।वहीं हीट वेव के कारण इसके उत्पादन में भी कमी आती है.देश में पिछले 15 महीने में अनाज के दाम में बढ़ोतरी के कारण दूध 13 से 15 फीसदी तक महंगा हो गया है।वहीं पिछले कुछ महीनों में हुई बेमौसम बरसात ने जानवरों के चारे के उत्पादन पर असर डाला है।ऐसे में इनकी कीमत में जबरदस्त बढ़ोतरी देखी गई है।इसके साथ ही कोरोना लॉकडाउन के कृत्रिम गर्भाधान में भी कमी आई है और इस वजह से दूध उत्पादन करने वाले जानवरों की संख्या कम हुई है।ऐसे में अक्टूबर 2022 से फरवरी 2023 के महीने में भी देश के हर साल के मुकाबले दूध उत्पादन में बढ़त नहीं हुई।लाइव मिंट में छपी रिपोर्ट के मुताबिक अमूल के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर डॉ.आर एस सोढ़ी ने कहा कि हमारी कोशिश है कि हम देश में दूध की कमी न होने दें।इसके लिए आने वाले दो सालों कई जरूरी कदम उठाए जाएंगे जिससे जनता और किसानों दोनों का ही फायदा हो।

हर रोज 115 करोड़ की शराब पी जाते हैं यूपी वाले

सबसे आगे ये दो जिले, देसी वालों ने भी दिखाया दम

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में लोग अब ज्यादा शराब पी रहे हैं।पिछले कुछ सालों के दौरान तो शराब की खपत में रिकॉर्ड वृद्धि देखी गई है।राज्य के आबकारी विभाग के आंकड़े बताते हैं कि उत्तर प्रदेश के कई जिलों में हर रोज शराब की खपत 10-10 करोड़ रुपये से ज्यादा की है।

उत्तर प्रदेश के लोग हर रोज 115 करोड़ रुपये की शराब और बीयर गटक जा रहे हैं।आंकड़े बताते हैं कि पूरे राज्य में शायद ही कोई ऐसा जिला है, जहां शराब और बीयर की डेली बिक्री ढाई-तीन करोड़ रुपये से कम की है।पिछले कुछ सालों के दौरान राज्य में शराब की खपत तेजी से बढ़ी है। सिर्फ 2 साल पहले राज्य में शराब की औसत खपत हर रोज करीब 85 करोड़ रुपये की थी। खबर में आबकारी विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि राज्य में कई ऐसे जिले हैं, जहां शराब की डेली खपत 12-15 करोड़ रुपये है।सबसे ज्यादा शराब की खपत करने वाले जिलों को देखें तो नोएडा और गाजियाबाद सबसे ऊपर है।इन दो जिलों में हर रोज 13 से 14 करोड़ रुपये की शराब व बीयर की खपत हो रही है.पर्यटकों से गुलजार रहने वाला आगरा जिला भी बहुत पीछे नहीं है, जहां औसत रोजाना खपत 12-13 करोड़ रुपये की है।लखनऊ जिले में यह खपत 10-12 करोड़ रुपये डेली है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष	में	मेष--	04-16 बजे
चंद्र-	मकर	में	वृष--	06-00 बजे
मंगल	कर्क	में	मिथुन..	08-00 बजे
बुध-	मेष	पें	कर्क...	10-13 बजे
गुरु-	मेष	में	सिंह...	12-26 बजे
शुक्र-	मिथुन	में	कन्या..	14-32 बजे
शनि-	कुंभ	में	तुला...	16-37 बजे
राहु-	मेष	में	वृश्चिक.	18-48 बजे
केतु-	तुला	में	धनु.....	21-01 बजे
			मकर..	23-07 बजे
			कुभ...	00-58 बजे
			मीन ..	02-35 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु-**ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **05-49** सूर्य अस्त- **18-35**
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल ..पश्चिम - दही खाकर घर से निकल
तिथि- सप्तमी - **09 -06** तक उपरान्त अष्टमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , शुक्रवार **May 12**
नक्षत्र - श्रवण - **13- 02** - तक उपरान्त धनिष्ठा
योग - शुक्ल - **12 - 16** - तक उप - ब्रह्म
करण- बव - **09 -06** - तक उप- बालव
विशेष:- कालाष्टमी,पंचक रात से
व्रत -त्योहार - सर्वार्थसिद्ध योग **-05-57** से

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
10:36 से
12:13 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया	
चंचल	05:49 - 07:23	शुभ	रोग.	18:36 - 20:02 अशुभ
लाभ	07:23 - 08:59	शुभ	काल.	20:02 - 21:25 अशुभ
अमृत	08:59 - 10:36	शुभ	लाभ.	21:25 - 22:49 शुभ
काल.	10:36 - 12:13	अशुभ	उत्पात	22:49 - 00:12 अशुभ
शुभ.	12:13 - 13:49	शुभ	शुभ	00:12 - 01:36 शुभ
रोग	13:49 - 15:26	अशुभ	अमृत	01:36 - 02:59 शुभ
उत्पात	15:26 - 17:02	अशुभ	चंचल	02:59 - 04:23 शुभ
चंचल	17:02 - 18:36	शुभ	रोग	04:23 - 05:49 अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

भाग्य आपकी वित्तीय स्थिति पर मुस्कुरा रहा है और अधिक कमाई के कारण आप के खर्चे भी बढ़ गए हैं।अब समय आ गया है की आप अपने खर्च पर नियंत्रण रखें । अब फिजूलखर्ची से बचना होगा । आपके परिजन या किसी करीबी के साथ ऐसा कुछ होगा कि आपके भीतर भी उससे अशांति आएगी ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,)

आज का दिन आपके लिए विशेष रूप से अच्छा है । आप अपना कुछ नया शुरू कर सकते हैं ,काफी समय लेने वाला अपना कोई अधूरा काम पूरा कर सकते हैं ,या कोई ऐसा काम जिसे आप लम्बे समय से टाल रहे हैं,को भी शुरू कर सकते हैं । आज शाम खेल और मौज मस्ती के नाम रहेगी । अपने नए-पुराने दोस्तों के साथ समय बितायें और मजे करें ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

इस समय लोग आपके बेहतरीन विचारों को सुनने -जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं । आपको अब उनसे जो भी बात मनवानी है,आप आसानी से मनवा सकते हैं,इसके लिए कोई कसर न छोड़ें । अपनी अधिकार जताने की प्रवृति को नियंत्रण में रखें,यह आपके खिलाफ जा सकती है । अपना दिमाग खुला रखें,आपको किसी करीबी से कोई अप्रत्याशित खबर मिल सकती है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

कोई नया काम शुरू करने के लिए दिन विशेष रूप से अच्छा है । अगर आप अपनी नौकरी या करियर में कोई बदलाव लाने या कोई नया सम्बन्ध बनाने के बारे में सोच रहें हैं तो आज से अच्छा कोई भी दिन नही हो सकता । अगर आपको इसमें कोई जोखिम लगता भी है तो भी एक मौका जरुर लें और सब कुछ जैसे आप चाहते हैं,बिलकुल वैसे ही होने की पूरी संभावना है ।

कन्या (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,)

आप सकारात्मक तरंगों से भरपूर हैं । लेकिन इसे औरों के साथ ना बाँटें ,लोग आपकी सलाह को सम्मान नहीं करेंगे । रचनात्मक उर्जा से भरे होने के बावजूद भी चुपचाप बैठा रहना आपके लिए तनाव का कारण बन सकता है,लेकिन इससे परेशान न हों । आपकी पहचान को कोई नुकसान नही होगा,केवल इसमें देरी हो सकती है । ऐसी क्षणिक खुशियों के चक्कर में ना पड़ें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आज का दिन अपने जीवन की वर्त्तमान स्थिति का मूल्यांकन करने और अपनी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर बांटने के लिए बिलकुल उपयुक्त है । अगर आप पिछले कुछ समय से आलसी महसूस कर रहे हैं और काफी सारा काम इकठ्ठा हो गया है,आज अपने अन्दर असीमित ऊर्जा अनुभव करेंगे जिससे आपके ये अधूरे काम संतोषजनक ढंग से पूरे हो पायेंगे ।

वृश्चिक (लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,)

आप सच्चे और ईमानदार लोगों से मिलना पसंद करते हैं । लेकिन आज आपकी मुलाक़ात उनसे होगी जो मुखौटे लगाये रखते हैं । उन्हें पहचानने की कोशिश करें ।आपसे जल्दी फैसले लेना समय की मांग रहेगी । किसी भी फैसले को अंतिम रूप देने से पहले अच्छी तरह सोच लें और फैसले लेने तक कोई भी अन्य काम न करें ।

धनु (ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे)

आज आप पूरा दिन थोड़े से भावुक रहेंगे । आप जो भी करेंगे पूरे मन से करेंगे और इसीलिए आपको सफलता जरुर मिलेगी।आप पिछले कुछ समय से किसी महत्वपूर्ण मुद्दे को टाल रहें हैं लेकिन आज इस मुद्दे को प्राथमिकता के आधार पर रखकर सुलझाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । जीवन के अन्य क्षेत्रों के अनसुलझे मुद्दों से आपकी सेहत भी प्रभावित होगी ।

मकर (मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी)

आज आप विशेषकर हलके फुल्के मूड में रहेंगे । सब समस्याओं का सामना चेहरे पर मुस्कराहट के साथ करेंगे । आज किसी विवाद में मैत्रीपूर्ण मध्यस्थ की भूमिका भी अदा कर सकते हैं । आपकी मौजूदगी से ख़ुशी और रोनक रहेगी और शाम को पार्टी की जान बने रहेंगे । की शुरुआत साधारण होगी लेकिन आप कई दिनों से नियमपूर्वक जो योग कर रहे हैं,उसका असर स्पष्ट दिखाई देगा ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,)

अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी । अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं । आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं और सबकी जरूरतों का ध्यान रखने के कारण आपकी लोकप्रियता भी है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आज आपको ईमानदारी से काम लेना है। आज का दिन अपने काम की बारीकियों पर ध्यान देने और उन महत्वपूर्ण कामों को पूरे कर लेने के लिए भी बहुत अच्छा है जिन्हें आप कुछ समय से टाल रहे हो । आप इन नीरस रूटीन कामों को पूरा करने में आलस कर रहे हैं लेकिन एक बार आप इन्हें शुरू कर दें तो बहुत जल्दी पूरा भी कर लेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

खेलने की उम्र में बन गई थी दुल्हन

पति ने जब मारा, लगा यही है शादी

एक ही मंडप में 3-4 नाबालिग बहनें ब्याहने का रिवाजः

जोधपुर, 11 मई (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 32 साल की गुड़िया बानो तीन बच्चों की मां हैं। तीनों को खुद पालती हैं। पति को उन्होंने छोड़ दिया है। राजस्थान के जोधपुर में जन्मी गुड़िया की शादी 14 साल की उम्र में कर दी गई थी। जानते हैं क्यों? क्योंकि उनकी 8 बहने हैं। मतलब शादी करने के लिए 8 बोझ। इसलिए घरवालों को जब सबसे बड़ी बेटी के लिए लड़का मिला तो उन्होंने लगे हाथों चार और बहनों को ब्याह दिया। वजह सिर्फ इतनी कि उन्हें गांव-समाज को चार बार दावत नहीं देनी पड़ेगी। बस एक दावत और चार बोझ निपट गए। शादी के वक्त इन चारों बेटियों की उम्र 18, 17, 14 और 13 बरस की थी।

जोधपुर की यह कहानी कोई अकेली नहीं। हर साल यहां इसी वजह से सैकड़ों बच्चियों की जबरन शादी की जा रही है। इसके बाद इनके साथ क्या होता है, यह खुद में अलग-अलग स्याह कहानियां हैं।

गुड़िया का पति तो उनसे रेप करता था। बच्चों के सामने भी जबरदस्ती करता था। मना करने पर नंगा कर कमरे से बाहर तक कर देता था।

राजस्थान के जोधपुर शहर में उनसे मुलाकात हुई। किस उम्र में शादी हुई थी? इतना पूछने पर दो-तीन सेकेंड के लिए वो कुछ सोचने लगती हैं। फिर कहती हैं- 14, उस वक्त मेरी उम्र रही होगी। लेकिन निकाह वाले दिन क्या हुआ था। मैंने किस रंग का जोड़ा पहना था। यह सब मुझे याद नहीं।

गुड़िया कहती हैं, 'गरीब परिवार में पैदा होने की कोई तो कीमत चुकानी होती है। हमारे मां-बाप को बेटियां बोझ लगती हैं। वो इस बोझ को जल्द से जल्द उतार देना चाहते हैं।

बहनों की शादी एक साथ इसलिए की जाती है ताकि एक ही दावत के खर्च में चार की जिम्मेदारी पूरी हो जाए। ऐसा सिर्फ हमारे घर-समाज में नहीं होता। आसपास बसे क्या हिंदू और क्या मुस्लिम सब यही करते हैं। हमारे यहां दावत का खर्च बचाना जरूरी है, बेटियों की कच्ची उम्र पर ध्यान देना उतना जरूरी नहीं।'

निकाह के बाद जब ससुराल पहुंची, तो 'मैं अपने पति के बारे में कुछ नहीं जानती थी। पति की उम्र भी ज्यादा नहीं थी। शुरुआती सालों में तो मुझे पता ही नहीं था कि मेरे साथ क्या हो रहा है। पति ने मारना-पीटना शुरू किया तो एक बार ऐसा लगा कि शादी में ऐसा ही होता होगा। जवान होने से पहले ही मां भी बन गई। जिस उम्र में हाथ में खिलौने होने चाहिए थे, उस उम्र में एक के बाद तीन बच्चे हो गए।'

पति से अलग होने की क्या वजह है?

'मैं नहीं रह सकती उसके साथ। वो मुझे जलाकर मार देगा। बच्चों को भी मुझसे छीन लेगा। मैंने एक लंबा अरसा उसके साथ यातनाएं सहते हुए बिताया है। उसके निशान आज भी मेरी जिस्म के साथ रूह पर हैं। ससुराल को याद करके कांप जाती हूं। पति ने मेरे साथ हर तरह से गलत करने की कोशिश की। मैंने जब भी सम्बन्ध बनाने के लिए मना किया, उसने जबरदस्ती की। कई बार मेरे कपड़े उतारकर मुझे कमरे के बाहर खड़ा कर दिया। शुरुआती दिनों में तो उसकी समझ भी कम उम्र की वजह से बच्चों जैसी थी, लेकिन उम्र बढ़ने पर भी उसमें कोई सुधार नहीं दिख रहा था। बच्चे बड़े हो रहे थे। उनके सामने ही वो किसी हवसी की तरह मुझ पर टूट पड़ता था। बच्चों के सामने मुझे नंगा कर देता। इसका मेरे बच्चों के दिमाग पर बहुत बुरा असर पड़ा है। मेरी कोई गलती नहीं होती थी तब भी मुझे मारा-पीटा जाता था। किसी भी बात के लिए न कहने का अधिकार नहीं था मेरे पास। मेरी न का मतलब था मेरे जिस्म पर मारपीट के निशान।'

बच्चों को पिता की याद नहीं आती?

'नहीं। उसके जिक्र से ही वो कांप उठते हैं। मुझे बार-बार पिटते देखकर बच्चे उदास रहने लगे थे। उनके मन में पिता का खौफ बैठ गया था। आज वो उसकी शक्ल भी नहीं देखना चाहते।'

गुड़िया ने बच्चों के बारे में सोचकर अपने परिवार, आसपास के लोग और पुलिस से मदद मांगी। इसका कोई फायदा नहीं हुआ। वो कहती हैं, 'जब उसने मुझे पहली बार मारना-पीटना शुरू किया था तब मैंने परिवार को इस बारे में बताया था। सभी ने मुझसे यही कहा कि सब ठीक हो जाएगा, पर ऐसा हुआ नहीं।

फिर समाज के लोगों ने उसे समझाया। वो तब भी नहीं माना। इसके बाद मैं महिला थाने गई, पुलिस को शिकायत की। उसका भी कोई असर नहीं पड़ा। मैंने उसके हाथ-पैर भी जोड़े, लेकिन सुधरने को तैयार ही नहीं था। अब मेरे बच्चे और मां-बाप भी नहीं चाहते हैं कि मैं उसके साथ रहूं।'

गुड़िया अनपढ़ है। आज सिलाई का काम कर तीन से चार हजार कमाती हैं। इस रकम में बच्चों को पालना मुमकिन नहीं। इस वजह से वो बच्चों को स्कूल नहीं भेजतीं। इसके बावजूद वो हालात के सामने हार नहीं मान सकतीं। अपने बच्चों को अच्छी जिंदगी देना चाहती हैं ताकि वो अपने बाप की तरह न बनें।

लंबे समय तक वो डिप्रेशन में थीं। उनकी काउंसलिंग एक गैर सरकारी संगठन 'संभाली ट्रस्ट' कर रहा है। यह संस्था जोधपुर में बाल-विवाह की शिकार लड़कियों के लिए काम करता है।

गुड़िया से मुलाकात के बाद मैं 'संभाली ट्रस्ट' की साइकोलॉजिकल काउंसलर डॉ. दिती राजोता से मिलने पहुंची।

वे कहती हैं, 'हमसे मदद मांगने वाली ज्यादातर लड़कियों की शादी बचपन में हो गई है। ये लड़कियां यौन उत्पीड़न और शारीरिक शोषण की वजह से स्ट्रेस, एंग्जाइटी और डिप्रेशन की शिकार हैं।'

दिती राजोता के मुताबिक बीते साल ट्रस्ट की हेल्पलाइन पर सौ से अधिक लड़कियों ने मदद के लिए कॉल किया। इनमें अधिकतर लड़कियां वो थीं जिन्हें उनकी बड़ी बहनों के साथ कच्ची उम्र में ब्याहा जा रहा था। ऐसा सिर्फ पैसे बचाने और खुद का बोझ कम करने के लिए यहां होता है।

'संभाली ट्रस्ट' एक सिलाई केंद्र भी चलाता है, जिसमें बाल विवाह वाली लड़कियां काम करती हैं। हर एक की अपनी अलग कहानी है। ये लड़कियां कैमरे के सामने बात करने से हिचकती हैं। परिवार की इज्जत और बच्चों का भविष्य उन्हें अपनी ही कहानी कहने से रोक देता है।

ममता हंस तेजी से सिलाई कर रही हैं। वो दस साल के बच्चे की मां हैं। पति से अलग रहती हैं। उनके पैर तेजी से सिलाई मशीन के पैडल हिला रहे हैं। वो खूबसूरत हैं, लेकिन चेहरा बिल्कुल शून्य है। ऐसा लगता है जैसे लंबे समय से हंसी उनके चेहरे पर नहीं आई है। ममता एक कॉलेज में रात में वॉर्डन का काम भी करती हैं।

ममता की शादी भी उनकी बड़ी बहन की शादी वाले दिन ही कर दी गई थी। तब वो 17 साल की थीं। जल्दबाजी में शादी करने की वजह से उनके परिवार ने लड़के के बारे में अच्छी तरह पड़ताल नहीं की थी।

शादी के बाद पता चला कि पति नशेड़ी है। शराब के अलावा स्मैक भी पीता है। नशे की लत ने ममता के पति को चोर बना दिया। वो अपने घर की महिलाओं की ज्वेलरी और आटा-तेल तक बेच देता था।

अलग होने के बाद पति से कभी मुलाकात हुई?

ममता कहती हैं, 'कच्ची उम्र में मेरी शादी हुई। एक लड़की के बहुत सपने होते हैं, मेरे भी थे। शादी के शुरुआती महीनों से ही मेरे साथ अत्याचार शुरू हो गया। रात में सोते वक्त मेरे पति ने नाक-कान से गहने चुराकर बेच दिए थे।

एक बार उसने एक पार्लर से चोरी की। पार्लर वाली मुझे जानती थी। उसने मुझे फोन करके कहा कि तेरा पति मेरी गुल्लक चुराकर ले गया है। पति को किसी ने बता दिया कि मेरे पास फोन आया है। वो सीधे घर आया और मुझे मारना शुरू कर दिया।

मैं खाना बना रही थी, उसने सब फेंक दिया। वो इतनी बुरी तरह से मुझे मार रहा था कि मुझे लग रहा था ये मेरा आखिरी दिन है। मैं नहीं जानती कि उस दिन मैं कैसे बच गई। उसने इतनी बुरी तरह से मुझे काटा था कि एक लंबे अर्से बाद भी मेरे बदन से निशान नहीं गए।

मैं बहुत बुरी तरह फंस गई थी। शादी के एक साल में ही बच्चा हो गया। इसके बाद सबने यही कहा- अब पति जैसा भी है बर्दाश्त करो। मैंने बहुत बर्दाश्त भी किया। जब बात मेरे बेटे तक आ गई तो कोई ठोस कदम उठाना ही था।

उसके बेटे को पिता शब्द से नफरत हो गई है। कोई बाप का नाम भी लेता है तो उसे गुस्सा आ जाता है। वो कहता है कि मैं इतने गंदे आदमी के बारे में बात नहीं करना चाहता।

ममता को लगता है कि बहन की शादी के साथ उन्हें भी ब्याह देने की जल्दबाजी ने ही उनका जीवन बर्बाद कर दिया है। आज वो अपने माता-पिता के साथ रहती हैं।

गुड़िया और ममता की तरह राजस्थान में हर साल न जाने कितनी लड़कियां बचपन में ही अपनी बहनों की शादी के दौरान ब्याह दी जाती हैं। बस बेटी की शादी हो जाए, इस चक्कर में मां-बाप लड़के का बैकग्राउंड नहीं देखते। यह तक नहीं सोचते कि जिस लड़के से शादी हो रही है वो भी एक बच्चा है।

पैसे बचाने के लिए एक ही मंडप में बेटी ब्याहने को यहां के लोग बस परंपरा मान बैठे हैं। इस बारे में कोई खुलकर बात भी नहीं करता।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक साल 2018-19 में राजस्थान में 1,216 लड़कियों का बाल विवाह हुआ था। हालांकि देश में 2005 की तुलना में अब बाल विवाह के मामलों में बड़ी गिरावट आई है। 2005 से पहले 47.5 फीसदी लड़कियों की शादी 18 साल से कम उम्र में हो जाती थी। 2021 में ये आंकड़ा 23.3 प्रतिशत था।

संयुक्त राष्ट्र पॉपुलेशन फंड ने 2021 में अपनी एक रिपोर्ट में चेतावनी दी थी कि महामारी के बाद आर्थिक दिक्कतों की वजह से परिवारों पर कम उम्र में लड़कियों की शादी करने का दबाव बढ़ सकता है।

जोधपुर में पीड़ित लड़कियों, गैर सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों से बात करके एक चीज स्पष्ट होती है कि अधिकतर लड़कियों की कम उम्र में शादी गरीबी की वजह से ही होती है।

गुड़िया और ममता कहती हैं, 'यदि मुझे शिक्षा हासिल करने का मौका मिलता। मैं कोई काम सीख लेती और आर्थिक रूप से स्वतंत्र होती तो मेरी जिंदगी भी अच्छी हो सकती थी। अब मैं एक अजाब से गुजर रही हूं। किसी भी लड़की के सामने ऐसे हालात नहीं होने चाहिए।'

'शराब घोटाले में मेरा नाम जोड़ने की कोशिश हो रही'

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्रवाई को लेकर मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा, झूठा केस बनाकर काम कर रही है। हमने ईडी को बीजेपी के एजेंड के रूप में काम करना बताया था, वो सही है। अब घोटालों में मेरा नाम जोड़ने की कोशिश हो रही है। बीजेपी ईडी को अपने अधीनस्थ संस्था के रूप में देखती है। और षड्यंत्र कर रही है।

भूपेश बघेल ने कहा, ईडी और डिस्टलरों के बीच सांठगांठ हो चुकी है। क्योंकि बिना एक्साइज ड्यूटी दिए शराब बेचने के बाद भी डिस्टलरों पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। या फिर बीजेपी डिस्टलरों को बचा रही है। इस मामले में दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए। उन्होंने कहा कि एसीबी इस मामले में जांच करेगी। विधि विशेषज्ञों से हम सलाह ले रहे हैं, जल्द इसके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की जाएगी।

जज के सामने खुदकुशी की

भूपेश बघेल बोले– ईडी और डिस्टलरों के बीच सांठगांठ, अब एसीबी करेगी मामले की जांच

धमकी देकर अनवर ढेबर ने कहा था सीएम और उनके परिवार का नाम लेने का दबाव बना रही ईडी छत्तीसगढ़ में 2 हजार करोड़ के शराब घोटाले के मामले में ईडी की टीम ने कारोबारी अनवर ढेबर को कोर्ट में पेश किया था। यहां कोर्ट में जज के सामने अनवर ढेबर ने ईडी पर प्रताड़ना का आरोप लगाते हुए खुदकुशी की धमकी देकर ये आरोप लगाया था कि ईडी उन्हे प्रताड़ित कर रही है। और भूपेश बघेल और उनके परिवार के सदस्यों का नाम लेने के लिए दबाव बना रही है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो मैं खुदकुशी कर लूंगा। और ईडी उसकी जिम्मेदार होगी। बुधवार को कोर्ट ने अनवर ढेबर की रिमांड 5 दिन और बढ़ा दी है। हालांकि इस दौरान पारिवारिक सदस्यों से मिलने की अनुमति भी कोर्ट ने दी है।

हिमाचल से ढलान में उतरी बीजेपी अब समुद्र किनारे पहुंच गई है - सीएम

कर्नाटक एग्जिट पोल में कांग्रेस को बहुमत मिलते दिख रहा है। जिसको लेकर भूपेश बघेल ने कहा कर्नाटक में शुरू से ही पता था कि वहां पर भारतीय जनता पार्टी के 40 पर्सेंट वाली सरकार जा रही है और कांग्रेस आ रही है। वो भी भारी बहुमत के साथ। एग्जिट पोल उसी को मुहर लगा रहे हैं। जो यहां होने जा रहा है। बीजेपी हिमाचल में ढलान से उतरने के बाद अब समुद्र के किनारे पहुंच गई है। कुमारी सेलजा द्वारा ली जा रही मैराथन बैठकों को लेकर भूपेश बघेल ने कहा, चुनाव है और चुनावी चर्चा हुई है। मंत्रियों से भी अलग-अलग विभागों को लेकर बात की गई। राजनीतिक चर्चा हुई है। अपने अपने कार्यों को लेकर मंत्रियों से जानकारी ली गई है।

पलामू के छात्र नेता की रोहतास में मौत

सासाराम, 11 मई (एजेंसियां)। झारखंड के चर्चित छात्र नेता 22 साल के सुजीत पांडेय उर्फ विदेशी पांडेय की रोहतास सड़क हादसे में मौत हो गई। घटना शिवसागर थाना क्षेत्र के एनएचटू फोरलेन पर हुई है। गुरुवार को शिवसागर टोल प्लाजा के पास उनकी कार एक खड़े ट्रक में जा घुसी। मामले की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। छात्र नेता विदेशी पांडेय ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वहीं दो लोग बुरी तरह से घायल हैं। जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा। घायलों के नाम 22 साल के बिट्टू दुबे और 20 साल के राहुल कुमार हैं, जिसमें राहुल की हालत गंभीर बताई जा रही है। तीनों कार से बनारस एक बारात में गए थे। वे देर रात बनारस से डालटनगंज लौट रहे थे। इसी क्रम में हादसा हुआ। सूचना पर पहुंची शिवसागर थाना की पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया, शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

अस्पताल की दीवार गिरी, महिला की मौत

भिलाई के डाक्टर अनूप गुप्ता के निर्माणाधीन हॉस्पिटल में हादसा, एक मजदूर घायल भी

भिलाई, 11 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के भिलाई में डॉ. अनूप गुप्ता के निर्माणाधीन हॉस्पिटल की दीवार अचानक ढह गई। इसमें दो मजदूर दब गए। इसमें एक महिला मजदूर की मौत हो गई, तो वहीं एक की हालत गंभीर बताई जा रही है। इस घटना के लिए ठेकेदार को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, कि उसने सुरक्षा नियमों का पालन नहीं किया। हालांकि मामले की जांच जारी है।

जानकारी के मुताबिक चंद्रा मौर्या सुपेला के पास लाइफ केयर हॉस्पिटल के पीछे डॉ. अनूप गुप्ता का हॉस्पिटल बन रहा है। उन्होंने निर्माण का ठेका रायपुर निवासी पवन पात्रा को दिया था। ठेकेदार ने मध्य प्रदेश से मजदूरों को बुलवाया था। सभी मजदूर वहीं पर रहकर काम कर रहे थे। गुरुवार दोपहर 3 तीन बजे जब मजदूर काम कर रहे थे। हॉस्पिटल में अंडरग्राउंड पार्किंग के लिए मिट्टी खोदने का काम चल रहा था। इसी से लगी एक 8-10 फीट ऊंची दीवार है। दीवार में कोई सपोर्ट न होने के चलते वो अचानक भरभरा कर गिर गई।

इससे नीचे काम कर रहे दो मजदूर मनहरण और दशमत प्रजापति मलबे में दब गए। दशमत के ऊपर सीधे दीवार गिरने से उसके सिर में गहरी चोट आई। दोनों को तुरंत सुपेला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने दशमत को मृत घोषित कर दिया और मनहरण का इलाज जारी है।

दो मासूम बच्चों के सिर से उठ गया मां का साया

दशमत के एक 5 साल और एक महाज एक साल का बेटा है। बड़े बेटे राजा ने बताया कि वो लोग झुग्गी में खेल रहे थे, इसी समय कोई आया और बताया कि उसकी मां दब गई है। दशमत के पति बालाघाट एमपी निवासी तुलसीराम प्रजापति ने ठेकेदार की लापरवाही को जिम्मेदार बताया है। उसका कहना है कि पुलिस मामले में सख्त कार्रवाई करे। घायल मनहरण की पत्नी राधिका और महिला मजदूर रेखा ने बताया कि ठेकेदार ने उन्हें हेलमेट व अन्य सुरक्षा के कोई उपकरण नहीं दिए थे।

ठेकेदार को बोला गया, फिर भी खतरे में काम

गार्ड संतोष श्रीवास्तव ने बताया कि वो खाना खाकर बैठा था। अचानक दीवार गिरी और नीचे चीख पुकार मच गई। उसने देखा कि एक महिला मजदूर मलबे में दब गई है और एक मजदूर घायल है। उन लोगों ने हेलमेट या अन्य सुरक्षा के सामान नहीं पहने थे। वहां मौजूद अन्य लोगों ने बताया कि दीवार पहले से कमजोर थी। उन्होंने ठेकेदार को बोला भी, लेकिन वो नहीं माना और खतरे के बीच मजदूरों से काम करवा रहा था।

ईडी ने शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन को किया गिरफ्तार

रायपुर की विशेष अदालत में किया पेश 2000 करोड़ के घोटाले से जुड़ा है मामला

रायपुर, 11 मई (एजेंसियां)। भिलाई में रहने वाले बड़े शराब कारोबारी पप्पू ढिल्लन को ईडी ने गिरफ्तार किया है। रायपुर की विशेष अदालत में शराब कारोबारी को पेश किया गया है। यह पूरा मामला छत्तीसगढ़ में 2 हजार करोड़ से भी अधिक शराब घोटाले से जुड़ा हुआ है।

गुरुवार को सुबह दुर्ग पहुंची ईडी की टीम ने भिलाई स्थित पप्पू के घर पर छापेमारी करके उसे हिरासत में लिया। और फिर काफी देर तक पूछताछ की गई। ईडी ने कोर्ट से पप्पू ढिल्लन को 14 दिन की रिमांड पर लेने की मांग की है। फिलहाल इस मामले में सुनवाई रायपुर के कोर्ट में जारी है।

ईडी का दावा है, हाल ही में छत्तीसगढ़ में उजागर हुए लगभग दो हजार करोड़ के शराब घोटाले में महत्वपूर्ण भूमिका पप्पू ढिल्लन की भी हो सकती है। इसके सबूत मिले हैं। पहले ही इस मामले में अनवर और नितेश पुरोहित नाम के कारोबारी अरेस्ट किए जा चुके हैं। अनवर फिलहाल 5 दिन की रिमांड पर ईडी की गिरफ्त में है। नितेश पुरोहित नाम के कारोबारी की तबीयत गिरफ्तार होती ही खराब हो गई। जिसका इलाज चल रहा है।

हेमंत सोरेन से मिले नीतीश

विपक्षी एकता पर एक घंटे तक चर्चा बोले– लोकसभा चुनाव में दिखेगा इसका असर

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को अपने झारखंड समकक्ष हेमंत सोरेन से मुलाकात की। कुमार ने बताया कि उनकी बातचीत 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराने के लिए विपक्ष को एकजुट बनाने पर केंद्रित थी। नीतीश कुमार ने उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ सोरेन के आवास पर करीब एक घंटे तक चर्चा की।

कुमार ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, हमारी बातचीत विपक्षी एकता बनाने पर केंद्रित रही और चर्चा का परिणाम आगामी 2024 के लोकसभा चुनावों में दिखाई देगा। जद (यू) नेता कुमार ने कहा, हम इतिहास बदलने के लिए केंद्र के प्रयासों का विरोध करेंगे। हम हिंदू-मुस्लिम एकता को भी बहाल करेंगे। इस बैठक को 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को हराने के लिए सभी गैर-राजग (एनडीए) दलों को एक साथ लाने के कुमार के प्रयासों के हिस्से के रूप में देखा जा रहा है।

इससे पहले कुमार ने मंगलवार को ओडिशा के मुख्यमंत्री और बीजद नेता नवीन पटनायक से भुवनेश्वर में उनके आवास पर मुलाकात की और उनके साथ एक घंटे से अधिक समय तक चर्चा की। हाल ही में उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ भी बातचीत की थी। कुमार और यादव ने अप्रैल में राहुल गांधी की मौजूदगी में दिल्ली में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की थी और भाजपा के खिलाफ संयुक्त मोर्चा बनाने के लिए सभी विपक्षी दलों को एक साथ लाने का संकल्प लिया था।

जदयू नेता ने राकांपा प्रमुख शरद पवार, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और माकपा महासचिव सीताराम येचुरी समेत अन्य के साथ बैठकें कीं थीं। कुमार कहते रहे हैं कि उनकी प्रधानमंत्री बनने की कोई महत्वाकांक्षा नहीं है लेकिन वह केंद्र में सत्तारूढ़ राजग के खिलाफ विपक्षी एकता कायम करने में सकारात्मक भूमिका निभाने को लेकर आशान्वित हैं।

झारखंड में तेजी से चढ़ रहा है पारा

कई शहरों में पारा 42 डिग्री के पार, अभी और बढ़ेगी गर्मी, 15 जून से मिल सकती है थोड़ी राहत

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। झारखंड के 12 जिलों में तापमान 42 डिग्री से ज्यादा दर्ज किया गया है। अभी तापमान और बढ़ने की संभावना जाहिर की गयी है। मौसम विभाग ने साफ कहा है कि जरूरत ना हो तो घर से ना निकलें। बुधवार को गोड्डा का तापमान 43.6 डिग्री दर्ज किया गया। जमशेदपुर में अधिकतम तापमान 42.6, पाकुड़ में 42.5 रहा। दर्ज आंकड़े बता रहे हैं कि मौसम का मिजाज अभी और गर्म होगा। बढ़ते तापमान में अपनी सेहत का ध्यान रखें। राज्य में 15 मई के बाद गर्मी से थोड़ी राहत मिल सकती है। 15 मई से कुछ स्थानों में बादल छाए रहने की संभावना है। कहीं-कहीं हल्की बारिश होने का अनुमान भी मौसम विभाग ने लगाया है। मौसम विभाग ने संभावना जाहिर की है कि अभी कई शहरों के तापमान में और वृद्धि होगी। इस वक्त चक्रवात 'मोचा' की खूब चर्चा है। मौसम विभाग ने साफ कह दिया है कि इसका झारखंड पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा। मौसम वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने कहा अभी जो हालात नजर आ रहे हैं उससे यही अनुमान लगाया जा सकता है कि इस चक्रवात का झारखंड पर कोई खास असर नहीं पड़ेगा हालांकि उन्होंने संकेत दिया कि अगर तूफान ने अपना रास्ता बदला या कोई और बदलाव हुआ तो संभावना है कि इसका असर झारखंड पर भी पड़े।

मां के इलाज के लिए किडनी बेचने पहुंचा बेटा

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। बचपन में पिता का साया उठ गया, मां और बहन की जिम्मेदारी दीपांशु के कांधे पर आयी। वह नौकरी की तलाश में रांची आ गया। अचानक मां के पैर टूट जाने की खबर सुनी। पैसे नहीं थे, तो मां के इलाज के लिए अपनी किडनी बेचने को तैयार हो गया। दिपांशु बिहार के गया का रहने वाला है। दीपांशु किडनी बेचने के लिए रिम्स अस्पताल पहुंच गया। दिपांशु पर अपने घर की जिम्मेदारी है, उसकी एक बहन भी है। दीपांशु किसी होटल में काम करके परिवार का खर्च चलाता है रिम्स के न्यूरो सर्जरी विभाग में सेवा दे रहे डॉ विकास ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और बताया कि कैसे एक नाबालिग बच्चा अपनी किडनी बेचकर मां का इलाज कराना चाहता है। वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि दीपाशु अपनी किडनी बेचने को तैयार है। डॉ विकास ने उसकी पूरी बात सुनी और मदद का भरोसा भी दिया। डॉ विकास ने सोशल मीडिया जो पोस्ट किया उसमें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को भी टैग किया है। उन्होंने लिखा, गरीबी और मजबूरी की चरम सीमा तो देखिए, एक बच्चा आज अपने मां के इलाज के लिए किडनी बेचने गया था, घर में मां और बहन है, पिता की मृत्यु हो चुकी है, वह किसी होटल में काम करता है, एक सज्जन व्यक्ति ने उसे हमारे बारे में बताया तथा हमारी टीम ने उसे समझाया की किडनी बेचना एक दंडनीय अपराध है, हमने उसे भरोसा दिलाया कि वह रिम्स रांची आता है तो निश्चित रूप से उनकी मदद करेंगे। बिहार के गया का रहने वाला नाबालिग बच्चा किडनी बेचना चाहता था।

13 वर्षीय लड़की ने कुएं में कूदकर बचाई तीन साल के बच्चे की जान

रांची, 11 मई (एजेंसियां)। झारखंड के चतरा जिले में एक 13 वर्षीय लड़की ने 40 फुट गहरे कुएं में छलांग लगाकर एक बच्चे की जिंदगी बचाई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि लड़की काजल कुमारी भुइयां ने तीन साल के बच्चे को एक हाथ से पकड़ लिया और दूसरे हाथ से कुएं में लगे मोटर पंप के पाइप की मदद से तैरती रही। चतरा के उपायुक्त अबू इमरान ने कहा कि वह लड़की के असाधारण साहस को देखते हुए बहादुरी पुरस्कार के लिए उसके नाम की सिफारिश करेंगे। ग्रामीणों ने बताया कि काजल ने तीन साल के बच्चे को एक हाथ से पकड़ लिया। साथ ही वह कुएं में लगाए गए मोटर पंप के पाइप को पकड़ी रही। उसी दौरान ग्रामीणों की भीड़ मौके पर पहुंच गई और दोनों को बाहर निकाल लिया। चतरा के उपायुक्त अबू इमरान ने बताया कि पूरे घटनाक्रम की डिटेल मांगी गई है। असाधारण साहस को देखते हुए वीरता पुरस्कार के लिए लड़की के नाम की सिफारिश करेंगे। राज्य की राजधानी रांची से करीब 170 किलोमीटर दूर चतरा जिले के मयूरहंड प्रखंड के हुसैन गांव में रविवार को हुई।

इजराइल के हमले में 25 फिलिस्तीनियों की मौत

इस्लामिक जिहाद का टॉप मिसाइल कमांडर मारा गया, आतंकियों ने इजराइल पर दागे 507 रॉकेट

तेल अवीव/गाजा, 11 मई (एजेंसियां)। इजराइल और फिलिस्तीन के बीच पिछले 3 दिन से लगातार हमले जारी हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, 9 महीनों की सबसे बड़ी लड़ाई में अब तक करीब 25 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है जबकि 64 लोग घायल हुए हैं। इसमें 5 महिलाएं और 5 बच्चे भी शामिल हैं। इसके अलावा इजराइल ने फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद (पीआईजे) के टॉप मिसाइल कमांडर अली हसन गली उर्फ अबु मुहम्मद को भी मार गिराया है।

बुधवार को गाजा में आतंकवादियों ने इजराइल पर 507 से ज्यादा रॉकेट दागे थे। इजराइली मिलिट्री के मुताबिक, इनमें से 368 रॉकेट बॉर्डर क्रॉस कर पाए, जबकि बाकी गाजा में ही रह गए। वहीं इजराइल की डिफेंस फोर्स ने गाजा में 158 से ज्यादा इस्लामिक जिहाद के ठिकानों को निशाना बनाया।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा- ये लड़ाई अभी खत्म नहीं हुई है। हम हमास और फिलिस्तीनियों पर नजर बनाए हुए हैं। वो छिप नहीं सकते। उन पर कब और कहां हमला करना है ये हम तय करेंगे। साथ ही ये लड़ाई कब खत्म होगी

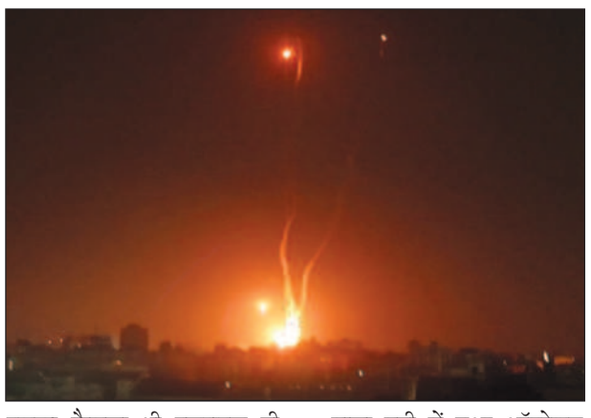

इसका फैसला भी इजराइल ही करेगा।

3 दिन पहले मारे गए थे पीआईजे के 3 कमांडर

इससे पहले 8 मई को गाजा पट्टी पर इजराइल के हवाई हमले में 12 लोगों की मौत हुई थी। इस मिशन को ऑपरेशन 'शील्ड एंड एरो' नाम दिया गया। इजराइल ने फिलिस्तीन इस्लामिक जिहादी मूवमेंट के टॉप 3 कमांडर और उनके परिवार के लोगों को मार गिराया था। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, गाजा पट्टी पर हमले में फाइटर जेट समेत 40 एयरक्राफ्ट शामिल थे। अटैक से पहले इलाके के 40 किलोमीटर के एरिया में रहने वाले इजराइलियों को बॉम्ब शेल्टर में भेज दिया गया था।

गाजा पट्टी में हुआ ऑपरेशन इजराइल की जवाबी कार्रवाई थी। दरअसल, पिछले हफ्ते एक फिलिस्तीन ने भूख हड़ताल कर इजराइल की जेल में दम तोड़ दिया था। जिसके बाद फिलिस्तीन की तरफ से इजराइल के बॉर्डर वाले इलाके में कई रॉकेट दागे थे। इससे पहले पिछले साल अगस्त में इजराइल और पीआईजे के बीच बड़ी लड़ाई हुई थी। इसमें 49 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई थी।

क्या है फिलिस्तीन का इस्लामिक जिहाद संगठन

फिलिस्तीन इस्लामिक जिहाद संगठन को 1981 में बनाया गया था। इसकी शुरुआत मिस्त्र में पढ़ने वाले फिलिस्तीनी लड़कों ने की थी। ये वेस्ट बैंक, गाजा और इजराइल के कब्जे वाले इलाकों में फिलिस्तीन का कब्जा चाहता है। इजराइल इस संगठन को ईरान का साथी बताता है। जो इजराइल को तबाह कर देना चाहते हैं। इस्लामिक जिहाद संगठन फिलिस्तीन को आजादी दिलाने वाले दूसरे बड़े संगठनों की तुलना में छोटा है। इसे ईरान से फंडिंग मिलती है।

इजराइल और फिलिस्तीन के बीच क्यों है विवाद

मिडिल ईस्ट के इस इलाके में यह संघर्ष कम से कम 100 साल से चला आ रहा है। यहां वेस्ट बैंक, गाजा पट्टी और गोलन हाइट्स जैसे इलाकों पर विवाद है। फिलिस्तीन इन इलाकों समेत पूर्वी यरुशलम पर दावा जताता है। वहीं, इजराइल यरुशलम से अपना दावा छोड़ने को राजी नहीं है।

गाजा पट्टी इजराइल और मिस्र के बीच में है। यहां फिलहाल हमास का कब्जा है। ये इजराइल विरोधी समूह है। सितंबर 2005 में इजराइल ने गाजा पट्टी से अपनी सेना वापस बुला ली थी। 2007 में इजराइल ने इस इलाके पर कई प्रतिबंध लगा दिए। फिलिस्तीन का कहना है कि वेस्ट बैंक और गाजा पट्टी में स्वतंत्र फिलिस्तीन राष्ट्र की स्थापना हो।

आतंकी पर बैन से चीन को दिक्कत

पठानकोट-पुलवामा हमले में आरोपी है रउफ ड्रैगन ने यूएन में भारत के प्रस्ताव पर अड़ंगा लगाया

न्यूयॉर्क, 11 मई (एजेंसियां)। भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद चीफ मसूद अजहर के भाई अब्दुल रउफ अजहर को ब्लैकलिस्ट करने की दोबारा मांग उठाई। लेकिन चीन ने इस पर आपत्ति जता दी। पड़ोसी देश ने भारत की तरफ से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की 1267 आईएसआईएल और अलकायदा प्रतिबंधित सूची में रउफ अजहर को शामिल करने के प्रस्ताव का विरोध किया है।

इससे पहले पिछले साल अगस्त में भी भारत और अमेरिका ने अब्दुल रउफ को वैश्विक आतंकी घोषित करने का प्रस्ताव पेश किया था। तब भी चीन ने वीटो पावर का इस्तेमाल कर इसे रोक दिया था। चीन के एक प्रवक्ता ने कहा था, 'हमने मामले को समझने के लिए समय चाहिए। इस कारण इस प्रस्ताव को रोका गया है।' हालांकि, प्रपोजल को यूएनएससी के बाकी 14 मेंबर्स का समर्थन हासिल था।

यूएस ने 2010 में रउफ को आतंकी घोषित किया था

अमेरिका 2010 में रउफ पर प्रतिबंध लगा चुका है। उस पर आतंकी गतिविधियों में शामिल होने और भारत में आत्मघाती हमले आयोजित करने का आरोप है। इसके बाद रउफ को वैश्विक आतंकी घोषित करने के लिए

संयुक्त राष्ट्र में प्रस्ताव भेजा गया, लेकिन चीन हर बार पाकिस्तान का साथ देते हुए इससे पीछे हट जाता है।

लश्कर के राजनीतिक विंग का हेड मक्की आतंकी घोषित

इस साल जनवरी में लश्कर-ए-तैयबा के राजनीतिक विंग के हेड और हाफिज सईद के बहनोई मक्की को वैश्विक आतंकी घोषित कर दिया गया था। अमेरिका और भारत ने मिलकर ही इस प्रस्ताव को भी पेश किया था, जिसपर चीन ने पहले तो आपत्ति जताई थी, लेकिन बाद में मंजूरी दे दी थी। इसके बाद यूएनएससी की अलकायदा सैन्कशन कमिटी ने सर्वसम्मति से मक्की को आतंकियों की लिस्ट में शामिल कर लिया था।

74 साल का मक्की लश्कर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। मक्की, भारत और खासकर जम्मू-कश्मीर में हिंसा और हमलों को अंजाम देने के लिए योजना बनाने, धन जुटाने, आतंकियों की भर्ती करने और युवकों का ब्रेनवॉश कर कट्टरपंथी बनाने के काम में शामिल रहा है।

मसूद अजहर का भाई है अब्दुल रउफ

अजहर का जन्म 1974 में पाकिस्तान में हुआ था। वो मसूद का भाई है और उसकी गैर मौजूदगी में जैश से संबंधित सभी फैसले लेता है। अब्दुल ने ही साल 1999 में इंडियन विमान को हाईजैक किया था। इस वजह से भारत को मसूद अजहर को रिहा करना पड़ा था। तभी से रउफ भारत के टॉप पांच मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों की सूची में शामिल है। अजहर 2007 में जैश एक्टिंग कमांडर के रूप में भी काम कर चुका है।भारत में 2001 का जम्मू कश्मीर विधानसभा पर हमला, 2016 में पठानकोट आतंकी हमला, पुलवामा आतंकी हमला जैश ने ही करवाया था।

वैश्विक आतंकी घोषित होने के बाद क्या होता है

किसी भी शख्स को वैश्विक आतंकी घोषित करने का फैसला यूएन की सुरक्षा परिषद लेती है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थाई सदस्य (अमेरिका, चीन, फ्रांस, रूस और ब्रिटेन), जबकि 10 अस्थाई सदस्य हैं। सभी स्थायी सदस्यों की सहमति के बाद ही किसी भी व्यक्ति को वैश्विक आतंकी घोषित किया जा सकता है। इस लिस्ट में नाम आने के बाद मुख्य तौर पर तीन तरह की कार्रवाई होती हैं। जिस व्यक्ति को वैश्विक आतंकी घोषित किया जाता है, उसकी संपत्ति को जब्त करने का अधिकार सरकार को मिल जाता है।

'हम बहुत से लोगों को खो देंगे'

जेलेंस्की ने रूस पर जवाबी हमले की बताई वास्तविकता, कहा- अभी और समय चाहिए

कीव, 11 मई (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि उनके देश को रूस के खिलाफ जवाबी कार्रवाई शुरू करने के लिए और समय चाहिए क्योंकि कीव को अभी भी वादा की गई पश्चिमी सहायता की आवश्यकता है। एक विदेशी मीडिया ने जेलेंस्की के हवाले से यह जानकारी दी है। जेलेंस्की ने कहा कि जो हमारे पास है उसके साथ हम आगे बढ़ सकते हैं और सफल हो सकते हैं। लेकिन हम बहुत से लोगों को खो देंगे। मुझे लगता है कि यह अस्वीकार्य है। उन्होंने कहा, इसलिए हमें अभी इंतजार करने की जरूरत है। हमें अभी भी थोड़ा और समय चाहिए।

जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी सेना को अभी भी कुछ चीजों की आवश्यकता है, जिसमें बख्तरबंद वाहन भी शामिल हैं जो खेपों में आ रहे थे। जेलेंस्की ने यूक्रेनी सेना पर विश्वास व्यक्त करते हुए उसकी प्रशंसा की, लेकिन लंबे समय से चल रहे संघर्ष के जोखिमों को लेकर चेतावनी भी दी, जो रूस की तरफ से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युद्ध को लेकर हर किसी के पास एक विचार होगा। लेकिन, वे आत्मसमर्पण करने वाले क्षेत्रों में यूक्रेन पर दबाव नहीं डाल सकते। उन्होंने सवाल किया कि दुनिया का कोई भी देश पुतिन को अपनी जमीन क्यों दे? 2024 में राष्ट्रपति जो बाइडन के दोबारा नहीं चुने जाने पर अमेरिकी समर्थन खोने की आशंकाओं को खारिज करते हुए जेलेंस्की ने कहा कि उन्हें अभी भी अमेरिकी संसद में दोनों दलों का समर्थन हासिल है। उन्होंने कहा कि कौन जानता है कि अमेरिका में जब चुनाव होगा उस वक्त हम कहां होंगे?

उन्होंने कहा, मुझे विश्वास है कि हम तब तक जीत जाएंगे। रूस के खिलाफ लगाए गए पश्चिमी प्रतिबंधों के समर्थन में जेलेंस्की ने कहा कि प्रतिबंधों का मॉस्को के रक्षा उद्योग पर प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उनके गोदामों में अभी भी बहुत कुछ है लेकिन हम पहले से ही देख रहे हैं कि उन्होंने कुछ क्षेत्रों में प्रति दिन गोलाबारी कम कर दी है।

भारतीय मूल की महिला को 16 हफ्ते की सजा

घरेलू सहयोगी को प्रताड़ित करने का आरोप

सिंगापुर, 11 मई (एजेंसियां)। सिंगापुर में 37 वर्षीय भारतीय मूल की महिला को अपने घरेलू सहायक को प्रताड़ित करने के आरोप में 16 हफ्ते की सजा सुनाई गई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार महिला अपनी सहयोगी के काम से खुश नहीं थी। महिला की पहचान मोनिका शर्मा के तौर पर की गई है, जो भारतीय मूल के ही अपनी 25 वर्षीय सहयोगी के मुंह पर उल्टी भी फेंकती थी। पीड़िता 20 जनवरी 2021 से रिवर वैली रोड के पास स्थित कॉन्डोमिनियम अपार्टमेंट में काम कर रही थी। अप्रैल 2021 में वह खिलौनों को साफ कर रही थी जब शर्मा ने उससे ऊंची आवाज में बात की। महिला सहायक के काम से खुश नहीं थी। उसने उसके मुंह पर तीन मुक्के भी मारे थे। आरोपी के पति उस समय वहीं मौजूद था, उसने इस झगड़े को शांत कराने के बाद अपनी पत्नी की तरफ से पीड़िता से माफी मांगी थी। हालांकि, झगड़े को शांत करने की बजाय महिला ने खिलौने को पीड़िता के सिर पर दे मारा।

नॉर्वे में 80% नई कारें इलेक्ट्रिक

आशंका के उलट न बेरोजगारी बढ़ी, न बिजली की किल्लत हुई, कार्बन भी 30% घटा

ओस्लो, 11 मई (एजेंसियां)। नॉर्वे की राजधानी से 175 किमी दूरी पर, देवदार और भोजपत्र के पेड़ों से घिरे एक हाईवे पर साफ-सुथरा फ्यूल स्टेशन भविष्य की एक झलक दिखा रहा है, जहां ई यानी इलेक्ट्रिक वाहनों का दबदबा है। चार्जिंग स्टेशनों की संख्या पेट्रोल पंप से ज्यादा हो गई है। बीते साल, नॉर्वे में बिकने वाली 80% नई कारें ईवी थीं। देश ने इस ईवी क्रांति से 2025 तक पारंपरिक फ्यूल से चलने वाली कारों की बिक्री खत्म करने का लक्ष्य तय किया है।

ओस्लो की हवा अपेक्षाकृत साफ है। शोर करने वाली पेट्रोल-डीजल गाड़ियों को हटा दिया गया है। 2009 के बाद से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन 30% घट गया है। बड़ी बात यह है कि फ्यूल स्टेशन के कर्मचारी बेरोजगार नहीं हुए न ही बिजली ग्रिड फेल हुआ। आलोचकों सबसे ज्यादा इसी बात की चिंता थी।

नॉर्वे में 1990 से ईवी को मिल रहा बढ़ावा

नॉर्वेजियन ईवी एसोसिएशन की प्रमुख क्रिस्टिना बू कहती हैं,'कुछ नेता और कॉर्पोरेट दिग्गज मानते थे कि जलवायु परिवर्तन की लड़ाई में बड़े बलिदान देने होंगे, पर ईवी के साथ ऐसा नहीं है। बल्कि इस बदलाव को तो लोगों ने गले लगाया है।' नॉर्वे ने 1990 में ईवी को प्रोत्साहित करना शुरू किया था। इन्हें टैक्स और टोल से छूट दी गई थी। फास्ट चार्जिंग स्टेशन के लिए सब्सिडी भी दी गई। ओस्लो में एयर क्वालिटी के चीफ इंजीनियर टोबियास वुल्फ कहते हैं,'ईवी बढ़ने से कारों से निकलने वाली नाइट्रोजन ऑक्साइड और नुकसानदेह कणों में बड़ी कमी आई है। ये कण ही अस्थमा व अन्य बीमारियों का कारण बनते हैं। ओस्लो की डिप्टी मेयर सिरिन स्टाव कहती हैं,'लक्ष्य उत्सर्जन में कटौती है, इसलिए ईवी महत्वपूर्ण है। हमारी कोशिशें सफल रही हैं, इस साल के अंत तक सभी सिटी बसें इलेक्ट्रिक होंगी।'

ईवी के लिए नए सब स्टेशन और ट्रांसफॉर्मर लगाए जा रहे

हालांकि अपार्टमेंट में रहने वालों को चार्जिंग प्लग ढूंढने में समस्या होती है। स्टाव कहती हैं,'हम ज्यादा सार्वजनिक चार्जर लगाकर समस्या खत्म करने में जुटे हैं। वहीं, प्रमुख बिजली सप्लायर एल्विया की एमडी ऐनी निसेथर बताती हैं,'कुछ जगह नए सब स्टेशन और ट्रांसफॉर्मर लगाने पड़े हैं। जल विद्युत पर्याप्त होने से ज्यादा डिमांड के बावजूद पावर ग्रिड फेल होने की घटना नहीं हुई है। ज्यादातर ईवी चार्जिंग रात में होती है, तब मांग कम रहती है। हमें भरोसा है कि ईवी बढ़ीं तो भी मुश्किल नहीं होगी।'

ईवी से बैटरी रिसाइक्लिंग जैसे उद्योग में नौकरियां पैदा हो रहीं

आबोहवा सुधारने के अलावा ईवी से नौकरियां भी पैदा हो रही हैं। फ्रेडरिकस्टेड में पूर्व स्टील प्लांट बैटरी रीसाइक्लिंग का केंद्र बन गया है।

प्लांट के पूर्व कर्मचारी पुरानी बैटरियों से लिथियम, निकल, कोबाल्ट, मैगनीज व ग्रेफाइट निकाल रहे हैं। बैटरी निर्माता हाइड्रोवोल्ट के सीईओ पीटर क्वारफोर्ड कहते हैं,'रिसाइकल्ड बैटरी से नई बैटरियां बनाने की जरूरत भी कम पड़ेगी।'

इटली में बड़ा धमाका, पार्किंग में खड़ी कार में ब्लास्ट

फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं

मिलान, 11 मई (एजेंसियां)। इटली से बड़ी खबर आ रही है। यहां के मिलान में पार्किंग में खड़ी कार में धमाका हुआ है। फिलहाल किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उत्तरी इटली के मिलान के मध्य इलाके में बड़ा धमाका हुआ है। इसके बाद कई वाहनों में आग लग गई। इसके बाद असामान में घने धुएं का गुबार देखा गया। लोकल पुलिस ने बताया कि एक वैन में आग लगने के बाद धमाका हुआ। अधिक जानकारी का इंतजार है।

उपचुनाव में हार से नेपाली कांग्रेस में खड़ा हुआ संकट

दो महासचिव बगावत के मूड में

काठमांडो, 11 मई (एजेंसियां)। हाल के उप चुनाव नतीजों से बुरी तरह हिली नेपाली कांग्रेस पार्टी में अब बगावत की हालत बनती नजर आ रही है। उप चुनाव वाली तीनों संसदीय सीटों पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) विजयी रही। इससे हालांकि धक्का कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) और प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) को भी लगा, नेपाली कांग्रेस के नेता अपनी हार को पचा नहीं पा रहे हैं।

नेपाली कांग्रेस के नेता खास कर इससे ज्यादा आहत हैं कि उपचुनाव से ठीक पहले अर्थशास्त्री स्वर्णिम वागले पार्टी से इस्तीफा देकर आरएसपी के उम्मीदवार बन गए। उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन के साझा उम्मीदवार को उस सीट पर हरा दिया, जो रामचंद्र पौडेल के राष्ट्रपति बन जाने के कारण खाली हुई थी। तानाहम नाम की यह सीट नेपाली कांग्रेस का गढ़ मानी जाती थी, लेकिन यहां आरएसपी उम्मीदवार को भारी अंतर से जीत मिली।

अब पार्टी के दो महासचिवों गगन थापा और विश्व प्रकाश शर्मा पार्टी प्रमुख और पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के खिलाफ बगावत का झंडा उठाने की तैयारी में बताए जाते हैं। दोनों ने पार्टी में आमूल सुधार की मांग उठा दी है। पार्टी के अन्य वरिष्ठ नेताओं के अलावा थापा और शर्मा भी चुनाव प्रचार करने तानाहम गए थे, इसके बावजूद वे मतदाताओं को प्रभावित नहीं कर पाए। अखबार काठमांडू पोस्ट में छपी एक खबर के मुताबिक दोनों महासचिवों ने अब पार्टी में फिर से जान फूंकने के लिए एक नई रणनीति तैयार की है। बीते सात मई को थापा ने एक बयान जारी किया, जिसमें उसमें उन्होंने साफ संकेत दिया कि पार्टी के मौजूदा हाल को लेकर उनका सब्र अब

चूक रहा है। खास कर उन्होंने पार्टी के अंदर निर्णय प्रक्रिया की आलोचना की।

क्या दोनों नेता विद्रोह की तैयारी में है, इस बारे में पूछे जाने पर नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शेखर कोइराला ने पत्रकारों से कहा- 'दोनों नेताओं के शेर बहादुर देउबा से कुछ मतभेद हैं। थापा से मेरी बात हुई है। हमने आगे के रास्ते पर बातचीत की है।' शेखर कोइराला और थापा को करीबी माना जाता है।

मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक थापा और शर्मा ने अपने करीबी नेताओं को बताया है कि 'पार्टी के शुद्धिकरण' के लिए अब वे किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा है कि अगर देउबा ने उन्हें नजरअंदाज करना जारी रखा, तो वे महासचिव पद से इस्तीफा भी दे सकते हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक हाल में पार्टी पदाधिकारियों की एक बैठक के दौरान देउबा और थापा एवं शर्मा के बीच अप्रिय बातें हुईं। एक पदाधिकारी के मुताबिक थापा और शर्मा दोनों देउबा से पूरी तरह निराश हो चुके हैं।

नेपाली कांग्रेस की इन अंदरूनी घटनाओं के बारे में राजनीतिक विश्लेषक विष्णु सपकोटा ने काठमांडू पोस्ट से कहा- 'पार्टी में सुधार आसान नहीं है, लेकिन यह असंभव भी नहीं है। सब कुछ इस पर निर्भर करेगा कि इसके लिए कितनी मजबूती और ईमानदारी से प्रयास किया जाता है।'

बताया जाता है कि थापा, शर्मा और कुछ अन्य नेता पार्टी का विशेष अधिवेशन बुलाने की मांग करने जा रहे हैं, ताकि पार्टी विचारधारा, सिद्धांतों और संगठन की स्थिति पर चर्चा की जा सके। सियासी हलकों में इसको लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि पार्टी में सुधार की इन कोशिशों के प्रति देउबा की कैसी प्रतिक्रिया रहेगी।

कराची शिपयार्ड में चीनी नागरिकों पर हमले की साजिश नाकाम

कराची, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के बंदरगाह शहर कराची में एक शिपयार्ड में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर घातक हमले की साजिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया है। सुरक्षा बलों ने हमले की साजिश को नाकाम करते हुए एक संदिग्ध आत्मघाती हमलावर को मार गिराया।

पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी। यह घटना बुधवार को हुई जब सुरक्षा बलों के अधिकारियों को पता चला कि एक संदिग्ध व्यक्ति कराची के पोर्ट कासिम में शिपयार्ड में काम कर रहे चीनी नागरिकों पर आत्मघाती हमले की की योजना बना रहा है।

खिलौने वाली कार खरीदने के लिए तीन साल के भाई को असली कार से लेकर निकला छह साल का बच्चा

कुआलालम्पुर, 11 मई (एजेंसियां)। मलेशिया के लैंगकावी द्वीप में एक कार लैंप पोस्ट से टकरा गया। इस हादसे में किसी के हताहत होने की खबर तो सामने नहीं आई है लेकिन इस कार को कोई व्यक्ति नहीं बल्कि दो बच्चे चला रहे थे। खिलौने वाली कार खरीदने के लिए छह और तीन वर्षीय दो भाई घर से अपने माता-पिता की कार लेकर बाहर निकल गए। वे कार को करीबन 2.5 किलोमीटर तक चलाकर ले गए, जिसके बाद

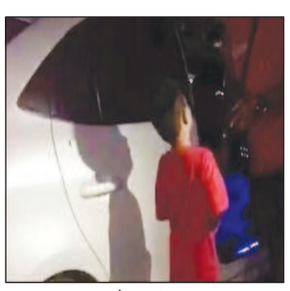

वाहन एक लैंप पोस्ट से टकरा गई। पुलिस के अनुसार सड़क पर मौजूद अन्य लोगों को लगा कि कार चालक शराब की नशे में वाहन चला रहा है। उन्होंने बताया कि बच्चों की मां बाथरूम में थी और पिता सो रहे ते, तभी ये बच्चे चुपके से अपने घर से निकल गए। उन्होंने कहा- कार एक छह साल का बच्चा चला रहा ता और यात्री सीट पर उसका तीन साल का भाई बैठा हुआ था। उलू मेलाका से कम्पुंग न्यिओर चबांग की ओर जाते वक्त कार ने अपना नियंत्रण खो दिया और सीधे लैंप पोस्ट से टकरा गई। इस हादसे में कार का बोनट टूट गया। फेसबुक में यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है जिसमें कार चलाने वाला छह वर्षीय बच्चा टी-शर्ट और लाल रंग की पैंट पहना हुआ था। बच्चे कार से चिल्ला रहे थे कि वह खिलौने वाली कार खरीदने के लिए जा रहे हैं। छह वर्षीय बच्चे ने कहा- मम्मी घर में है और हम खिलौने की दुकान में जा रहे हैं। वहीं तीन वर्षीय बच्चे ने कहा- हम काले रंग का कार खरीदने जा रहे हैं। पुलिस ने दोनों भाईयों के नामों का खुलासा नहीं किया है। उन्होंने बताया कि बड़े बच्चे के ठुड्डी पर चोट लगी है, वहीं छोटा भाई बिलकुल सुरक्षित है।

सेना और विपक्ष दोनों की नजर में देश गुजर रहा है 'काले दौर' से

इस्लामाबाद, 11 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान में विपक्ष के साथ-साथ सेना और सत्ता पक्ष ने भी नौ मई के दिन को पाकिस्तान के लिए 'काला दिवस' बताया है। लेकिन दोनों के ऐसा कहने के अलग-अलग कारण हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने अपने नेता इमरान खान की गिरफ्तारी के कारण इस दिन को 'काला दिवस' बताया है। मंगलवार से पीटीआई के समर्थक लगातार सड़कों पर विरोध जता रहे हैं। पार्टी ने बुधवार शाम ट्विटर पर एक सूची जारी की, जिसमें उसने दावा किया कि अब तक प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षा बलों की कार्रवाई में 47 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि अनगिनत लोग घायल हुए हैं। सरकार ने तब तक सिर्फ सात लोगों की जान जाने की बात कही थी। उधर, सेना के जन संपर्क विभाग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि नौ मई से हो रही घटनाएं देश के इतिहास में एक 'काला अध्याय' हैं। इस बयान में इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद सेना की संपत्ति और उसके ठिकानों पर हुए हमलों का जिक्र किया गया। आईएसपीआर ने इमरान खान की गिरफ्तारी को जायज ठहराया और चेतावनी दी कि अब आगे किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं दी जाएगी। आईएसपीआर के बयान में इस बात को स्वीकार किया गया है कि सेना के ठिकानों और संपत्तियों को देश भर में बड़े पैमाने पर निशाना बनाया गया है। साथ ही इमरान खान के हजारों समर्थकों ने सेना विरोधी नारे लगाए हैं। आईएसपीआर ने इन गतिविधियों की निंदा की है। विश्लेषकों के मुताबिक नौ मई की शाम से हो रही घटनाएं पाकिस्तान में अभूतपूर्व हैं। पाकिस्तान में सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई को 'पवित्र गाय' समझा जाता रहा है। उसे आलोचना से ऊपर माना जाता रहा है। इस वर्जना को पहली बार इमरान खान ने तोड़ा है। वे पिछले एक साल से लगातार सेना की आलोचना कर रहे थे। हफ्ते भर पहले उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले नवंबर में उनकी हत्या की हुई कोशिश की साजिश आईएसआई के अधिकारी मेजर जनरल फैसल नसीर ने रची थी। इस आरोप के बाद घटनाक्रम तेजी से घूमा, जिसमें इमरान को गिरफ्तार किया गया। आईएसपीआर ने अपने बयान में कहा- 'सत्ता के लालच से वशीभूत सियासी चोगा पहने एक समूह ने वह कर दिखाया है, जो हमारे बाहरी दुश्मन भी पिछले 75 साल में नहीं कर सके थे।'

पायलट की जनसंघर्ष यात्रा पर तंज, मजाक बताया

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा- प्रदेश प्रभारी को मामले की जानकारी है, वह निष्कर्ष साझा करेंगे

जयपुर, , 11 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस मीडिया और पब्लिसिटी सेल के अध्यक्ष पवन खेड़ा ने सचिन पायलट के सीएम अशोक गहलोत पर पलटवार और करप्शन के खिलाफ जनसंघर्ष यात्रा शुरू करने को मजाक बताया। तंज भी कसा। पायलट मामले के समाधान से जुड़े सवाल पर पवन खेड़ा ने दो बार दोहराया कि मजाक का क्या शॉर्टआउट (समाधान) करें? वह दिल्ली में बुधवार को मीडिया से बात कर रहे थे।

पायलट मामले को सॉर्टआउट करने से जुड़े सवाल पर पवन खेड़ा ने कहा- सॉर्टआउट करने लायक तो कुछ है ही नहीं। क्या सॉर्टआउट करें? अब मजाक में कुछ कह दें तो थोड़े ही सॉर्टआउट किया जाता है। मजाक की बात कभी मजाक में ही कह देंगे, जवाब मिल जाएगा मजाक में ही।

जब खेड़ा से पायलट मामले को मजाक बताने पर फिर से सवाल किया गया तो कहा- मुझे मजाक लगा क्योंकि मैं हंसा सुनकर। जिस चीज से मुझे हंसी आई, वह मुझे जोक लगता है। इसलिए मैं हंस लिया। इसलिए मैंने कहा हो सकता है मजाक किया हो।

प्रदेश प्रभारी के ध्यान में है मामला, सही वक्त पर बताया जाएगा

पायलट के धरने की तरह यात्रा को एंटी पार्टी एक्टिविटी बताने के सवाल पर खेड़ा ने कहा- जो कुछ हो रहा होता है, वह प्रभारी के संज्ञान में होता है। प्रभारी सबसे चर्चा के बाद किसी निष्कर्ष तक पहुंचता है। निष्कर्ष क्या निकलता है, उसका सार आपको बताया जाएगा। पूरे मामले की जानकारी प्रभारी को है। हर चीज सार्वजनिक नहीं होती। सार्वजनिक होने का सही वक्त आएगा तो किया जाएगा। वहां के जो प्रभारी हैं, वह पूरे मामले को समझ कर सब से चर्चा करके फिर जो निष्कर्ष निकालेंगे, वह निष्कर्ष साझा करेंगे।

पायलट की यात्रा से एक दिन पहले खेड़ा ने मजाक उड़ाया

पवन खेड़ा का पायलट पर तंजभरा बयान सियासी हलकों में चर्चा का मुद्दा बना हुआ है। सचिन

पायलट 11 मई को अजमेर से यात्रा शुरू कर रहे हैं। इस यात्रा को जनसंघर्ष यात्रा नाम दिया है। पायलट की यात्रा से एक दिन पहले पवन खेड़ा का यह बयान कांग्रेस के स्टैंड को बता रहा है। माना जा रहा है कि कांग्रेस फिलहाल पायलट मामले में जल्दबाजी में कोई एक्शन लेने की जगह वेट एंड वॉच की रणनीति अपना रही है।

सीएम अशोक गहलोत ने रविवार को धौलुपर के राजाखेड़ा के पास एक सभा में पायलट कैंप के विधायकों पर सरकार गिराने के लिए सियासी संकट के वक्त 10 से 20 करोड़ लेने के आरोप लगाए। गहलोत ने कहा था- अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत इन सबने मिलकर हमारी सरकार को गिराने का षड्यंत्र किया।

राजस्थान में विधायकों को पैसे बांट दिए। यह लोग वापस पैसा नहीं ले रहे हैं। मुझे चिंता लगी हुई है, ये वापस पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं? हमारे विधायकों से मैंने यहां तक कह दिया कि जिसने 10 करोड़, 20 करोड़ लिया है,उसमें से कुछ खर्च कर दिया हो तो वह खर्च किया हुआ पैसा मैं दे दूंगा, मैं एआईसीसी से दिलवा दूंगा। आप अमित शाह को पैसा वापस दे दीजिए। उसका पैसा मत रखो। उसका पैसा रखोगे तो हमेशा आप पर दबाव बनाकर रखेगा। गहलोत ने 2020 में सरकार नहीं गिराने के लिए वसुंधरा राजे की तारीफ की थी।

पायलट ने पलटवार करते हुए कहा था- गहलोत की नेता सोनिया नहीं, वसुंधरा राजे हैं

सचिन पायलट ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सीएम अशोक गहलोत पर जमकर हमला बोला था। पायलट ने कहा था- मुख्यमंत्री का रविवार को धौलपुर में दिया भाषण सुनकर यह साफ हो गया कि उनकी नेता सोनिया गांधी नहीं वसुंधरा राजे सिंधिया हैं। एक तरफ मुख्यमंत्री कहते हैं कि बीजेपी सरकार गिराने की साजिश कर रही थी, दूसरी तरफ कहते हैं वसुंधरा राजे सरकार बचा रही थीं। इस विरोधाभास को समझाना चाहिए। 2020 में मुझ पर देशद्रोह के केस में कार्रवाई करने की कोशिश हुई। हम नेतृत्व परिवर्तन करना चाहते थे।

पायलट ने कहा- जिन लोगों का पूरा राजनीतिक जीवन सिर्फ पैसे के दम पर पनपा हो, शायद उनको हर चीज में पैसा दिखाई देता है। ऐसा नहीं है। पब्लिक, जज्बात और इमेज भी कोई चीज होती है।

पवन खेड़ा ने जिस अंदाज में सचिन पायलट पर तंज कसा है, उसकी सियासी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। सचिन पायलट के ताजा बयान और उनकी यात्रा को लेकर किसी केंद्रीय नेता ने इस अंदाज में कोई बयान नहीं दिया है। राजनीतिक जानकार इस बयान को विवाद सुलझाने की जगह इसे सुलगाने वाला मान रहे हैं।

पानीपत का गैंगस्टर राकेश पंपू गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस ने किया काबू, 50 हजार का इनामी बदमाश; 16 आपराधिक मामले हैं दर्ज

पानीपत, 11 मई (एजेंसियां)। हरियाणा पुलिस के लिए सिर दर्द बना पानीपत का गैंगस्टर राकेश उर्फ पंपू आखिरकार पुलिस की गिरफ्त में आ गया। राकेश को दिल्ली पुलिस ने उसके ठिकाने पर छापामारी कर पकड़ा है। गैंगस्टर पर 50 हजार का इनाम घोषित था।

उसे पकड़ने के लिए पानीपत ही नहीं, बल्कि हरियाणा के कई जिलों की पुलिस लगी हुई थी। राजस्थान पुलिस को भी राकेश की तलाश थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने पानीपत में सरपंच के भाई समेत 2 लोगों की मुंह में गोली मारकर हत्या करने वाले गैंगस्टर राकेश को हिमाचल से पकड़ा है।

राकेश पर 16 आपराधिक मामले दर्ज

पानीपत पुलिस की तरफ से गैंगस्टर राकेश उर्फ पंपू पर डीजीपी हरियाणा प्रशांत कुमार अग्रवाल से 50 हजार रुपए का इनाम घोषित करने की सिफारिश की गई थी। उनके निर्देश पर गैंगस्टर पर इनाम घोषित किया गया है। उस पर हत्या, लूट, जानलेवा हमला, अपहरण, जबरन वसूली व रंगदारी मांगने की वारदात के पानीपत, करनाल, सोनीपत, रोहतक व राजस्थान में 16 मुकदमे दर्ज हैं। पंपू की धर पकड़ के लिए पुलिस की अपराध शाखा की टीम लगातार संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी, लेकिन वह बचने के लिए ठिकाने बदल-बदल कर छिप रह रहा है।

8 नवंबर 2022 को किला थाना पुलिस को दी शिकायत में एक पीड़ित ने बताया कि 1 नवंबर को वह अपने ऑफिस में बैठा हुआ था। इसी दौरान दोपहर करीब 2 बजे राकेश उर्फ पंपू व दीपक निवासी सिवाह आए। दोनों ने कहा कि आपका काम अच्छा चल रहा है, इसलिए वह 5 लाख रुपए दे दे, नहीं तो अंजाम अच्छा नहीं होगा। 8 नवंबर की शाम 4:45 बजे 4-5 लड़के तलवार, डंडे व रॉड से लैस होकर आए और उसके ऊपर हमला कर दिया। आरोपियों ने चोट मारने के साथ ही उसकी जेब में रखे 20 हजार रुपए छीन लिए। जिनमें दो लड़के राहुल निवासी गुढ़ा गोहाना सोनीपत व राहुल निवासी भूरी, सोनीपत थे। रंगदारी के पैसे न देने पर राकेश उर्फ पंपू व दीपक ने अपने साथियों को भेजकर उसके ऊपर हमला करवाया था।

जयपुर में बेरोजगारों का अनोखा प्रदर्शन

1111 फीट लंबा ज्ञापनःरीट, पीटीआई समेत कई भर्ती परीक्षा रिजल्ट जारी करने के लिए किया प्रदर्शन

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में लंबित भर्ती परीक्षाओं के रिजल्ट को लेकर बेरोजगारों ने बुधवार को जयपुर में अनोखा प्रदर्शन किया। प्रदेशभर से जयपुर पहुंचे बेरोजगार 1111 फिट लंबा ज्ञापन लेकर कर्मचारी चयन आयोग मुख्यालय पहुंचे। इस दौरान बेरोजगारों ने कहा- सरकार जल्द से जल्द लंबित भर्ती परीक्षाओं का रिजल्ट जारी कर नई भर्ती का कैलेंडर जारी करें। अगर सरकार ने हमारी मांगों को पूरा नहीं किया तो आने वाले वक्त में प्रदेशभर के बेरोजगार सरकार के खिलाफ बड़ा आंदोलन करेंगे। इसका नुकसान सरकार को आने वाले चुनाव में भुगतना पड़ेगा। इस दौरान बेरोजगारों ने आज के 1111 फीट लंबे ज्ञापन का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने का भी दावा किया।

इससे पहले जयपुर के दुर्गापुरा स्थित कर्मचारी चयन बोर्ड मुख्यालय पर बुधवार सुबह 11:00 बजे से ही युवाओं की

भीड़ जुटना शुरू हो गई। लगभग आधे घंटे में बड़ी संख्या में प्रदेशभर से युवा इकट्ठा हो गए। इसके बाद राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव के नेतृत्व में युवाओं ने 1111 फीट लंबा ज्ञापन कर्मचारी चयन आयोग मुख्यालय पहुंचे। लगभग डेढ़ घंटे तक प्रदेशभर के युवा बेरोजगारों ने कर्मचारी आयोग मुख्यालय पर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया।

करीब 2 बजे कर्मचारी चयन बोर्ड आयोग के सचिव अधिकारी सुनील पूनिया को बेरोजगारों ने अपना मांग पत्र सौंपा। फिर बेरोजगार दोपहर 3:00 बजे शिक्षा संकुल पहुंचे। यहां 1 घंटे के सांकेतिक धरने के बाद शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने बेरोजगारों से मुलाकात कर जल्द लंबित भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जारी करने का आश्वासन दिया।

ज्ञापन में ये बातें लिखीं

शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जल्दी जारी करें - पीटीआई भर्ती परीक्षा का रिजल्ट जल्दी जारी करें - 1,00,000 पदों पर होने वाली भर्ती का वर्गीकरण करें - कर्मचारी चयन आयोग भर्ती कैलेंडर जारी करें - राजस्थान लोक सेवा आयोग भर्ती कैलेंडर जारी करें - सी एच ओ भर्ती परीक्षा की निष्पक्ष जांच हो ।

राजस्थान बेरोजगार एकीकृत महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष उपेन यादव ने कहा- पीटीआई भर्ती परीक्षा हुए 7 महीने से ज्यादा का वक्त बीत गया है। लेकिन अब तक रिजल्ट जारी नहीं हो पाया है। वहीं, 48,000 पदों पर शिक्षक भर्ती परीक्षा का रिजल्ट भी जारी नहीं हुआ है। ऐसे में प्रदेश के हजारों युवाओं का भविष्य आचार संहिता की वजह से अधर झूल में अटक सकता है। ऐसे में हम यही चाहते हैं कि जल्द से जल्द प्रदेश की सभी लंबित भर्ती परीक्षाओं का रिजल्ट जारी किया जाए। ताकि प्रदेश के युवाओं को रोजगार मिल सके।

खूंखार बाघ को वन विभाग ने मारा !

बिना टेस्ट के ट्रेकुलाइज किया, 24 घंटे में पूरे शरीर में फैला इंफेक्शन

सवाई माधोपुर, 11 मई (एजेंसियां)। 3 लोगों की जान ले चुका रणथम्भौर (सवाईमाधोपुर) सेंचुरी का सबसे खूंखार बाघ टी-104 की मौत वन विभाग के अधिकारियों की लापरवाही के कारण हुई। फेफड़ों में इंफेक्शन के बाद भी ट्रेकुलाइज किया गया और ये संक्रमण पूरे शरीर में फैल गया। हैरानी वाली बात ये है कि ट्रेकुलाइज से पहले वन विभाग ने पूरी टेस्टिंग भी नहीं की और न कि जरूरी मेडिकल टेस्ट।

इस मामले में रणथंभौर डीएफओ मोहित गुप्ता का कहना है कि हमने ट्रेंकुलाइज के बाद टाइगर का वजन, लंबाई-चौड़ाई और टेम्प्रेचर चेक किया था लेकिन टाइगर को अंदरूनी रूप से चेक नहीं किया। इसलिए फेफड़ों में संक्रमण में पता नहीं लगा। वहीं, उदयपुर डीएफओ अजय चित्तौड़ा ने पोस्टमार्टम जांच के बाद टाइगर के फेफड़ों में संक्रमण होने की पुष्टि की है। चित्तौड़ा ने कहा कि ये संक्रमण अचानक नहीं हुआ है, संक्रमण धीरे-धीरे इसके शरीर में फैला है।

मामले को लेकर रणथंभौर टाइगर रिजर्व के डीएफओ मोहित गुप्ता का कहना है कि हमने ट्रेंकुलाइज के बाद टाइगर का वजन, लंबाई-चौड़ाई और टेम्प्रेचर चेक किया था, लेकिन टाइगर को अंदरुनी रूप से चेक नहीं किया। इसलिए फेफड़ों में संक्रमण में पता नहीं लगा। वहीं सज्जनगढ़ के डीएफओ अजय चित्तौड़ा ने पोस्टमार्टम जांच के बाद टाइगर के फेफड़ों में संक्रमण होने की पुष्टि की है। चित्तौड़ा ने कहा कि ये संक्रमण अचानक नहीं हुआ है, संक्रमण धीरे-धीरे इसके शरीर में फैला था।

चीकू के नाम से पुकारे जाने वाले टाइगर टी-104 की मौत उसे ट्रेंकुलाइज करने के बाद महज 24 घंटे के भीतर हो गई। रणथंभौर से टाइगर को मंगलवार सुबह 6: 35 बजे ट्रेंकुलाइज किया था। इसके बाद सुबह 8 बजे रणथंभौर से एसी वाहन में उदयपुर के लिए उसे रवाना किया। मंगलवार की शाम करीब 7:40 बजे टाइगर को उदयपुर के बायोलॉजिकल पार्क में छोड़ा गया था। इसके बाद पानी पीया और पॉन्ड में जाकर पानी में बैठ गया। रात करीब 12 बजे उसकी मौत हो गई। वन विभाग के कर्मचारी ने सुबह 6 बजे उसे देखा को टाइगर कोई हलचल नहीं कर रहा था, उसने रेंजर को बुलाया, फिर भी टाइगर के हलचल नहीं होने पर वन विभाग के अफसर सुबह ही बायोलॉजिकल पार्क पहुंच गए। गौरतलब है कि वन विभाग ने अपनी लापरवाही पर पर्दा डालने के लिए टाइगर चीकू की शिफ्टिंग गुपचुप तरीके से की। इस दौरान रणथम्भौर के वन अधिकारियों ने मीडिया को इस पूरे घटनाक्रम को छिपाया। उदयपुर डीएफओ अजय चित्तौड़ा ने बताया कि पशुचिकित्सालय की टीम ने टाइगर का पोस्टमार्टम किया। उसके बाद टाइगर का अंतिम संस्कार किया गया। पोस्टमार्टम टीम में डॉ कमलेन्द्र प्रताप, डॉ हंसकुमार जैन, डॉ हिमांशु व्यास और डॉ सविता मीणा शामिल थीं। जिन्होंने प्राथमिक जांच में टाइगर के फेफड़ों में संक्रमण होने की पुष्टि की है। जांच के लिए सैम्पल और बरेली और हैदराबाद लैब में भेजे गए हैं। जहां से रिपोर्ट आने पर इसकी सही तरह से मौत के स्पष्ट कारणों का पता लग सकेगा।

पायलट समर्थक विधायक बोले-रंधावा तालमेल नहीं करवा पा रहे

बीजेपी से क्रॉस वोट करने वाले बोल्ड और पायलट समर्थक कायर कैसे?

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। सचिन पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा पर राजस्थान में तालमेल नहीं करा पाने का आरोप लगाया है। साथ ही उनकी भूमिका पर सवाल उठाए हैं। सोलंकी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को चिट्ठी लिखी है। इसमें प्रभारी को तालमेल रखने में विफल बताया है। सोलंकी ने सीएम अशोक गहलोत के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा- सीएम बीजेपी से क्रॉस वोट करने वाली विधायक को बोल्ड कह रहे हैं तो कांग्रेस को वोट करने वाले पायलट समर्थक कायर कैसे हो गए?

सोलंकी ने जयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा- प्रदेश प्रभारी को अच्छा तालमेल बैठाना चाहिए था। समन्वय नहीं किया तो पार्टी का नुकसान होगा, किसी व्यक्ति का नहीं। इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष और राहुल गांधी को संज्ञान लेना चाहिए। राजस्थान में अभी तालमेल नहीं है।

सोलंकी ने कहा- प्रदेश प्रभारी रंधावा और मुख्यमंत्री से वन टू वन संवाद हुआ था। उस समय हमने कई मुद्दे उठाए थे। उन मुद्दों पर आज तक कोई समाधान नहीं हुआ। इतनी बड़ी चीजें हमने रंधावा को कही, लेकिन कोई रेस्पोंस नहीं मिला। आप जिलों

का परिसीमन कर रहे हैं। हमारी राय लें, लेकिन नहीं ली। 2 अप्रैल के जो मुकदमे वापस लेने थे। उन पर कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। हमें 20 दिन बाद भी मिलने नहीं बुलाया गया। तीन बार फोन लगाया. फोन पर बात नहीं हुई। जब हमारी प्रभारी भी नहीं सुनेंगे तो इसका मतलब क्या है?

बीजेपी से क्रॉस वोटिंग करने वाले बोल्ड और पायलट समर्थक कायर कैसे?

सोलंकी ने कहा- प्रियंका गांधी और अहमद पटेल के सामने हम एग्री होकर उनकी बातों पर हम सहमत होकर आ गए थे। उसके बाद राज्यसभा के चुनाव में हमारे सभी साथियों ने कांग्रेस को वोट दिया। मुख्यमंत्री क्या कह रहे हैं? बीजेपी से क्रॉस वोट कर रही है, वह बोल्ड लेडी है।

जो हम कांग्रेस के विधायक हैं, पायलट के समर्थक हैं। हमने कांग्रेस को वोट किया तो हम कायर हो गए? हम अपने साथी के साथ गए थे। हमें जिसने चुनाव जितवाया है। उसके साथ गए थे। अगर भविष्य में भी ऐसी चीज हुई तो हम उनके साथ खड़े रहेंगे। हम जिनके साथ खड़े थे उनके साथ खड़ा रहना तो कायर हरकत हो गई।

जो बीजेपी को सपोर्ट करके देते हैं। वह बोल्ड हो गए यह कैसी राजनीति है। पायलट खेमे के विधायकों के पैसा लेने के आरोपों पर वेद सोलंकी ने कहा- मैंने मुख्यमंत्री से टाइम मांगा है। अगर वह हमसे बात करेंगे तो मुख्यमंत्री से हम 100 पर्सेंट पूछेंगे कि आप जो आरोप लगा रहे हो, उनमें सच्चाई है तो वह हमें बताएं। सरकार आपकी है।

ट्रक-बोलेरो की भिड़ंत में 2 बिजनेसमैन दोस्तों की मौत

गाड़ी का आगे का हिस्सा पूरी तरह पिचका, शवों को निकालने में लगे 2 घंटे

सरदारशहर, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली से सरदारशहर आ रहे 2 बिजनेसमैन दोस्तों की सड़क हादसे में मौत हो गई। तेज रफ्तार ट्रक ने इनकी बोलेरो को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि बोलेरो के परखच्चे उड़ गए। ट्रक का आगे का हिस्सा बोलेरो को चीरते हुए ड्राइवर की सीट तक पहुंच गया। बोलेरो में फंसे शव निकालने में करीब 2 घंटे लग गए। हादसा चूरू जिले के नैणासर गांव के पास हुआ। सरदारशहर थाना के एसआई गिरधारीलाल ने बताया कि चूरू के धीरासर गांव के रामचंद्र बगड़िया (35) पुत्र जैसाराम और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर के अंकित गुर्जर

(37) नोएडा से आ रहे थे। गुरुवार सुबह करीब 6.30 बजे सरदारशहर-तारानगर रोड पर नैणासर गांव के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने इनकी बोलेरो को टक्कर मार दी। हादसे में बोलेरो सवार दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। सरदारशहर और भालेरी थाना पुलिस ने क्रेन की मदद से ट्रक को हटाया। अंदर फंसे दोनों शवों को निकालकर सरकारी अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया। भालेरी थाना के एएसआई भंवरलाल ने बताया कि इन दोनों के परिवार के सदस्यों को हादसे की सूचना दे दी गई है। अभी रामचंद्र के परिवार के सदस्य सरदारशहर हॉस्पिटल में पहुंच चुके हैं। उत्तर प्रदेश के अंकित के परिवार के सदस्यों को आने में समय लगेगा।

रामचंद्र बगड़िया की नोएडा में कपड़ों की फैक्ट्री है। यह फैक्ट्री अंकित के प्लॉट पर है। रामचंद्र सरदारशहर में जमीनों का काम भी करता था। अंकित का भी टी-शर्ट का काम था। अंकित कई बार रामचंद्र के साथ सरदारशहर आता रहता था।

दिन का पारा 44 डिग्री तक पहुंचा : रेगिस्तानी इलाकों से सटे जोधपुर और जैसलमेर समेत 4 जिलों में चलेगी लू

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। राजस्थान में दिन में गर्मी बढ़ने के साथ ही रातें भी गर्म होने लगी है। बीती रात राज्य के 8 से ज्यादा शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

सबसे गर्म रात जोधपुर के फलौदी में रही, जहां न्यूनतम तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक राज्य में अगले 4-5 दिन मौसम पूरी तरह शुष्क रहेगा और पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर, जालोर, जैसलमेर एरिया में एक-दो दिन में गर्म हवाओं का दौर शुरू हो सकता है। मौसम केन्द्र जयपुर की रिपोर्ट देखे तो कल दिन के अधिकतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक का इजाफा हुआ। जैसलमेर, जोधपुर, धौलपुर, बाड़मेर, फलौदी में कल दिन का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चला गया।

सबसे ज्यादा तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस बाड़मेर में रहा। सवाई माधोपुर में टेम्प्रेचर कल 36 से बढ़कर 39 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। इधर अजमेर, अलवर, जयपुर, पिलानी, सीकर, उदयपुर, सीकर, उदयपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़ में कल दिन का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। गर्मी बढ़ने और मौसम शुष्क रहने से वातावरण में नमी का स्तर पर भी 40 फीसदी से नीचे आ गया है। इस कारण राज्य में दिन के साथ रात में भी तापमान बढ़ने लगे है। बीकानेर, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बांसवाड़ा, सिरोही, डूंगरपुर और कोटा में बीती रात न्यूनतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा।

राज्य में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया है। इसे देखते हुए मौसम विशेषज्ञों ने राज्य के पश्चिमी बेल्ट के जिलों में इस सप्ताह के अंत से हीटवेव चलने की आशंका जताई है।

जयपुर में ओडिशा की नाबालिग लड़की से रेप

दादा को कमरे में बनाया बंधक, जान से मारने की दी धमकी

जयपुर, 11 मई (एजेंसियां)। जयपुर में ओडिशा की नाबालिग लड़की से रेप का मामला सामने आया है। दादा को कम दिखने के कारण वह किसी काम से उनके साथ जयपुर आई थी। परिचित ने साथियों के साथ दादा-पोती को एक फ्लैट पर बंधक बनाकर रखा। एक आरोपी ने जबरन नाबालिग लड़की से रेप किया। जान से मारने की धमकी देकर चुप रहने का दबाव बनाया। प्रताप नगर थाने में पीड़िता के दादा ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस ने बताया कि ओडिशा निवासी 51 वर्षीय व्यक्ति ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोपी राजेन्द्र कुमार शर्मा उनका पुराना परिचित है। किसी काम के चलते वह 5 मई को जयपुर आए थे। आंखों से कम दिखने के कारण साथ में पोती को लेकर आए थे। आरोप है कि जयपुर आकर परिचित राजेन्द्र को कॉल करने पर वह उन्हें लेने रेलवे स्टेशन लेने आया। ऑटो रिक्शा में बैठाकर द्वारिकापुरी प्रताप नगर स्थित एक अपार्टमेंट में ले गया।

खाली अपार्टमेंट के एक फ्लैट में दोनों दादा-पोती को बंधक बना लिया। कमरे में बंद कर मोबाइल व अन्य डॉक्यूमेंट छीनकर चले गए। रात करीब 10 बजे दो व्यक्ति खाना लेकर आए। कहा कि चुपचाप खाना खा लो, शोर-शराबा ना करो नहीं तो बुढ़े तेरे को जान से मारकर तेरी लड़की को बेच देंगे। खाना खाकर कमरे में सोने के दौरान रात को पोती गायब मिली। नाबालिग पोती को अलग जगह ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। कुछ देर बाद दोबारा कमरे में लाकर नाबालिग पोती को छोड़ दिया।

केंद्रीय मंत्री ने किया भारतीय मानक ब्यूरो हैदराबाद शाखा कार्यालय का दौरा

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारत का राष्ट्रीय मानक निकाय, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, उपभोक्ता मामले विभाग, भारत सरकार के तत्वावधान में काम कर रहा है। बीआईएस की मुख्य गतिविधियां मानक निर्माण, अनुरूपता मूल्यांकन, अनिवार्य पंजीकरण, हॉलमार्किंग, प्रयोगशाला सेवाएं, प्रबंधन प्रणाली प्रमाणन, विदेशी निर्माता प्रमाणन योजना, प्रशिक्षण, उपभोक्ता जुड़ाव आदि हैं। अश्विनी कुमार चौबे, राज्य मंत्री, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय, भारत सरकार ने हितधारकों के साथ बातचीत करने के लिए जेडटीएस-एनएफसी मेन रोड, औद्योगिक विकास पार्क, मौला-अली पर स्थित भारतीय मानक ब्यूरो, हैदराबाद शाखा कार्यालय का दौरा किया। बीआईएस का। उन्होंने दीप प्रज्वलित कर बैठक का शुभारंभ किया। बैठक में विभिन्न हितधारकों जैसे घरेलू एलपीजी सिलेंडर, सिंचाई उद्देश्यों के लिए पाइप, स्टील पाइप और ट्यूब, सामान्य इंजीनियरिंग उद्देश्यों के लिए स्टील, उच्च शक्ति विकृत (एचएसडी) बार, पॉलीविनाइल क्लोराइड (पीवीसी) पाइप, पैकेज्ड जैसे विभिन्न उत्पादों का निर्माण करने वाले बीआईएस लाइसेंसधारियों, पीने का पानी, उच्च घनत्व पॉलीथीन (एचडीपीई) पाइप, साधारण पोर्टलैंड सीमेंट, पीवीसी इंसुलेटेड केबल, आउटडोर प्रकार के तीन-चरण वितरण ट्रांसफार्मर, टाइलों के लिए सिरेमिक चिपकने वाले, खोखले और ठोस कंक्रीट ब्लॉक, उपभोक्ता संगठनों और प्रयोगशालाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। केवी राव, वरिष्ठ निदेशक और प्रमुख, बीआईएस, हैदराबाद ने माननीय राज्य मंत्री और बीआईएस के भाग लेने वाले हितधारकों का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि उद्योग, प्रयोगशालाओं, नियामक निकायों, उपभोक्ता संगठनों और अनुसंधान एवं विकास इकाइयों आदि से सभी हितधारकों की भागीदारी के साथ भारतीय मानक विकसित किए गए हैं। बैठक के दौरान बीआईएस, हैदराबाद शाखा कार्यालय की मानक प्रचार गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी गई। राज्य मंत्री ने बीआईएस के हितधारकों के साथ विस्तृत चर्चा की। उन्होंने गुणवत्ता और मानकों को सुनिश्चित करने के महत्व के बारे में बताया और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने में भारतीय मानकों की भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने मानकों को बढ़ावा देने के लिए बीआईएस, हैदराबाद के प्रयासों की सराहना की और तकनीकी संस्थानों के माध्यम से ऐसी गतिविधियों में और वृद्धि करने का सुझाव दिया। समारोह का समापन करते हुए राकेश तन्नेरू, संयुक्त निदेशक बीआईएस ने सभा को धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।

सेम सेक्स मैरिज पर सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

20 से ज्यादा याचिकाओं पर 10 दिन चली सुनवाई

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। सेम सेक्स मैरिज को मान्यता देने वाली 20 याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। इस केस में सुप्रीम कोर्ट ने लगातार 10 दिन तक सुनवाई की।

गुरुवार को सबमिशन का फाइनल फेज था। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस एसके कौल, जस्टिस रवींद्र भट, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस हिमा कोहली की संवैधानिक बेंच दलीलें सुनने के बाद कहा कि- धन्यवाद, हम फैसला सुरक्षित रखेंगे।

इससे पहले, 9वें दिन की सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने बताया था कि मामले पर राय रखने के लिए सभी राज्यों को 18 अप्रैल को पत्र लिखे गए थे।

अग्रवाल समाज राणी सती दादी महिला शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज राणी सती दादी महिला शाखा घांसी बाजार की साधारण सभा व चुनाव कोषाध्यक्ष नेहा अग्रवाल के निवास स्थान पर संपन्न हुए। सर्वप्रथम अध्यक्ष अर्चना संघी द्वारा अग्रसेन महाराज की पूजा अर्चना के बाद मंत्री मोनिका अग्रवाल द्वारा शाखा द्वारा किए गए कार्य के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ।और भविष्य में क्या करना है उसके बारे में विस्तार से चर्चा की गई । 2020-22 का लेखा-जोखा भी बताया गया। तत्पश्चात चुनाव संपन्न हुए 2023 25 के चुनाव के पदाधिकारी चुने गए अध्यक्ष रिंकू गर्ग ,उपाध्यक्ष के हेमा अग्रवाल, मंत्री मोनिका अग्रवाल, सह मंत्री ममता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष अंजू अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य अर्चना संघी, कार्यकारिणी सदस्य सुशीला केडिया, कविता संघी, कविता गोयल, सीमा अग्रवाल, पूनम तुलसियान, नेहा अग्रवाल को सर्वसम्मति से चुना गया। इसके लिए सभी ने उत्साह बढ़ाया और नई कमेटी ने समाज को कैसे आगे बढ़ाया जा सके इस पर अपने विचार रखे ।इसमें अध्यक्ष अर्चना संघी, उपाध्यक्ष हेमा अग्रवाल, मंत्री ममता अग्रवाल ,सह मंत्री मोनिका अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नेहा अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रिंकू गर्ग ,कार्यकर्ता सुशीला केडिया, कविता गोयल, कविता संघी,पूनम तुलसियान, अंजु अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य रिंकू गर्ग ने सभी का आभार प्रकट किया।

टीएससीएचई ने डिग्री प्रवेश के लिए डीओएसटी कार्यक्रम जारी किया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट काउंसिल ऑफ हायर एजुकेशन (टीएससीएचई) ने गुरुवार को डिग्री दाखिले के लिए डीओएसटी नोटिफिकेशन और शेड्यूल जारी किया, जो तीन चरणों में होगा। टीएससीएचई के अध्यक्ष प्रो. आर लिम्बाद्री और कॉलेजिएट और तकनीकी शिक्षा आयुक्त नवीन मित्तल के अनुसार, जिन्होंने यहां डीओएसटी अनुसूची जारी की, डिग्री ऑनलाइन सर्विसेज तेलंगाना (डीओएसटी) के माध्यम से शैक्षणिक वर्ष 2023-24 के लिए पहले चरण के डिग्री प्रवेश के लिए पंजीकरण शुरू हो जाएगा। 16 मई को और 10 जून को समाप्त होगा। पहले चरण के प्रवेश के लिए पंजीकरण 200 रुपये के शुल्क के साथ किया जा सकता है और 20 मई से 11 जून के बीच वेब विकल्प का प्रयोग किया जा सकता है, जबकि सीट आवंटन 16 जून को होगा। इसी तरह, दूसरे चरण का पंजीकरण जून के बीच होगा। 16 से 26 जबकि तीसरे चरण का पंजीकरण 1 जुलाई से 5 जुलाई तक होगा। छात्रों को दूसरे और तीसरे चरण के प्रवेश के लिए 400 रुपये का पंजीकरण शुल्क देना होगा। शैक्षणिक कक्षाएं 17 जुलाई से शुरू होंगी।

सिसोदिया की जमानत पर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली, 11 मई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने शराब नीति केस से जुड़े सीबीआई केस में मनीष सिसोदिया की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। सिसोदिया ने कोर्ट से रेगुलर बेल मांगी थी। साथ ही पत्नी के खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए याचिका दाखिल कर अंतरिम जमानत की मांग की थी।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों व उद्योगों को बेचने की फिराक में केंद्र : वीएच

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व पीसीसी अध्यक्ष व कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वी. हनुमंत राव ने ऑल इंडिया ट्रेड युनियन कांग्रेस के अध्यक्ष डॉ. जी. संजीवा रेड्डी को लिखे पत्र में बताया कि केंद्र की भाजपा सरकार सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों, उद्योगों और बेशकीमती सरकारी संपत्तियों को बेचने की फिराक में है। घाटे में चलने वाली इकाइयों के बहाने उद्योगों के निजीकरण की दिशा में केंद्र सरकार के तेजी से कदम का सभी द्वारा विरोध किया जा रहा है, भले ही वे किसी भी पार्टी से जुड़े हों। खासकर शिक्षित बेरोजगार युवा केंद्र सरकार द्वारा सरकारी इकाइयों और उद्योगों के निजीकरण के सिलसिलेवार फैसलों से ज्यादा चिंतित हैं। आरक्षण का नियम भी केंद्र सरकार द्वारा लागू नहीं किया जाता है। नरेंद्र मोदी सरकार की युवा विरोधी और मजदूर विरोधी नीतियों के कारण बेरोजगार और शिक्षित युवा सड़क पर आ रहे हैं। निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए आरक्षण की कोई संभावना नहीं होगी और नौकरी की गारंटी भी नहीं होगी। निजीकरण के तहत आरक्षण के नियम को हवा में उड़ा दिया जाएगा। बेरोज़गारी और बढ़ेगी जिससे बेरोज़गार युवाओं में कुल अशांति पैदा होगी। भुखमरी से होने वाली मौतों से स्थिति और भी खराब हो सकती है।

आपके पास ट्रेड यूनियन गतिविधियों, श्रम कानूनों का प्रचुर अनुभव है और हमेशा श्रमिक वर्ग, मजदूरों और कर्मचारियों के वैध अधिकारों के लिए संघर्ष किया। इंटक के अध्यक्ष के रूप में आपकी सेवाओं की बहुत सराहना की गई है। व्यापार संघ के मुद्दों के संबंध में अमेरिका, रूस, चीन, नेपाल और अन्य देशों में विभिन्न सम्मेलनों, शिखर सम्मेलनों, मंचों और बैठकों में भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, आपने पर्याप्त अनुभव प्राप्त किया है। इसके अलावा, आप कई बार जेनेवा और बैंकॉक में अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन में भी शामिल हो चुके हैं। उन्होंने पत्र में मोदी सरकार की श्रमिक विरोधी नीतियों के खिलाफ देशव्यापी आंदोलन खड़ा करने की अपील की।

खेलो भारत जीतो भाग्यनगर के तहत सांसद डॉ. के लक्ष्मण के मार्गदर्शन में 14 मई तक नगर में जारी कार्यक्रमों के तहत वीवी कॉलेज ग्राउंड, जामबाग मंडल में क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। पार्षद राकेश जायसवाल ने सिक्का उछालकर मैच की शुरूआत की। उपस्थित हैं महेश बैंक डारेक्टर गोविंद नारायण राठी, शैलेंद्र यादव, कृष्ण, मनोज, रघु व अन्य।

अग्र महिला मंच तेलंगाना का सम्मर किड्स कार्निवाल आज

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्र महिला मंच की कार्यकारिणी सभा कॉन्फ्रेंस कॉल सेऑनलाइन की गई ,प्रेस विज्ञप्ति में मंच की अध्यक्षा दीपा गर्ग ने बताया कि मंच के पदाधिकारियों एवम् कार्यकारिणी सदस्यों की आपसी सहमति से बच्चों के लिए ग्रीष्मकालीन मेला लगाने का निर्णय लिया गया।

बच्चों के लिए मनोरंजक गेम्स,फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता,रैंप वॉक,आकर्षक उपहारों का प्रावधान भी रखा गया है विविध प्रकार की स्वादिष्ट व्यंजनों की स्टाल्स लगाई जाएगी इस किड्स कार्निवाल की जोर शोर से तैयारी की जा रही है , विशेष आकर्षण बच्चों का दादी,नानी के साथ रैंप वॉक व फैशन शो रहेगा मुख्य संयोजिका शिवानी गोयल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर अग्रवाल समाज केंद्रीय समिति के अध्यक्ष ए. के अग्रवाल मुख्य अतिथि रहेंगे। केंद्रीय समिति के अन्य पदाधिकारी गण उपाध्यक्ष डॉ.दिलीप पंसारी, मानद मंत्री कपूरचंद गुप्ता, सह मंत्री सतीश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश कुमार जालान भी इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगे। दोमलगुड़ा शाखा के अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल एवम् अन्य पदाधिकारगण भी इस कार्यक्रम में शामिल रहेंगे। उपरोक्त कार्यक्रम केमिस्ट भवन, एबिड्स, ताजमहल होटल के पास सायं 4 से 7 तक रखा गया है। ऑनलाइन सभा में दीपा गर्ग,अंजू गोयल, मंजू केजरीवाल, सरला अग्रवाल, सीमा पंसारी,सुनीता अग्रवाल, वंदना अग्रवाल,प्रभावती अग्रवाल, संगीता देवड़ा, सीमा गर्ग, मधु गोयल, सपना अग्रवाल,मीता पंसारी, संजीता अग्रवाल,अनिता गुप्ता,सरला जिंदल ने अपने विचार रखे। मंजू केजरीवाल के धन्यवाद ज्ञापन से सभा का समापन हुआ।

श्री महागणपति प्रतिमा, श्री काशी-विश्वेश्वर स्वामी स्फटिक लिंग की प्रतिष्ठापन आज

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एलबी नगर काकतीय कॉलोनी रोड नं. 4 में श्री अन्नपूर्णा देवी के साथ-साथ श्री काशी विश्वेश्वर स्वामी वारी (स्फटिक लिंग) और नवग्रह मंदिर का निर्माण किया गया है। इन प्रतिमाओं प्रतिष्ठापन कार्यक्रम 12 मई को प्रात : 6.57 बजे होगा। एलबी नगर, काकतीय कॉलोनी, रोड नं. 4 हैदराबाद में मंदिर श्री महागणपति और श्री पोचम्मा मंदिर ट्रस्ट द्वारा 2009 में बनाए गए थे। तब से मंदिर न केवल जुड़वां शहरों के भक्तों के बीच बल्कि अंतर्राज्यीय भक्तों के बीच भी प्रसिद्ध हो गए हैं। इस नवनिर्मित मंदिर परिसर में श्री महा गणपति , श्री पोचम्मा मंदिर श्री महागणपति, श्री काशी अन्नपूर्णा समता विश्वेश्वर स्वामी का स्फटिक लिंग, श्री नंदीश्वर, श्री कुमारस्वामी, श्री वीरभद्र स्वामी, श्री अभयजनेय स्वामी, श्री कला भैरव स्वामी और नवग्रह देवता मूर्ति की मूर्तियाँ होंगी। विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम 10 से 12 मई, 2023 तक तीन दिवसीय भक्ति के साथ पवित्र (प्राण प्रतिष्ठापना) किया जा रहा है। श्री महागणपति और श्री पोचम्मा मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष और सदस्यों ने इस विशेष मंदिर का श्रद्धालुओं से दर्शन करने का अनुरोध किया है।

सुधांशु जी महाराज का साप्ताहिक वीडियो सत्संग 14 को

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के तत्वावधान में परमपूज्य सद्गुरुदेव सुधांशु जी महाराज का साप्ताहिक वीडियो सत्संग का आयोजन रविवार 14 मई को दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक आबिड्स स्थित हीरा-हॉल में आयोजित किया जाएगा। विश्व जागृति मिशन हैदराबाद मंडल के सत्संग व मीडिया प्रभारी राजकुमार दायमा नें बताया कि सत्संग की इस श्रृंखला में किशनगड राजस्थान में आयोजित विराट भक्ति सत्संग की विशेष सीढी दिखाई जाएगी। सत्संग के पश्चात आगामी 25 जून रविवार को अमृतधाम आश्रम में गुरु पूर्णिमा महोत्सव मनाया जाएगा। इस महत्वपूर्ण महोत्सव को सफल बनाने हेतु एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया है। समस्त सत्संग धर्म प्रेमी सज्जन, गुरू भाई-बहन सहपरिवार समयानुसार इस महत्वपूर्ण साप्ताहिक सत्संग में पधारने का अनुरोध किया गया है।

टीएसपीएससी पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को जमानत

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। शहर की एक अदालत ने गुरुवार को तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) परीक्षा पेपर लीक मामले में तीन आरोपियों को सशर्त जमानत दे दी। नामपल्ली आपराधिक अदालत ने रेणुका, रमेश और प्रशांत रेड्डी को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी। अदालत ने उन्हें सप्ताह में तीन दिन विशेष जांच दल (एसआईटी) के सामने पेश होने का निर्देश दिया।

अदालत ने पुलिस को उनके पासपोर्ट भी जब्त करने को कहा। उन्हें तीन महीने तक हर सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को एसआईटी के सामने पेश होने को कहा गया है। इससे पहले कोर्ट ने रेणुका की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उसने इस आधार पर जमानत मांगी थी कि उसे एक बच्चे की देखभाल करनी है और स्वास्थ्य के आधार पर भी।

रेणुका इस मामले में तीसरे नंबर की आरोपी हैं। वह इस मामले के मुख्य आरोपी पी. प्रवीण कुमार की दोस्त थी, जो टीएसपीएससी में सहायक अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यरत थे। एक पूर्व शिक्षक, रेणुका ने प्रवीण से अपने भाई राजेश्वर नायक के लिए प्रश्न पत्र खरीदा था, जो सहायक अभियंता परीक्षा में उपस्थित हुए थे। उसने अपने पति लावद्यवथ ढक्य के साथ कथित रूप से एक पुलिस कांस्टेबल केतवथ श्रीनिवास के माध्यम से अन्य उम्मीदवारों को प्रश्नपत्र बेचे थे। एसआईटी ने मंगलवार को मामले में छह और लोगों को गिरफ्तार किया, जिससे मामले में गिरफ्तारी की संख्या 27 हो गई। टीएसपीएससी घोटाला 13 मार्च को एक युवक की शिकायत के बाद सामने आया था। पुलिस ने शुरू में टीएसपीएससी में एक नेटवर्क व्यवस्थापक प्रवीण कुमार और राजशेखर रेड्डी सहित नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

उन्होंने कथित तौर पर आयोग के एक गोपनीय खंड में एक कंप्यूटर से कुछ परीक्षाओं के प्रश्नपत्र चुरा लिए थे और उन्हें अन्य आरोपियों को बेच दिया था।

तेलंगाना औद्योगिक सहकारी समिति के पहले अध्यक्ष के रूप में कार्यभार ग्रहण करने पर पल्ले रविकुमार गौड़ का सम्मान करते हुए गोशामहल बीआरएस नेता एम. आनंद गौड़ व अन्य।

खेलो भारत जीतो भाग्यनगर के तहत कार्यक्रम आयोजित

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खेलो भारत जीतो भाग्यनगर के तहत सांसद डॉ. के लक्ष्मण के मार्गदर्शन में जामबाग के वीवी कॉलेज ग्राउंड में क्रिकेट मैचों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गोलकुंडा जिला प्रेसिडेंट पांडु यादव, पार्षद शंकर यादव, महेश बैंक डारेक्टर गोविंद नारायण राठी, नितिन, ओमप्रकाश, मनोज जायसवाल आदि ने भाग लिया। महेश बैंक के डायरेक्टर गोविंद नारायण राठी ने शॉल द्वारा डॉ. के. लक्ष्मण का स्वागत किया।

पशुसंवर्धन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव से मुलाकात कर उन्हें अणुव्रत, प्रेक्षा ध्यान, जीवन विज्ञान का साहित्य भेंट करती हुईं श्रद्धा की प्रतिमूर्ति निर्मला बैद व हनुमान बैद।

विजयवाड़ा और राजमंड्री रेलवे स्टेशनों पर औचक खानपान जांच

23 अनाधिकृत फेरीवालों को पकड़ा गया

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। वाणिज्यिक विभाग के अधिकारियों ने विजयवाड़ा और राजमंड्री रेलवे स्टेशनों पर औचक खानपान जांच की गई। 23 अनाधिकृत फेरीवालों को पकड़ा गया और 1.15 लाख रुपये जुर्माना वसूल किया गया। इस खानपान जांच का उद्देश्य स्टेशनों पर अधिक शुल्क लेने, अनधिकृत फेरीवालों, अनधिकृत बिक्री, अनधिकृत खाद्य उत्पादों की बिक्री और गैर-अनुमोदित पीएंडी (मालिकाना वस्तु आइटम प्रदर्शन) के खिलाफ नैतिक भय पैदा करना है। राजमंड्री और विजयवाड़ा में चेक के दौरान, वाणिज्यिक विभाग के अधिकारियों द्वारा खानपान स्टालों, बड़ी और छोटी खाद्य इकाइयों की सघन जाँच की गई। जांच के एक भाग के रूप में, सभी स्टालों और प्रमुख इकाइयों में आपूर्ति किए गए भोजन, स्नैक्स की गुणवत्ता की जाँच की गई और अधिकारियों द्वारा संतोषजनक पाया गया। विजयवाड़ा में जांच के दौरान, अधिकारियों द्वारा चाय और अन्य खाद्य सामग्री बेचने वाले 10 अनधिकृत फेरीवालों को पकड़ा गया और उन पर 500 रुपये का जुर्माना लगाया गया। 50,000 वसूल किया गया था। राजमुंदरी में, 13 अनधिकृत फेरीवालों को पकड़ा गया और दंडित किया गया। राजमुंदरी में दो अनधिकृत फेरीवालों को दंड का भुगतान न करने पर आरपीएफ को सौंप दिया गया। अधिक शुल्क वसूल करने वाले वेंडरों पर भी जुर्माना लगाया गया और जांच के दौरान उनकी काउंसलिंग की गई। ड्राइव के एक हिस्से के रूप में, अधिकारियों ने स्टालों पर प्रयुक्त पैकेजिंग सामग्री, स्वच्छता की स्थिति, लेखों की समाप्ति तिथि, वेंडिंग परमिट की उपलब्धता, विक्रेताओं के चिकित्सा प्रमाण पत्र का भी निरीक्षण किया। सभी स्टालों में तौलने का पैमाना और अंशांकित मापक कांच की उपलब्धता की भी जाँच की गई। डॉ. प्रदीप चिलुका, आईआरटीएस, मंडल वाणिज्यिक प्रबंधक, वाणिज्यिक निरीक्षक और टिकट जांच स्टाफ ने विजयवाड़ा में औचक निरीक्षण किया। राजमंड्री में वी. रवि वर्मा, एसीएम और टीम ने जांच की। शिवेंद्र मोहन, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल ने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की, और उन्हें सलाह दी कि वे पूरे मंडल में और पूरे मंडल में चलने वाली ट्रेनों की पेंट्री कारों की औचक जांच करें। उन्होंने कहा कि डिवीजन बिना किसी समझौते के अपने सम्मानित यात्रियों को गुणवत्तापूर्ण और स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के लिए पूरी ईमानदारी के साथ हर संभव प्रयास कर रहा है। डीआरएम ने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य सर्वोत्तम व्यापार और आतिथ्य उद्योग प्रथाओं को अपनाकर यात्रा करने वाली जनता को स्वच्छ, अच्छी गुणवत्ता वाला सस्ता भोजन उपलब्ध कराना है। डीआरएम ने यह भी कहा कि मंडल भर में अधिक शुल्क लेने, अनधिकृत फेरी लगाने, बासी और अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री और बिक्री के खतरे को कम करने के लिए इस तरह की जांच पूरे वर्ष लगातार की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मुख्यमंत्री शिंदे की ...

याचिकाओं में दलबदल, विलय और अयोग्यता कई संवैधानिक प्रश्न उठाए गए हैं।

शिंदे और उद्धव की ओर से इन वकीलों ने की पैरवी

मामले में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले गुट की ओर से वरिष्ठ वकील नीरज किशन कौल, हरीश साल्वे, महेश जेठमलानी और अभिकल्प प्रताप सिंह ने दलीलें पेश की थीं। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने मामले में राज्यपाल ऑफिस की पैरवी की। वहीं उद्धव गुट कि तरफ से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल, अभिषेक मनु सिंघवी, देवदत्त कामत और अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने दलीलें पेश कीं।

उद्धव गुट ने राज्यपाल का आदेश रद्द करने की मांग की थी

उद्धव गुट ने मांग की थी कि राज्यपाल के जून 2022 के फ्लोर टेस्ट करने के आदेश को रद्द किया जाए। राज्यपाल का फैसला लोकतंत्र के लिए खतरनाक है और यह देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए घातक है।

उद्धव के वकील कपिल सिब्बल ने कहा था कि विधायिका और राजनीतिक दल के बीच संबंधों में राजनीतिक दल की प्रधानता होती है। सिब्बल ने तर्क दिया कि संविधान किसी भी गुट को मान्यता नहीं देता है चाहे बहुमत हो या अल्पमत। सिब्बल ने आगे तर्क दिया कि विधायकों की सरकार से असहमति सदन के बाहर थी सदन के अंदर नहीं।

शिंदे गुट ने कहा- शक्ति परीक्षण राजभवन में नहीं सदन में होता है

शिंदे गुट ने सुप्रीम कोर्ट के सामने तर्क दिया था कि शक्ति परीक्षण राजभवन में नहीं होता बल्कि सदन के पटल पर होता है। राज्यपाल ने शक्ति परीक्षण का आदेश देकर कुछ भी गलत नहीं किया। शिंदे गुट की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील एनके कौल ने कहा कि राजनीतिक दल और विधायक दल आपस में जुड़े हुए हैं।उद्धव ठाकरे गुट का यह तर्क कि अन्य गुट विधायक दल का प्रतिनिधित्व करते हैं न कि राजनीतिक दल का, एक भ्रम है। उन्होंने यह भी कहा कि असहमति लोकतंत्र की पहचान है।

इमरान खान रिहा ...

पुलिस ने अब तक इमरान की पार्टी के करीब 1900 नेता-कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। 9 मई को इमरान की गिरफ्तारी के बाद से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 8 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 290 लोग जख्मी हो गए हैं। बुधवार को इमरान खान को 8 दिन के लिए नेशनल अकाउंटेबिलिटी ब्यूरो (एनएबी) की रिमांड पर भेज दिया गया। हिंसा पर फौज ने पहला ऑफिशियल रिएक्शन दिया। कहा, '9 मई का दिन पाकिस्तान के इतिहास में काले अध्याय के तौर पर देखा जाएगा।'

बिलावल बोले-मामला और न बढ़ाए पीटीआई

कराची में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो ने कहा-9 मई पाकिस्तान के इतिहास का एक और काला दिन है। किसी भी राजनेता की गिरफ्तारी देश के लिए बड़ा नुकसान है। पीटीआई को देशभर में चल रहे हिंसक प्रदर्शन खत्म करते हुए कानून का पालन करना चाहिए। जो होना था हो चुका है, अब उन्हें मामले को और नहीं बढ़ाना चाहिए। इससे उनके लिए मुश्किलें बढ़ेंगी।

पाक भारत में वर्ल्ड कप खेलेगा या नहीं, तय नहीं

पीसीबी ने अब तक आईसीसी को नहीं दिया है लिखित आश्वासन, पाकिस्तान सरकार देगी इजाजत

मुंबई, 11 मई (एजेंसियां)। भारत में होने वाले वर्ल्ड कप में करीब 5 महीने ही बाकी हैं, पर इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड से इसमें भाग लेने को लेकर कोई लिखित आश्वन नहीं मिला है। इससे वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के आने पर संशय है। वर्ल्ड कप का पहला मुकाबला 5 अक्टूबर को इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने की संभावना है। फाइनल 19 नवंबर को होना है। उम्मीद है कि पाकिस्तान 15 अक्टूबर को वर्ल्ड कप में लीग के दौरान भारत से भिड़ सकता है। हालांकि आईसीसी की ओर से अधिकारिक शेड्यूल जारी नहीं किया गया है।

न्यूज एजेंसी पीटीआई ने आईसीसी के सदस्य के हवाले से कहा है कि भारत का पाकिस्तान आना और पाकिस्तान का भारत जाना बीसीसीआई या पीसीबी पर

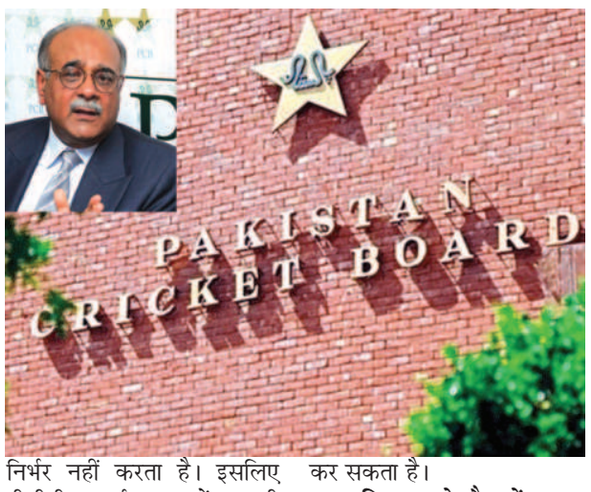

निर्भर नहीं करता है। इसलिए पीसीबी वर्ल्ड कप में अपनी भागीदारी के बारे में आईसीसी को कोई आश्वासन नहीं दे सकता है। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई की तरह यहां भी पाकिस्तान सरकार स्वीकृति देगी, सरकार से स्वीकृति मिलने के बाद ही पीसीबी फैसला कर सकता है।

पाकिस्तान के मैच बेंगलुरु और चेन्नई में हो सकते हैं

सुरक्षा कारणों से वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के अधिकांश मैच बीसीसीआई दक्षिण भारत में कराने की योजना तैयार की है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो भारत-पाक के मैच अहमदाबाद में हो सकते हैं और पाकिस्तान के बाकी मैच बेंगलुरु और चेन्नई में करवाया जा सकता है।

पीसीबी ने कोलकाता और चेन्नई कराने का किया है अनुरोध

वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल को वनडे वर्ल्ड कप के दौरान अपने सभी मैच सुरक्षा कारणों से कोलकाता का ईडन गार्डन और चेन्नई के चेपक स्टेडियम में खेलने का अनुरोध किया है।

12 वेन्यू किए गए हैं शॉर्ट लिस्ट

बता दें कि वर्ल्ड कप 5 अक्टूबर से शुरू हो सकता है और इसके लिए 12 वेन्यू शॉर्ट लिस्ट किए गए हैं। इनमें चेन्नई और कोलकाता भी शामिल हैं। बाकी 10 वेन्यू अहमदाबाद, लखनऊ, मुंबई, राजकोट, बेंगलुरु, दिल्ली, इंदौर, गुवाहाटी, हैदराबाद और धर्मशाला हैं।

वर्ल्ड कप के लिए 8 टीमें डायरेक्ट क्वालिफाई

वर्ल्ड कप में इस बार 10 टीमें भाग लेंगी। इनमें से आठ टीमों ने 13 देशों के 2020 जुलाई से 2023 मई तक हुए सुपर लीग के आधार डायरेक्ट क्वालिफाई किया है। साउथ अफ्रीका क्वालिफाई करने वाली आठवीं टीम बनी है। इसके अलावा भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, न्यूजीलैंड, इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया पहले ही क्वालिफाई कर चुकी हैं।

दो टीमों का चयन जून में होने वाले क्वलिफाइंग टूर्नामेंट के आधार पर होगा। इसमें दो बार वर्ल्ड कप जीतने वाली वेस्टइंडीज और एक बार वर्ल्ड कप जीतने वाली श्रीलंका की टीम भी शामिल है। क्वालिफाइंग में इन दोनों के अलावा आठ और टीमें भी हैं।

आईसीसी रेवेन्यू में सबसे बड़ा हिस्सा बीसीसीआई को मिलेगा

भारतीय बोर्ड को हर साल 1887 करोड़ रुपए मिलेंगे

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद का नया रेवेन्यू डिस्ट्रीब्यूशन मॉडल जारी हुआ है। आईसीसी ने साल 2024-27 के साइकल के लिए जो वित्तीय मॉडल जारी किया है, उसके मुताबिक हर साल जितनी कमाई होगी उसका 38.5 फीसद हिस्सा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड को मिलेगा। आईसीसी के नए वित्तीय मॉडल में बीसीसीआई की कुल कमाई हर साल 230 मिलियन डॉलर (1887 करोड़ रुपये) से अधिक की होगी।

क्रिकइंफो के अनुसार, आईसीसी खेल के तीनों प्रारूपों में पुरुषों और महिलाओं के इवेंट्स के आगामी साइकल के लिए वर्ल्ड टेलीविजन और स्ट्रीमिंग अधिकारों की बिक्री से 600 मिलियन डॉलर (करीब 4.9 हजार करोड़ रुपए) कमाने की उम्मीद कर रहा है। इस कमाई का 38.5% हिस्सा हर साल बीसीसीआई को मिलेगा।

एक अनुमान के मुताबिक, आईसीसी के नए फाइनेंसिएल मॉडल में बीसीसीआई के बाद इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की कमाई अधिक होगी। ऐसा माना जा रहा है कि नए वित्त मॉडल में इंग्लैंड 41.33 मिलियन डॉलर (करीब 339 करोड़ रुपए) की कमाई करेगा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की कमाई 37.53 मिलियन डॉलर (करीब 307 करोड़ रुपए) होगी। इस लिस्ट में पाकिस्तान चौथे नंबर पर रहेगा। हर साल पाकिस्तान की कुल कमाई 34.52 मिलियन डॉलर (283 करोड़ रुपये) की होगी।

कमाई का 11.19 फीसद हिस्सा एसोसिएट सदस्यों को

इस नए मॉडल में आईसीसी के बाकी आठ सदस्यों की आय 5% से कम होगी। वहीं, Iआईसीसी के 600 मिलियन डॉलर कमाई में से 12 पूर्ण सदस्यों को 532.84 मिलियन डॉलर (88.81%) मिलेंगे, जबकि 67.16 मिलियन डॉलर (11.19%) एसोसिएट सदस्यों को मिलेंगे।

मास्को में चमकी बेटियां, वुशु में 10 स्वर्ण

चार रजत सहित 17 पदक दिलाए

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय बालिकाओं ने मजबूत चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों की मौजूदगी के बीच यह शानदार प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों के मास्को प्रतियोगिता में खेलने का सारा खर्च सरकार ने वहन किया है।

मास्को वुशु स्टार्स चैंपियनशिप के पदक विजेताओं को भारतीय खेल प्राधिकरण में मंगलवार को उप-महानिदेशक एकता विश्नोई और शिव शर्मा ने सम्मानित किया। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने रूस में हुई प्रतियोगिता में कुल 17 पदक जीते। ये सभी लड़कियां भारत में आयोजित खेलो इंडिया महिला लीग में प्रतिभागी थीं। मास्को में सांडा (फाइट) और ताओलू में लड़कियों ने जूनियर बालिका, सब-जूनियर बालिका और सीनियर बालिका वर्ग में 10

स्वर्ण, 4 रजत और 3 कांस्य पदक जीते।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मास्को में हुई प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले वुशू खिलाड़ियों को बधाई दी। केंद्रीय खेल मंत्री, अनुराग ठाकुर ने पहले ट्वीट कर एथलीटों को बधाई दी थी। एथलीटों के लिए बधाई संदेश के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट को रीट्वीट किया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारे एथलीटों को पदक जीतने की बहुत बधाई।

यह देखना गर्व की बात है कि हमारी लड़कियां हमें गौरवान्वित कर रही हैं और राष्ट्र खेलो इंडिया महिला लीग का फायदा उठा रहा है। यह गर्व की बात है कि देश को खेलो इंडिया लीग का फायदा मिल रहा है और इसमें खेलने वाले खिलाड़ी अब मास्को वुशू चैंपियनशिप के 17 पदकों के साथ पोडियम पर हैं।

सरकार ने किया पूरा खर्च, खिलाड़ियों को नहीं देना पड़ा पैसा

भारतीय बालिकाओं ने मजबूत चीन और इंडोनेशिया जैसे देशों की मौजूदगी के बीच यह शानदार प्रदर्शन किया। इन खिलाड़ियों के मास्को प्रतियोगिता में खेलने का सारा खर्च सरकार ने वहन किया है। अर्जुन अवॉर्डी खिलाड़ी और मौजूदा कोच पूजा कादियान ने कहा कि पहले खिलाड़ियों को भाग लेने के लिए डेढ़ लाख व्यक्तिगत रूप से देने होते थे लेकिन इस बार खिलाड़ियों को कोई पैसा नहीं देना पड़ा क्योंकि सरकार ने दौरे को प्रायोजित किया था।

विश्व चैंपियनशिप-एशियाई खेलों में एक होगी पहलवानों की टीम

अगले महीने होगा ट्रायल

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। यह ट्रायल में जीतने वाले पहलवान पर होगा कि वह दोनों आयोजनों में खेलना चाहता है या नहीं। विजेता अगर दोनों में नहीं खेलना चाहता है तो ट्रायल के उपविजेता को दूसरे आयोजन में खेलने का मौका मिलेगा।

भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति ने इस साल सितंबर में होने वाले एशियाई खेलों और विश्व चैंपियनशिप में एक ही टीम उतारने का मन बना लिया है। दोनों ही आयोजनों के लिए अगले माह एक ही ट्रायल आयोजित किया जाएगा। ट्रायल के विजेताओं को ओलंपिक क्वालिफायर विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में खेलने का मौका मिलेगा। हालांकि यह ट्रायल में जीतने वाले पहलवान पर होगा कि वह दोनों आयोजनों में खेलना चाहता है या नहीं। विजेता अगर दोनों में नहीं खेलना चाहता है तो ट्रायल के उपविजेता को दूसरे आयोजन में खेलने का मौका मिलेगा।

जनवरी में लिया था अलग टीम भेजने का फैसला

भाजपा सांसद और कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह और उनके खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वाले धरने पर बैठे पहलवानों के बीच शुरुआती झगड़े की एक वजह यह मुद्दा भी था। कुश्ती संघ ने धरने से पहले जनवरी में ही यह घोषणा कर दी थी कि विश्व चैंपियनशिप और एशियाई खेलों में अलग-अलग टीमें उतारी जाएंगी। कुछ पहलवानों ने इसका विरोध किया था। कुश्ती संघ ने यह भी कहा था कि ट्रायल में खेलने के लिए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में खेलना जरूरी है। इस पर भी विरोध था।

बजरंग, विनेश भी खेल सकेंगे ट्रायल

आईओए कार्यकारिणी के सदस्य और तदर्थ समिति के सदस्य भूपेंदर सिंह बाजवा की अगुवाई में कुश्ती गतिविधियों को शुरू कराने के लिए रोजाना बैठकें हो रही हैं। समिति आने वाले टूर्नामेंटों में टीम के चयन को चयन नीति तैयार करने में जुटी है। समिति चाहती है कि बृजभूषण की अगुवाई वाले कुश्ती संघ में जिस तरह चयन नीति पर विरोध के सुर उठे थे। ऐसा यहां नहीं हो। यही कारण है कि समिति सभी राज्य संघों को एशियाई खेल और विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल में अपने पहलवान उतारने की अनुमति देना चाहता है। साथ ही टॉप्स में शामिल पहलवानों को भी ट्रायल में उतारना चाहती है। ऐसे में धरने पर बैठे बजरंग, विनेश, साक्षी मलिक के ट्रायल में उतरने का रास्ता साफ हो जाएगा। अब ट्रायल खेलना या नहीं खेलना ये उन पर निर्भर करेगा।

विश्व चैंपियनशिप का आयोजन 16 से 24 सितंबर तक बेलग्रेड (सर्बिया) में है, जबकि एशियाई खेल 23 सितंबर से 8 अक्तूबर तक होने हैं। चार से सात अक्तूबर तक एशियाई खेलों में कुश्ती का आयोजन होगा। दोनों की तिथियां बेहद नजदीक होने की वजह से कुश्ती संघ ने दोनों टीमें उतारने का फैसला लिया था। वहीं तदर्थ समिति विवादों में नहीं पडना चाहती है। समिति ने मंगलवार को कुश्ती संघ की ओर से पुणे में निर्धारित अंडर-15 और अंडर-20 राष्ट्रीय चैंपियनशिप को भी स्थगित कर दिया। इनकी तिथियां बाद में घोषित होंगी।

पूर्व गर्लफ्रेंड के साथ यौन शोषण को लेकर विवादों में घिरे गोल्फर वुड्स

वाशिंगटन, 11 मई (एजेंसियां)। 39 साल की एरिका हरमन ने वुड्स के ऊपर यौन शोषण का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एरिका स्टार गोल्फर वुड्स के पाम बीच स्थित रेस्टोरेंट में काम करती थी। दिग्गज गोल्फर टाइगर वुड्स ने अदालत में अपील की है कि पूर्व गर्लफ्रेंड एरिका हरमन की उनके खिलाफ दायर की गई याचिका पर रोक लगाई जाए क्योंकि वुड्स और एरिका के बीच गुप्त समझौता था कि आपसी असहमति या विवाद को निजी तौर पर मध्यस्थ के जरिये सुलझाया जाएगा। 39 साल की एरिका हरमन ने उनके ऊपर यौन शोषण का आरोप लगाया है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, एरिका स्टार गोल्फर वुड्स के पाम बीच स्थित रेस्टोरेंट में काम करती थी। एरिका के वकील बेंजामिन होदास ने आरोप लगाया है कि वुड्स ने एक गैर-प्रकटीकरण समझौते (एनडीए) पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया और ऐसा न करने पर उन्हें नौकरी से निकालने की धमकी दी। वुड्स के वकील जेबी मुरे ने एरिका के आरोपों को खारिज किया है। अभी यह स्पष्ट नहीं है कि वुड्स सुनवाई के दौरान अदालत में शामिल होंगे या नहीं। रिपोर्टों के मुताबिक हरमन ने वुड्स को पांच साल तक डेट किया और उनके साथ उनके दक्षिण फ्लोरिडा स्थित घर में रहीं।

अक्तूबर 2022 में दोनों अलग हो गए। तब से हरमन 30 मिलियन डॉलर के हर्जाने के साथ-साथ एनडीए से राहत की मांग कर रही हैं। हरमन ने शुक्रवार को अपने वकील के जरिए मार्टिन काउंटी अदालत में दस्तावेज दाखिल किए। इस बीच, वुड्स के वकील ने यह साबित करने के लिए दस्तावेज दायर किए कि उनका हरमन के साथ गैर-प्रकटीकरण समझौता (एनडीए) है।

वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय मुक्केबाजों ने रचा इतिहास

इंडिया ने पहली बार तीन मेडल जीते; निशांत, हुसैन और दीपक के मेडल पक्के

ताशकंद, 11 मई (एजेंसियां)। भारतीय मुक्केबाज ने ताशंकद में चल रही वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में इतिहास रच दिया है। चैंपियनशिप में बुधवार को भारत के 3 मेडल पक्के हो गए हैं। टूर्नामेंट के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारत ने एक सीजन में इतने मेडल अपने नाम किए हैं। यहां निशांत देव, मोहम्मद हसमुद्दीन और दीपक भोरिया ने अपनी-अपनी वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। टॉप-4 में प्रवेश करते हुए इन तीनों के मेडल पक्के हो गए हैं, क्योंकि बॉक्सिंग में चार खिलाड़ियों को मेडल मिलते हैं। यानी कि एक सांत्वना ब्रॉन्ज मेडल भी दिया जाता है। तीनों मुक्केबाज अपनी-अपनी सेमीफाइनल बाउट 12 मई को खेलेंगे। यहां बता दें कि

चैंपियनशिप में भारत अब तक गोल्ड मेडल नहीं जीत सका है।

चैंपियनशिप की 75 KG वेट कैटेगरी के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में दीपक भोरिया ने अजरबैजान के उमिद रूस्तामोव को 5-0 से परास्त किया। दीपक चैंपियनशिप में मेडल जीतने वाले 8वें भारतीय मुक्केबाज बने।

दीपक के सेमीफाइनल में प्रवेश करने के थोड़ी देर में मोहम्मद हसमुद्दीन ने चैंपियनशिप के मौजूदा सीजन में भारत का दूसरा मेडल तय किया। उन्होंने 57 केजी वेट कैटेगरी में बुल्गारिया के जे डियाज इबनेज को 4-3 से मात दी।

दीपक और हसमुद्दीन के बाद निशांत देव ने 71 केजी वेट कैटेगरी में क्यूबा के जॉर्ज कुएलर को 5-0 से परास्त किया।

टीम में 2021 यूथ वर्ल्ड चैंपियन सचिन सिवाच (54 किग्रा) और हर्ष चौधरी (86 किग्रा) पहली बार वर्ल्ड चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इनके अलावा सभी बॉक्सरों के पास वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में खेलने का अनुभव है।

ताशकंद में 104 देशों के करीब 640 बॉक्सर भाग ले रहे हैं। इसमें सात डिफेंडिंग वर्ल्ड चैंपियन भी शामिल होंगे, जिनमें फ्रांस के सोफियान ओउमिहा, जापान की टोमोया त्सुबोई और सिवोन्ट्रेट्स ओकाज़ावा, अजरबैजान के लोरेन अल्फोंसो, कजाकिस्तान के सकेन बिबोसिनोव और क्यूबा के योएनलिस हर्नांडेज़ मार्टिनेज और जूलियो ला क्रूज़ शामिल हैं।

केविन डी ब्रुइन ने रियल मैड्रिड को जीतने नहीं दिया

मैनचेस्टर सिटी ने खेला ड्रॉ

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। स्पेनिश क्लब रियल मैड्रिड अपने घर सेंटियागो बर्नबेउ में इंग्लिश क्लब मैनचेस्टर सिटी पर जीत हासिल नहीं कर पाया। चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल के पहले चरण में दोनों टीमों के बीच मुकाबला 1-1 की बराबरी पर छूठा। रियल एक समय ब्राजीली स्ट्राइकर विनिसियस जूनियर के गोल की बदौलत 1-0 की बढ़त पर था, लेकिन वह इस बढ़त को कायम नहीं रख सका और केविन डी ब्रुइन ने गोल कर मुकाबला ड्रॉ करा दिया। अब दोनों टीमें अगले सप्ताह दूसरे चरण का सेमीफाइनल सिटी के घरेलू मैदान एतिहाद स्टेडियम में खेलेंगी, जहां सिटी को मेजबान होने का फायदा मिलेगा।

विनिसियस ने खेल के 36वें मिनट में ही एडुआर्डो कामाविंगा से मिले पास पर दूर से निशाने साधते हुए गोल कर रियल को बढ़त दिलाई। यह उनका चैंपियंस लीग में सीजन का सातवां गोल रहा। पहले हाफ में एक गोल से पिछडने के बाद मैनचेस्टर की टीम लंबे समय तक पिछड़ी रही, लेकिन 67वें मिनट में कामाविंगा के खराब पास ने रियल से बढ़त छिनवा दी। बेल्जियम के मिडफील्डर केविन डी ब्रुइन ने पहले ही प्रयास में दूर से गोल कर सिटी को बराबरी दिला दी।

विराट ने आईपीएल में पूरे किए 7 हजार रन

इमरान ताहिर ने तारीफ में कह दी बड़ी बात

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर बैंगलोर के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने आईपीएल में 7 हजार रन पूरे किए हैं। वह ऐसा करने वाले इकलौते खिलाड़ी हैं। पिछले 15 सालों में विराट इस लीग में हमेशा रन बनाते हैं। लगातार रन बनाने को लेकर साउथ अफ्रीका के पूर्व लेग स्पिनर इमरान ताहिर ने उनकी जमकर तारीफ की है। इमरान ताहिर ने कोहली के रनों के पीछे उनकी कड़ी मेहनत को बड़ी वजह बताया है।

इमरान ताहिर ने विराट की तारीफ में कही ये बात

इमरान ताहिर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान कहा कि 'विराट कोहली में हमेशा से रन बनाने की ललक रही है। आप एक सीजन, दो या तीन सीजन में अधिकतम रन बना सकते हैं, लेकिन अगर आप लगातार 15 सीजन तक ऐसा करने में सफल रहते हैं, तो इसका श्रेय आपकी कड़ी मेहनत और लगन को दिया जा सकता है। विराट ने पिछले 15 सालों में जो किया है वह वाकई सराहनीय है।'

विराट कोहली का इस सीजन में प्रदर्शन

विराट कोहली का बल्ला मौजूदा सीजन में खूब चल रहा है। उन्होंने इस सीजन 10 मैचों में कुल 419 रन बना दिए हैं। वह इस सीजन 10 पारियों में 6 फिफ्टी भी लगा चुके हैं। उनका हाई स्कोर 82 रन है।

2016 में दिखाया था विस्फोटक खेल

विराट कोहली ने आईपीएल 2016 में जबरदस्त फॉर्म दिखाई थी। उस सीजन कोहली ने 16 मैचों में 81.08 की औसत से 973 रन जड़ दिए थे, जो कि अभी भी एक सीजन में सर्वाधिक रनों का रिकॉर्ड है।

15 साल बाद बार्सिलोना से अलग होंगे सर्जियो बुस्केट्स, सऊदी लीग में खेलने की संभावना

खेल डेस्क, 11 मई (एजेंसियां)। सर्जियो 2008 में बार्सिलोना के साथ जुड़े थे। इसके बाद से वह टीम का अहम हिस्सा रहे हैं। इस क्लब के लिए उन्होंने 700 से ज्यादा मैच खेले हैं। अब उन्होंने बार्सिलोना से अलग होने का एलान कर दिया है। ऐसे में उनके सऊदी लीग में खेलने की संभावना जताई जा रही है।

बार्सिलोना के मिडफिल्डर सर्जियो बुस्केट्स ने साफ किया है कि इस साल जून के बाद वह इस क्लब से अलग हो जाएंगे। बार्सिलोना के साथ उनका अनुबंध इसी साल जून में खत्म हो रहा है और सार्जियो ने पहले ही बता दिया है कि इस क्लब के साथ उनका अनुबंध आगे नहीं बढ़ेगा।

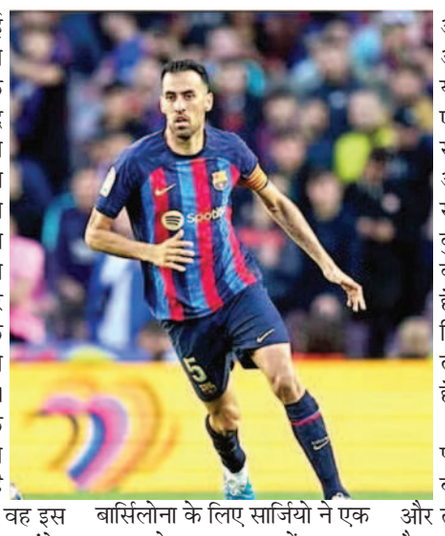

बार्सिलोना के लिए सार्जियो ने एक दशक से ज्यादा समय में शानदार प्रदर्शन किया और कई खिताब भी जीते हैं।

इंस्टाग्राम पर बुस्केट्स ने कहा, ₹यह घोषणा करने का समय आ गया है कि यह बार्सिलोना में मेरा आखिरी सीजन है। यह एक अविस्मरणीय यात्रा रही है। यह एक सम्मान, एक सपना, एक गौरव रहा है। इतने सालों से इस बैज का बचाव और प्रतिनिधित्व करने में सक्षम होने के लिए यह सब कुछ रहा है, लेकिन हर चीज की शुरुआत और अंत होता है। हालांकि यह एक आसान निर्णय नहीं रहा है, पर मुझे लगता है कि समय आ गया है।₹

बुस्केट्स ने इस सीजन से पहले आठ मौकों पर बार्सिलोना के साथ ला लीगा और तीन बार चैंपियंस लीग जीती है। एक बार फिर यह क्लब ला लीगा अपने करने के लिए तैयार है। अगर बार्सिलोना यह खिताब फिर से अपने नाम करता है तो चार साल में पहली बार यह टूर्नामेंट जीतेगा।

राजस्व बढाने पर ध्यान केंद्रित करें अधिकारी : शांतिकुमारी

सीएस ने वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों के साथ की बैठक

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों को राज्य सरकार के लिए अतिरिक्त राजस्व बढ़ाने के लिए छिपे और खुले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा है। उन्होंने वाणिज्यिक कर विभाग के अधिकारियों को वर्ष 2022-23 में असाधारण प्रदर्शन के लिए बधाई दी। मुख्य सचिव ने गुरुवार को यहां विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की और अतिरिक्त संसाधनों को बढ़ाने के लिए छिपे और खुले क्षेत्रों की पहचान करने के लिए कहा। उन्होंने अधिकारियों से अपवंचन पर ध्यान केंद्रित करके इस वर्ष के 85,000 करोड़ रुपये के राजस्व लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए अपने प्रयासों का विस्तार करने का आह्वान किया।

शांति कुमारी ने राजस्व बढ़ाने के लिए नए सुझाव देने वाले वरिष्ठ अधिकारियों की सराहना की। बैठक के दौरान, अधिकारियों को अनुपालन बढ़ाने के लिए दक्षताओं का निर्माण करने के लिए कहा गया और करदाताओं के आधार को बढ़ाने और चोरी को कम करने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आयुक्त को हर पखवाड़े अपीलीय संयुक्त आयुक्तों के पास लंबित मामलों की समीक्षा करने का निर्देश दिया और अधिकारियों को संभावित क्षेत्रों का नक्शा बनाने और व्यवस्थित तरीके से जाने के लिए भी कहा। वाणिज्यिक कर अधिकारियों ने राजस्व बढ़ाने के लिए कई सुझाव दिए। इसमें प्रवर्तन विंग को मजबूत करना और स्वैच्छिक अनुपालन को प्रोत्साहित करना शामिल है। बैठक में आयुक्त वाणिज्य कर नीतू कुमारी प्रसाद, अपर आयुक्त साई किशोर, हरिता, संयुक्त आयुक्त एवं अन्य अधिकारी शामिल हुए।

Azadi Ka Amrit Mahotsav | पावरग्रिड POWERGRID | G20 भारत 2023 INDIA

सार्वजनिक सूचना

पावरग्रिड जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली-110016 पर है एवं विद्युत संचरण या दूरसंचार के उद्देश्य के लिए जिसका टेलीग्राफिक प्राधिकरण भारतीय टेलीग्राम अधिनियम, 1885 के अंतर्गत अधिकार है, विद्युतीय लाइनों/विद्युतीय संयंत्र स्थापित करने के लिए इलेक्ट्रिसिटी अधिनियम, 2003 के सेक्शन 164 के प्रदत्त अधिकारों के तहत कोलीमिगुंडला मंडल, नंद्याल ज़िला पर विकसित किए जाने वाले कर्नूल विंड एनर्जी ज़ोन (3000 एमडब्ल्यू)/सोलर एनर्जी ज़ोन (1500 एमडब्ल्यू) में आरई स्रोतों से बिजली की ट्रांसमिशन लाइंस स्थापित करने, संचालन, रख-रखाव एवं अन्य कार्यों हेतु सर्वे, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, स्थापित एवं अन्य कार्य करेगा।
इस योजना के तहत आने वाली ट्रांसमिशन लाइन आन्ध्र-प्रदेश और तेलंगाना राज्यों के निम्नलिखित गाँवों, तहसीलों, मंडलों और शहरों के पास से, ऊपर से, अंदर से और बीच से गुज़रेगी।

ट्रांसमिशन लाइन का नाम : 765 केवी डी/सी कर्नूल-3 पूलिंग सबस्टेशन (नंदीपाडु ग्राम के पास, कोलीमगुंडला मंडल, नंद्याल ज़िला, आन्ध्र-प्रदेश) से 765 केवी महेश्वरम सबस्टेशन (रंगारेड्डी ज़िला, तेलंगाना) पारेषण लाइन।

क्र. सं.	गाँवों के नाम	तहसील/मंडल	ज़िला	राज्य
01	पगिड्याल, मुरवा कोंडा, मुचुमर्री, येल्लाला, वीरापुरम, नेहरु नगर, लक्ष्मापुरम, पालमर्री, थिम्मापुरम	पगिड्याल	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
02	कोनिडेला, नगटूर	नंदिकोटकुर	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
03	थारीगोपुला, पी. लिंगापुरम, थुडीचेर्ला, थंगदंचा, मंडलेम, जुपाडु बंगला, बन्नुरू, टरटूर, भास्करापुरम, परुमंचला	जुपाडु बंगला	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
04	वनाला, मद्दुरू, सुंकुलम्मा कोट्टाला	पामुलापाडु	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
05	पुलिमड्डी, पुसुलूर, उदुमलापुरम, चापीरेवुला, वेंकटेश्वरापुरम, पोलुरु, मुनुगला, रोयमालापुरम, मिटनला, गुंथानाला, ब्राह्मणपल्ले, शिवरामापुरम	नंद्याल	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
06	अलगानुर	मिदुथुर	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
07	वेलपनुरु, रेगादिगुडूर, कोर्रा पोलुरू	वेलुगोडे	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
08	कोराटामड्डी, तिर्रिपाडु, दुर्वेसी, गाडिगारेवुला, चिंदुकुरु, ग्रंदिवेमुला, बुजनुरू, करीमद्दुला, बिलकलागुडरु, कोरांपोलुरू, पेसरवेई, पेसरवाये, तिरुपाडु, सुब्बारायुनी कोट्टुरु	गदिवेमुला	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
09	येर्रागुंट्ला	बंडी आत्मकुरु	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
10	मद्दूर, थोगरिचेडु, कौलुर, भूपनापाडु, नेरवाड़ा, चिलकला, गोरकल्लु, कोंडाजुटूर, बलपनुर, गग्गटूर, अनुपुर, कोत्तुरु	पाण्यम	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
11	कोत्तुरु, रायपाडु, तेल्लापुरी, एस. कोलुरु	गोसपाडु	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
12	टंगुटूर, श्रीराम नगर	बनगनापल्ले	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
13	कोइलकुंट्ला, सौदरदिन्ने, अमाडाला, बिजीनिवेमुला, जोलादरसी, पेद्दा कोप्पेरला, चिन्ना कोप्पेरला, वल्लमपाडु, रेवनुरु, कलुगोट्ला, वेलगुटुरु, मोगलाई उप्पलुर, लिंगाला, गुंजलापाडु, गोविदिन्ने, कमलापुरी	कोइलकुंट्ला	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
14	पेरुसोमुला, मुक्कमला, गिद्दलुरु, रेड्डीपल्ले, मंगपल्ले, कानाला, अलवाकोंडा, मुचलापुरी, संजमला, एग्गोनी, चिंतकुंटला, मुदिगेडु, कोत्तापेटा, रामभद्रुनीपल्ले, दत्तापुरम, नट्ला कोत्तुरु	संजमला	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
15	तिम्मनयानी पेटा, नंदीपाडु, कोत्तपाडु	कोलीमिगुंडला	नंद्याल	आन्ध्र-प्रदेश
16	मंचलकट्टा, पेंटलावेल्ली, वेमकल, मल्लेश्वरम	पेंटलावेल्ली	नागरकर्नूल	तेलंगाना
17	चेन्नमपल्ली, रामापुर, चौटुबेट्ला, मंचीनेनीपल्ले, अंकिरावपल्ले, चुकैपल्ले, नरसिंगरावपल्ले, वारिदेला, नरसिम्हापुरम, कोल्लापुर, कुडिकिल्ला	कोल्लापुर	नागरकर्नूल	तेलंगाना
18	काल्वाकोले, कोत्तापेटा, सतापुर, चेन्नापुरावपल्ले, बाचारम, पेद्दाकोत्तापल्ले, पेद्दाकारपामुला, मुस्तीपल्ले, जोनलबोगुड़ा, मर्रिकल, आदिराला	पेद्दाकोत्तापल्ली	नागरकर्नूल	तेलंगाना
19	पेद्दापल्ले, गौतमपल्ले, रायपाकुला, अनंतसागर, चिन्नमदुनुर, ज़मिस्तापुर, कारवंगा, बंदापल्ले, गड्डमपल्ले	तेलकापल्ली	नागरकर्नूल	तेलंगाना
20	पुलिजल, वेंकटापुर, पेद्दामदनुर	नागरकर्नूल	नागरकर्नूल	तेलंगाना
21	अल्लापुर, येनगपल्ले, मेडिपुर, गुंताकोडुरु	तांडूर	नागरकर्नूल	तेलंगाना
22	सुद्दाकल, वेपुर, पंजुगुल, थर्निकल, कुर्मिद्दा, मरचल, जिल्लेला, गुडूर, जीडीपल्ले	कल्वाकुर्ती	नागरकर्नूल	तेलंगाना
23	उरकोंडापेटा, जगबोइनपल्ले, जकनलापल्ले, इप्पैपहाड़, नरसमपल्ले	उरकोंडा	नागरकर्नूल	तेलंगाना
24	राचुर, कुप्पागंडला	वेलदंडा	नागरकर्नूल	तेलंगाना
25	गड्डु इप्पलापल्ले, वेंकटरावपेटा, गर्वीपल्ली, खानापुर, चुक्कापुर, याडवल्ली, चेन्नारम, चीपुनुताला, गाजुलोनिबाई तांडा	तालकोंडापल्ल	रंगारेड्डी	तेलंगाना
26	अमंगल	अमंगल	रंगारेड्डी	तेलंगाना
27	चेल्लमपल्ले, वासुदेवपुर, करकलपहाड़, कडथल, महिसम्मा, मइसीगंडी, गानुमर्ला तांडा, अंमासपल्ली एकराजगुड़ा	कडथल	रंगारेड्डी	तेलंगाना
28	मुचेर्ला, सर्वरावुलापल्ले, मीरखानपेट, उट्लापल्ली, मारियाकुंटा तांडा, पोचम्मारालु तांडा, सरलापल्ली, वैकुंटा तांडा	कंदुकुर	रंगारेड्डी	तेलंगाना
29	कुरमिड्डा	याचारम	रंगारेड्डी	तेलंगाना

रूट एलाइनमेंट की प्रतिलिपि अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। एतद्वारा जनसाधारण को सूचना दी जाती है कि इस सूचना की प्रकाशन तिथि से दो माह के भीतर, यानि 09-07-2023 के पूर्व प्रस्तावित ट्रांसमिशन सिस्टम पर अपने मंतव्य/प्रतिवेदन लिखित रूप में, अधोहस्ताक्षरी कार्यालय में प्रस्तुत करें। अधिक विवरण एवं स्पष्टीकरण के लिए कृपया निम्न से संपर्क करें:

वरिष्ठ महाप्रबंधक,
पावरग्रिड, 765/400 केवी कर्नूल सब-स्टेशन, कर्नूल नंद्याल हाइवे रोड,
23 कि.मी. स्टोन के समीप, ओर्वाकल (ग्राम एवं मंडल) - 518010 कर्नूल ज़िला (आन्ध्र-प्रदेश)
ई-मेल : kurnoolss765kv@powergrid.in | फोन नं. 8411895894

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
(भारत सरकार का एक उद्यम)
क्षेत्रीय मुख्यालय : 6-6-8/32 एवं 395 ई, कवाड़ीगुड़ा, सिकंदराबाद - 500080 | टेली : 040-27546649
कॉर्पो. कार्यालय : "सौदामिनी", प्लॉट नं. 2, सेक्टर-29, गुड़गाँव - 122001 (हरियाणा) | टेली : 0124-2571700-719
पंजीकृत कार्यालय : बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली - 110016.
टेली : 011-26560112, 26560121 | www.powergrid.in | सीआईएन : L4010DL1989GOI038121
एक महारत्न पीएसयू

माधापुर में चोरों के नौ सदस्यीय गिरोह गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आरटीसी बसों में यात्रा कर रहे लोगों को निशाना बनाने वाले चेन स्नैचर और पॉकेट पिकर्स के एक गिरोह के नौ सदस्यों को गुरुवार को यहां माधापुर पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसके पास से लगभग 6.3 लाख रुपये की सोने की नौ चेन और तीन मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार किए गए लोगों में लोंडे नागेश, एच धर्मेंद्र, कमल अनिल, रुरेंशी राहुल, कांबले हीरा, कांबले लक्ष्मण, वोड्डेरा प्रसाद, वेमुला श्रीनिवास और उपाधि रमेश हैं, जो मल्लेपल्ली के मांगर बस्ती के निवासी हैं। डीसीपी (मधापुर), के. शिल्पावली ने कहा कि गिरोह बसों और बस स्टॉप में घूमता था और सोने की चेन पहने यात्रियों की पहचान करने के बाद उनका ध्यान भटकाता था और उनसे संपत्ति चुराता था। डीसीपी ने बताया कि अपराधी बस स्टॉप पर लोगों की पहचान करते थे और बसों में उनका पीछा करते थे। मौका पाकर संपत्ति लूट लेते और बस से उतर जाते। सभी संदिग्ध समूहों में घूमते थे। मधापुर और आसपास बसों में सोने की चेन की चोरी की घटनाओं के बाद, पुलिस ने विशेष टीमों का गठन किया और गिरोह के सदस्यों को गिरफ्तार किया। नागेश, धर्मेंद्र और लक्ष्मण पहले भी इसी तरह के मामलों में शामिल थे और पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। हालांकि, जेल से बाहर आने के बाद उन्होंने अपनी गतिविधियों को फिर से शुरू कर दिया।

एसीबी के हत्थे चढा डिंडी पंचायत अधिकारी

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत सचिव, डिंडी (गुंडलापल्ली), एफएसी मंडल पंचायत अधिकारी, डिंडी गांव, नलगोंडा जिला जी. श्रवण कुमार को रिश्वत की राशि की मांग करने और स्वीकार करने पर रंगे हाथ पकड़ा गया। गुंदलापल्ली, डिंडी, नलगोंडा जिले के शिकायतकर्ता बैरोजु शंकरैया से 10,000 रुपये आधिकारिक पक्ष लेने के लिए यानी अपने घर के भूखंड का विवरण प्रदान करने के लिए, जो शिकायतकर्ता के पिता और दादा के नाम पर गुंडलापल्ली ग्राम पंचायत कार्यालय के रिकॉर्ड में दर्ज था। आरोपी अधिकारी के कब्जे से अवैध राशि बरामद कर ली गई है। उसके दोनों हाथों की उंगलियां और उसकी पैंट की बाईं ओर की पिछली जेब से सकारात्मक परिणाम मिले।

ग्रामीणों ने पुलिस दल पर की हमले की कोशिश

हत्यारे को गांव में सजा देना चाहते थे ग्रामीण

पेद्दापल्ली, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंथनी मंडल के बट्टुपल्ली में उस समय तनाव व्याप्त हो गया जब ग्रामीणों ने पुलिस को एक हत्या के आरोपी को पुलिस थाने में स्थानांतरित करने से रोक दिया। पुलिस के अनुसार, गुंडला सदानंदम ने गुरुवार को कथित तौर पर अपनी बेटी रजिता (11) की हत्या कर दी और दुपम श्रीनिवास पर भी हमला किया। हत्या की जानकारी होने पर पुलिस गांव पहुंची और आरोपी को हिरासत में ले लिया। जब पुलिस वाले उसे थाने ले जाने की कोशिश कर रहे थे, तब बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए ग्रामीणों ने पुलिस वाहन के सामने लकड़ी के लट्ठे रखकर उन्हें रोका और पुलिस से सदानंदम को सौंपने की मांग की। वे उसे गांव में ही सजा देना चाहते थे। पुलिस ने जब उसे सौंपने से इंकार किया तो आक्रोशित ग्रामीणों ने पुलिस वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। उनमें से कुछ, जो मिर्च पाउडर ले जा रहे थे, ने सदानंदम पर फेंक दिया। इसमें से कुछ एक-दो पुलिसकर्मियों की आंखों में भी गिरे। कहा जाता है कि सदानंदम मानसिक रूप से अस्थिर था और उसने कुछ समय पहले अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और वह अक्सर ग्रामीणों पर हमला कर रहा था। पुलिस आखिरकार स्थिति को नियंत्रण में लाने में सफल रही और सदानंदम को पुलिस स्टेशन ले गई।

रैतु बंधु के लिए 5 वर्षों में 65,000 करोड़ मंजूरी, किसान मजबूत

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री केसीआर की स्वप्निल पहल रैतु बंधु के तहत 5 वर्षों में 65,000 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं। गौरतलब है कि सीएम ने किसान समुदाय को दुख के जाल से निकालने पर मदद के लिए हाथ बढ़ाया और इसका बुधवार को पांच साल पूरे हो गए। अब तक 10 किश्तों में 65,000 करोड़ रुपये का भुगतान करने वाले 70 लाख किसानों ने पूरे तेलंगाना में इस अवसर का जश्न मनाया।

राज्य में किसानों की दयनीय स्थिति का कई दौर का जायजा लेने के बाद, मुख्यमंत्री ने उन्हें वित्तीय संकट और साहूकारों पर निर्भरता से राहत देने के लिए उन्हें सीधे लाभ देने की आवश्यकता महसूस की।

उन्होंने 25 फरवरी, 2018 को प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय में रायथु समन्वय समिति के एक सम्मेलन में इस योजना की घोषणा की। करीमनगर के धर्मराजपल्ली गांव में औपचारिक रूप से योजना शुरू होने से पहले उसी वर्ष 12,000 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया गया था।

क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने 7,150 अतिरिक्त अपॉइंटमेंट जारी कीं

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। भारी मांग और अपॉइंटमेंट उपलब्धता में लंबे समय तक प्रतीक्षा करने के कारण, हैदराबाद में क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय ने 15 से 30 मई के बीच 7,150 अतिरिक्त अपॉइंटमेंट जारी करने का निर्णय लिया है। , क्षेत्रीय पासपोर्ट अधिकारी दसारी बलैया ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि ये अपॉइंटमेंट हैदराबाद (बेगमपेट, अमीरपेट और टोलीचौकी) में तीन और करीमनगर और निजामाबाद में एक-एक सहित सभी पांच पासपोर्ट सेवा केंद्रों (पीएसके) में उपलब्ध कराई जाएंगी। ये अतिरिक्त अपॉइंटमेंट तत्काल, सामान्य और पुलिस क्लीयरेंस सर्टिफिकेट श्रेणियों के लिए दी जाएंगी।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि शुक्रवार (12 मई) से प्रत्येक शुक्रवार और बुधवार को शाम 4.30 बजे नियुक्तियां जारी की जाएंगी। मिलने का समय या तो www.passportindia.gov.in पोर्टल या mPassportseva ऐप के माध्यम से निर्धारित किया जा सकता है।

पुलिस ने 150 किलो गांजे के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया

महबूबाबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। नेल्लीकुदुरु पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 150 किलोग्राम गांजा जब्त किया, जिसकी कीमत 46 लाख रुपये आंकी गई है। गिरफ्तार किए गए लोगों में पुजारी नरेश, जी. वेंकटेश और चिंताला अनिल थे, जो महबूबाबाद जिले के रहने वाले थे। मुख्य आरोपी जे. सुनील फरार है।

एसपी शरतचंद्र पवार ने कहा कि सुनील आदतन अपराधी है और भद्राचलम और सिलेरू इलाकों से गांजे की तस्करी कम दामों में खरीदकर हैदराबाद में ऊंचे दामों पर बेच रहा था। उन्हें 2019 और 2020 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था और उन्होंने जेल की सजा काट ली थी। सुनील ने अपने खेत के पास एक थंडा में सूखा गांजा रखा था। 10 मई को नरेश ने उससे संपर्क किया और हैदराबाद ले जाने के लिए सूखा गांजा खरीदने में दिलचस्पी दिखाई। इसके बाद, वेंकटेश और अनिल को दो कारों का उपयोग करके ड्रग्स के परिवहन कर रहा था एसपी ने कहा कि पुलिस ने श्रीरामगिरी चौराहे पर एक वाहन की तलाशी के दौरान वाहनों को रोक दिया। सुनील भागने में सफल रहा, जबकि तीन अन्य को हिरासत में ले लिया गया।

हड़ताली कनिष्ठ पंचायत सचिवों से कोई चर्चा नहीं : येर्राबेल्ली

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायतीराज मंत्री येर्राबेली दयाकर राव ने इन अटकलों का खंडन किया है कि राज्य सरकार ने चर्चा के लिए हड़ताली कनिष्ठ पंचायत सचिवों (जेपीएस) को बुलाया है और वह उन्हें हड़ताल वापस लेने के लिए मनाने की कोशिश कर रही है। गुरुवार को यहां एक विज्ञप्ति में मंत्री येर्राबेल्ली दयाकर राव ने स्पष्ट किया कि राज्य सरकार का जेपीएस को चर्चा के लिए बुलाने का कोई इरादा नहीं है, क्योंकि वे अपने सेवा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ हड़ताल पर हैं।

येर्राबेल्ली दयाकर राव ने कहा कि हड़ताली कनिष्ठ पंचायत सचिवों को राज्य सरकार या संबंधित विभाग द्वारा चर्चा के लिए आमंत्रित नहीं किया गया है। राज्य सरकार उनके साथ चर्चा कर रही है, यह अटकलें पूरी तरह से निराधार हैं। मंत्री ने एक बार फिर जेपीएस से अपनी चल रही हड़ताल को वापस लेने और ड्यूटी पर तुरंत शामिल होने की अपील की।

यह याद दिलाते हुए कि मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की कनिष्ठ पंचायत सचिवों के प्रति सकारात्मक राय है और उनके मुद्दों को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं, मंत्री ने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे हड़ताल में भाग लेकर सरकार का नाम खराब न करें और उन्हें ड्यूटी में तुरंत इसमें शामिल होने के लिए कहा।

महिला पर हमला करने वाला एसआई निलंबित

जगतियाल, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बस में महिला पर हमला करने के आरोप में पुलिस मुख्यालय से अटैच जगतियाल ग्रामीण उपनिरीक्षक ए. अनिल कुमार को गुरुवार को निलंबित कर दिया गया। मल्टी जोन-आई के आईजी चंद्रशेखर रेड्डी ने गुरुवार को एक जांच रिपोर्ट के आधार पर उन्हें निलंबित करने के आदेश जारी किए।

अनिल कुमार की पत्नी का मंगलवार को करीमनगर से जगतियाल जाते समय टीएसआरटीसी की बस में सीट बंटवारे को लेकर एक महिला शेख फरहा से बहस हो गई थी। एसआई की पत्नी ने उन्हें फोन पर घटना की जानकारी दी और जब बस जगतियाल पहुंची, तो एसआई बस में चढ़े और फरहा से पूछताछ की। महिला ने अपने मोबाइल फोन पर एपिसोड रिकॉर्ड किया, जिसे उसने उससे छीन लिया और कथित तौर पर उसे थप्पड़ मार दिया। एक अन्य पुलिस वाले ने फरहा की मां पर कथित तौर पर हमला किया।

इसके बाद फरहा ने जगतियाल टाउन पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। बुधवार को जिले भर में विरोध प्रदर्शन करने के अलावा, उसने एसपी ए. भास्कर से भी मुलाकात की और एसआई के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

आंप्र सरकार ने नए जिला सरकारी कर्मचारियों के लिए एचआरए बढ़ाया

अमरावती, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश सरकार ने आंध्र प्रदेश के नए प्रशासनिक केंद्रों में काम करने वाले अपने कर्मचारियों के लिए हाउस रेंट अलाउंस (एचआरए) बढ़ा दिया। सरकार ने एचआरए को 12 फीसदी से बढ़ाकर 16 फीसदी कर दिया है. पार्वतीपुरम, पदेरू, अमलापुरम, बापटला, राजमंड्री, भीमावरम, नरसरावपेटा, पुट्टपर्ती और रायचोटी के जिला कार्यालयों के कर्मचारी इस बढ़ोतरी के पात्र होंगे।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के निर्देश के बाद, वित्त के लिए विशेष मुख्य सचिव शमशेरसिंह रावत ने जीओ एमएस-69 जारी किया। आदेशों के अनुसार, 2022 के लिए वेतन संशोधन आयोग की सिफारिशों में एचआरए 12% पर दिया गया है, क्योंकि नए जिले और राजस्व मंडल 16% पर स्वीकृत होने वाले एचआरए के लिए जनसांख्यिकीय आवश्यकताओं को पूरा नहीं करते हैं।

हैदराबाद हवाई अड्डे को दुनिया के सबसे समयनिष्ठ हवाई अड्डे के रूप में मान्यता

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विमानन विश्लेषणात्मक फर्म सीरियम द्वारा हाल ही में जारी एक रिपोर्ट में, जीएमआर हैदराबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने मार्च 2023 के महीने के लिए 90.43 प्रतिशत ऑन-टाइम प्रदर्शन दर्ज किया। हैदराबाद एयरपोर्ट 90 फीसदी का आंकड़ा पार करने वाला दुनिया का इकलौता एयरपोर्ट है। सीरियम ने मार्च के महीने में वैश्विक स्तर पर 5 मिलियन से अधिक उड़ानों की समीक्षा की और हैदराबाद हवाईअड्डा 'वैश्विक हवाई अड्डों' और 'बड़े हवाईअड्डों' दोनों श्रेणियों में चार्ट में शीर्ष पर रहा।

नवंबर 2022 में हवाईअड्डे को 88.44 प्रतिशत ओटीपी के साथ 'बड़े हवाईअड्डों' की श्रेणी में चौथे स्थान पर रखा गया था। हवाईअड्डे का चयन वास्तविक गेट प्रस्थान सेवा के आधार पर किया गया था, जिसमें वास्तविक प्रस्थान समय का 80 प्रतिशत या बेहतर कवरेज है और कम से कम तीन क्षेत्रों (स्वयं के सहित) में सेवा करनी चाहिए। गौरतलब है कि अपनी स्थापना के बाद से, जीएमआर हैदराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ने देश में हवाईअड्डा क्षेत्र के लिए अपनी तरह के पहले तकनीकी नवाचारों की शुरुआत की है, जिसमें पहली बार एकीकृत और केंद्रीकृत हवाई अड्डा संचालन नियंत्रण केंद्र (एओसीसी) और इसकी एक श्रृंखला शामिल है। जीएचआईएएल की निर्बाध प्रक्रिया और परिचालन प्रक्रियाएं जैसे एक्सप्रेस सुरक्षा चेक-इन, सेल्फ चेक-इन कियोस्क, ई बोर्डिंग, वीडियो एनालिटिक्स आदि अपने एयरलाइन भागीदारों के लिए समय पर प्रदर्शन (ओटीपी) सुनिश्चित करें।

ग्रीन इंडिया चैलेंज में कपिल शर्मा ने की शिरकत

हैदराबाद, 11 मई (स्वतंत्र वार्ता)। लोकप्रिय स्टैंड-अप कॉमेडियन और 'द कपिल शर्मा शो' के होस्ट कपिल शर्मा ने ग्रीन इंडिया चैलेंज में भाग लिया और मुंबई गोरेगांव में दादासाहेब फाल्के चित्रांगरी फिल्म सिटी में ग्रीन इंडिया चैलेंज के संस्थापक और बीआरएस सांसद जे. संतोष कुमार के साथ पौधा लगाया। उन्होंने ग्रीन इंडिया चैलेंजको एक प्रभावशाली कार्यक्रम के रूप में वर्णित किया और कहा कि वह संतोष कुमार द्वारा शुरू की गई पहल से प्रभावित हुए हैं। कपिल शर्मा ने कहा कि इससे मुझे महसूस होता है कि हम अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी हैं। हम सभी को वृक्षारोपण कार्यक्रम को आगे बढ़ाने की आवश्यकता है क्योंकि यह हमारी जिम्मेदारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.